THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

epaper.vaartha.com
Vaartha Hindi
@Vaartha_Hindi
Vaartha official
www.hindi.vaartha.com

वर्ष-30 अंक : 222 (हैदराबाद, निजामाबाद, विशाखापट्टणम, तिरुपति से प्रकाशित) मार्गशीर्ष कृ.3/4 2082 शनिवार, 8 नवंबर-2025

प्रधान संपादक - डॉ. गिरीश कुमार संघी हैदराबाद नगर * पृष्ठ : 16 मूल्य : 8 रुपये

डीएमके की याचिका पर सुनवाई के लिए तैयार हुआ सुप्रीम कोर्ट

नई दिल्ली, 7 नवंबर (एजेंसियां)। तमिलनाडु की डीएमके सरकार ने राज्य में एसआईआर कराने के चुनाव आयोग के फैसले के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर की थी। अब सुप्रीम कोर्ट 11 नवंबर को इस याचिका पर सुनवाई के लिए सहमत हो गया है। डीएमके की तरफ से पेश हुए वरिष्ठ वकील विवेक सिंह ने मुख्य न्यायाधीश जस्टिस बीआर गवई और जस्टिस के विनोद चंद्रन की पीठ से याचिका पर तत्काल सुनवाई की मांग की, जिसके बाद पीठ ने याचिका को मंगलवार को सूचीबद्ध करने की बात कही। डीएमके के संगठन सचिव आरएस भारती ने चुनाव आयोग द्वारा तमिलनाडु में मतदाता सूची गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) कराने के फैसले के खिलाफ 3 नवंबर को सुप्रीम कोर्ट का रुख किया था।

चुनावी पारदर्शिता पर 'सुप्रीम' सख्ती

नामांकन पत्र में सजा छिपाने पर अमान्य होगा चुनाव

नई दिल्ली, 7 नवंबर (एजेंसियां)। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि अगर कोई उम्मीदवार अपने दोषसिद्धि की जानकारी नामांकन पत्र में नहीं देता, तो उसका चुनाव रद्द माना जाएगा। यह फैसला मध्य प्रदेश की एक नगर परिषद सदस्य पूनम के मामले में आया। पूनम को चेक बाउंस मामले में एक साल की सजा और मुआवजा देने का आदेश हुआ था। लेकिन उन्होंने यह जानकारी अपने नामांकन पत्र में छिपा ली। बाद में जब यह बात सामने आई, तो उन्हें नगर परिषद भिकनगांव की पार्षद पद से हटा दिया गया। सुप्रीम कोर्ट की जस्टिस पीएस नरसिम्हा और जस्टिस एएस चंदुरकर की पीठ ने कहा, अगर कोई उम्मीदवार अपनी सजा या दोषसिद्धि की जानकारी छिपाता है, तो यह मतदाताओं के स्वतंत्र और सूचित निर्णय लेने के अधिकार में बाधा है। ऐसी स्थिति में चुनाव अमान्य घोषित किया जाएगा।

सुप्रीम कोर्ट ने बिहार विधानसभा चुनाव में राजद उम्मीदवार श्वेता सुमन की याचिका सुनने से इनकार कर दिया। श्वेता ने अपने जाति प्रमाणपत्र को फर्जी बताकर नामांकन रद्द किए जाने के खिलाफ याचिका दाखिल की थी। मुख्य न्यायाधीश बीआर गवई और जस्टिस के. विनोद चंद्रन की बेंच ने कहा, एक बार जब चुनाव प्रक्रिया शुरू हो जाती है, तब अदालतें उसमें दखल नहीं दे सकतीं। अगर किसी को आपत्ति है, तो उसे चुनाव याचिका दाखिल करनी चाहिए।

इसके बाद श्वेता सुमन के वकील ने याचिका वापस ले ली और अदालत ने उन्हें कानूनी प्रक्रिया के तहत आगे कार्रवाई करने की अनुमति दे दी। यह मामला मोहनिया विधानसभा सीट (कैमूर, बिहार) का है, जो अनुसूचित जाति (एससी) के लिए आरक्षित है। चुनाव अधिकारी ने 22 अक्टूबर को श्वेता का नामांकन इसलिए खारिज किया क्योंकि सर्किल अधिकारी की रिपोर्ट के मुताबिक उनका जाति प्रमाणपत्र संदिग्ध था।

1937 में विभाजन के बीज बोए गए

पीएम मोदी बोले- वही सोच आज भी देश के लिए बड़ी चुनौती

नई दिल्ली, 7 नवंबर (एजेंसियां)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने आज राष्ट्रीय गीत 'वंदे मातरम' के 150 वर्ष पूरे होने पर एक वर्ष तक चलने वाले स्मरणोत्सव का शुभारंभ किया है। इस दौरान आयोजित कार्यक्रम को संबोधित करते हुए पीएम मोदी ने कहा कि वंदे मातरम, ये शब्द एक मंत्र है, एक ऊर्जा है, एक स्वप्न है, एक संकल्प है। वंदे मातरम, ये शब्द मां भारती की साधना है, मां भारती की आराधना है। वंदे मातरम, ये शब्द हमें इतिहास में ले जाता है, ये हमारे वर्तमान को नए आत्मविश्वास से भर देता है, और हमारे भविष्य को ये नया हौसला देता है कि ऐसा कोई संकल्प नहीं जिसकी सिद्धि न हो सके, ऐसा कोई लक्ष्य नहीं जिसे हम भारतवासी पा न सकें।

इस दौरान पीएम मोदी ने कहा, गुलामी के उस कालखंड में वंदे मातरम् इस संकल्प का उद्घोष बन गया था और वह उद्घोष था- भारत की आजादी का, मां भारती के हाथों से गुलामी की बेड़िया टूटेगी और उसकी संतानें स्वयं अपने भाग्य की भाग्य विधाता बनेगी। उन्होंने आगे कहा, गुलामी के कालखंड में जिस तरह अंग्रेज भारत को नीचा और पिछड़ा बताकर अपने शासन को सही ठहराते थे, इस पहली पंक्ति ने उस दुष्प्रचार को पूरी तरह से ध्वस्त कर दिया। इसलिए, 'वंदे मातरम' न केवल आजादी का गीत बना, बल्कि 'वंदे मातरम' ने करोड़ों देशवासियों के सामने स्वतंत्र भारत कैसा होगा, वह 'सुजलाम सुफलाम' सपना भी प्रस्तुत किया।

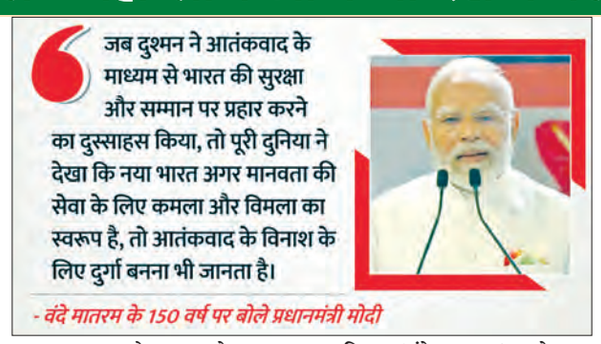

इस मौके पर पीएम मोदी ने कहा, 1927 में महात्मा गांधी ने कहा था 'वंदे मातरम' हमारे सामने पूरे भारत की एक ऐसी तस्वीर प्रस्तुत करता है जो अखंड है... हमारे राष्ट्रीय ध्वज में समय के साथ कई बदलाव हुए हैं, लेकिन तब से लेकर आज तक, जब भी राष्ट्रीय ध्वज फहराया जाता है, तो 'भारत माता की जय', 'वंदे मातरम' स्वतः ही हमारे मुंह से निकलता है। पीएम मोदी ने आगे कहा कि बीते वर्षों में दुनिया ने भारत के इसी स्वरूप का उदय देखा है। हमने विज्ञान और प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में अभूतपूर्व प्रगति की है। हम दुनिया की पांचवीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था के रूप में उभरे हैं और जब दुश्मन ने आतंकवाद के माध्यम से भारत की सुरक्षा और सम्मान पर प्रहार करने का दुस्साहस किया, तो पूरी दुनिया ने देखा कि नया भारत अगर मानवता की सेवा के लिए कमला और विमला का स्वरूप है, तो आतंकवाद के विनाश के लिए 10 प्रहर धारिणी दुर्गा बनना भी जानता है।

'ज्ञानेश कुमार, अच्छे से रिटायरमेंट नहीं ले पाओगे'

प्रियंका गांधी ने सीईसी को खुलेआम दी धमकी

पटना, 7 नवंबर (एजेंसियां)। बिहार में विधानसभा चुनाव के चलते सियासी पारा जोरों पर है। लेकिन इस बीच बिहार के रीगा में रैली करते हुए कांग्रेस सांसद प्रियंका गांधी ने बिहार की रैली में मंच से भाषण देते हुए खुलेआम मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार को धमकाया। उन्होंने साफ कहा कि ज्ञानेश कुमार, अगर आप सोचते हैं कि अच्छे से रिटायरमेंट ले पाओगे तो ऐसा नहीं होने वाला है। मैं जनता से कहती हूं कि आप ज्ञानेश कुमार का नाम कभी मत भूलना। प्रियंका ने ज्ञानेश कुमार के साथ एस.एस. संधू और विवेक जोशी का भी नाम लिया।

मंच से भाषण देते हुए प्रियंका गांधी ने कहा कि हरियाणा में कैसे वोट की चोरी हुई आप लोगों ने देखा। मैं आपसे कहती हूं कि आप तीन नाम याद कर लीजिए। ये नाम हैं ज्ञानेश कुमार, एस.एस. संधू और विवेक जोशी। हैरानी वाली बात है कि प्रियंका गांधी ने जब ये नाम एक-एक करके मंच से पढ़े तो रैली में मौजूद उनके समर्थकों ने चोर-चोर के नारे लगाए।

प्रियंका गांधी ने वोट चोरी के मुद्दे को दोहराते हुए कहा कि जनता हमारी मां है, मां बहुत उदार होती है। लेकिन अगर इसके साथ धोखा होगा तो ठीक नहीं होगा। जनता माफ नहीं करेगी। प्रियंका गांधी ने धमकी भरे अंदाज में कहा कि गड़बड़ी करने वाले ज्ञानेश कुमार, एस.एस. संधू और विवेक जोशी का नाम जनता कभी भूलने वाली नहीं है। ये लोग रिटायरमेंट लेकर शांति रह पाएंगे, अगर वे ऐसा सोचते हैं तो ये विचार करना छोड़ दें।

'आवारा पशुओं को सड़कों-हाईवे से हटाएं'

सुप्रीम कोर्ट का राज्यों-एनएचएआई और निकायों को निर्देश

नई दिल्ली, 7 नवंबर (एजेंसियां)। सुप्रीम कोर्ट ने आवारा कुत्तों के मामले में सुनवाई करते हुए सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों को अहम निर्देश जारी किया है। कोर्ट ने कहा है कि सभी आवारा पशुओं को सड़कों, राज्य के हाईवे और राष्ट्रीय राजमार्गों से हटाया जाए। सर्वोच्च न्यायालय ने इसे लेकर राज्यों के साथ-साथ राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (एनएचएआई) और नगरपालिकाओं को भी निर्देश जारी किया है।

इतना ही नहीं कोर्ट ने निर्देश दिया है कि आवारा पशुओं को हटाने के लिए हाईवे निगरानी टीमें बनाई जाएं जो उन्हें पकड़ कर सड़कों से हटाएगी और शेल्टर होम्स में रखेगी। शीर्ष अदालत ने अपने आदेश में आगे आवारा कुत्तों के मुद्दे पर भी आदेश जारी किया। कोर्ट ने कहा कि सभी शिक्षण संस्थानों, अस्पतालों, बस और रेलवे स्टेशनों से आवारा कुत्तों को हटाया जाए और उन्हें शेल्टर होम में जगह दी जाए। >14

'वंदे मातरम की ध्वज वाहक है कांग्रेस'

नई दिल्ली, 7 नवंबर (एजेंसियां)। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने शुक्रवार अपने एक बयान में कहा कि कांग्रेस पार्टी राष्ट्रीय गीत वंदे मातरम की गर्वित ध्वज वाहक है। राष्ट्रीय गीत वंदे मातरम के 150 साल पूरे होने के अवसर पर खड़गे ने कहा कि वंदे मातरम ने ही देश की सामूहिक आत्मा को जगाया और देश की आजादी का बुलंद नारा बन गया। वंदे मातरम देश की एकता में अनेकता की भावना को दर्शाता है।

भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस वंदे मातरम की गर्वित ध्वजवाहक रही है। साल 1896 में कलकत्ता में कांग्रेस के अधिवेशन के दौरान तत्कालीन कांग्रेस अध्यक्ष रहमतुल्लाह सयानी के नेतृत्व में गुरुदेव रवींद्रनाथ टैगोर ने पहली बार सार्वजनिक रूप से वंदे मातरम गाया था।

उस पल ने आजादी की लड़ाई में नई जान फूंक दी। कांग्रेस समझ गई थी कि ब्रिटिश साम्राज्य की फूट डालो और राज करो की नीति, धार्मिक, जातिगत और क्षेत्रीय पहचानों का इस्तेमाल करके, भारत की एकता को तोड़ने के लिए बनाई गई थी।

रिलायंस पावर लिमिटेड का 68 करोड़ का जाली बैंक गारंटी केस

सरकार को 100 करोड़ से अधिक की चपत, एक गिरफ्तार

नई दिल्ली, 7 नवंबर (एजेंसियां)। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने 6 नवंबर को धन शोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए), 2002 के प्रावधानों के तहत अमर नाथ दत्ता को गिरफ्तार किया है। उन्हें 68 करोड़ रुपये से अधिक की जाली बैंक गारंटी (बीजी), जाली बीजी समर्थन और रिलायंस पावर लिमिटेड की सहायक कंपनी द्वारा सोलर एनर्जी कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड (एसईसीआई) को फर्जी एसएफएमएस पुष्टिकरण जमा करने से जुड़ी मनी-लॉन्ड्रिंग जांच के सिलसिले में गिरफ्तार किया गया है।

वह व्यापार वित्तपोषण में परामर्श सेवाएं प्रदान करने का दावा करता है। वर्तमान मामले में, वह कोलकाता निवासी है, जिसने फर्जी बीजी प्रदान करने में अशोक पाल और पार्थ सारथी बिस्वाल के साथ सक्रिय भूमिका निभाई थी। आरोपी को अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश-04, पटियाला हाउस कोर्ट, नई दिल्ली की अदालत में पेश किया गया।

ईडी ने इस मामले में दर्ज 3 एफआईआर के आधार पर उक्त केस की जांच शुरू की थी। दिल्ली पुलिस की आर्थिक अपराध शाखा (ईओडब्ल्यू) में एसईसीआई द्वारा दर्ज एफआईआर संख्या 0079/2025 भी शामिल है। >14

विशेष व्याख्यान श्रृंखला को संबोधित करेंगे आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत

दक्षिण भारत के लगभग 1200 प्रतिष्ठित व्यक्तियों को निमंत्रण

बेंगलुरु, 7 नवंबर (एजेंसियां)। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) ने गत विजयादशमी, 2 अक्टूबर 2025 को अपने सौ वर्ष पूरे कर लिए है। शताब्दी वर्ष के दौरान, देश भर में विजयादशमी समारोह, युवा सम्मेलन, घर-घर संपर्क, हिंदू सम्मेलन, सामाजिक सद्भाव समावेश और गणमान्य नागरिकों के साथ विचार-विमर्श जैसी विभिन्न गतिविधियां आयोजित की गई हैं।

संघ ने अपने 100वें वर्ष में भी समाज के प्रतिष्ठित व्यक्तियों, नीति निर्माताओं और सामाजिक कार्यकर्ताओं के साथ अपना संवाद जारी रखा है। इसी के तहत आगामी 8 और 9 नवंबर को कर्नाटक की राजधानी बेंगलुरु में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सरसंघचालक डॉ। मोहन भागवत एक विशेष व्याख्यान श्रृंखला को संबोधित करेंगे। 'संघ की 100 वर्ष यात्राः नए क्षितिज' श्रृंखला का दूसरा व्याख्यान शनिवार और रविवार को बेंगलुरु के बनशंकरी में होसाकेरेहल्ली रिंग रोड स्थित पीईएस विश्वविद्यालय में आयोजित किया जाएगा।

8 और 9 नवंबर, 2025 को यह कार्यक्रम, जो केवल आमंत्रित अतिथियों के लिए खुला है और इसमें लगभग 1,200 प्रतिष्ठित व्यक्तियों को आमंत्रित किया गया है। इनमें मुख्यतः कर्नाटक, आंध्र प्रदेश, तेलंगाना, तमिलनाडु और केरल के लोग शामिल हैं। शिक्षा, साहित्य, संस्कृति, कला, विज्ञान, प्रशासन, पत्रकारिता, खेल, उद्योग, समाज सेवा, अध्यात्म सहित समाज के लगभग सभी क्षेत्रों के विशिष्ट व्यक्तियों को इस व्याख्यान में आमंत्रित किया गया है।

4 शहरों में होना है कार्यक्रम

शताब्दी वर्ष में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ सरसंघचालक डॉ। मोहन भागवत देश के चार स्थानों (नई दिल्ली, बेंगलुरु, मुंबई और कोलकाता) में संघ की 100 वर्ष यात्राः नए क्षितिज शीर्षक से ये व्याख्यान श्रृंखलाएं आयोजित करेंगे। पहला व्याख्यान 26, 27 और 28 अगस्त, 2025 को नई दिल्ली मे आयोजित किया गया था। अब दूसरा व्याख्यान बेंगलुरु में आयोजित किया जा रहा है।

रिटायर्ड फौजी ने लाइसेंसी रिवाल्वर से गोली मारकर की आत्महत्या

गुरुग्राम, 7 नवंबर (एजेंसियां)। गुरुग्राम में साइबर सिटी स्थित साउथ सिटी-2 बी ब्लॉक स्थित ग्रामीण बैंक की ब्रांच के पीछे रिटायर्ड फौजी ने लाइसेंसी रिवाल्वर से गोली मारकर आत्महत्या कर ली। गोली की आवाज सुनकर आसपास के लोग मौके पर पहुंचे तो सड़क पर उनका खून से लथपथ शव पड़ा मिला। कंट्रोल रूम की सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची और जांच पड़ताल के बाद शव को कब्जे में लेकर पोस्टमॉर्टम के लिए भिजवाया।

उनके बैग से पुलिस को सुसाइड नोट बरामद हुआ है। मृतक की पहचान टिकली निवासी 55 वर्षीय अशोक कुमार के रूप में हुई है। अशोक सर्व हरियाणा ग्रामीण बैंक की इसी ब्रांच में करीब आठ साल तक सिक्योरिटी गार्ड रहे थे। करीब डेढ़ साल से उनकी नौकरी छूट गई थी। तब से बेरोजगार चल रहे थे। परिवार में पत्नी व दो बेटे हैं।

बांधवगढ़ के पनपथा गांव में बाघों की दहशत

उमरिया, 7 नवंबर (एजेंसियां)। उमरिया जिले के बांधवगढ़ टाइगर रिज़र्व से सटे पनपथा गांव के सरैया टोला में अफरा-तफरी मच गई जब रहवासी इलाके में एक नहीं बल्कि दो बाघों की मौजूदगी देखी गई। अचानक बाघों को बस्ती की ओर बढ़ते देख ग्रामीणों में दहशत फैल गई और लोग अपने घरों में दुबक गए। स्थानीय लोगों के मुताबिक दोनों बाघ गांव के ही गेन्दिया सिंह के मवेशी पर हमला करने के बाद बस्ती की ओर बढ़ गए थे। बताया गया कि बाघों ने मवेशी का शिकार कर उसे निवाला बनाया। घटना की जानकारी मिलते ही आसपास के ग्रामीण मौके पर पहुंचे और शोर मचाकर बाघों को खदेड़ने की कोशिश की। लोगों ने बर्तनों की खड़खड़ाहट और तेज आवाज़ों से किसी तरह दोनों बाघों को जंगल की ओर भगा दिया।

हालांकि इस दौरान गांव में काफी देर तक अफरातफरी का माहौल बना रहा। घटना की सूचना मिलते ही वन विभाग और बांधवगढ़ पार्क की टीम मौके पर पहुंची। टीम ने घटनास्थल का निरीक्षण किया और ग्रामीणों से बातचीत की। वन अधिकारियों ने बताया कि बाघों की गतिविधियां इस क्षेत्र में लगातार बढ़ रही हैं, इसलिए ग्रामीणों को सतर्क रहने की सलाह दी गई है। टीम ने इलाके में गश्त बढ़ा दी है और कैमरा ट्रैप लगाकर बाघों की मूवमेंट पर नज़र रखी जा रही है।

सुपर स्पेशियलिटी अस्पताल की लिफ्ट में फंसी महिला ने तोड़ा दम

जम्मू, 7 नवंबर (एजेंसियां)। बीते एक नवंबर को पति के साथ सुपर स्पेशियलिटी हॉस्पिटल में एंजियोग्राफी कराने पहुंची तालाब तिल्लो निवासी कंचन अरोड़ा (58) लिफ्ट में फंस जाने के बाद घायल हो गई थीं। वीरवार देर शाम उनकी मौत हो गई। मौत की खबर के बाद मौके पर पहुंचे परिजन ने अस्पताल प्रबंधन पर लापरवाही के आरोप लगाते हुए जांच की मांग की। मृतक महिला कंचन की ननद प्रतिभा दुग्गल ने बताया कि तालाब तिल्लो के उदयवाला निवासी भाई पंकज को हार्ट में समस्या थी। एक नवंबर को भाभी कंचन के साथ अस्पताल दिखाने पहुंची थीं।

लिफ्ट में ऊपर जाते समय वह फंसकर गिर गईं। इससे उनको अंदरूनी चोटें आईं। अस्पताल में ही उनको भर्ती कराया गया जहां उनका इलाज चल रहा था। जिस समय सुबह घटना हुई, लिफ्ट में कोई गार्ड या लिफ्ट अटेंडेंट नहीं था। वीरवार शाम भाभी कंचन ने दम तोड़ दिया। पूरे मामले में परिजन ने अस्पताल प्रबंधन पर लापरवाही और घटना छिपाने के आरोप लगाते हुए अस्पताल परिसर में जमकर हंगामा किया।

एआईएडीएमके में गहराई अंदरूनी कलह

निष्कासित नेता सेंगोत्तैयन के 14 समर्थकों को पार्टी से निकाला

चेन्नई, 7 नवंबर (एजेंसियां)। तमिलनाडु में अगले साल विधानसभा चुनाव होने हैं, लेकिन मुख्य विपक्षी पार्टी एआईएडीएमके में अंदरूनी कलह बढ़ती ही जा रही है। शुक्रवार को एआईएडीएमके नेतृत्व ने पार्टी से निष्कासित नेता के ए सैंगोत्तैयन के 14 समर्थकों को भी पार्टी से बाहर कर दिया। पार्टी की प्राथमिक सदस्यता से बर्खास्त किए गए नेताओं में एक पूर्व सांसद वी सत्यभामा भी शामिल हैं। बयान में कहा गया है कि पार्टी विरोधी गतिविधियों में शामिल होने के चलते के ए सैंगोत्तैयन के समर्थकों के खिलाफ यह कार्रवाई की गई है।

पार्टी के विभिन्न गुटों को एक करने की कोशिश कर रहे सैंगोत्तैयन

सेंगोत्तैयन विधानसभा चुनाव से पहले एआईएडीएमके के विभिन्न गुटों को एक करने की कोशिश कर रहे थे। बताया जा रहा है कि पार्टी से निकाले गए 14 नेता भी सेंगोत्तैयन का साथ दे रहे थे। एआईएडीएमके महासचिव एडप्पादी पलानीस्वामी ने इन 14 सदस्यों को हटाने का आदेश दिया है। यह कदम पूर्व मंत्री सेंगोत्तैयन के खिलाफ शुरू की गई अनुशासनात्मक कार्रवाई के बाद उठाया गया है। सेंगोत्तैयन ने हाल ही में पार्टी से हटाए गए नेताओं ओ पनीरसेल्वम, वी के शशिकला और उनके भतीजे टी टी वी दिनाकरन से मुलाकात की थी। बीते दिनों जब एआईएडीएमके ने सेंगोत्तैयन को पार्टी से निकाला तो टीटीवी दिनाकरन ने पार्टी महासचिव ईके. पलानीस्वामी पर निशाना साधा था। उन्होंने चेतावनी दी कि आने वाले 2026 के विधानसभा चुनाव में जनता पलानीस्वामी को सबक सिखाएगी। एआईएडीएमके ने भी अब पलटवार किया है।

एआईएडीएमके का टीटीवी दिनाकरन पर निशाना

एआईएडीएमके नेता और विपक्षी उप-नेता आर. बी. उदयकुमार ने पार्टी से निष्कासित चल रहे नेता टीटीवी दिनाकरन पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि, 'टीटीवी दिनाकरन का दावा है कि एआईएडीएमके विधायक पी.एच. मनोज पांडियन ई पलानीस्वामी की वजह से डीएमके में शामिल हुए। लेकिन क्या दिनाकरन ने कभी सोचा है कि सेंथिल बालाजी, मरियाप्पन केनेडी और पलानीअप्पन जैसे कई अहम नेता जो कभी उनके साथ थे, वे सब उन्हें छोड़कर क्यों चले गए? टीटीवी दिनाकरन ही वह व्यक्ति है जिसने सत्ता हथियाने और एआईएडीएमके पर कब्जा करने की कोशिश की। वही वह व्यक्ति है जिसने पार्टी को अस्थिर करने की कोशिश की।

लेकिन दिनाकरन की योजना कभी भी एआईएडीएमके महासचिव पलानीस्वामी के खिलाफ काम नहीं आई। इसी निराशा और लाचारी में वह अब ये सब बयान दे रहे हैं।' उन्होंने कहा कि, 'टीटीवी दिनाकरन ही वह व्यक्ति है जिसे जयललिता ने खुद पार्टी से निकाल दिया था और उन्हें उनके सामने खड़े होने से भी रोक दिया था। दिनाकरन अब एआईएडीएमके और उसके वफादार कार्यकर्ताओं के बारे में झूठी और बदनाम करने वाली बातें फैला रहे हैं। बदनामी फैलाना ही उनका एकमात्र काम बन गया है।'

मुंबई एयरपोर्ट पर कस्टम विभाग की बड़ी कार्रवाई

लगभग 18 करोड़ का ड्रग्स और सोना बरामद

मुंबई, 7 नवंबर (एजेंसियां)। छत्रपति शिवाजी महाराज इंटरनॅशनल एयरपोर्ट (सीएसएमआईए) पर कस्टम विभाग ने एक ही दिन में तीन अलग-अलग कार्रवाइयों में ड्रग्स और सोना बरामद किया है। अधिकारियों ने बताया कि ये कार्रवाई 5, नवंबर, 2025 की ड्यूटी के दौरान की गई। जिसमें कुल तीन केस दर्ज किए गए हैं। पहले मामले में कस्टम अधिकारियों ने बैंकॉक से मुंबई आने वाली फ्लाइट एसएल218 से पहुंचे एक यात्री को पकड़ा है। जांच के दौरान उसके ट्रॉली बैग में छिपाकर रखी गई हाइड्रोपोनिक वीड (मारिजुआना) बरामद की गई है। बरामद ड्रग्स की अंतरराष्ट्रीय बाजार में कीमत करीब 5.92 करोड़ रुपये बताई जा रही है।

अधिकारी के मुताबिक यह सामान बैग के अंदर बेहद चालाकी से छिपाया गया था। आरोपी को गिरफ्तार कर एनडीपीएस एक्ट, 1985 के तहत कार्रवाई की गई है। दूसरे मामले में भी बैंकॉक से आने वाली फ्लाइट एआई2338 के दो यात्रियों को कस्टम

टीम ने रोका। जांच के दौरान दोनों के बैग में रखे चॉकलेट और चिप्स के पैकेट से 12.017 किलो हाइड्रोपोनिक वीड बरामद हुई। इसकी अंतरराष्ट्रीय बाजार में कीमत करीब 12.01 करोड़ रुपये आंकी गई है। दोनों यात्रियों को भी गिरफ्तार कर एनडीपीएस कानून के तहत केस दर्ज किया गया है। तीसरे मामले में दुबई से मुंबई पहुंची फ्लाइट एआई2202 के एक यात्री को रोककर तलाशी ली गई।

जांच में यात्री के शरीर पर छिपाकर रखे गए 24 कैरेट के 8 सोने के कड़े (ब्रेसलेट) बरामद हुए। बरामद सोने का वजन 225 ग्राम और कीमत करीब 25.64 लाख रुपये बताई गई है। सोना जब्त कर संबंधित यात्री के खिलाफ आगे की जांच शुरू कर दी गई है।

अजित पवार के बेटे पार्थ की बढ़ीं मुश्किलें

1800 करोड़ की जमीन 300 करोड में खरीदने का आरोप, जांच के आदेश दिए गए

पुणे, 7 नवंबर (एजेंसियां)। महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री अजीत पवार के बेटे पार्थ पवार पर जमीन घोटाले के गंभीर आरोप लगने के बाद राज्य की राजनीति में भूचाल आ गया है। पुणे के कोरेगांव पार्क इलाके की एक विवादित जमीन के सौदे को लेकर विपक्ष ने अजीत पवार के इस्तीफे की मांग तेज कर दी है। बता दें कि पुणे में 1,800 करोड़ की जमीन डील पर घोटाले का आरोप लगा है। सूत्रों के मुताबिक, पार्थ पवार अमेडिया होल्डिंग्स एलएलपी नामक कंपनी के निदेशक हैं। आरोप है कि इस कंपनी ने मुंढवा इलाके में 16।19 हेक्टेयर (करीब 40 एकड़) जमीन मात्र 300 करोड़ रुपये में खरीदी, जबकि उस जमीन की बाजार कीमत करीब 1,800 करोड़ रुपये बताई जा रही है।

साथ ही, 21 करोड़ रुपये की स्टाम्प ड्यूटी के स्थान पर सिर्फ 500 में यह सौदा दर्ज कराने का आरोप भी लगाया गया है। सूत्रों के मुतबिक, फिलहाल कंपनी के कानूनी अधिकार के रूप में दिग्विजय पाटिल पर मामला दर्ज किया गया है, लेकिन आगे की जांच में मुख्य कंपनी में पद पर रहे पार्थ पवार पर भी मामला दर्ज होने की संभावना है। पार्थ पवार ने जिस कंपनी के माध्यम से सरकारी जमीन खरीदी, उस कंपनी में वे पद पर थे। इसलिए पार्थ पवार पर भी मामला दर्ज होने की संभावना जताई जा रही है। जांच में पार्थ पवार का नाम सामने आने पर एफआईआर में उनका नाम जोड़ा जा सकता है, जिसके आधार पर उनके खिलाफ कार्रवाई हो सकती है। साथ ही अतिरिक्त चार्जशीट में भी नाम का उल्लेख हो सकता हैं। सूत्रों के मुताबिक, अभी पुणे जमीन घोटाले में 2 अलग अलग पुलिस स्टेशन में मामला दर्ज हुआ हैं।

इस पूरे विवाद पर राज्य के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने नागपुर में मीडिया से कहा- "मैंने रेवेन्यू और लैंड रिकॉर्ड विभाग से पूरी रिपोर्ट तलब की है। जांच के आदेश दे दिए गए हैं। अगर किसी भी स्तर पर अनियमितता पाई जाती है, तो कठोर कार्रवाई होगी।" मीडिया ने जब इस मामले पर उपमुख्यमंत्री अजीत पवार से सवाल किया, तो उन्होंने कोई प्रतिक्रिया नहीं दी। वहीं पार्थ पवार की ओर से कहा गया है कि "कंपनी की सभी डील कानूनी हैं, कोई घोटाला नहीं हुआ। हमारी लीगल टीम जल्द जवाब देगी।"

पराली जलाने का सिलसिला जारी, एक दिन में 351 घटनाएं आईं सामने. फिर बढ़े मामले

पटियाला, 7 नवंबर (एजेंसियां)। वर्षा से थमा पंजाब में पराली जलाने का सिलसिला फिर बढ़ता जा रहा है। वीरवार को एक बार फिर पराली जलाए जाने की घटनाओं ने तेजी पकड़ी। राज्य में पराली जलाए जाने की कुल 351 घटनाएं हुईं। इसका परिणाम यह रहा कि मंडी गोबिंदगढ़ में एक्यूआइ जहां 233 (खराब) दर्ज किया गया, वहीं बाकी प्रमुख शहरों में यह संतोजनक श्रेणी में रहा।

वीरवार को राज्य में पराली जलाए जाने की 351 घटनाओं के साथ आंकड़ा 3,284 तक पहुंच गया है। सबसे ज्यादा 46 घटनाएं मोगा में दर्ज की गईं। इसके बाद मुक्तसर में 40, संगरूर में 31, लुधियाना में 29, तरनतारन और फिरोजपुर में 28-28 और बठिंडा में 27 घटनाएं हुईं। इस वर्ष छह नवंबर तक राज्य में पराली जलाए जाने की जहां कुल 3284 घटनाएं हुईं हैं,

उत्कल बिल्डर्स पर चौथे दिन भी आयकर का छापा

ढाई करोड़ नकद, बोरे भर जाली दस्तावेज जब्त

भुवनेश्वर, 7 नवंबर (एजेंसियां)। उत्कल बिल्डर्स पर आयकर विभाग की कार्रवाई आज चौथे दिन भी जारी है। आयकर चोरी के मामले में ओडिशा और पश्चिम बंगाल स्थित उत्कल बिल्डर्स के चार निदेशकों—संदीप कुमार बेद, अमित बेद, राकेश भूरा और अंजना देवी भूरा—से आज सुबह से ही कड़ी पूछताछ की जा रही है। इस वजह से कंपनी के पार्टनरों की बेचैनी काफी बढ़ गई है। आयकर चोरी की जांच के तहत विभाग की टीमों ने ओडिशा और पश्चिम बंगाल में उत्कल बिल्डर्स के 14 ठिकानों पर छापेमारी की है। कार्रवाई के दौरान ढाई करोड़ रुपये से अधिक नकद और बड़ी मात्रा में जाली कागजात जब्त किए जाने की सूचना मिली है। इन्हें लेकर आयकर विभाग ने कंपनी के मालिकों और अकाउंटेंट्स से लंबी पूछताछ कर रही है। सूत्रों के अनुसार, विभाग को कई दिनों से जानकारी मिल रही थी कि कंपनी बड़े पैमाने पर आयकर चोरी कर रही है। योजना के अनुसार मंगलवार सुबह लगभग 120 अधिकारियों वाली 14 टीमों ने भुवनेश्वर के बरमुण्डा, शहीदनगर, कल्पना, पटिया समेत कई स्थानों तथा राज्य के बाहर भी एक साथ छापा मारा। छापेमारी के दौरान अलग–अलग कार्यालयों से बोरे–बोरे भरकर जाली दस्तावेज बरामद किए गए। जांच में यह सामने आया कि कंपनी आयकर चोरी के लिए ये नकली कागजात तैयार कर रही थी।

आयकर विभाग ने जो अनुमान पहले लगाया था, उससे कहीं बड़ी धोखाधड़ी सामने आई है। अब तक की कार्रवाई में विभाग ने कुल मिलाकर करोड़ों रुपये नकद जब्त किए हैं। एक अधिकारी के अनुसार छापेमारी और कम से कम तीन दिन और चल सकती है। अधिकारियों का अनुमान है कि जांच पूरी होने पर जब्त की गई नकदी और धोखाधड़ी की कुल राशि और भी बढ़ सकती है।

नौसेना में शामिल हुआ सबसे बड़ा सर्वे शिप 'इक्षक'

कोच्चि, 7 नवंबर (एजेंसियां)। भारतीय नौसेना की तरकश में एक और तीर आ गया है। नौसेना का पहला बड़ा सर्वेक्षण पोत आईएनएस इक्षक आज नौसेना में शामिल हो गया है। कोच्चि के नेवल बेस पर नौसेना प्रमुख एडमिरल दिनेश के। त्रिपाठी की मौजदूगी में इसे पानी में उतारा गया। इस मौके पर नौसेना प्रमुख एडमिरल दिनेश त्रिपाठी ने कहा कि आईएनएस इक्षक जैसे सर्वेक्षण जहाज नौसंचालन और सुरक्षित बनाने के लिए महत्वपूर्ण है। दक्षिणी नौसेना कमान में तैनात होनेवाले पहले पोत के रूप में इक्षक नौसेना की जल सर्वेक्षण क्षमताओं को बढ़ाने का काम करेगी। यह पोत सर्वे वेसल (लार्ज) वर्ग का तीसरा जहाज है, जो नौसेना में कमीशन हुआ है। इक्षक नाम का अर्थ है 'मार्गदर्शक। सही मायने में यह अपने नाम के अनुसार आईएनएस इक्षक सभी नौसैनिकों के लिए एक मार्गदर्शक है। यह भारत के विशाल समुद्री क्षेत्रों का मानचित्रण करने, नाविकों के लिए सुरक्षित मार्ग सुनिश्चित करने और भारत की समुद्री शक्ति को बढ़ाने के लिए समर्पित होगा। सीधे शब्दों में समझे तो इसमें ऐसे आधुनिक सर्वेक्षण और नेविगेशन प्रणालियां लगे हैं, जो अनजान गहरे समुद्र और तटीय क्षेत्रों का सटीक मानचित्रण करने और समुद्री मानचित्रों की सटीकता सुनिश्चित करती है।

यह समुद्र के भीतर हिमखंडों सहित पानी के नीचे की बाधाओं की पहचान करती है। उनके लिए सुरक्षित रास्ता बनाने में मदद करता है। इस पोत का निर्माण कोलकात्ता के गार्डन रीच शिप बिल्डर्स एंड इंजीनियर्स लिमिटेड ने किया है। इस युद्धपोत का डिज़ाइन नौसेना के शिप प्रोडक्शन निदेशालय और वॉरशिप ओवरसीइंग टीम कोलकात्ता के देखरेख में हुआ है। इसका 80 फीसदी हिस्सा देश में ही बनकर तैयार हुआ है। इक्षक युद्धपोत का निर्माण रक्षा क्षेत्र में भारत की बढ़ती आत्मनिर्भरता का उदाहरण है। इस युद्धपोत को बंदरगाहों, हार्बर और नौवहन चैनलों के विस्तृत तटीय और गहरे पानी के हाइड्रोग्राफिक सर्वेक्षण करने के लिए बनाया गया है। इससे प्राप्त डेटा समुद्र में सुरक्षित नौवहन सुनिश्चित करने में सहायक होगा।

15 लाख से ज्यादा केस पेंडिंग

दिल्ली की निचली अदालतों में क्यों हो रही न्याय में देरी?

नई दिल्ली, 7 नवंबर (एजेंसियां)। जब कोई कानून टूटता है, तो लोग न्यायालय की चौखट इसलिए खटखटाते हैं कि उन्हें न्याय मिलेगा- और मिलता भी है। मगर जरा ठहरकर सोचिए कि अगर न्याय मिलने में ही बरसों बीत जाए, तो क्या उसे सचमुच न्याय कहा जा सकता है? ऐसा इस लिए क्योंकि दिल्ली की निचली अदालतों में न्याय की राह बेहद लंबी हो चुकी है। राजधानी की अदालतों में फिलहाल करीब 15.6 लाख मुकदमे लंबित हैं,

जबकि इन्हें सुनने के लिए सिर्फ 700 जज उपलब्ध हैं। इनमें 13.5 लाख आपराधिक और 2.18 लाख सिविल केस शामिल हैं। इसका मतलब है कि हर जज के पास औसतन 2,200 मामलों का बोझ है। बढ़ती जनसंख्या, लगातार दर्ज हो रहे नए केस और सीमित न्यायिक संसाधनों के कारण यह संकट और गहराता जा रहा है। दिल्ली की अदालतों में हर साल जितने केस निपटाए जा रहे हैं, उससे कहीं तेजी से नए केस दाखिल हो रहे हैं। वर्ष 2018 में जहां 3.78 लाख केस निपटाए गए, वहीं 2024 में यह आंकड़ा 7.96 लाख तक पहुंच गया। लेकिन इसी अवधि में

नए केसों की संख्या दोगुनी होकर 4.84 लाख से बढ़कर 10.2 लाख हो गई। 2018 से 2025 के बीच हर साल औसतन 1.3 लाख मामलों का अंतर दर्ज हुआ है यानी जितने केस खत्म हुए, उससे कहीं अधिक नए दाखिल हो गए। इसका असर यह हुआ कि अदालतों पर बोझ लगातार बढ़ता गया। हर दिन करीब 28,000 मामलों की सुनवाई 700 जजों द्वारा की जाती है, यानी प्रत्येक जज औसतन 40 केस प्रतिदिन सुन रहा है। कुछ जजों के पास 10,000 से अधिक लंबित मामले हैं और वे एक दिन में 150 से अधिक केस सुनते हैं, जबकि कुछ जज केवल चार से पांच केस ही निपटाते हैं- यह अंतर केस के प्रकार और अदालत के स्वरूप पर निर्भर करता है।

किस तरह के केस अटके हुए हैं

लंबित मामलों में सबसे बड़ा हिस्सा चेक बाउंस मामलों का है, जो 5.5 लाख से अधिक (37%) हैं। वहीं डिजिटल ट्रैफिक कोर्ट में लंबित चालान से जुड़े मामलों की संख्या 1.5 लाख (10%) है। बलात्कार, हत्या या गंभीर अपराधों से जुड़े केस कुल लंबित मामलों का 1% से भी कम हैं। दिल्ली की अदालतों में लंबित मामलों में से दो-तिहाई 2023 से 2025 के बीच दाखिल हुए हैं, जबकि 94% केस 2018 के बाद के हैं। 2017 से पहले के केस केवल 6% हैं। दिलचस्प बात यह है कि राजधानी में दो सबसे पुराने केस वर्ष 1969 के हैं। कुछ अदालतें पूरी तरह से चेक बाउंस मामलों पर केंद्रित हैं, जहां जज औसतन 120 केस रोज सुनते हैं।

कानून के अनुसार ऐसे मामलों का निपटारा छह माह में होना चाहिए, लेकिन बढ़ते बोझ के कारण कई बार एक सुनवाई से दूसरी के बीच पूरा एक साल का अंतर पड़ जाता है। वहीं, एक अदालत सिर्फ डीएचएफएल बैंक धोखाधड़ी मामले (34,000 करोड़) की सुनवाई में लगी है।

दिल्ली एयरपोर्ट पर थमी उड़ानों की रफ्तार

नई दिल्ली, 7 नवंबर (एजेंसियां)। दिल्ली के इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे (आईजीआईए) पर शुक्रवार सुबह अफरा-तफरी का माहौल देखने को मिला, जब एयर ट्रैफिक कंट्रोल (एटीसी) सिस्टम में आई तकनीकी खराबी के कारण 100 से ज्यादा उड़ानें देरी से रवाना हुईं। देश के सबसे व्यस्त हवाई अड्डे पर उड़ानों की रफ्तार अचानक थम जाने से यात्रियों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ा। सूत्रों के मुताबिक, एयर ट्रैफिक कंट्रोल सिस्टम में गुरुवार शाम से ही तकनीकी समस्या चल रही थी, जो शुक्रवार सुबह तक बनी रही।

इस वजह से उड़ानों के लिए जरूरी फ्लाइट प्लान ऑटोमैटिक तरीके से प्राप्त नहीं हो पा रहे थे। आमतौर पर ये जानकारी 'ऑटोमैटिक मैसेज स्विचिंग सिस्टम' (एएमएस) के जरिए 'ऑटो ट्रैक सिस्टम' (एएमएस) को भेजी जाती है, लेकिन सिस्टम में आई गड़बड़ी के कारण यह प्रक्रिया बाधित हो गई। इस स्थिति पर दिल्ली एयरपोर्ट प्राधिकरण ने बयान जारी करते हुए कहा कि एयर ट्रैफिक कंट्रोल सिस्टम में तकनीकी समस्या के कारण इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर उड़ानों में देरी हो रही है। हमारी टीम सभी संबंधित एजेंसियों, जिसमें डायल भी शामिल है, के साथ मिलकर इसे जल्द से जल्द ठीक करने में जुटी है। यात्रियों से अनुरोध है कि वे अपनी उड़ानों की नवीनतम जानकारी के लिए संबंधित एयरलाइंस से संपर्क बनाए रखें।

असुविधा के लिए हमें खेद है। हालात को संभालने के लिए एयर ट्रैफिक कंट्रोलर अब फ्लाइट प्लान्स को मैन्युअल तरीके से तैयार कर रहे हैं, जिससे काफी समय लगता है। इसकी वजह से कई उड़ानें शेड्यूल से काफी देर बाद टेकऑफ कर पा रही हैं। उड़ानों की देरी के चलते रनवे पर एयर ट्रैफिक बढ़ गया है और हवाई अड्डे पर भीड़ बढ़ने लगी है। दिल्ली एयरपोर्ट से उड़ान भरने वाली फ्लाइट्स में औसतन 50 मिनट तक की देरी हो रही है। वहीं, यात्रियों को बार-बार गेट बदलने और लंबे इंतजार के कारण काफी असुविधा झेलनी पड़ी।

THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

मेरा हैदराबाद

सुविचार हमारा सुख हमारी सोच पर ही निर्भर करता है। परिस्थिति से अधिक मनस्थिति हमारे जीवन में सुख-दुःख का निर्धारण करती है।

कांग्रेस पार्टी के शासनकाल में हैदराबाद का सबसे ज्यादा विकास हुआ : रेवंत रेड्डी

केंद्रीय मंत्री किशन रेड्डी केंद्र से बाढ़ सहायता के रूप में एक भी रुपया नहीं लाए : सीएम

हैदराबाद, 7 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी ने शुक्रवार को कहा कि 2004 से 2014 के बीच, जब राज्य और केंद्र में कांग्रेस पार्टी सत्ता में थी, हैदराबाद का सबसे ज़्यादा विकास हुआ। वह हैदराबाद में आयोजित एक मीडिया सम्मेलन में बोल रहे थे। उन्होंने कहा कि ओआरआर, शमशाबाद हवाई अड्डा और मेट्रो रेल परियोजनाएं कांग्रेस सरकार द्वारा लाई गईं। 2014 से, केंद्र में भाजपा और राज्य में भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) पार्टी ने राज्य के लिए कुछ नहीं किया है। हैदराबाद में कोई विकास नहीं हुआ है। 2014 में, 16 हजार करोड़ रुपये के अधिशेष बजट के साथ तेलंगाना राज्य का गठन किया गया था। 2023 में, केसीआर ने तेलंगाना को 8 लाख करोड़ रुपये के कर्ज में डुबो दिया और इसे फिर से कांग्रेस पार्टी को सौंप दिया। यूपीए सरकार द्वारा हैदराबाद को दिया गया आईटीआईआर रद्द कर दिया गया। अगर आईटीआईआर भी स्वीकृत हो जाता, तो राज्य का और विकास होता। जब बाढ़ आई और हैदराबाद तबाह हो गया, तो केंद्र ने एक पैसा भी नहीं दिया। केंद्रीय मंत्री किशन रेड्डी केंद्र से बाढ़ सहायता के रूप में एक भी रुपया नहीं लाए। भारत राष्ट्र समिति के शासनकाल में, कालेश्वरम, कमांड कंट्रोल सेंटर, सचिवालय और प्रगति भवन का निर्माण किया गया था। उन्होंने अच्छे सचिवालय को ध्वस्त कर दिया क्योंकि यह केसीआर के बेटे को मुख्यमंत्री बनाने के लिए अच्छी तरह से डिजाइन नहीं किया गया था। क्या उस सचिवालय का गरीब लोगों के लिए कोई उपयोग है? क्या कोई नई नौकरियां आई हैं? एक कमांड कंट्रोल केंद्र स्थापित किया गया था। बिना किसी की अनुमति के केवल आलीशान इमारतें बनाई गईं। किसानों के लिए बनाया गया कालेश्वरम, केवल तीन वर्षों में ढह गया। दस वर्षों में, मेट्रो रेल का एक किलोमीटर भी विस्तार नहीं किया गया। स्वीकृत पुराने शहर की मेट्रो को भी दरकिनार कर दिया गया। भारत राष्ट्र समिति एलएंडटी के घाटे के लिए भी जिम्मेदार है, जिसने मेट्रो का निर्माण किया था।

शुक्रवार को आयोजित एक प्रेस वार्ता में बोलते हुए, मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी ने मजाक उड़ाया कि बुरे भाई किशन रेड्डी और केटीआर मिलकर मेट्रो का विस्तार कर रहे थे और कहा कि बुरे भाई विकास में बाधा डाल रहे थे। उन्होंने मजाक उड़ाया कि केटीआर शहर के लिए जो सबसे बड़ा आशीर्वाद लेकर आए, वह गांजा और ड्रग्स थे। उन्होंने यह भी कहा कि शहर को नशे के अड्डे में बदल दिया गया है और पूछा कि क्या केदार की मौत दुबई में बढ़ते ड्रग्स के कारण नहीं हुई, इसके अलावा आश्चर्य हुआ कि क्या केसीआर ने 111 गो का उल्लंघन करते हुए फार्महाउस नहीं बनाए..? उन्होंने कहा कि बुरे भाई विकास में बाधा बन गए हैं और एमआईएम पार्टी के सहयोग से मेट्रो का काम हो रहा है और भूमिगत जल निकासी का काम जारी है।

हरीश राव ने मुख्यमंत्री को ब्लैकमेलर बताया

हैदराबाद, 7 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। पूर्व मंत्री और बीआरएस विधायक टी. हरीश राव ने मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी पर ब्लैकमेलर होने का आरोप लगाया है, जो जुबली हिल्स उपचुनाव से पहले राज्य के संसाधनों का दुरूपयोग कर रहे हैं, संस्थानों को डरा रहे हैं और लोगों को धमका रहे हैं। शुक्रवार को हैदराबाद के प्रेस क्लब में आयोजित 'प्रेस से मिलिए' कार्यक्रम में, हरीश राव ने कहा कि रेवंत रेड्डी का उद्योगपतियों और रियल एस्टेट कंपनियों से धन उगाही के लिए सूचना के अधिकार (आरटीआई) अधिनियम का दुरूपयोग करने का इतिहास रहा है। उन्होंने दावा किया कि रेवंत रेड्डी अब मुख्यमंत्री की तरह ही हथकंडे अपना रहे हैं, प्रभावी शासन देने के बजाय भय पैदा कर रहे हैं। हरीश राव ने कहा, फिलहाल, रेवंत रेड्डी कथित तौर पर उन निजी कॉलेजों के प्रबंधन को ब्लैकमेल कर रहे हैं जो बकाया शुल्क प्रतिपूर्ति के लिए मंज़ूरी का इंतजार कर रहे हैं, साथ ही उन अस्पतालों को भी ब्लैकमेल कर रहे हैं जो आरोग्यश्री बिलों की अदायगी के लिए दबाव बना रहे हैं। वह किसी भी विरोध प्रदर्शन की स्थिति में पुलिस, सतर्कता विभाग या नगर निगम के अधिकारियों को भेजकर मामूली उल्लंघनों के लिए परिणाम भुगतने की धमकी दे रहे हैं। बीआरएस विधायक ने टिप्पणी की कि मुख्यमंत्री बकाया महंगाई भत्ते की मांग कर रहे सरकारी कर्मचारियों को डराने-धमकाने की रणनीति अपना रहे हैं और जुबली हिल्स में बीआरएस समर्थकों को कांग्रेस में शामिल होने के लिए मजबूर करने के लिए परेशान कर रहे हैं। उन्होंने पूछा, वह मतदाताओं को चेतावनी भी दे रहे हैं कि अगर वे कांग्रेस का समर्थन नहीं करते हैं, तो कल्याणकारी योजनाओं में कटौती की जाएगी। क्या यह लोकतांत्रिक प्रक्रिया है या राजशाही का एक रूप? क्या वह कल्याणकारी योजनाओं को रोकने के प्रयासों को व्यक्तिगत रूप से वित्तपोषित कर रहे हैं? रेवंत रेड्डी को एक निराश और हारने से डरने वाला व्यक्ति बताते हुए, हरीश राव ने कहा कि मुख्यमंत्री अपनी कमियों से ध्यान हटाने के लिए व्यक्तिगत हमलों का सहारा लेते हैं। उन्होंने कहा, जुबली हिल्स के निवासी इस जबरन वसूली करने वाले को करारा जवाब देंगे। हरीश राव ने सवाल उठाया कि कांग्रेस प्रशासन सिकंदराबाद छावनी उपचुनाव से पहले किए गए एक भी वादे को पूरा क्यों नहीं कर पाया। जैसा कि उन्होंने कहा, कांग्रेस वर्तमान में बीआरएस के दबाव के कारण अल्पसंख्यक समूहों से अपील करने की कोशिश कर रही है, और मुख्यमंत्री से उनके उस बयान के लिए माफ़ी मांगने का आग्रह किया जिसमें उन्होंने कहा था कि मुसलमान कांग्रेस की वजह से हैं। हरीश राव ने रेवंत रेड्डी पर राजनीतिक अवसरवाद का भी आरोप लगाया और सवाल किया कि कांग्रेस ने जुबली हिल्स उपचुनाव के दौरान केवल दिवंगत एनटी रामाराव और पी जनार्दन रेड्डी को ही क्यों याद किया। उन्होंने पूछा, क्या कांग्रेस की उदासीनता ही पीजेआर के निधन का कारण नहीं थी? उनके बेटे को 2023 में नामांकन क्यों नहीं दिया गया? हरीश राव ने जोर देकर कहा कि जुबली हिल्स चुनाव के नतीजे तेलंगाना के राजनीतिक परिदृश्य को प्रभावित करेंगे।

सीएम ने निजी कॉलेजों को छात्रों के जीवन से खिलवाड़ न करने की चेतावनी दी

सरकार ब्लैकमेल बर्दाश्त नहीं करेगी

हैदराबाद, 7 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी ने शुक्रवार को तेलंगाना उच्च संस्थान संघों के महासंघ (एफएटीएचआई) द्वारा घोषित बंद पर अपनी नाराजगी जताई। उन्होंने चेतावनी दी कि अगर वे इसका मजाक उड़ाते हैं, तो उन्हें दंडित किया जाएगा। उन्होंने कहा कि धनराशि 11 किश्तों में जारी की जाएगी और कहा कि अगर छात्रों को परेशानी होती है तो वे इसे नजरअंदाज नहीं करेंगे। उन्होंने कहा कि छात्रों के जीवन से खिलवाड़ नहीं किया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि अगर शिक्षा एक व्यवसाय है तो इसे बर्दाश्त नहीं किया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि अगर छात्रों के जीवन से खिलवाड़ किया जाता है तो कॉलेजों और राजनीतिक दलों को बर्दाश्त नहीं किया जाना चाहिए। उन्होंने इस बात पर नाराजगी जताई कि निजी कॉलेज ऐसे बात कर रहे हैं जैसे नई समस्याएं उनके सत्ता में आने के बाद ही पैदा हुई हैं और ये समस्याएं पहले कभी मौजूद ही नहीं थीं। उन्होंने कहा कि वे इतने अज्ञानी नहीं हैं कि यह न जान सकें कि निजी कॉलेज प्रबंधन किन राजनीतिक दलों से जुड़े हैं। उन्होंने चेतावनी दी कि सरकार ब्लैकमेल बर्दाश्त नहीं करेगी। उन्होंने उन पर सिर्फ़ एसोसिएशन बताकर मुनाफा कमाने के लिए आने का आरोप लगाया। उन्होंने इस बात पर नाराजगी जताई कि अरोड़ा कॉलेज के रमेश को कितनी अनुमतियां दी जानी चाहिए। उन्होंने कहा कि जिन लोगों को सहयोग करना चाहिए था, उन्होंने ही कॉलेज बंद कर दिए। उन्होंने कहा कि वे देखेंगे कि अगले साल उन्हें कितना दान मिलता है?

बीआरएस पार्टी ने मुख्यमंत्री के खिलाफ चुनाव आयोग में शिकायत दर्ज कराई

हैदराबाद, 7 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। राज्य विधान परिषद में विपक्ष के नेता सिरिकोंडा मधुसूदन चारी ने शुक्रवार को कहा कि तेलंगाना के मुख्यमंत्री की जुबली हिल्स उपचुनाव में अपमानजनक प्रयासों और अपशब्दों की जांच होनी चाहिए और उनके खिलाफ उचित कार्रवाई की जानी चाहिए। उन्होंने बताया कि जुबली हिल्स उपचुनाव प्रचार के दौरान राज्य के मुख्यमंत्री द्वारा मुसलमानों पर किए गए हमलों और टिप्पणियों के खिलाफ गुरुवार को मुख्य चुनाव आयुक्त सुदर्शन रेड्डी के समक्ष शिकायत दर्ज कराई गई थी। उन्होंने बताया कि शिकायत की एक प्रति मुख्य चुनाव आयुक्त सुदर्शन रेड्डी को सौंप दी गई है। बाद में, उन्होंने तेलंगाना भवन में मीडिया से बात की। उन्होंने कहा कि बीआरएस पार्टी ने एक ऐतिहासिक जिम्मेदारी निभाई है और कहा कि इसने तेलंगाना को उस उत्पीड़न, अन्याय, अपमान और तिरस्कार से मुक्त कराया है जो तेलंगाना के लोग 60 वर्षों से झेल रहे थे। उन्होंने यह भी कहा कि बीआरएस पार्टी ने पूर्व मुख्यमंत्री केसीआर के नेतृत्व में इसके लिए संघर्ष किया। उन्होंने बीआरएस की भी प्रशंसा की, क्योंकि तेलंगाना के अप्रत्याशित रूप से आने के बाद इसने कई कार्यक्रमों की शुरूआत की और उन्हें लागू किया।

शिक्षा अब तकनीक और अनुभव से प्रेरित हो चुकी है : राज्यपाल

निरंतर सीखना ही सफलता की कुंजी

करीमनगर, 7 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। राज्यपाल जिष्णु देव वर्मा ने कहा कि शिक्षा अब केवल चॉक और बोर्ड तक सीमित नहीं रही, बल्कि यह तकनीक से प्रेरित, अनुभव से पोषित और अनुकूलनशीलता पर आधारित हो गई है। उन्होंने कहा कि डिजिटल शिक्षा ने सीखने की प्रक्रिया को पूरी तरह बदल दिया है और अब यह भूगोल, विशेषाधिकार और अवसर जैसी सीमाओं से मुक्त हो चुकी है।

राज्यपाल शुक्रवार को सातवाहन विश्वविद्यालय के द्वितीय दीक्षांत समारोह में बोल रहे थे। उन्होंने कहा कि कौशल आज की सबसे बड़ी ताकत है और निरंतर सीखना सफलता की आत्मा है। उनके अनुसार, हर डिग्री एक नई शुरूआत होती है और हर असफलता एक शिक्षक की विनम्रता सिखाती है।

जिष्णु देव वर्मा ने कहा कि अनुभवात्मक शिक्षा केवल बुद्धि ही नहीं, बल्कि सत्यनिष्ठा का भी निर्माण करती है। उन्होंने बताया कि प्रत्येक परियोजना करुणा, रचनात्मकता और समाज के प्रति योगदान की दिशा में एक अभ्यास है। सहयोग को उन्होंने सामूहिक प्रगति की आधारशिला बताया।

उन्होंने कहा कि अंतःविषयक शिक्षा यह साबित करती है कि सच्चा ज्ञान वहीं मिलता है जहां विज्ञान भावनाओं से और महत्वाकांक्षा सहानुभूति से मिलती है। स्नातक छात्रों की उपलब्धियों की सराहना करते हुए राज्यपाल ने कहा कि उनकी यात्रा इस बात का प्रमाण है कि प्रतिभा मामूली शुरूआत से भी निखर सकती है और दृढ़ता सबसे बड़ी समानता लाने वाली शक्ति है। इस अवसर पर समारोह में 25 पीएचडी और 161 डिग्रियाँ प्रदान की गईं।

बीआरएस कार्यकर्ताओं का विधायक कैंप कार्यालयों पर धरना

कोत्तागुडेम, 7 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। बीआरएस कार्यकर्ताओं ने पार्टी जिला अध्यक्ष रेगा कांता राव के आह्वान पर शुक्रवार को जिले भर में सड़कों और अन्य बुनियादी ढांचे के विकास की मांग को लेकर विधायक कैंप कार्यालयों के सामने धरना दिया। इस दौरान पार्टी नेताओं ने आरोप लगाया कि जिला खनिज निधि (डीएमएफ) का सही उपयोग नहीं किया जा रहा है। बीआरएस नेता बंडी राजू गौड़, सिंधु तपस्वी और अन्य ने बीआरएस पार्टी कार्यालय से राइटर बस्ती स्थित विधायक कुनामनेनी संबाशिव राव के कैंप कार्यालय तक विरोध रैली निकाली। राजू गौड़ ने कहा कि जनप्रतिनिधि अपने क्षेत्रों में डीएमएफ फंड का उपयोग करने में नाकाम रहे हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि यह फंड मंत्री पी. श्रीनिवास रेड्डी और भट्टी विक्रमार्क के निर्देश पर खम्मम जिले के पलाइर और मधिरा विधानसभा क्षेत्रों में स्थानांतरित किया जा रहा है।

येलंदु में बीआरएस के वरिष्ठ नेता डिंडीगाला राजेंद्र ने विधायक कोरम कनकैया के कैंप कार्यालय पर धरना दिया और कहा कि कांग्रेस सरकार वाहन कर बढ़ाकर जनता से पैसा वसूल रही है, लेकिन सड़कों की मरम्मत नहीं कर रही। उन्होंने कहा कि सड़कों की खराब हालत के कारण आए दिन दुर्घटनाएं हो रही हैं और डीएमएफ फंड का अन्यत्र उपयोग अनुचित है। अश्वपुरम में भी मंडल पार्टी अध्यक्ष के. अमरेंद्र यादव के नेतृत्व में रैली निकाली गई। उन्होंने बताया कि कांता राव के डिजिटल अभियान के बाद बीटीपीएस ने 2.50 करोड़ रुपये की राशि स्वीकृत की है और पिनापाका क्षेत्र में सड़कों की मरम्मत का कार्य शुरू हो गया है। जिले के अन्य विधानसभा क्षेत्रों में भी इसी तरह के विरोध प्रदर्शन आयोजित किए गए।

मंदिरों के विध्वंस के खिलाफ हिंदू संगठनों का प्रदर्शन

हिंदू एक्या वेदिका के नेतृत्व में नगर निगम कार्यालय पर धरना

पेद्दापल्ली, 7 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। रामागुंडम नगर निगम क्षेत्र में दारी मैसम्मा मंदिरों के विध्वंस के विरोध में हिंदू एक्या वेदिका के बैनर तले हिंदू संगठनों ने शुक्रवार को नगर निगम कार्यालय के सामने धरना दिया। प्रदर्शनकारियों ने तोड़फोड़ के लिए जिम्मेदार अधिकारियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की और नगर निगम की कार्रवाई को हिंदू श्रद्धालुओं की भावनाओं को ठेस पहुंचाने वाला बताया। जानकारी के अनुसार, गुरुवार तड़के 2 बजे से 5 बजे के बीच नगर निगम अधिकारियों ने पुलिस की मदद से पांच जेसीबी मशीनों के जरिए सड़कों और उनके किनारों पर बने लगभग 46 दारी मैसम्मा मंदिरों को ध्वस्त कर दिया। यह कार्रवाई गोदावरीखानी चौक से लेकर फाइव इनक्लाइन, विटालनगर, एनटीपीसी और अन्य मार्गों पर की गई।

मंदिरों के विध्वंस से नाराज भाजपा, विश्व हिंदू परिषद, बजरंग दल और अन्य संगठनों ने गोदावरीखानी चौक स्थित मैसम्मा मंदिर में विशेष पूजा-अर्चना की और नगर आयुक्त को निलंबित करने की मांग की। उन्होंने इस संबंध में पुलिस में शिकायत भी दर्ज कराई। बीआरएस नेताओं ने भी इस तोड़फोड़ की निंदा की और स्थानीय विधायक मक्कन सिंह राज ठाकुर पर जिम्मेदारी तय करते हुए उनसे माफी मांगने की मांग की। इस बीच, हिंदू इक्या वेदिका के सदस्यों ने आगे की आंदोलन रणनीति तय करने के लिए बैठक की और बाद में नगर निगम कार्यालय पर धरना दिया। स्थिति को नियंत्रित रखने के लिए पुलिस ने मौके पर भारी बल तैनात किया।

मुख्य निर्वाचन अधिकारी से बंडी संजय के खिलाफ कार्रवाई की मांग

धार्मिक आधार पर वोट मांगने और भड़काऊ भाषा के इस्तेमाल का आरोप

हैदराबाद, 7 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। कांग्रेस की तेलंगाना इकाई ने शुक्रवार को मुख्य निर्वाचन अधिकारी सी. सुदर्शन रेड्डी से केंद्रीय गृह राज्य मंत्री बंडी संजय के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई और मांग की कि उन्हें जुबली हिल्स उपचुनाव में प्रचार करने से रोका जाए।

टीपीसीसी चुनाव आयोग समन्वय समिति के अध्यक्ष पी. राजेश कुमार ने अपनी शिकायत में आरोप लगाया कि बंदी संजय ने बोराबंडा में एक चुनावी सभा के दौरान मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी के खिलाफ अभद्र भाषा का प्रयोग किया, जो आदर्श आचार संहिता का उल्लंघन है। उन्होंने यह भी कहा कि भाजपा नेता ने मतदाताओं से धार्मिक आधार पर मतदान करने की अपील की, जो आचार संहिता का स्पष्ट उल्लंघन है।

राजेश कुमार ने आगे आरोप लगाया कि केंद्रीय मंत्री ने मतदाताओं को अन्य दलों से 20,000 रुपये प्रति वोट लेने और फिर भाजपा के पक्ष में मतदान करने के लिए प्रोत्साहित किया। उन्होंने कहा कि यह चुनावी आचार संहिता और लोकतांत्रिक मूल्यों दोनों का गंभीर हनन है। कांग्रेस नेता ने मांग की कि धार्मिक आधार पर वोट मांगने और भड़काऊ भाषण देने के लिए बंदी संजय को न केवल प्रचार से रोका जाए, बल्कि उन्हें मंत्री पद से भी बर्खास्त किया जाए।

डीजीपी कार्यालय में 'वंदे मातरम' का गायन

हैदराबाद, 7 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। पुलिस महानिदेशक कार्यालय में राष्ट्रगीत 'वंदे मातरम' के 150 वर्ष पूरे होने के उपलक्ष्य में एक विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर, पुलिस अधिकारियों और मंत्रालयिक कर्मचारियों ने सामूहिक रूप से और उत्साहपूर्वक देशभक्ति की भावना से 'वंदे मातरम' का गायन किया।

राष्ट्रीय चेतना के प्रतीक के रूप में भारत के इतिहास में एक अद्वितीय स्थान रखने वाले वंदे मातरम के शाश्वत महत्व को याद किया गया। उपस्थित लोगों ने देश के स्वतंत्रता संग्राम में इसकी प्रेरणादायक भूमिका को श्रद्धांजलि दी।

केंद्र सरकार के निर्णय के अनुसार, यह कार्यक्रम 7 नवंबर, 2025 से 7 नवंबर, 2026 तक मनाए जा रहे वंदे मातरम के 150 वर्ष पूरे होने के उपलक्ष्य में आयोजित राष्ट्रव्यापी समारोह के एक भाग के रूप में आयोजित किया गया। चारमीनार रेंज के प्रभारी उप महानिरीक्षक एल.एस. चौहान, सहायक महानिरीक्षक (कानून एवं व्यवस्था) रमण कुमार, सहायक महानिरीक्षक (प्रशासन) नागराजू और अन्य अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने इस कार्यक्रम में भाग लिया।

बीसी एसोसिएशन के कार्यकर्ता हिरासत में

करीमनगर, 7 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। राज्यपाल जिष्णु देव वर्मा के करीमनगर दौरे से पहले पुलिस ने शुक्रवार को बीसी एसोसिएशन के कई कार्यकर्ताओं को एहतियातन हिरासत में ले लिया। जानकारी के अनुसार, पिछड़ा वर्ग के कुछ नेता राज्यपाल के कार्यक्रम के दौरान विरोध प्रदर्शन की योजना बना रहे थे। उनका आरोप था कि राज्यपाल ने 42 प्रतिशत पिछड़ा वर्ग आरक्षण विधेयक को अब तक मंजूरी नहीं दी है। संभावित विरोध को देखते हुए पुलिस ने एहतियाती कदम उठाते हुए कई नेताओं को हिरासत में लिया और उन्हें पुलिस प्रशिक्षण केंद्र में स्थानांतरित कर दिया। अधिकारियों ने बताया कि यह कार्रवाई किसी भी अप्रिय स्थिति से बचने के लिए की गई है। राज्यपाल जिष्णु देव वर्मा शुक्रवार को सातवाहन विश्वविद्यालय के दूसरे दीक्षांत समारोह में भाग लेने के लिए करीमनगर पहुंचे थे।

हैदराबाद अंतर्राष्ट्रीय लघु फिल्म महोत्सव की मेजबानी करेगा

हैदराबाद, 7 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना सरकार ने सड़क एवं भवन, छायांकन मंत्री कोमटिरेड्डी वेंकट रेड्डी के नेतृत्व में राज्य के फिल्म और टेलीविजन पारिस्थितिकी तंत्र को मजबूत करने के उद्देश्य से तीन प्रमुख पहलों को मंजूरी दी है। सरकारी आदेश संख्या 1540 के अनुसार, सरकार ने तेलंगाना फिल्म विकास निगम (टीजीएफडीसी) को आगामी हैदराबाद अंतर्राष्ट्रीय लघु फिल्म महोत्सव को प्रायोजित करने की मंजूरी दे दी है, जो 19 से 21 दिसंबर, 2025 तक दादासाहेब फाल्के स्कूल ऑफ फिल्म स्टडीज के सहयोग से आयोजित किया जाएगा। इस आयोजन के लिए निगम के मौजूदा कोष से कुल 30 लाख रुपये का बजट स्वीकृत किया गया है। सरकारी आदेश संख्या 1541 के माध्यम से, सरकार ने प्रस्तावित तेलंगाना टेलीविजन पुरस्कार 2024 के तौर-तरीकों, नियमों और लोगो डिज़ाइन को तैयार करने के लिए एक समिति का भी गठन किया है, जिसमें मीडिया और मनोरंजन उद्योग के वरिष्ठ व्यक्ति शामिल हैं। इसके अलावा, राज्य सरकार ने जीओआरटी संख्या 1549 के माध्यम से युवा फिल्म निर्माता पुरस्कार समारोह के आयोजन की अनुमति दी है, जिसमें निर्देशक हरीश शंकर, गायक राहुल सिप्लिगुंज, छायाकार पी.जी. विंदा और निर्देशक बालगाम वेणु जैसी प्रसिद्ध हस्तियों को शामिल करते हुए एक पुनर्गठित पैनल शामिल होगा। इस कार्यक्रम का बजट 30 लाख रुपये होगा, जिसे टीजीएफडीसी के अपने कोष से वहन किया जाएगा। कोमटिरेड्डी वेंकट रेड्डी ने कहा कि ये कदम रचनात्मक उत्कृष्टता को प्रोत्साहित करने और फिल्म एवं टेलीविजन क्षेत्र में उभरती प्रतिभाओं को मंच प्रदान करने की सरकार की प्रतिबद्धता को दर्शाते हैं।

तेजस्वी का दावा

121 सीटों पर महागठबंधन के उम्मीदवारों को एकमुश्त वोट मिला, बदलाव की लहर है

बिहार के परिवर्तन युग के प्रकाश पुंज है आप सब

तेजस्वी यादव ने बिहारवासियों से कहा कि आप लोग मेरी शक्ति और बिहार के परिवर्तन युग के प्रकाश पुंज है। अभी थमना नहीं है, रुकना नहीं है। तकनीकी से तरक्की का प्रकाश थोड़ी ही दूर पर जगमगाता दिख रहा है। हमें विनम्रता के साथ मंजिल तक मजबूत कदम रखते हुए पहुंचना है। विपक्ष द्वारा उत्पन्न बाधाओं का सामना करते हुए, लोकतंत्र और संविधान पर आए खतरे को मिटाते हुए, जनता जनार्दन के हर सपने को लक्ष्य तक पहुंचाना है। आप सभी प्रथम चरण की भांति ही दूसरे चरण यानि 11 नवंबर को भी अपना प्रेम, आशीर्वाद, स्नेह और सहयोग तेजस्वी को दें। आपका बेटा, भाई और साथी, तेजस्वी वचन देता है कि अगले पांच साल में बिहार को इतना खुशहाल बनाएंगे कि 14 नवंबर की तारीख को लोग त्योहार के रूप में मनाने लगेंगे, एक ऐसे दिन के रूप में जिस दिन बिहार में विकसित बनने वाली तरक्की का आगमन हुआ था।

पटना, 7 नवंबर (एजेंसियां)। बिहार चुनाव में ऐतिहासिक 64.46 फीसदी मतदान के बाद सियासत जारी है। पीएम नरेंद्र मोदी ने पहले चरण की वोटिंग में राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन जीत का दावा किया था। अब नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव ने कहा कि महागठबंधन को एकमुश्त वोट मिलने का दावा किया है।

उन्होंने कहा कि बिहार ने प्रथम चरण में बदलाव के लिए मतदान किया है। हर बिहारवासी ने 20 साल के अंधकार को मिटाने के लिए, घर से निकल कर परिवर्तन की ऐसी रोशनी जलाई कि पूरे बिहार में सुख, समृद्धि, सुरक्षा, सम्मान, सौहार्द, शांति और खुशहाली की दस्तक सुनाई देने लगी है।

बिहार में महापरिवर्तन होने जा रहा है

नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव ने कहा कि 20 साल में पहली बार इस तरह की अभूतपूर्व बदलाव की लहर महागठबंधन के पक्ष में दिखाई दे रही है। हर घर से ही नहीं, हर हृदय से भी सिर्फ एक ही आवाज सुनाई दे रही है कि इस बार नई युवा सरकार लायेंगे, हर घर से सरकार चलायेंगे और हर बिहारवासी को सीएम यानी चिंता मुक्त और चेंज मेकर बनायेंगे।

बुजुर्ग और हमारे युवा साथियों ने जिस जोश, जुनून , जज़्बे, उम्मीद और उत्साह के साथ लोकतंत्र के इस महापर्व में अपनी भागीदारी सुनिश्चित की, उससे साफ हो चुका है कि बिहार में महापरिवर्तन होने जा रहा है। 20 वर्षों से बेरोजगारी, गरीबी, अपराध, अन्याय, गैर बराबरी, अत्याचार, भ्रष्टाचार और अनगिनत पीड़ाओं का अंत होने जा रहा है। सभी 121 सीटों पर बिहारवासियों ने महागठबंधन के उम्मीदवारों के पक्ष में एकमुश्त वोट किया है। इसके लिए मैं सभी का धन्यवाद करता हूं।

चिकित्सक को उठाकर ले गई जम्मू-कश्मीर पुलिस

खंगाल रही आतंकी कनेक्शन

सहारनपुर, 7 नवंबर (एजेंसियां)। शहर के अंबाला रोड स्थित एक अस्पताल में कार्यरत चिकित्सक डॉ। आदिल अहमद को जम्मू-कश्मीर पुलिस ने पकड़ा है। उसके आतंकी कनेक्शन की जांच की जा रही है। जम्मू-कश्मीर पुलिस चिकित्सक को ट्रांजिट रिमांड पर साथ ले गई है। पुलिस ने बताया कि डॉ। आदिल अहमद जम्मू-कश्मीर के अनंतनाग का निवासी है। बीते महीने श्रीनगर के कुछ क्षेत्रों में आतंकी संगठन जैश-ए-मुहम्मद के समर्थन में लिखे पोस्टर लगाने का मामला सामने आया था। आतंकी संगठन के समर्थन में लगे पोस्टरों से श्रीनगर में तनाव फैल गया था।

पुलिस ने 28 अक्टूबर को मुकदमा दर्ज कर आसपास के सीसीटीवी फुटेज खंगाले थे। जम्मू-कश्मीर पुलिस के मुताबिक सीसीटीवी फुटेज में डॉ। आदिल पोस्टर लगाते दिखाई दिया था। श्रीनगर पुलिस ने अनंतनाग में डॉ। आदिल के स्वजन से पूछताछ के बाद मोबाइल सर्विलांस के जरिये उसकी लोकेशन ट्रेस की। इसके बाद जम्मू-कश्मीर पुलिस गुरुवार को सहारनपुर पहुंची और एसएसपी को मामले की जानकारी देते हुए आमद दर्ज कराई। पुलिस और एसओजी की मदद से अंबाला रोड स्थित फेमस हास्पिटल से डॉ। आदिल अहमद को गिरफ्तार किया गया। उसे थाना सदर बाजार पुलिस ने कोर्ट में पेश किया, जहां से ट्रांजिट रिमांड पर श्रीनगर पुलिस उसे साथ ले गई।

जू में हिरण के बच्चों को चुराने आए चोर, पेड़ के सहारे घुसे

लखनऊ, 7 नवंबर (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ स्थित नवाब वाजिद अली शाह प्राणी उद्यान (चिड़ियाघर) में शाम हिरण के बच्चों की चोरी का मामला सामने आया है। चिड़ियाघर के डियर सफारी सेक्शन में कुछ युवक पेड़ की डाल और रस्सी की मदद से अंदर घुस गए थे। हिरण के बच्चों को रस्सी के फंदे से पकड़ने की कोशिश के दौरान कीपर ने उन्हें देख लिया, जिससे चोरी की एक बड़ी घटना टल गई। सभी चार तो मौके से फरार हो गए, लेकिन उनको रास्ता दिखाने वाला युवक पकड़ा गया। जानकारी के अनुसार, बुधवार शाम करीब चार युवक पेड़ की डाल और रस्सी के सहारे डियर सफारी बाड़े के अंदर घुस गए। उनके पास रस्सी का फंदा था, जिससे वे हिरण के बच्चों को फंसाने की कोशिश कर रहे थे। इसी दौरान ड्यूटी पर मौजूद जू के चौकीदार मोहन राम की नजर उन पर पड़ी।

जब उन्होंने युवकों को शिकार करने की कोशिश करते देखा तो तुरंत शोर मचा दिया और आरोपियों को पकड़ने की कोशिश की। हालांकि, शोर सुनते ही सभी आरोपी घबरा गए और पेड़ की डाल और रस्सी के सहारे दीवार फांदकर फरार हो गए। इस बीच उन्हें रास्ता बताने वाला एक युवक मौके पर ही पकड़ लिया गया। मोहन राम ने तुरंत घटना की सूचना चिड़ियाघर प्रशासन और पुलिस को दी। घटना की जानकारी मिलते ही वन अधिकारी और हजरतगंज पुलिस टीम मौके पर पहुंची। उन्होंने घटनास्थल का निरीक्षण किया। शुरुआती जांच में सामने आया है कि आरोपी हिरण के बच्चों को चोरी के लिए जू में आए थे।

बाहर की दवा लिखी तो डॉक्टर होंगे निलंबित

लखनऊ, 7 नवंबर (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के सरकारी अस्पतालों में सादी पर्ची पर बाहर की ब्रांडेड दवा लिखने वाले डॉक्टर निलंबित होंगे। इसके अलावा निर्धारित समय पर ओपीडी कक्ष में डॉक्टर के न होने पर संबंधित डॉक्टर के साथ चिकित्सा अधीक्षक व मुख्य चिकित्सा अधीक्षक भी जिम्मेदार होंगे। सरकारी अस्पतालों में उत्तर प्रदेश मेडिकल सप्लाइज कार्पोरेशन द्वारा भेजी जाने वाली करीब दो सौ से अधिक दवाएं उपलब्ध हैं। इसके अलावा जेनेरिक दवा के लिए जन औषधि केंद्र हैं। डॉक्टरों को सरकारी अस्पताल में मौजूद दवाएं और जेनेरिक दवाएं लिखने का आदेश है, लेकिन कई जगह डॉक्टर सरकारी पर्चे में अस्पताल की कुछ दवाएं लिखने के साथ अलग से सादी पर्ची पर ब्रांडेड दवाएं भी लिखते हैं। ऐसी शिकायतें मिलने पर स्वास्थ्य विभाग के अपर मुख्य सचिव अमित कुमार घोष ने चेतावनी दी है

दिल्ली के पूर्व मंत्री सोमनाथ भारती यूपी में 'फरार' घोषित

पुलिस को बोला गया- जल्द से जल्द पेश करो

रायबरेली, 7 नवंबर (एजेंसियां)। दिल्ली के पूर्व मंत्री और आम आदमी पार्टी के वरिष्ठ नेता सोमनाथ भारती के लिए यूपी से झटका देने वाली खबर है। यहां सोमनाथ भारती फरार घोषित कर दिए गए हैं। रायबरेली की एमपी-एमएलए कोर्ट में चल रहे एक पुराने मामले में पेश न होने पर अदालत ने उनके खिलाफ सख्त रुख अपनाया है।

कोर्ट ने पहले ही गैर-जमानती वारंट जारी किया था, लेकिन इसके बावजूद वे अदालत में हाजिर नहीं हुए। इसके बाद न्यायालय ने उन्हें फरार घोषित कर दिया है। दरअसल, यह मामला 11 जनवरी 2021 का है, जब रायबरेली शहर कोतवाली में सोमनाथ भारती के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया गया था। उन पर आरोप था कि उन्होंने उस समय के कोतवाल अतुल सिंह को धमकाया था और अमर्यादित बयानबाजी की थी। भारती पर पुलिस के साथ दुर्व्यवहार और सरकारी कार्य में बाधा डालने जैसे गंभीर आरोप लगाए गए थे।

मामले की सुनवाई रायबरेली के एमपी-एमएलए विशेष न्यायालय में चल रही है। अदालत के जज विवेक कुमार ने मामले में कई बार समन जारी किया, लेकिन सोमनाथ भारती की ओर से अदालत में कोई पेशी नहीं हुई। इसके बाद कोर्ट ने गैर-जमानती वारंट जारी किया।

फिर भी उनकी हाजिरी न होने पर कोर्ट ने अब उन्हें फरार घोषित कर दिया है। रायबरेली पुलिस को अब अदालत के आदेश के अनुसार सोमनाथ भारती को जल्द से जल्द कोर्ट के सामने पेश करना होगा।

भोजपुर में पुलिस और ग्रामीणों के बीच झड़प

पथराव में आधा दर्जन पुलिस वाहन क्षतिग्रस्त

आरा, 7 नवंबर (एजेंसियां)। भोजपुर जिले के चौरी थाना क्षेत्र के दुल्लमचक गांव में मतदान के दूसरे दिन शुक्रवार की सुबह ग्रामीणों और पुलिस के बीच झड़प हो गई। जानकारी के अनुसार, ग्रामीण गांव में आए गुलजारपुर निवासी दो हथियारबंद संदिग्धों को पकड़कर उनकी पिटाई कर रहे थे।

इसी दौरान जब पुलिस संदिग्धों को भीड़ से छुड़ाने पहुंची तो ग्रामीण पुलिस से उलझ गए। नोंकझोंक के बीच दोनों संदिग्ध मौके से फरार हो गए। इस पर नाराज ग्रामीणों ने संदिग्धों को भगाने का आरोप लगाते हुए पुलिस पर ईंट-पत्थर से हमला कर दिया। हमले में एक दारोगा और चौकीदार घायल हो गए।

भीड़ ने दो-तीन निजी वाहनों के साथ-साथ आधा दर्जन पुलिस वाहनों के शीशे तोड़ दिए। घटना की जानकारी मिलते ही एसडीपीओ केके। सिंह समेत कई पुलिस अधिकारी मौके पर पहुंचे और स्थिति को नियंत्रित किया। झड़प के दौरान भागे संदिग्धों के पास से एक देसी पिस्तौल बरामद की गई है। जिसके बाद से तनावपूर्ण स्थिति बनी हुई थी।

मतदान प्रतिशत बढ़ने के पीछे कारण क्या?

नीतीश-लालू का जिक्र कर प्रशांत किशोर ने कही बड़ी बात

पटना, 7 नवंबर (एजेंसियां)। बिहार विधानसभा चुनाव (2025) के पहले चरण में 64.66 प्रतिशत हुए मतदान के बाद माना जा रहा है कि लोगों ने इतिहास रच दिया है। सबसे बड़ा सवाल है कि आखिर वर्षों बाद ऐसा क्या हुआ? चुनावी रणनीतिकार प्रशांत किशोर ने शुक्रवार (07 नवंबर, 2025) को बिहार के गयाजी में पत्रकारों से बातचीत में इस पर काफी कुछ कहा है। प्रशांत किशोर ने कहा कि 14 तारीख को इतिहास लिखा जाएगा। जनता नए विकल्प को लेकर उत्साह में है। प्रवासी मजदूरों को बताया कि वही इस चुनाव के एक्स फैक्टर हैं। आजादी के बाद इस बार चुनाव में सबसे ज्यादा वोटिंग बताता है कि पिछले 30 साल से राजनीतिक विकल्प के अभाव में उदासीनता बन गई थी। जन सुराज के आने से एक विकल्प मिला है। नए विकल्प के कारण वोटिंग हुई। बदलाव को लेकर वोटिंग हुई। प्रवासी मजदूर जो छठ के बाद रुके हुए हैं उन्होंने वोटिंग कर सबको सरप्राइज कर दिया।

दो करोड़ से ज्यादा लोगों ने किया वोट

प्रशांत किशोर ने कहा कि महिलाओं से बढ़कर प्रवासी मजदूर हैं। प्रशांत किशोर ने कहा कि बड़े-बड़े पंडित यह नहीं बता रहे थे कि इतनी वोटिंग होगी। दो करोड़ से ज्यादा लोगों ने वोट किया है। प्रवासी मजदूर बदलाव चाहते हैं, इसलिए खुद के साथ-साथ अपने परिजनों को वोट दिलवाया है।

'नीतीश के डर से लालू, लालू के डर से नीतीश'

पीके ने कहा कि चुनाव में सिर्फ यह तय नहीं होता कि कौन सत्ता में आएगा, यह भी तय होता है कि विपक्ष की भूमिका में कौन होगा, कौन रोड पर आएगा, यह भूमिका भी जनता तय करती है। उन्होंने कहा कि नीतीश के डर से लालू और लालू के डर से नीतीश को वोट करने की जो मजबूरी थी वह खत्म हो गई है। लोगों में उत्साह है इसलिए बढ़-चढ़कर वोटिंग की और वोटिंग प्रतिशत बढ़ा है।

50 हजार का इनामी बदमाश ढेर

आजमगढ़, 7 नवंबर (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश पुलिस ने मुठभेड़ में एक और पशु तस्कर को मार गिराया है। यह मुठभेड़ आजमगढ़ जिले के रौनापार थाना इलाके में हुई है। जोकहरा गांव में छोटी सरयू नदी के पास लखनऊ एसटीएफ, आजमगढ़ स्वाट टीम और सिधारी पुलिस की टीम से पशु तस्करों की मुठभेड़ हो गई। इस मुठभेड़ में 50 हजार का इनामिया पशु तस्कर गोली लगने से ढेर हो गया। जबकि उसके तीन साथी मौके का फायदा उठाकर फरार हो गए। पुलिस तलाश में जुटी है। जानकारी के अनुसार, रौनापार थाना के जोकहरा गांव के पास छोटी सरयू नदी के रास्ते पर लखनऊ एसटीएफ, आजमगढ़ की स्वाट टीम और थाना सिधारी पुलिस की संयुक्त टीम ने सूचना के आधार पर बदमाशों तस्करों को पकड़ने के लिए घेराबंदी की। पुलिस ने जब उन्हें रोकने का प्रयास किया तो बदमाशों ने पुलिस टीम पर फायरिंग शुरू कर दी, जवाबी कार्रवाई में एक बदमाश ढेर हो गया,

लालू प्रसाद यादव की बेटी अनुष्का यादव ने बाबा दरबार में लगाई हाजिरी, बिहार चुनाव में जीत की कामना की

वाराणसी, 7 नवंबर (एजेंसियां)। बिहार के पूर्व मुख्यमंत्री और राष्ट्रीय जनता दल (आरजेडी) के लालू प्रसाद यादव की बेटी अनुष्का यादव ने उत्तर प्रदेश की धार्मिक नगरी वाराणसी का दौरा किया। इस यात्रा के दौरान उन्होंने काशी के प्रमुख धार्मिक स्थलों का दर्शन किया और विधि-विधान से पूजा-अर्चना कर चुनाव में जीत की कामना की है। अनुष्का यादव ने अपनी यात्रा की शुरुआत माँ गंगा की आरती में भाग लेकर की। उन्होंने पूरी श्रद्धा के साथ गंगा के तट पर आरती की और वहाँ उपस्थित भक्तों के साथ मिलकर पूजा अर्चना की। इसके बाद, उन्होंने बाबा विश्वनाथ के दरबार में जाकर दर्शन किए। द्वादश ज्योतिर्लिंगों में से एक काशी विश्वनाथ के प्रति अनुष्का ने अपनी श्रद्धा व्यक्त की और वहाँ पूजा-अर्चना कर मंगलकामना की। इस धार्मिक यात्रा के क्रम में, अनुष्का यादव ने काशी के कोतवाल कहे जाने वाले बाबा काल भैरव के दरबार में भी हाजिरी लगाई। उन्होंने वहाँ जाकर आशीर्वाद प्राप्त किया। अनुष्का का यह दौरा न केवल धार्मिक दृष्टि से महत्वपूर्ण है, बल्कि यह राजनीतिक दृष्टि से भी चर्चा का विषय बना हुआ है। लालू प्रसाद यादव का परिवार हमेशा से धार्मिक और सामाजिक गतिविधियों में सक्रिय रहा है।

अनुष्का का यह दौरा इस परंपरा को आगे बढ़ाता काशी में नजर आया। इस अवसर पर उनके साथ डा। ज्ञानेंद्र यादव ज्ञानू, विनोद यादव गप्पू, राज यादव और उज्जवल भी उपस्थित थे। अनुष्का यादव की इस धार्मिक यात्रा ने काशी के प्रमुख मंदिरों में पूजा-अर्चना के बाद बिहार में चुनावों के बीच एक नई चर्चा को जन्म दिया है। यह यात्रा न केवल व्यक्तिगत आस्था का प्रतीक है, बल्कि यह उनके परिवार की धार्मिक परंपराओं को भी दर्शाती है। अनुष्का यादव का यह कदम उनके परिवार के धार्मिक मूल्यों को और मजबूत करता है। मगर धार्मिक यात्रा के रूप में देखा जा रहा यह दौरा सियासी ही अधिक माना जा रहा है।

एंटी करप्शन ने 75 हजार घूस लेते लेखाकार समेत दो को पकड़ा

प्रयागराज, 7 नवंबर (एजेंसियां)। एंटी करप्शन की टीम ने तेलियरगंज के मेंहदौरी स्थित सहायक रजिस्ट्रार फर्म्स सोसाइटीज एवं चिट्स कार्यालय में कार्यरत लेखाकार रागविराग और कंप्यूटर ऑपरेटर (संविदाकर्मी) विजय राज सिंह को 75 हजार घूस लेते गिरफ्तार किया गया है। दोनों पर फतेहपुर के बिंदकी स्थित एक विद्यालय कमेटी के नवीनीकरण के नाम पर रुपये मांगने का आरोप है। शुक्रवार को दोनों को वाराणसी के एंटी करप्शन कोर्ट में पेश किया जाएगा फतेहपुर के श्री ओमर वैश्य विद्यालय कमेटी से जुड़े ज्ञान भारती मूला देवी एमएस जूनियार हाईस्कूल के प्रबंधक रतिपाल सिंह शिकायत की थी। उन्होंने बताया था उक्त कमेटी के नवीनीकरण के लिए 30 जनवरी को सहायक रजिस्ट्रार फर्म्स सोसाइटीज एवं चिट्स मेंहदौरी तेलियरगंज में प्रार्थना पत्र दिया।

आरोप है कि नवीनीकरण के एवज में रागविराग ने 75 हजार रुपये मांगे। शिकायत पर एंटी करप्शन निरीक्षक अलाउद्दीन अंसारी की अगुवाई में निरीक्षक रविंद्र सिंह, राकेश बहादुर सिंह समेत अन्य ने बृहस्पतिवार को कार्यालय में ट्रैप लगाया।

मेरठ में एक और कातिल 'मुस्कान' पत्नी ने प्रेमी से करवाया कत्ल

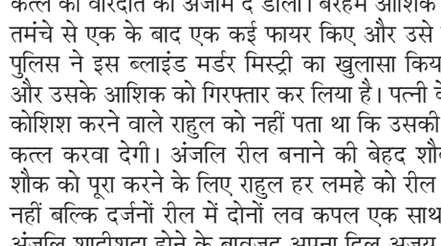

मेरठ, 7 नवंबर (एजेंसियां)। पश्चिम उत्तर प्रदेश का मेरठ कातिल पत्नियों के लिए बदनाम हो चुका है। मुस्कान ,संगीता, रविता के बाद अब अंजलि भी कातिल हसीनों के गैंग में शामिल हो चुकी है। मेरठ में एक पत्नी ने अपने प्रेमी के साथ मिलकर पति के कत्ल की वारदात को अंजाम दे डाला। बेरहम आशिक ने पति के सीने पर बैठकर तमंचे से एक के बाद एक कई फायर किए और उसे मौत की नींद सुला दिया। पुलिस ने इस ब्लाइंड मर्डर मिस्ट्री का खुलासा किया है और मृतक की पत्नी और उसके आशिक को गिरफ्तार कर लिया है। पत्नी के साथ हर लम्हा जीने की कोशिश करने वाले राहुल को नहीं पता था कि उसकी पत्नी ही एक दिन उसका कत्ल करवा देगी। अंजलि रील बनाने की बेहद शौकीन थी और उसके इसी शौक को पूरा करने के लिए राहुल हर लमहे को रील में उतार देता था। एक दो नहीं बल्कि दर्जनों रील में दोनों लव कपल एक साथ नजर आ रहे हैं। लेकिन अंजलि शादीशुदा होने के बावजूद अपना दिल अजय को दे बैठी। प्रेम प्रसंग के किस्से जब पति को पता चले तो दोनों के बीच झगड़ा भी हुआ। लेकिन अंजलि ने पति के गुस्से को दरकिनार करते हुए अजय के साथ अपनी प्रेम लीला जारी रखी। यही बात राहुल को नागवार गुजरी और उसने अंजलि की करतूत के बारे में परिवार के लोगों को बताने की कोशिश की।

उधर समाज में बदनामी की डर से अंजलि ने राहुल की हत्या के साजिश रच डाली। इसके लिए अंजलि ने अजय को उकसाया। अजय ने राहुल को फोन करके बुलाया। दोनों ने शराब पार्टी की और इसी दौरान अजय ने राहुल के सीने पर बैठकर एक के बाद एक कई गोलियां उसके सीने में उतार डाली। जिसके बाद पुलिस ने इस ब्लाइंड मर्डर मिस्ट्री के खुलासे के लिए सबूत जुटाने शुरू कर दिए। पुलिस ने सीडीआर और लोकेशन निकाले। जिसके आधार पर पता लगा कि अंजलि और अजय में लव कनेक्शन है। पुलिस ने दोनों को हिरासत में लेकर पूछताछ की तो पूरा सच सामने आ गया। मेरठ की थाना परीक्षितगढ़ पुलिस ने अजय और अंजलि को गिरफ्तार कर लिया है

मानसिक दिव्यांग लड़की से रेप पुलिस ने घटना के बाद हिरासत में लिए दो आरोपी

लखनऊ, 7 नवंबर (एजेंसियां)। लखनऊ के मानक नगर इलाके में गुमशुदा मानसिक दिव्यांग लड़की से रेप का मामला सामने आया है। पीड़ित परिवार ने आरोप लगाया है कि घर के पास से एक अधेड़ उम्र का शख्स लड़की को अपने साथ ले गया और घटना को अंजाम दिया। लड़की की बरामदगी होने के बाद उसका मेडिकल करवाने में देरी की गई। परिजनों की तहरीर पर पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। मानक नगर थाना क्षेत्र में एक मानसिक दिव्यांग लड़की अपने पिता और बहनों के साथ रहती है। बड़ी बहन के मुताबिक छोटी बहन कल शाम करीब 6 बजे घर के पास घूम रही थी।

तभी उसको एक शख्स अपनी स्कूटी में बैठा कर ले गया। हम लोगों ने उसको ढूंढना शुरू किया तो मोहल्ले के बच्चों ने बताया कि उसको कोई बैठा कर ले गया है। हम लोगों ने उसको खूब ढूंढने की कोशिश की पर वो नहीं मिली। उसके बाद हम लोगों ने उसकी गुमशुदगी की रिपोर्ट मानक नगर थाने में दर्ज करवाई।

'फैसला पूरा आ गया, बिहार में महागठबंधन की सरकार' अखिलेश यादव ने नई पीढ़ी पर किया बड़ा दावा

लखनऊ, 7 नवंबर (एजेंसियां)। बिहार में विधानसभा चुनाव के पहले चरण में गुरुवार को 121 सीटों पर लगभग 65 फीसदी मतदातान हुआ। यह राज्य के चुनावी इतिहास में अब तक का सबसे अधिक मतदान प्रतिशत है। वहीं इस मतदान प्रतिशत को देखते हुए समाजवादी पार्टी के मुखिया अखिलेश यादव ने बिहार में महागठबंधन की सरकार का दावा कर दिया है। सपा चीफ अखिलेश यादव ने बिहार में हुई पहले चरण की वोटिंग के बाद मतदान प्रतिशत पर एक्स पर पोस्ट कर लिखा-चुनाव आधी सीटों पर हुआ है लेकिन फैसला पूरा आ गया है, बिहार में महागठबंधन की सरकार बन रही है। ये इंडिया की एकजुटता और सकारात्मक राजनीति का नया दौर है।

नई पीढ़ी की सोच नई होती है- अखिलेश यादव

वहीं बिहार चुनाव को लेकर सपा चीफ अखिलेश यादव ने नई पीढ़ी का जिक्र करते हुए कई दावे किए हैं। अखिलेश ने कहा कि नई पीढ़ी इसीलिए नई कही जाती है क्योंकि नई पीढ़ी की सोच नई होती है या कहें पुरानी नहीं होती है। नई पीढ़ी आने वाले कल की ओर खुले नजरिये से देखती है। नई पीढ़ी मतलब हर अगली पीढ़ी पिछली पीढ़ी

से ज्यादा प्रगतिशील होती है। नई पीढ़ी की सोच का दायरा बहुत बड़ा होता है। नई पीढ़ी दुनियाभर को न केवल अनुभव करना चाहती है बल्कि गले भी लगाना चाहती है। नई पीढ़ी का व्यवहार दोस्ताना होता है और सबको साथ लेकर चलना चाहती है।

नई पीढ़ी के अंदर भेदभाव के लिए कोई जगह नहीं

पूर्व सीएम अखिलेश यादव ने कहा कि नई पीढ़ी का नेचर इंक्लूसिव और एकमोडेटिंग होता है और इसके अंदर भेदभाव के लिए कोई जगह नहीं होती है। नई पीढ़ी हर धर्म, पंथ, विचार, फिलॉसफी के लिए टालरेंट-सहनशील होती है, इसके विचार फ्लेक्सिबल होते हैं, उनमे वैचारिक लोच होती है। नई पीढ़ी सबको सुनना-समझना चाहती है, नई पीढ़ी के दिल में सबके लिए सम्मान-प्रेम और मोहब्बत भरी होती है। नई पीढ़ी सही मायनों में हर बेबस व्यक्ति और जीव-जंतु के प्रति अधिक दयालु और करुणा से भरी होती है। नई पीढ़ी बेहद पॉजिटिव होती है और आधुनिकता को अच्छा मानती है क्योंकि मॉडर्निटी नयी दिशा दिखाती है, सोच के लिए बड़े रास्ते बनाती है।

नई पीढ़ी खुशहाली को अहमियत देती है- अखिलेश यादव

सपा मुखिया ने कहा कि नई पीढ़ी इंसानियत, बंधुत्व से भरी होती है, इन्हें अमन-चैन और तरक्की पसंद होती है। नई पीढ़ी खुद भी खुश रहना चाहती है और सबको खुश देखना चाहती है। नई पीढ़ी खुशहाली को अहमियत देती है, इसीलिए दुख देने वालों का विरोध करती है। नई पीढ़ी किसी भी तरह के कट्टर विचारों के खिलाफ होती है। नई पीढ़ी साम्प्रदायिकता को समाज और अपने वैश्विक विचारों के विस्तार के लिए खतरा मानती है।

फरार पटाखा कारोबारी मोहम्मद कादिर ने कोर्ट में किया सरेंडर, करोड़ों की ठगी का है आरोप

प्रयागराज, 7 नवंबर (एजेंसियां)। करोड़ों की धोखाधड़ी के मामले में फरार पटाखा कारोबारी कादिर ने कोर्ट में शुक्रवार को कोर्ट में सरेंडर कर दिया। पुलिस को चकमा देकर कादिर कोर्ट नंबर नौ में हाजिर हो गया। उसके खिलाफ अदालत ने वारंट जारी किया है। गिरफ्तारी से बचने के लिए इसने हाईकोर्ट में याचिका दायर की थी, लेकिन राहत न मिलने पर 100 करोड़ रुपये से अधिक की ठगी का यह आरोपी सुप्रीम कोर्ट पहुंच गया। देश की शीर्ष अदालत ने भी अग्रिम जमानत देने से इनकार कर दिया। इसके बाद इसने कोर्ट में समर्पण कर दिया। पटाखा कारोबारी के खिलाफ शाहगंज थाना समेत कई थानों में रुपये दोगुना करने का लालच देकर रकम हड़पने का मुकदमा दर्ज है।

पायलट के पिता की याचिका पर केंद्र- डीजीसीए से जवाब तलब

एससी ने कहा- आपके बेटे पर कोई आरोप नहीं

नई दिल्ली, 7 नवंबर (एजेंसियां)। अहमदाबाद में एअर इंडिया विमान हादसे में मारे गए पायलट के पिता की स्वतंत्र जांच की याचिका पर सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र सरकार और डीजीसीए से जवाब तलब किया है। वहीं इस मामले में कोर्ट ने मृत पायलट के पिता से साफ कहा कि प्रारंभिक जांच रिपोर्ट में भी पायलट के खिलाफ कोई आरोप नहीं है। कोर्ट ने पायलट कैप्टन सुमित सभरवाल के 91 वर्षीय पिता से कहा कि उनके बेटे को हादसे के लिए दोषी नहीं ठहराया गया है, और उन्हें खुद पर इसका बोझ नहीं लेना चाहिए। न्यायमूर्ति सूर्यकांत और न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची की पीठ ने इस मामले में केंद्र सरकार और नागरिक उड्डयन महानिदेशालय को नोटिस जारी किया है। पीठ ने कहा, 'आपको खुद पर बोझ नहीं लेना चाहिए। पायलट को इस हादसे के लिए दोषी नहीं ठहराया गया है। यह एक दुर्घटना थी। प्रारंभिक जांच रिपोर्ट में भी उनके खिलाफ कोई संकेत नहीं है।'

पायलट के पिता पुष्कराज सभरवाल की ओर से वरिष्ठ अधिवक्ता गोपाल शंकरनारायण ने दलील दी कि एक अमेरिकी अखबार में प्रकाशित एक

खबर में पायलट पर आरोप लगाने की कोशिश की गई थी। इस पर अदालत ने कहा, 'वह तो भारत को बदनाम करने वाली रिपोर्ट थी।' अदालत ने 12 जुलाई को विमान दुर्घटना जांच ब्यूरो (एएआईबी) की प्रारंभिक रिपोर्ट का हवाला दिया और कहा कि उसमें कहीं भी पायलट को दोषी नहीं बताया गया है। रिपोर्ट में केवल दोनों पायलटों के बीच हुई बातचीत का जिक्र है। पीठ ने स्पष्ट किया, 'एएआईबी का काम किसी को दोषी ठहराना नहीं बल्कि भविष्य में ऐसे हादसों को रोकने के उपाय सुझाना है। जरूरत पड़ी तो हम यह स्पष्ट कर देंगे कि पायलट को दोषी नहीं माना जा सकता।' अब इस मामले की अगली सुनवाई 10 नवंबर को होगी। पिछले महीने पुष्कराज सभरवाल और फेडरेशन ऑफ इंडियन पायलट्स ने सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर कर इस हादसे की जांच पूर्व न्यायाधीश की अध्यक्षता में कराने की मांग की थी। उनकी याचिका में कहा गया कि 'अधूरी या पक्षपाती जांच न केवल इस हादसे के असली कारणों को छिपाएगी, बल्कि भविष्य के यात्रियों की जान को भी खतरे में डालेगी। यह संविधान के अनुच्छेद 21 के तहत मिलने वाले जीवन के अधिकार का उल्लंघन है।'

हादसे में पायलट और को-पायलट की हुई मौत

याचिका में केंद्र सरकार, डीजीसीए और एएआईबी को पक्षकार बनाया गया है और एक स्वतंत्र विशेषज्ञ समिति गठित करने की मांग की गई है, जिसमें तकनीकी और विमानन विशेषज्ञ भी शामिल हों। याचिका के अनुसार, विमान का आपातकालीन लोकेटर ट्रांसमीटर (ईएलटी) भी सक्रिय नहीं हुआ था। इस हादसे में पायलट-इन-कमांड कैप्टन सुमीत सभरवाल और को-पायलट कैप्टन क्लाइव कुंदर दोनों की मौके पर मौत हो गई थी।

अहमदाबाद में एअर इंडिया विमान हादसा

12 जून को अहमदाबाद एयरपोर्ट से उड़ान भरने के कुछ ही मिनट बाद एअर इंडिया की उड़ान संख्या एआई-171, जो अहमदाबाद से लंदन के गैटविक एयरपोर्ट जा रही थी, दुर्घटना का शिकार हो गई थी। इस हादसे के दौरान विमान में कुल 241 लोग (229 यात्री, 12 क्रू सदस्य) सवार थे। इस भीषण विमान हादसे में कुल 261 लोगों की मौत हो गई थी, जिसमें 241 यात्री और क्रू सदस्य के साथ-साथ जमीन पर मौजूद 19 अन्य लोग भी मारे गए थे। हालांकि चमत्कारिक रूप से विमान में सवार एक यात्री बच गया था।

दिल्ली-एनसीआर में वायु प्रदूषण का संकट सुप्रीम कोर्ट इस तारीख को करेगा सुनवाई

नई दिल्ली, 7 नवंबर (एजेंसियां)। दिल्ली-एनसीआर क्षेत्र में वायु प्रदूषण का संकट गहराता जा रहा है। क्षेत्र की वायु गुणवत्ता काफी खराब हो गई है। इस हालात का बड़ा कारण पराली जलाने को बताया जा रहा है। अब इस मामले में बड़ा अपडेट सामने आया है कि देश की सर्वोच्च अदालत यानी कि सुप्रीम कोर्ट प्रदूषण के मुद्दे पर आगामी 12 नवंबर को सुनवाई करेगी। आइए जानते हैं कि सुप्रीम कोर्ट में इस बारे में क्या कुछ कहा गया।

शहर की हवा लगातार खराब हो रही- वकील

दिल्ली-एनसीआर में वायु प्रदूषण संकट पर सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि मामले को 12 नवंबर को सुनेंगे। वकील ने मेंशन किया कि ₹एनसीआर में वायु गुणवत्ता बिगड़ रही है, जैसा कि अदालत को भी पता होगा। 3 नवंबर को अदालत ने आयोग और सीपीसीबी को एक हलफनामा दाखिल करने का निर्देश दिया था। इसे सूचीबद्ध करने की कोई तारीख तय नहीं है, मायलॉर्ड्स इसे सोमवार को सूचीबद्ध कर सकते हैं, यह अत्यावश्यक है, हमें वास्तव में नहीं पता कि क्या हो रहा है और शहर की हवा लगातार खराब हो रही है।

आईपीएस पूरन सुसाइड केस की जांच पर उठे सवाल

प्रताड़ना के आरोपों में बड़े अधिकारियों से एक माह में पूछताछ तक नहीं

चंडीगढ़, 7 नवंबर (एजेंसियां)। हरियाणा के वरिष्ठ आईपीएस अधिकारी वाई पूरन कुमार आत्महत्या मामले की जांच पर एक बार फिर से सवाल उठे हैं। चंडीगढ़ पुलिस की जांच धीमी रफ्तार से आगे बढ़ रही है। घटना को एक महीना बीत चुका है, लेकिन अभी तक एसआईटी ने उन वरिष्ठ अधिकारियों से पूछताछ शुरू नहीं की है, जिनके नाम पूरन कुमार ने अपने फाइनल नोट में प्रताड़ना के आरोपों के साथ लिखे थे। जांच टीम फिलहाल गनमैन सुशील कुमार पर दर्ज एफआईआर से ही जांच आगे बढ़ा रही है। इसी को लेकर एसआईटी अब तक इस मामले से जुड़े 12 लोगों से बयान दर्ज किए हैं, जिनमें अधिकतर कम रैंक कर्मचारी शामिल हैं। एसआईटी ने हरियाणा सरकार से कुछ अहम दस्तावेज मांगे हैं,

जिनके उपलब्ध होने का इंतजार किया जा रहा है। सात अक्टूबर की दोपहर आईपीएस अधिकारी वाई पूरन कुमार ने चंडीगढ़ के सेक्टर-11 स्थित सरकारी आवास में अपने गनमैन की सर्विस रिवॉल्वर से गोली मारकर आत्महत्या कर ली थी। घटना की जानकारी मिलते ही पुलिस और फोरेंसिक टीमें मौके पर पहुंचीं और जांच शुरू की। मौके से मिले फाइनल नोट में 15 अधिकारियों के नाम लिखे थे, जिन पर उन्होंने मानसिक प्रताड़ना और दबाव डालने के आरोप लगाए थे।

'कांग्रेस एमएलए का भी वोटर लिस्ट में 2 बार नाम', बीजेपी नेता ने वोट चोरी पर राहुल को ही घेर लिया

मुंबई, 7 नवंबर (एजेंसियां)। हरियाणा चुनाव में गड़बड़ी का आरोप लगाकर नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने वोट चोरी का मुद्दा एक बार फिर जोर-शोर से उठाया था। लेकिन अब बीजेपी नेता भी पलटवार के मूड में हैं। वे राहुल गांधी के आरोपों के जरिए ही उन्हें घेरने की कोशिश कर रहे हैं। दरअसल, मुंबई बीजेपी नेता अमित साटम ने एक्स पर राहुल गांधी को टैग करते हुए सवाल पूछा कि आपके विधायक का भी वोटर लिस्ट में दो बार नाम है। आप इसका क्या जवाब देंगे। इस खबर में पढ़िए कि ये पूरा मामला क्या है। बता दें कि मुंबई बीजेपी अध्यक्ष अमित साटम ने एक्स पोस्ट कर कांग्रेस विधायक असलम

शेख के 2 वोटिंग कार्ड होने का आरोप लगाया। साटम ने विधायक असलम रमजान शेख के 2 जगह वोटर होने की जानकारी भी दी। अपने एक्स पोस्ट में अमित साटम ने वोटर लिस्ट की तस्वीरें भी डालीं जिसमें कांग्रेस विधायक का नाम दो जगह दिख रहा है।

राहुल गांधी ने क्या आरोप लगाए थे?

गौरतलब है कि राहुल गांधी ने बुधवार को प्रेस कॉन्फ्रेंस करके बीजेपी और चुनाव आयोग पर निशाना साधा था। उन्होंने दावा किया था कि पिछले साल हुए हरियाणा विधानसभा चुनाव में 25 लाख फर्जी वोटों के जरिए चुनाव 'चोरी' किया गया। हालांकि, राहुल गांधी के इस दावे के कुछ घंटे बाद ही बीजेपी का रिएक्शन सामने आ गया था।

राहुल गांधी पर बीजेपी का पलटवार

राहुल गांधी ने कहा था कि मैं जो कह रहा हूं वह 100 फीसदी सच है। एक पूरे राज्य को चुरा लिया गया। इसके जवाब में केंद्रीय मंत्री किरेन रिजिजू ने राहुल गांधी के आरोपों को 'निराधार और झूठा' बताया। उन्होंने कहा कि वह हरियाणा चुनाव में वोट चोरी का आरोप लगाकर निर्वाचन आयोग का अपमान कर रहे हैं, जबकि उनके दल के सहयोगी ही

कह चुके हैं कि कांग्रेस अपने खुद के कारणों से चुनाव हारी

उन्होंने आगे कहा कि हरियाणा चुनाव के दौरान उनकी सीनियर नेता कुमारी सैलजा ने कहा था कि कांग्रेस नहीं जीत पाएगी, क्योंकि हरियाणा कांग्रेस के कुछ नेता चाहते थे कि पार्टी हार जाए। रिजिजू ने ये भी दावा किया कि हाल ही में कांग्रेस के एक पूर्व नेता ने पार्टी से इस्तीफा दे दिया और कहा कि कांग्रेस हरियाणा चुनाव इसलिए हारी, क्योंकि उसके नेता काम नहीं कर रहे थे और पार्टी की हार सुनिश्चित करने में लगे हुए थे।

'पीड़ित परिवारों को नहीं मिली मदद'

कफ सिरप केस में कमलनाथ ने सीएम मोहन यादव को लिखा पत्र

छिंदवाड़ा, 7 नवंबर (एजेंसियां)। मध्य प्रदेश के छिंदवाड़ा में कफ सिरप पीने से कई बच्चों की मौत के मामले ने राजनीतिक तूल पकड़ लिया है। प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ ने सीएम डॉ। मोहन यादव को पत्र लिखकर गहरी चिंता जताई है। पूर्व सीएम कमलनाथ ने बच्चों के इलाज में हुई देरी पर सवाल उठाते हुए कहा कि राज्य सरकार ने इलाज का पूरा खर्च उठाने का वादा किया था, लेकिन आज तक पीड़ित परिवारों को एक रुपया भी नहीं मिला। उन्होंने सरकार से मांग की कि शीघ्र ही परिजनों को पूरा खर्च मुहैया कराया जाए। कमलनाथ ने सीएम मोहन यादव को संबोधित करते हुए पत्र में लिखा, छिंदवाड़ा जिले में जहरीली कफ सिरप के सेवन से कई मासूम बच्चों की असमय मृत्यु होने की हृदयविदारक घटना ने पूरे देश एवं प्रदेश को व्यथित किया है। उन्होंने लिखा है कि इस दर्दनाक घटना के पश्चात राज्य सरकार द्वारा यह घोषणा की गई थी कि पीड़ित बच्चों के उपचार का सम्पूर्ण खर्च शासन द्वारा वहन किया जाएगा, किन्तु अब तक उन्हें उपचार में हुए खर्च की राशि प्राप्त नहीं हुई है। कमलनाथ ने कहा कि इस घटना से प्रभावित परिवार न केवल अपने बच्चों की असहनीय क्षति झेल रहे हैं,

बल्कि पीड़ित बच्चों के उपचार में खर्च हुई राशि के कारण परिवारों को आर्थिक समस्याओं का सामना भी करना पड़ रहा है। कमलनाथ ने आगे बताया कि मेरे संज्ञान में आया है कि जिला प्रशासन द्वारा इस संबंध में प्रस्ताव तैयार कर स्वीकृति हेतु राज्य शासन को भेजा जा चुका है, परंतु अब तक कोई अंतिम निर्णय नहीं हुआ है। जिन अस्पतालों में बच्चों का उपचार हुआ था, वे अस्पताल पीड़ित परिवारों से बकाया बिलों की राशि की मांग कर रहे हैं, जिससे इन परिवारों की आर्थिक व मानसिक पीड़ा और बढ़ रही है।

मां बोली- 'बेटा पढ़ लिख ले' तो नाबालिग ने लाठियों से पीटकर मार डाला

शहडोल, 7 नवंबर (एजेंसियां)। मध्य प्रदेश के शहडोल में एक नाबालिग लड़के ने सिर्फ इसलिए अपनी मां की हत्या कर दी, क्योंकि वह उसे पढ़ने के लिए बोलती थी। हालांकि, कहा जा रहा है कि आरोपी मानसिक रूप से बीमार है। पुलिस ने आरोपी को हिरासत में लिया है और उससे पूछताछ कर रही है। दिल दहला देने वाला मामला शहडोल जिले के ब्यौहारी थाना क्षेत्र से सामने आया है। इस घटना ने पूरे इलाके में सनसनी फैला दी है। बताया जा रहा है कि मृतक मां अपने बेटे को पढ़ाई करने के लिए कहती थी,जिससे परेशान होकर उसने मां की हत्या कर दी।

बरकछ गांव में रहने वाली 40 वर्षीय सविता कोल की हत्या उसके ही नाबालिग बेटे ने की। बताया जा रहा है कि किसी बात को लेकर मां-बेटे के बीच विवाद हुआ। मां अपने बेटे को पढ़ाई करने के लिए कहती थी, जिससे गुस्से में आकर बेटे ने अपनी मां पर लाठी-डंडों से ताबड़तोड़ हमला कर दिया।

बीएमसी चुनाव में दलित-आदिवासी महिलाओं के लिए लॉटरी से तय होगा आरक्षण

मुंबई, 7 नवंबर (एजेंसियां)। महाराष्ट्र में बहुत जल्द बीएमसी चुनाव होने वाले हैं। इस बार का चुनाव काफी खास होने वाला है। यही वजह है कि सबकी निगाहें इस चुनाव पर टिकी हुई हैं। इस बार सीटों का आरक्षण लॉटरी से तय किया जाएगा। लॉटरी सिस्टम का पूरा काम 11 नवंबर को पूरा किया जाएगा। इसके जरिए ही आरक्षण तय किया जाएगा। मुंबई नगर निगम (बीएमसी) ने आगामी नगर निकाय चुनावों के लिए वार्डों का आरक्षण निर्धारित करने हेतु 11 नवंबर को लॉटरी की घोषणा की है। इसमें कहा गया कि यह लॉटरी अनुसूचित जाति (महिला), अनुसूचित जनजाति (महिला), अन्य पिछड़ा वर्ग (सामान्य और महिला) और सामान्य वर्ग की महिलाओं के लिए आरक्षण तय करेगी।

मुंबई में कुल 227 नगर निगम वार्ड हैं, जिनके चुनावों की घोषणा जल्द ही होने की उम्मीद है। लॉटरी बांद्रा (पश्चिम) स्थित बाल गंधर्व रंगमंदिर सभागार में आयोजित की जाएगी। आरक्षण सूची का मसौदा 14 नवंबर को प्रकाशित किया जाएगा। नागरिक 20 नवंबर को दोपहर 3 बजे तक इस पर अपनी आपत्तियां और सुझाव दर्ज करा सकते हैं। बीएमसी ने कहा कि प्राप्त आपत्तियों और सुझावों पर विचार करने के बाद अंतिम अधिसूचना जारी की जाएगी। महाराष्ट्र में इस बार का बीएमसी चुनाव खास होने के पीछे की वजह शिवसेना में टूट है।

ऐसा इसलिए क्योंकि शिवसेना टूटने के बाद ये पहला चुनाव है। एकनाथ शिंदे के नेतृत्व वाली शिवसेना और उद्धव ठाकरे के नेतृत्व वाली शिवसेना यूबीटी के बीच कड़ी टक्कर होने की संभावना है। 1997 से ये शिवसेना का गढ़ रहा है। लेकिन शहर अब दो शिवसेना के बीच बंटा हुआ है। छोटी पार्टियां भी अहम भूमिका निभा सकती हैं। महाराष्ट्र में 246 नगर परिषदों और 42 नगर पंचायतों में चुनाव का ऐलान हो गया है। 2 दिसंबर को इन जगहों पर मतदान कराए जाएंगे। वहीं 3 दिसंबर को चुनावी नतीजे आएंगे।

नक्सल मोर्चा पर सर्चिंग करने निकले जवानों पर मधुमक्खियों ने किया हमला; 20 जवान चपेट में

बालाघाट, 7 नवंबर (एजेंसियां)। मध्य प्रदेश के बालाघाट में नक्सल मोर्चा पर सर्चिंग करने निकले जवानों पर मधुमक्खी ने हमला कर दिया। इससे चार जवान गंभीर रूप से घायल हो गये और उन्हें जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है। जानकारी के मुताबिक हॉकफोर्स के जवान गोदरी कैंप के हैं। जोकि दो दिन पहले नक्सलियों के साथ मुठभेड़ होने पर जंगल में सर्चिंग के लिये उतारे गये थे। तीन-चार दिनों से जवान जंगल में सर्चिंग ऑपरेशन में नक्सलियों की तलाश में थे। आज दोपहर के समय पालागोंदी के जंगल में सर्चिंग कर रही पार्टी पर मधुमक्खी ने अचानक हमला कर दिया।

जिससे लगभग 20 जवान इसकी चपेट में आ गये। लेकिन सबसे ज्यादा 4 जवान घायल हैं। जानकारी में आया कि ये चार जवानों में तीन की स्थिति खराब हो गई थी। जिन्हें टांगकर बाहर लाया गया और उसके पश्चात उपचार के लिये पहुंचाया गया। जिनकी हालत खतरे से बाहर है। बताया जा रहा है कि यह घटना सुबह करीब 10-11 बजे के बीच हुई। घायल जवानों की पहचान अभिनव बैस, पवन कोल, नरेंद्र धुर्वे और अजय मिश्रा के रूप में हुई है।

मोगा की एडीसी चारूमिता निलंबित: 3.7 करोड़ रुपये के भूमि अधिग्रहण घोटाले में गवर्नर के आदेश पर कार्रवाई

मोगा, 7 नवंबर (एजेंसियां)। पंजाब सरकार ने मोगा की अतिरिक्त उपायुक्त चारूमिता (पीसीएस) को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया है। यह कार्रवाई राष्ट्रीय राजमार्ग-703 परियोजना से जुड़े 3.7 करोड़ रुपये के भूमि अधिग्रहण घोटाले के आरोपों के बाद की गई है। पर्सनल विभाग (पीसीएस शाखा) द्वारा राज्यपाल के आदेश पर जारी अधिसूचना के अनुसार, 2014 बैच की पीसीएस अधिकारी चारूमिता को पंजाब सिविल सर्विसेज (सजा और अपील) नियम, 1970 के नियम 4(1)(ए) के तहत निलंबित किया गया है। निलंबन अवधि के दौरान उनका मुख्यालय चंडीगढ़ रहेगा और उन्हें सेवा नियमों के अनुसार भत्ता दिया जाएगा।

यह कार्रवाई तब हुई जब लोक निर्माण विभाग ने चारूमिता के खिलाफ चार्जशीट जारी की और विजिलेंस ब्यूरो से इस पूरे मामले की जांच करने को कहा। विवाद उस भूमि को लेकर है जो 1963 में लोक निर्माण विभाग, फिरोजपुर द्वारा सड़क निर्माण के लिए अधिग्रहित की गई थी और जो पिछले पांच दशकों से लगातार सार्वजनिक उपयोग में थी। इसके बावजूद, 2022 में इस भूमि को व्यावसायिक उपयोग के लिए स्वीकृति दे दी गई, जबकि यह हिस्सा अब भी एक सक्रिय सड़क का भाग था। 2014 में राष्ट्रीय राजमार्ग अधिनियम, 1956 के तहत इस सड़क का चौड़ीकरण किया गया और भूमि को दोबारा अधिग्रहित दिखाया गया। बाद में 2019 में 3.7 करोड़ रुपये का मुआवजा नई अधिग्रहित भूमि के रूप में जारी कर दिया गया, जबकि इसकी मूल रिकॉर्ड 1963 से ही सरकारी उपयोग में थी। गड़बड़ी तब सामने आई जब मुआवजा प्राप्तकर्ता ने पंजाब और हरियाणा उच्च न्यायालय में याचिका दाखिल कर मुआवजे की राशि बढ़ाने की मांग की। कोर्ट के नोटिस के जवाब में यह पाया गया कि 1963 के मूल अधिग्रहण रिकॉर्ड गायब हैं, जिससे पूरे अधिग्रहण और स्वीकृति प्रक्रिया पर सवाल उठे।

17 सितंबर को मुख्यमंत्री के प्रधान सचिव और पीडब्ल्यूडी सचिव रवि भगत ने अपनी टिप्पणियों में लिखा कि 2021 से 2025 के बीच एक ही भूमि के विरोधाभासी सीमांकन रिपोर्ट तैयार की गईं और 29 जुलाई 2021 को बंटवारा म्यूटेशन दर्ज किया गया, जबकि वह भूमि 1963 से सरकारी सड़क का हिस्सा थी। उन्होंने यह भी उल्लेख किया कि सिर्फ तीन कनाल भूमि के लिए 3.62 करोड़ रुपये का बढ़ा-चढ़ा सहमति मुआवजा जारी किया गया, जो बाजार मूल्य से कहीं अधिक था। इन्हीं निष्कर्षों के बाद वित्त आयुक्त (राजस्व) अनुराग वर्मा ने धर्मकोट तहसीलदार मनींदर सिंह और नायब तहसीलदार गुरदीप सिंह के खिलाफ चार्जशीट जारी की है। साथ ही उन्होंने फिरोजपुर की उपायुक्त दीपशिखा शर्मा और लुधियाना के जिला राजस्व अधिकारी की देखरेख में भूमि का पुनः सीमांकन कराने का आदेश दिया है। इस प्रक्रिया में विजिलेंस ब्यूरो, पीडब्ल्यूडी और एनएचएआई के अधिकारियों की उपस्थिति अनिवार्य होगी। विजिलेंस ब्यूरो को निर्देश दिया गया है कि वह इस मामले में शामिल सभी अधिकारियों भूमि पुरस्कार और सीएलयू स्वीकृति से जुड़े अधिकारियों की भूमिका की जांच करे और यह पता लगाए कि क्या कोई जानबूझकर गड़बड़ी या मिलीभगत हुई है।

खेसारी लाल के बंगले पर चल सकता है बुलडोजर, नगर निगम ने क्या लिखा है नोटिस में?

नई दिल्ली, 7 नवंबर (एजेंसियां)। भोजपुरी फिल्मों के अभिनेता और बिहार चुनाव में राजद के उम्मीदवार खेसारी लाल यादव के बंगले पर बुलडोजर चल सकता है। मीरा भायंदर नगर निगम ने उन्हें इस संबंध में नोटिस भी भेजा है। मीरा रोड में स्थित खेसारी लाल यादव के बंगले में अवैध काम करने को लेकर यह नोटिस भेजा गया है, जिसमें कहा गया है कि उनके बंगले के अवैध निर्माण को तोड़ दिया जाएगा। नगरपालिका के नोटिस में कहा गया है कि खेसारीलाल के घर के बाहर लगाए गए लोहे के एंगल और शेड को तुरंत हटाया जाए, अन्यथा अतिक्रमण विभाग की ओर से बलपूर्वक कार्रवाई की जाएगी।

यह मामला तब सामने आया जब अतिक्रमण की जांच की गई। इसी दौरान खेसारीलाल के बंगले पर अनधिकृत संरचना पाई गई। खेसारीलाल और परिवार के इस समय बिहार में चुनाव प्रचार में व्यस्त होने के कारण मीरा रोड स्थित उनके घर पर कोई मौजूद नहीं था।

जम्मू-कश्मीर में बीजेपी और पीडीपी की दोस्ती अब भी बरकरार,बोले उमर अब्दुल्ला

श्रीनगर, 7 नवंबर (एजेंसियां)। जम्मू कश्मीर के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने बडगाम में रोड शो के दौरान कहा कि जम्मू-कश्मीर में भारतीय जनता पार्टी और पीपुल्स डेमोक्रेटिक पार्टी के बीच दोस्ती अभी भी बरकरार है। उन्होंने नागरिकों को स्पष्ट किया कि अगर वे स्मार्ट मीटर लगाने के लिए अनिच्छुक हैं तो इसे लगवाने की बाध्यता नहीं है। लेकिन इसके साथ ही उन्होंने यह भी कहा कि स्मार्ट मीटर न लगाने की स्थिति में घोषणापत्र में दिए गए 200 मुफ्त यूनिट का लाभ नहीं मिलेगा।

वहीं, वंदे मातरम विवाद पर उमर अब्दुल्ला ने कहा कि इस निर्णय पर शिक्षा मंत्री के हस्ताक्षर नहीं हैं। उन्होंने स्पष्ट किया कि स्कूलों में क्या होना चाहिए और क्या नहीं, यह सिर्फ प्रशासन का निर्णय होगा और बाहरी लोगों द्वारा इसमें कोई हस्तक्षेप या निर्देश नहीं दिया जाना चाहिए। उमर अब्दुल्ला ने अपने पार्टी कार्यकर्ताओं से अपील की कि वे हर वोटर तक पहुंचें और उन्हें पार्टी की नीतियों और विकास योजनाओं के बारे में जानकारी दें, ताकि आगामी चुनाव में जनता का भरोसा हासिल किया जा सके।

कॉलेज के हॉस्टल में फंदे से लटका मिला बीटेक छात्र का शव

भुवनेश्वर, 7 नवंबर (एजेंसियां)। भुवनेश्वर के इंफोवैली थाना क्षेत्र स्थित एक निजी इंजीनियरिंग कॉलेज में उस वक्त तनाव फैल गया, जब शुक्रवार को बीटेक प्रथम वर्ष के एक छात्र का शव उसके हॉस्टल कमरे में संदिग्ध परिस्थितियों में फांसी पर लटका मिला। मृतक की पहचान भद्रक जिले के सत्य सारथी के रूप में हुई है। पुलिस सूत्रों के अनुसार, छात्र का शव उसके हॉस्टल कमरे में लटका मिला, जबकि कमरा अंदर से बंद था। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है, ताकि मौत के सही कारणों का पता लगाया जा सके। प्रारंभिक जांच में यह मामला आत्महत्या का लग रहा है। हालांकि, घटना के बाद कैंपस में भारी तनाव फैल गया। छात्रों ने आरोप लगाया कि वरिष्ठ छात्रों द्वारा की गई रैगिंग के कारण सत्य ने यह कदम उठाया।

स्वतंत्र वार्ता

शनिवार, 8 नवंबर- 2025

ज्यादा मतदान किसके पक्ष में?

बिहार में पिछले विधानसभा चुनाव के मुकाबले बहुत ज्यादा वोटर मतदान के लिए बाहर निकले। एसआईआर के बाद हुए चुनाव में 64.69 फीसदी वोटरों ने मतदान किया। विपक्ष का दावा है कि यह नीतीश कुमार के खिलाफ एंटी इम्कबेंसी का नतीजा है। जबकि एनडीए इसे अपने कामों की जीत मान रही है। दावे कई हैं, मगर दांव पर नीतीश कुमार है। राजनीतिक हलकों में यह चुनाव नीतीश कुमार का आखिरी चुनाव माना जा रहा है। ऐसे में सवाल है कि सुशासन बाबू, नीतीश सबके हैं, जैसे तमगों से सुशोभित नीतीश कुमार क्या 10वीं बार शपथ लेंगे या नहीं? क्या तेजस्वी यादव मंडल राजनीति के दूसरे उत्तराधिकारी बन जाएंगे? इस सवाल के जवाब में लोगों का मत है कि नीतीश किसी एक जाति के नहीं हैं, वह सबके हैं। उन्होंने बिहार को उत्तर प्रदेश नहीं बनने दिया, जहां मुसलमानों के घर पर बुलडोजर चलते हैं। कुरहनी विधानसभा में आरजेडी के लोगों का भी कहना है कि वे जेडीयू को वोट नहीं देते मगर पिछले 20 साल में नीतीश का कोई बड़ा विरोध किसी ने नहीं किया। चुनाव से पहले दस हजार का जो कैश स्कीम सरकार ने लागू किया, उससे महिला वोटर भी खुश हैं। बीजेपी भी अली और बजरंग बली का जिक्र नहीं कर रही है। आरजेडी जंगलराज के धब्बे को धोने में ही सारा समय खर्च कर रही है। 40 साल की सक्रिय राजनीति में समाजवादी नीतीश कुमार की शुरुआती छवि संघर्ष करने वाले नेता की रही। बाद में वह ऐसे राजनेता के तौर पर उभरे, जो राजनीतिक सूझबूझ से लालू यादव को सत्ता से बेदखल करने में सफल रहे। 20 साल बिहार के न सिर्फ सीएम रहे, बल्कि बिहार की राजनीति को अपने इशारे पर चलाते रहे। उनकी पार्टी की सीटें घटती-बढ़ती रही, लेकिन वे बनते-बिगड़ते गठबंधनों का खूंटा बने रहे। खास यह रहा कि बीजेपी हो या आरजेडी, नीतीश के खिलाफ एंटी इम्कबेंसी का माहौल नहीं बना पाया। विपक्षी दल के नेता नीतीश पर उंगली नहीं उठा सके। खास बात यह है कि सीएम रहने के दौरान उन्होंने कभी विधानसभा चुनाव भी नहीं लड़ा। वह 8 महीने छोड़कर 2005 से 2025 तक मुख्यमंत्री रहे। 2014 के लोकसभा चुनाव में जेडीयू की हार के बाद उन्होंने सीएम की कुर्सी छोड़ दी थी। वह फरवरी 2015 में फिर मुख्यमंत्री बने। वह अभी तक 9 बार सीएम पद की शपथ ले चुके हैं। जेपी आंदोलन से राजनीति शुरू करने वाले नीतीश कुमार 1985 में पहली बार विधायक चुने गए। वह 1989 में बाढ़ लोकसभा क्षेत्र से पहली बार सांसद बने और लगातार चुने जाते रहे। नीतीश कुमार वी पी सिंह की सरकार में कृषि राज्य मंत्री और अटल बिहारी वाजपेयी की सरकार में रेल और भूतल परिवहन मंत्री रह चुके हैं। एक मार्च 1951 में पैदा हुए नीतीश कुमार ने 1972 में बिहार कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग से इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग की डिग्री हासिल की। कुछ दिनों तक बिहार राज्य बिजली बोर्ड में काम भी किया। जेपी आंदोलन से जुड़ने के बाद लोकदल में शामिल हुए। बीते दशकों में समाजवादी विचारधारा की पार्टियों का नाम और स्वरूप बदलता रहा। इसी कड़ी में वह जनता दल का हिस्सा भी रहे। इस पार्टी से वह विधायक, सांसद और केंद्रीय मंत्री बने।

भारतीय राजनीति विचारणीय और चिंतनीय

शिवानन्द मिश्रा

यह धारणा कि राजनीतिक वंशों के सदस्य नेतृत्व के लिए अद्वितीय रूप से उपयुक्त होते हैं, भारतीय शासन व्यवस्था में गहराई से समाई हुई है, ग्राम सभाओं से लेकर संसद के सर्वोच्च पदों तक, लेकिन जब निर्वाचित पद को पारिवारिक विरासत की तरह माना जाता है तो शासन की गुणवत्ता अनिवार्य रूप से प्रभावित होती है। दशकों से, एक परिवार भारतीय राजनीति पर छाया रहा है। नेहरू-गांधी परिवार का प्रभाव – जिसमें स्वतंत्र भारत के प्रथम प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू, प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी और राजीव गांधी और वर्तमान विपक्षी नेता राहुल गांधी और सांसद प्रियंका गांधी वाड्रा शामिल हैं, भारत के स्वतंत्रता संग्राम के इतिहास से जुड़ा हुआ है लेकिन इसने इस विचार को भी पुख्ता किया है कि राजनीतिक नेतृत्व एक जन्मसिद्ध अधिकार हो सकता है। यह विचार भारतीय राजनीति में हर दल, हर क्षेत्र और हर स्तर पर व्याप्त है।यद्यपि नेहरू-गांधी परिवार भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस से जुड़ा हुआ है, फिर भी राजनीतिक परिदृश्य में वंशवाद का बोलबाला है। बिजयानंद (बीजू) पटनायक – जो जनता दल पार्टी के गठन में प्रभावशाली रहे थे – के निधन के बाद उनके पुत्र नवीन ने अपने पिता की रिक्त लोकसभा सीट (संसद का निचला सदन) जीती। नवीन ने बाद में अपने पिता के सम्मान में बीजू जनता दल की स्थापना की और बीजू के पदचिन्हों पर चलते हुए ओडिशा राज्य के मुख्यमंत्री बने जिसका नेतृत्व उन्होंने दो दशकों से भी अधिक समय तक किया।

महाराष्ट्र स्थित शिवसेना के संस्थापक बाल ठाकरे ने नेतृत्व की बागडोर अपने बेटे उद्धव ठाकरे को सौंप दी जिनके अपने बेटे आदित्य ठाकरे भी पार्टी की कमान संभाल रहे हैं। यही बात समाजवादी पार्टी के संस्थापक मुलायम सिंह यादव पर भी लागू होती है जो उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री हैं और जिनके बेटे अखिलेश यादव ने बाद में उसी पद पर कार्य किया. अखिलेश अब सांसद और पार्टी के अध्यक्ष हैं। बिहार में लोक जनशक्ति पार्टी के नेता रामविलास पासवान के बाद उनके बेटे चिराग पासवान ने कमान संभाली है। भारतीय हृदय स्थल से परे, जम्मू-कश्मीर का नेतृत्व अब्दुल्लाओं की तीन पीढ़ियों ने किया है जबकि मुख्य विपक्षी दल पर मुफ़्तियों की दो पीढ़ियों का दबदबा रहा है। पंजाब में शिरोमणि अकाली दल, जिसकी कमान लंबे समय तक प्रकाश सिंह बादल के हाथों में रही, अब उनके बेटे सुखबीर ने संभाल ली है। तेलंगाना में इस समय भारत राष्ट्र समिति के संस्थापक के. चंद्रशेखर राव के बेटे और बेटी के बीच उत्तराधिकार की लड़ाई चल रही है। तमिलनाडु में, दिवंगत एम. करुणानिधि का परिवार सत्तारूढ़ द्रविड़ मुनेत्र कड़गम पार्टी पर नियंत्रण रखता है जहाँ उनके बेटे एम.के. स्टालिन अब मुख्यमंत्री हैं और उनके पोते को उत्तराधिकारी बनाया गया है। यह परिघटना केवल कुछ प्रमुख परिवारों तक ही सीमित नहीं है बल्कि, यह भारतीय शासन के ताने-बाने में, ग्राम सभाओं से लेकर संसद के सर्वोच्च पदों तक, गहराई से समाई हुई है। जैसा कि एक हालिया जाँच से पता चला है, राज्य विधानसभाओं में 149 परिवारों का प्रतिनिधित्व एक से अधिक सदस्य करते हैं जिनमें 11 केंद्रीय मंत्री और नौ मुख्यमंत्रियों के भी पारिवारिक संबंध हैं। 2009 के चुनावों के एक अध्ययन से पता चला है कि 45 वर्ष से कम आयु के दो-तिहाई सांसदों का पहले से ही कोई न कोई करीबी रिश्तेदार राजनीति में है और लगभग सभी युवा सांसदों को संसदीय सीट, आमतौर पर अपने माता-पिता से, विरासत में मिली थी। सभी दलों में 70 प्रतिशत महिला सांसद वंशवादी पृष्ठभूमि से थीं। यहाँ तक कि जिन महिला राजनेताओं का कोई प्रत्यक्ष उत्तराधिकारी नहीं है, जैसे ममता बनर्जी और कुमारी मायावती ने भी अपने भतीजों को अपना उत्तराधिकारी चुना है। सच कहें तो, ऐसी वंशवादी राजनीति पूरे भारतीय उपमहाद्वीप में प्रचलित हैः पाकिस्तान में भुट्टो और शरीफ़, बांग्लादेश में शेख़ और ज़िया परिवार और श्रीलंका में भंडारनायके और राजपक्षे लेकिन ये भारत के जीवंत लोकतंत्र के साथ बिल्कुल बेमेल लगते हैं। तो फिर, भारत ने वंशवादी मॉडल को इतनी पूरी तरह से क्यों अपनाया है? एक कारण यह हो सकता है कि परिवार एक ब्रांड के रूप में प्रभावी रूप से काम कर सकता है. जिन उम्मीदवारों का नाम पहले से ही जाना-पहचाना होता है, उन्हें मतदाताओं का ध्यान आकर्षित करने या उनका विश्वास जीतने के लिए उतनी मेहनत नहीं करनी पड़ती। अगर मतदाता किसी उम्मीदवार के पिता, चाची या भाई-बहन को स्वीकार करते हैं तो वे शायद उम्मीदवार को स्वीकार कर लेंगे - विश्वसनीयता बनाने की कोई ज़रूरत नहीं। यह प्रभाव अतीत के भारत में विशेष रूप से प्रभावशाली रहा होगा जहाँ साक्षरता दर और मीडिया की पहुँच कम थी। लेकिन साक्षरता दर 81% के करीब पहुँचने और मोबाइल-इंटरनेट की पहुँच 95% से ज़्यादा होने के साथ अन्य ताकतें भी काम कर रही होंगी। शायद सबसे महत्वपूर्ण कारक पार्टी की आंतरिक गतिशीलता से जुड़ा है। भारतीय राजनीतिक दल (कुछ अपवादों को छोड़कर) काफ़ी हद तक व्यक्तित्व-आधारित होते हैं। नेतृत्व-चयन प्रक्रियाएँ अक्सर अस्पष्ट होती हैं और निर्णय एक छोटे से गुट या यहाँ तक कि एक अकेले नेता द्वारा लिए जाते हैं - ऐसे व्यक्ति जिनकी नाव को हिलाने में कोई खास रुचि नहीं होती। परिणामस्वरूप, भाई-भतीजावाद आमतौर पर योग्यतावाद पर भारी पड़ता है। इससे कोई मदद नहीं मिलती कि चुनाव लड़ने के लिए भारी मात्रा में संसाधनों की ज़रूरत होती है। वंशवादी परिवारों के पास आमतौर पर काफ़ी वित्तीय पूँजी होती है जो उन्होंने सत्ता में रहते हुए वर्षों में जमा की होती है। इसके अलावा, उनके पास पहले से तैयार चुनावी मशीनरी तक पहुँच होती है जिसमें दानदाताओं, पार्टी कार्यकर्ताओं और स्थानीय गुंडों का नेटवर्क शामिल होता है। इससे उन्हें नए राजनीतिक उम्मीदवारों पर भारी बढ़त मिलती है।

भारत में राजनीतिक वंशवाद को अपनाने का एक सांस्कृतिक पहलू भी हो सकता है। आधुनिकीकरण की दिशा में भारी प्रगति के बावजूद भारतीय समाज में सामंती निष्ठा की भावना अभी भी बनी हुई है. केवल वही सम्मान जो कभी स्थानीय ज़मींदारों या राजघरानों को दिया जाता था, अब राजनीतिक नेताओं को दिया जाता है। इससे यह धारणा पुष्ट होती है कि राजनीतिक अभिजात वर्ग किसी न किसी रूप में एक अलग ही श्रेणी में है, जो उन्हें – और उनके परिवारों को – सत्ता के लिए अद्वितीय रूप से उपयुक्त बनाता है। यह अधिकारबोध इतना प्रबल है कि यह किसी भी खराब रिकॉर्ड को भी ढक सकता है जिससे वंशवादी लगातार चुनावी हार के बावजूद अपनी पार्टियों के शीर्ष पर बने रहते हैं। वंशवादी राजनीति भारतीय लोकतंत्र के लिए एक गंभीर ख़तरा है। जब राजनीतिक सत्ता का निर्धारण योग्यता, प्रतिबद्धता या ज़मीनी स्तर पर जुड़ाव के बजाय वंश से होता है, तो शासन की गुणवत्ता प्रभावित होती है। कम प्रतिभाओं वाले लोगों को चुनना कभी भी फ़ायदेमंद नहीं होता लेकिन जब उम्मीदवारों की मुख्य योग्यता उनका उपनाम हो तो यह ख़ास तौर पर समस्याजनक हो जाता है। दरअसल, चूँकि राजनीतिक वंशों के सदस्य आम लोगों के सामने आने वाली चुनौतियों से अछूते रहते हैं, इसलिए वे अक्सर अपने मतदाताओं की ज़रूरतों का प्रभावी ढंग से जवाब देने के लिए पूरी तरह से तैयार नहीं होते। फिर भी इस बात की कोई गारंटी नहीं है कि उन्हें खराब प्रदर्शन के लिए ज़िम्मेदार ठहराया जाएगा। अब समय आ गया है कि भारत वंशवाद को त्यागकर योग्यता-तंत्र को अपनाए।

दूसरे चरण के लिये सीमांचल से चंपारण तक नेताओं ने झोंकी ताकत

अजय कुमार

बिहार विधान सभा के लिये प्रथम चरण के मतदान के बीच नेताओं ने 11 नवंबर को दूसरे चरण के मतदान के लिए भी बिसात बिछा दी है। दूसरे चरण के मतदान के लिये आज सभी राजनीतिक दल चुनावी मैदान में प्रचार के लिये दिग्गज नेताओं के साथ जनता के बीच उतर रहे हैं। चुनाव प्रचार ने रफ्तार पकड़ ली है, हर ओर जनसभाएं, रैलियां और नेताओं के काफिलों की हलचल है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी आज अररिया जिले के फारबिसगंज और भागलपुर के हवाई अड्डा मैदान में विशाल जनसभाओं को संबोधित कर रहे हैं। इन सभाओं में मोदी मतदाताओं से लोकतंत्र को मजबूत करने, एनडीए सरकार के विकास कार्यों और राष्ट्रहित के मुद्दों को सामने रखते हुए मतदान की अपील कर रहे हैं। इसके अलावा वे सीमांचल और पूर्वी बिहार के मतदाताओं को जोड़ने के लिए इस रणनीतिक दौरे को महत्व दे रहे हैं। मोदी अगले दो दिनों में भभुआ, औरंगाबाद, सीतामढ़ी और पश्चिमी चंपारण में भी सभाएं करने वाले हैं, जिससे सत्ता पक्ष की चुनावी रणनीति स्पष्ट दिख रही है।

कांग्रेस की ओर से राहुल गांधी आज औरंगाबाद तथा वजीरगंज में जनसभा को संबोधित कर रहे हैं। वे बेरोजगारी, महंगाई और किसानों की समस्याओं को प्रमुखता से उठा रहे हैं, विपक्ष की सरकार बनने पर बदलाव की संभावना को हवा दे रहे हैं। बिहार के नेता विपक्ष तेजस्वी यादव भी आज पश्चिम चंपारण, पूर्वी चंपारण, शिवहर और सीतामढ़ी समेत कई स्थानों पर जनसभाएं कर रहे हैं। उनकी हर रैली में रोजगार, शिक्षा, और सामाजिक-आर्थिक न्याय के वादे गूंज रहे हैं। महागठबंधन की ओर से जनसभा का फोकस युवाओं, किसानों और पिछड़े वर्ग के मतदाताओं पर है।बसपा प्रमुख मायावती भी आज यूपी से सटी सीमांत सीटों पर रैलियां कर रही हैं। उनका पूरा जोर दलित वोटरों को साधने, पूर्व सरकारों की विफलताओं और बसपा की बिना प्रचार खर्च, सत्ता पर भरोसे की रणनीति के इर्द-गिर्द घूम रहा है। एनडीए के ओर से गृह मंत्री अमित शाह पश्चिम चंपारण और पूर्वी चंपारण में हुंकार भर रहे हैं, वहीं जेडीयू नेता व मुख्यमंत्री नीतीश कुमार भी लगातार सभाएं कर रहे हैं, मुख्य रूप से अपने सुशासन मॉडल और सामाजिक सुरक्षा योजनाओं का बखान कर रहे हैं। बीजेपी अध्यक्ष जेपी नड्डा भी चंपारण और मधुबनी में सभाएं कर एनडीए सरकार की उपलब्धियां गिना रहे हैं, जबकि विपक्ष उनके शासनकाल में हुई अराजकता, बेरोजगारी और पलायन के मुद्दों पर कटघरे में खड़ा कर रहा है।

ऐसा पहली बार हो रहा है जब चुनाव के दूसरे चरण में इतने बड़े-बड़े नेता एक ही दिन, अलग-अलग जिलों में जनता के बीच जाकर संवाद कर रहे हैं। हर रैली, हर जनसभा मतदाताओं को रिझाने की होड़ को दिखाती है। गांव, कस्बों से लेकर शहरों तक, चौपालों और मैदानों में लोग सुबह से नेताओं की रैलियों का बेसब्री से इंतजार करते हैं। महिलाएं, युवा, किसान, अल्पसंख्यक हर वर्ग की हिस्सेदारी इन सभाओं में देखी जा सकती है तथा उनके सवालों और वोटों का महत्व सभी दल अच्छे से समझ रहे हैं।दूसरे चरण की वोटिंग में जिन प्रमुख नेताओं के भाग्य का फैसला होना है, उनमें अनेक बड़े चेहरे शामिल हैं। एनडीए से कई मंत्री, पूर्व मंत्री और ताकतवर विधायक, महागठबंधन से वरिष्ठ विधायक, नवोदित युवा उम्मीदवार और पूर्व आईएएस, आईपीएस अधिकारी तक इस बार मैदान में हैं। खासकर सीमांचल, मिथिलांचल, कोशी, चंपारण, मगध अंचल की सीटों पर भाजपा-जदयू, आरजेडी, कांग्रेस, बसपा, वाम दल, एआईएमआईएम जैसी पार्टियों के बड़े चेहरों की प्रतिष्ठा दांव पर लगी है। बिहार में दूसरे चरण में 20 जिलों की 122 सीटों पर वोट डाले जाएंगे जिनमें 1300 से ज्यादा उम्मीदवार अपनी किस्मत आजमा रहे हैं। इनमें से कई विधायक, पूर्व विधायक, मंत्री, सांसद की सीटें भी हैं। यह भी दिलचस्प है कि दूसरे चरण के चुनावी रण में 43 फीसदी उम्मीदवार करोड़पति बताये जा रहे हैं, जबकि लगभग 32 फीसदी पर आपराधिक मामले दर्ज हैं।

प्राथमिक स्तर से एआई शिक्षा एक परिवर्तनकारी पहल

डॉ. प्रियंका सौरभ

भारत का शिक्षण तंत्र लंबे समय तक पारंपरिक पद्धतियों पर आधारित रहा है, जहां ज्ञान को रटना और परीक्षाओं में अंक प्राप्त करना ही सफलता का पैमाना माना गया। लेकिन बदलती वैश्विक अर्थव्यवस्था, डिजिटल युग और चौथी औद्योगिक क्रांति के दौर में यह दृष्टिकोण पर्याप्त नहीं रह गया है। आज शिक्षा का उद्देश्य केवल साक्षरता नहीं, बल्कि "स्मार्ट नागरिक" बनाना है — जो न केवल सूचना समझ सके, बल्कि उसका रचनात्मक और नैतिक उपयोग भी कर सके। इसी परिप्रेक्ष्य में सरकार का यह निर्णय कि प्राथमिक स्तर से ही बच्चों को कृत्रिम बुद्धिमत्ता की मूल समझ दी जाए, एक दूरदर्शी और नीतिगत दृष्टि से परिपक्व कदम है। राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 का प्रमुख उद्देश्य इक्कीसवीं सदी की आवश्यकताओं के अनुरूप शिक्षा प्रणाली का रूपांतरण है। नीति यह कहती है कि शिक्षा ऐसी होनी चाहिए जो बच्चे की जिज्ञासा, प्रयोगशीलता और सृजनशीलता को प्रोत्साहित करे। एनईपी 2020 का सबसे बड़ा फोकस यह है कि बच्चों में "सीखने की खुशी" विकसित हो और शिक्षा रटने की बजाय सोचने, समझने और खोजने की प्रक्रिया बने। इस दृष्टि से देखा जाए तो एआई शिक्षा का आरंभ इसी विचार का विस्तार है।

कृत्रिम बुद्धिमत्ता केवल तकनीकी विषय नहीं है, बल्कि यह सोचने, विश्लेषण करने और समस्या समाधान की कला को विकसित करने का माध्यम है। जब बच्चे प्रारंभिक स्तर से ही तर्कशक्ति, पैटर्न पहचान और आंकड़ों को समझने की क्षमता सीखते हैं, तो वे जीवन के हर क्षेत्र में अधिक समझदार निर्णय ले सकते हैं। यही एनईपी 2020 का उद्देश्य भी है – ऐसी शिक्षा जो बच्चे को केवल ज्ञानवान नहीं, बल्कि विवेकवान बनाए। एआई को प्राथमिक स्तर पर शामिल करने का एक और बड़ा लाभ यह है कि यह शिक्षा को बहुविषयी बनाता है। उदाहरण के लिए, यदि किसी कक्षा में बच्चों को रोबोट की मदद से कहानी सुनाई जाती है, तो वे एक साथ भाषा, गणित, विज्ञान और नैतिकता सीखते हैं। इस तरह कृत्रिम बुद्धिमत्ता के उपयोग से शिक्षा का चरित्र "विषय-केंद्रित" न रहकर "अनुभव-केंद्रित" बनता है। एनईपी 2020 का यही लक्ष्य है कि शिक्षा बच्चों के अनुभव और रुचि के आधार पर दी जाए, ताकि सीखना एक स्वाभाविक प्रक्रिया बन सके। राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 में "मौलिक साक्षरता और गणनात्मक क्षमता" यानी बुनियादी पढ़ने-लिखने और गिनने की योग्यता को प्राथमिक चरण की सबसे बड़ी प्राथमिकता बताया गया है। यदि इसी स्तर पर बच्चों को एआई की प्रारंभिक अवधारणाएँ, जैसे – तर्क श्रृंखला, डेटा पहचान, पैटर्न समझना या निर्णय लेना – सिखाई जाएं, तो उनकी सोचने और विश्लेषण करने की शक्ति कई गुना बढ़ सकती है। यह उन्हें न केवल डिजिटल युग के अनुकूल बनाता है, बल्कि भविष्य के रोजगार और नवाचार की दिशा में भी सक्षम बनाता है।

हालांकि, इस योजना के कार्यान्वयन के साथ कुछ चुनौतियाँ भी जुड़ी हैं। सबसे बड़ी चुनौती है – डिजिटल असमानता। भारत के कई ग्रामीण और वंचित क्षेत्रों में अभी भी इंटरनेट, कंप्यूटर और प्रशिक्षित शिक्षकों की पर्याप्त उपलब्धता नहीं है। यदि एआई शिक्षा को समान रूप से लागू नहीं किया गया तो यह अमीर और गरीब बच्चों के बीच एक नई "डिजिटल खाई" पैदा कर सकती है। राष्ट्रीय शिक्षा नीति समावेशिता और समान अवसर पर बल देती है, इसलिए सरकार को इस दिशा में विशेष ध्यान देना होगा कि हर बच्चा, चाहे वह किसी भी पृष्ठभूमि से हो, एआई शिक्षा का लाभ उठा सके। शिक्षक प्रशिक्षण इस पहल की दूसरी बड़ी आवश्यकता है। एआई शिक्षा को सफल बनाने के लिए केवल पाठ्यपुस्तकें नहीं, बल्कि सक्षम और प्रशिक्षित शिक्षक भी आवश्यक हैं। एनईपी 2020 शिक्षकों को "सीखने का सहायक" मानती है, जो बच्चों को प्रेरित करें, मार्गदर्शन दें और जिज्ञासा को पोषित करें। इसके लिए शिक्षकों के लिए विशेष प्रशिक्षण कार्यक्रम तैयार करने होंगे, जिसमें उन्हें एआई की बुनियादी समझ, नैतिक पक्ष और शिक्षण में तकनीक के उपयोग की विधियाँ सिखाई जाएं। एआई शिक्षा का एक और महत्वपूर्ण पहलू नैतिकता है। यदि बच्चों को केवल तकनीक सिखाई जाए और उसमें मानवीय संवेदनाओं, जिम्मेदारी और सह-अस्तित्व का भाव न जोड़ा जाए, तो यह शिक्षा अधूरी होगी। एनईपी 2020 ने "नैतिक और मानवीय मूल्यों" को शिक्षा का अभिन्न हिस्सा बताया है। अतः एआई के साथ "नैतिक एआई" की अवधारणा सिखाना अनिवार्य होना चाहिए, जिससे बच्चे समझें कि तकनीक का उपयोग समाज और मानवता के कल्याण के लिए कैसे किया जा सकता है। इस योजना को सफल बनाने के लिए पाठ्यचर्या में भी नवाचार की आवश्यकता है। एआई शिक्षा को बोझ न बनाकर बच्चों के दैनिक जीवन से जोड़ना होगा। उदाहरण के लिए, खेल-खेल में मशीन की सोच समझाना, चित्रों से आंकड़ों का विश्लेषण सिखाना या कहानियों के माध्यम से कार्य-प्रणाली का अर्थ समझाना — ऐसे उपायों से बच्चे इसे सहज रूप से ग्रहण करेंगे। एआई को बच्चों के अनुभवात्मक और खोज-आधारित शिक्षण का हिस्सा बनाया जा सकता है।

यह पहल भारत के लिए वैश्विक प्रतिस्पर्धा के दौर में भी एक रणनीतिक अवसर प्रस्तुत करती है। आज विश्व के विकसित देश प्राथमिक स्तर पर ही बच्चों को कोडिंग, डेटा साक्षरता और एआई आधारित समस्या समाधान सिखा रहे हैं। यदि भारत भी अपने बच्चों को प्रारंभिक अवस्था से इस दिशा में तैयार करता है, तो आने वाले दशक में वह "कृत्रिम बुद्धिमत्ता का केंद्र" बनने की दिशा में अग्रसर हो सकता है।

इससे न केवल रोजगार के नए अवसर खुलेंगे, बल्कि भारत नवाचार और तकनीकी नेतृत्व में भी अग्रणी बन सकता है। फिर भी, आलोचनात्मक दृष्टि से देखा जाए तो केवल नीतिगत घोषणा पर्याप्त नहीं है। एआई शिक्षा को वास्तविक रूप में प्रभावी बनाने के लिए तीन प्रमुख सुधार आवश्यक हैं। पहला, डिजिटल ढांचे का समान विस्तार, ताकि हर स्कूल में इंटरनेट, कंप्यूटर और स्मार्ट उपकरण उपलब्ध हों। दूसरा, स्थानीय भाषाओं में शिक्षण सामग्री, ताकि भाषा किसी बच्चे की सीखने में बाधा न बने और एनईपी 2020 के बहुभाषिकता के सिद्धांत का पालन हो।तीसरा, सार्वजनिक-निजी साझेदारी के माध्यम से शिक्षा में तकनीकी निवेश को बढ़ाना, जिससे संसाधनों और प्रशिक्षण की कमी पूरी की जा सके।

इन सुधारों के साथ यदि यह योजना प्रभावी रूप से लागू होती है, तो यह भारत की शिक्षा प्रणाली में एक मौलिक परिवर्तन ला सकती है। यह केवल तकनीकी ज्ञान नहीं, बल्कि भविष्य की जीवनशैली, कार्य संस्कृति और मानवीय दृष्टिकोण को भी नया आकार देगी।

आम आदमी को सस्ता और सुलभ इंसाफ कब मिलेगा?

मनोज कुमार अग्रवाल

देश की अदालतों से आम आदमी को इंसाफ मिलना आज भी सपना बना है। जटिल न्यायिक प्रक्रिया अदालत में ऊपर से नीचे तक हर पायदान पर व्याप्त भ्रष्टाचार और मुकदमों के अनुपात में न्यायिक अधिकारियों का अभाव इसका जिम्मेदार है। कुछ लोग तो जीवन भर न्याय पाने की चाहत में दम तोड़ जाते हैं लेकिन अदालत से फैसला नहीं मिलता। समय पर न्याय, न्याय व्यवस्था में जनता के विश्वास की आधारशिला है, जैसा कि इस कहा जाता है कि 'न्याय में देरी, न्याय से इनकार के समान है।' लंबे समय तक देरी अक्सर लोगों को अदालत जाने से रोकती है। पिछले साल, राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने इस झिझक को 'ब्लैक कोट सिंड्रोम' कहा था। लेकिन अब इसका दायरा चौंकाने वाला है। सर्वोच्च न्यायालय में 86,700 से ज़्यादा मामले, उच्च न्यायालयों में 63.3 लाख से ज़्यादा मामले और ज़िला व अधीनस्थ न्यायालयों में 4.6 करोड़ मामले लंबित हैं। कुल मिलाकर, भारत में लंबित मामलों की कुल संख्या 5 करोड़ से ज़्यादा है।

हाल ही में केंद्रीय विधि एवं न्याय मंत्री अर्जुन राम मेघवाल ने राज्यसभा को बताया था कि भारत भर की विभिन्न निचली अदालतों में 4.6 करोड़ से अधिक मामले लंबित हैं। यह बेहद शर्मनाक स्थिति है जबकि मौजूदा सरकार ने देश भर में समयबद्ध न्याय देने का वादा किया था लेकिन स्थिति में कोई खास परिवर्तन नहीं हुआ है वरन लंबित मामलों की तादाद जस की तस बनी है। द्रविड़ मुनेत्र कड़गम सांसद कनिमोझी एनवीएन सोमू द्वारा उठाए गए एक प्रश्न के लिखित उत्तर में मंत्री ने कहा कि सर्वोच्च न्यायालय में 86,723 मामले लंबित हैं, जबकि भारत भर के विभिन्न उच्च न्यायालयों में 63,29,222 मामले लंबित हैं।

''उच्च न्यायालयों से प्राप्त जानकारी के अनुसार, 30 जून 2025 तक 21 राज्यों/केंद्र शासित प्रदेशों में 865 फास्ट ट्रैक कोर्ट कार्यरत हैं।''फास्ट ट्रैक कोर्ट ने अब तक 76,57,175 मामलों का निपटारा किया है, जबकि 14,38,198 मामले अभी भी उनके पास लंबित हैं। ग्राम न्यायालय (जीएन) पोर्टल पर उपलब्ध आंकड़ों के अनुसार, दिसंबर 2020 से जून 2025 तक की अवधि में ग्राम न्यायालयों में 5,39,200 मामले दर्ज किए गए। इसी अवधि में ग्राम न्यायालयों ने 4,11,071 मामलों का निपटारा किया। 30 जून 2025 तक, ग्राम न्यायालयों में लंबित मामलों की संख्या 1,28,129 है।"मोटे तौर पर भारत की अदालतों में 6000 से अधिक जजों की कमी है जिनमें से 5000 जजों की कमी निचली अदालतों में है। 'डिपार्टमेंट आफ जस्टिस' की 1 जुलाई की रिपोर्ट के अनुसार देश के हाईकोर्टों में जजों की स्वीकृत संख्या 1122 के मुकाबले में वहां 751 पदों पर ही नियुक्तियां हुई हैं तथा 371 जजों के पद खाली हैं। देश की जनसंख्या 1.4 अरब है और जजों की कुल संख्या सिर्फ 21,285 है। देश की अदालतों में इस समय 4 करोड़ 66 लाख 24 हजार केस लम्बित हैं। इनमें से 3 करोड़ 55 लाख 67 हजार क्रिमिनल तथा 1 करोड़ 10 लाख 57 हजार सिविल केस हैं। 2025 की 'इंडिया जस्टिस रिपोर्ट' के अनुसार भारत में प्रति 10 लाख लोगों पर सिर्फ 15 जज हैं जबकि 1987 की 'कानून आयोग' की सिफारिश के अनुसार कम से कम 50 जज होने चाहिए। इसी कारण अदालतों में कार्यरत जजों पर मुकदमों का भारी बोझ पड़ा हुआ है।

इसी रिपोर्ट में यह रहस्योद्घाटन भी किया गया है कि देश की जिला अदालतों में एक जज के पास औसतन 2,200 मुकदमे हैं, वहीं इलाहाबाद और मध्य प्रदेश के हाईकोर्टों में प्रत्येक जज के पास 15,000 तक केस हैं। विधि और संसदीय कार्य राज्यमंत्री अर्जुन राम मेघवाल ने 24 जुलाई को राज्यसभा में बताया कि हाईकोर्टों में खाली पड़ी 371 रिक्तियों में से 178 पदों के लिए नियुक्ति प्रस्ताव सरकार और हाईकोर्ट की कोलेजियम के बीच विभिन्न चरणों पर विचाराधीन हैं तथा 193 पदों के लिए अभी तक संबंधित हाईकोर्टों की कोलेजियम से सिफारिशें प्राप्त नहीं हुई हैं।

ऊपर से लेकर नीचे तक देश की अदालतों में जजों की कमी का अदालतों में चल रहे मुकदमों पर पड़ रहे दुष्प्रभाव का अनुमान पिछले 4 महीनों के उदाहरणों से बखूबी लगाया जा सकता है। 20 मार्च, 2025 को राजस्थान में लगभग 40 वर्ष पूर्व हुए एक नाबालिग लड़की के साथ रेप के मामले में सुप्रीमकोर्ट ने राजस्थान हाईकोर्ट द्वारा दोषी को बरी करने के फैसले को पलटते हुए उसे निचली अदालत द्वारा दी गई 7 वर्ष कैद की सजा को बहाल करने के साथ ही 4 सप्ताह में सरेंडर करने का आदेश दिया। जजों ने कहा कि बच्ची की चुप्पी का मतलब यह नहीं लगाया जा सकता कि उसके साथ अपराध हुआ ही नहीं। यह बहुत दुख की बात है कि इस नाबालिग लड़की और उसके परिवार को अपने जीवन के इस भयानक अध्याय को बंद करने के इंतजार में लगभग 40 वर्ष बिताने पड़े।* 30 जून, 2025 को रांची (झारखंड) में भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो के विशेष न्यायाधीश योगेश कुमार सिंह की अदालत ने वर्ष 2005 में 2750 रुपए रिश्वत लेने के 20 वर्ष पुराने मामले में दोषी 'जयराम चौधरी' को 5 वर्ष कैद और 6000 रुपए जुर्माने की सजा सुनाई। जुर्माना अदा न करने पर उसे 2 महीनों की और सजा काटनी होगी 21 जुलाई, 2025 को बॉम्बे हाईकोर्ट ने 19 वर्ष पुराने वर्ष 2006 के मुम्बई रेल बम धमाकों के सभी 12 आरोपियों को बरी कर दिया। इन धमाकों में 187 लोग मारे गए तथा 800 से अधिक लोग घायल हुए थे।

सम्मोहन और स्वतंत्रता का सरकारी परचा

डॉ. सुरेश कुमार

तो सुनिए भाईसाहब, ये जो कवि जी कह रहे हैं कि जब यह सम्मोहन उतर जाएगा, मैं आसमान में उड़ जाऊँगा- असल में यह आदमी कोई कवि-ववि नहीं, लगता है कोई रिटायर होता सरकारी बाबू है। क्योंकि सम्मोहन उतरने की बात वही कर सकता है जो चालीस साल तक, सुबह दस से शाम पाँच, फ़ाइल के नीचे दबा रहा हो और अब उसे अचानक 'स्वतंत्रता' का दौरा पड़ा हो। यह 'सम्मोहन' क्या था? घर की ईएमआई, बच्चों की फीस, और हर महीने बाबूजी के पेंशन के कागज़ों पर अँगूठा लगाने का मोह। अब, जब सब चुकता हो गया, तो इन्हें आसमान याद आ गया! और घर और परिवार का मनमोहक सपना छोड़कर, मैं पंख की तरह हवा में उड़ जाऊँगा!-अरे! यह कौन-सा सपना है जो रिटायरमेंट के बाद याद आता है? घर और परिवार का सपना तो तब होता है जब आप रोज़ शाम को ऑफ़िस की कुर्सी तोड़कर भागते हैं, ताकि बीवी की नाराज़गी से बच सकें। यह तो 'छोड़कर जाने' की धमकी है। यह धमकी नहीं, घोषणा है-कि अब मुझे न घर की किचकिच सुननी, न फ़ाइल की खड़खड़ाहट। अब तो मैं 'पंख' हूँ। माने, अब इन्हें कोई जिम्मेदारी नहीं, कोई जवाबदेही नहीं। अब यह आदमी अपने ही दफ्तर के दफ्तरदारों पर व्यंग्य लिखेगा। ये वही लोग होते हैं जो पूरी ज़िंदगी तो कुर्सी पर चिपककर 'देश-सेवा' करते हैं और रिटायर होते ही 'आध्यात्मिक स्वतंत्रता' का झंडा लेकर निकलते हैं। मानो, स्वर्ग की सीढ़ी पर पैर रखने से पहले, ज़मीन की धूल झाड़ना जरूरी हो। इनकी 'उड़ान' असल में, चार धाम की यात्रा और पोतों को कहानी सुनाने तक सीमित रहती है, मगर दावा पूरा आसमान जीतने का होता है। यही हमारे देश के 'कर्मयोगी' का अंतिम सत्य है।

कवि आगे कहता है, अभी भी रंग-बिरंगी बहार में, धूप, पानी और मिट्टी का खेल। यह रंग-बिरंगी बहार क्या है, भाई? यह 'बहार' है नेताओं के चुनावी वादों का कैलेंडर। हर चुनाव में नई बहार आती है-कभी रोज़गार की बहार, कभी अच्छे दिनों की बहार, कभी 'हर घर पानी' की बहार। और ये धूप, पानी और मिट्टी का खेल? यह सीधा-सीधा सरकारी ठेकेदारी का खेल है। जिस सड़क का टेंडर तीस लाख का था, वह 'धूप, पानी और मिट्टी' में तीस हज़ार की बनती है, और तीस करोड़ का हिसाब बन जाता है। हँसी तो तब नहीं रुकेगी, जब आप भ्रष्टाचार को एक 'कला' मान लें-एक ऐसी कला जिसमें हर आदमी पूरे सफ़र में (माने, जन्म से मृत्यु तक) हँसता ही रहता है। इसलिए कवि कहता है, ₹पूरे सफ़र में हँसी नहीं रुकेगी। यह हँसी इसलिए नहीं रुकती, क्योंकि हर आदमी दूसरे को ठगकर खुश है। और सबसे बड़ा व्यंग्य तो अंतिम पंक्ति में हैः बस कोई और ट्रेन से नहीं उतरेगा! यह इस बात का प्रतीक है कि इस सिस्टम वाली ट्रेन में हर कोई अंदर घुसना चाहता है, क्योंकि ट्रेन में घुसने का मतलब है-पावर, पैसा, कमीशन। ट्रेन में तो सब चढ़ेंगे, टिकट हो न हो, पर उतरेगा कोई नहीं। क्योंकि एक बार सरकारी कुर्सी या पावर की सीट मिल गई, तो आदमी को लगता है कि यह ट्रेन सीधे स्वर्ग जाएगी। और अगर आप गलती से उतरने की बात भी कर दें, तो बाकि यात्री आपको पागल घोषित कर देंगे, कहेंगे-अरे! इतनी बढ़िया सीट और एसी का मज़ा छोड़ कर कौन मूर्ख उतरता है? हमारे देश में सत्ता की ट्रेन से उतरना, मोक्ष से ज़्यादा कठिन है। अब देखिए, ये बाज़ार का थैला क्या है? ये वो थैला है जिसमें हर नागरिक अपने 'ईमान' को भरकर बाज़ार में बेचने के लिए ले जाता है। और इसीलिए कवि तुरंत हाथ जोड़ लेता है, मुझे बाज़ार का थैला रखने को मत कहो। क्यों? क्योंकि यह थैला बड़ा भारी है-इसमें सिर्फ़ सब्ज़ियाँ नहीं, बल्कि रोज़मर्रा के छोटे-मोटे समझौते, रिश्वत की पहली किस्त, और अपने 'नैतिक मूल्यों' का चूरा भरा है। और इस थैले को रखने से मना करने की वजह क्या है? मेरे मन में दुःख की काई जम गई है। भाईसाहब! यह 'दुःख की काई' बहुत ख़तरनाक है।

सूर्य को अर्घ्य देने के बाद अगर ये नहीं किया तो शुभ कामों पर लग सकता है ग्रहण

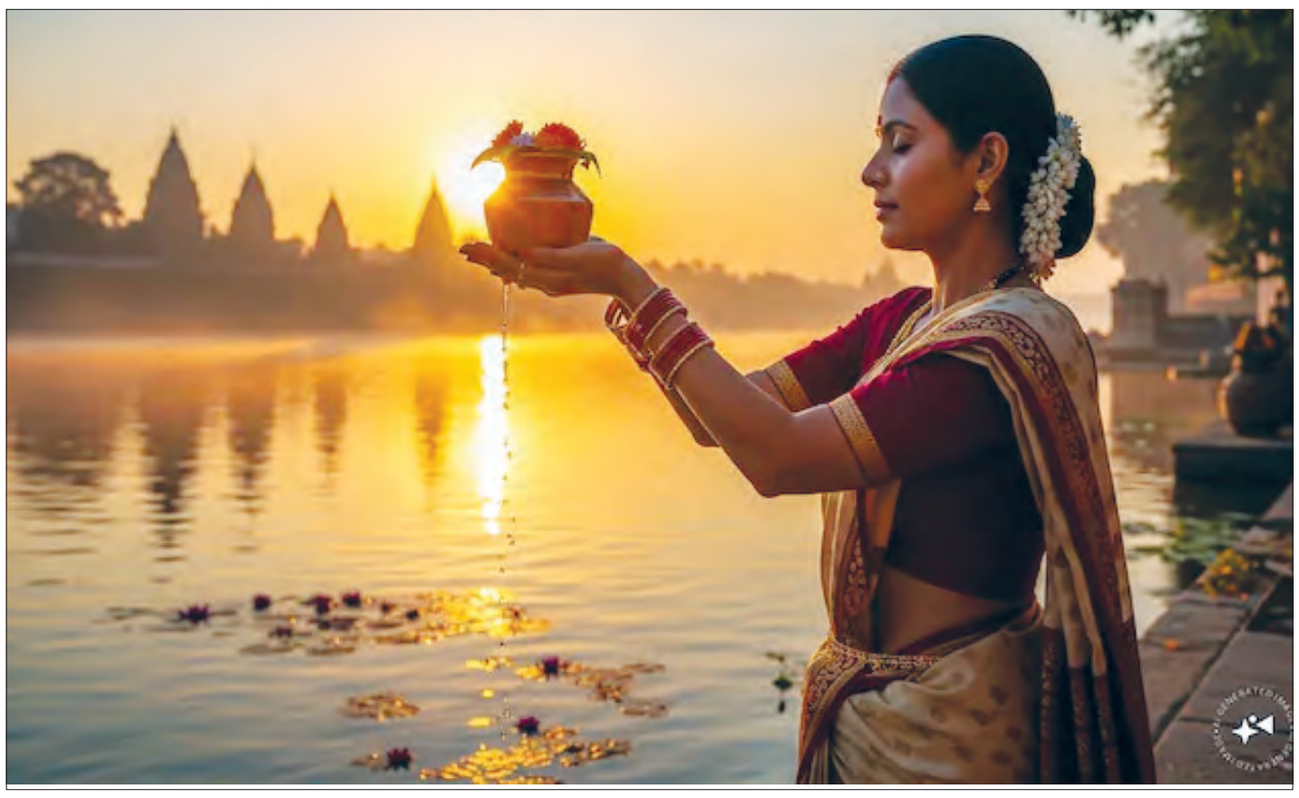

सुबह का समय दिन की शुरुआत का सबसे पवित्र और ऊर्जावान समय माना जाता है। इसी वक्त जब उगता हुआ सूरज अपनी सुनहरी किरणों से आसमान को जगमगाने लगता है, तब बहुत से लोग श्रद्धा से उसे जल अर्पित करते हैं यानी "सूर्य को अर्घ्य" देते हैं। हिंदू धर्म में यह परंपरा सदियों से चली आ रही है। कहा जाता है कि सूर्य देव न सिर्फ हमारे जीवन को रोशनी देते हैं, बल्कि हमें आत्मविश्वास, ऊर्जा और सेहत का वरदान भी देते हैं।

कई लोग रोजाना अर्घ्य देते हैं, लेकिन ज्यादातर को यह नहीं पता होता कि जल अर्पित करने के बाद क्या करना चाहिए। आम तौर पर लोग अर्घ्य देकर सीधे अपने कामों में लग जाते हैं, जबकि शास्त्रों में अर्घ्य देने के बाद एक बेहद खास क्रिया बताई गई है जो जीवन में सकारात्मक ऊर्जा लाती है, और घर में सुख-समृद्धि का मार्ग खोलती है। हैदराबाद के ज्योतिषाचार्य पंडित पंढ़रीनाथ नरसीकर बताते हैं कि अगर कोई व्यक्ति हर सुबह सूर्य को अर्घ्य देने के बाद सिर्फ एक काम कर ले, तो सूर्य देव की कृपा लगातार उस पर बनी रहती है।

आइए जानते हैं ज्योतिषी एवं वास्तु सलाहकार पंडित पंढरीनाथ से आखिर वह काम क्या है और क्यों जरूरी माना गया है।

सूर्य को अर्घ्य देने के बाद क्या करें?

जब आप उगते हुए सूर्य को जल अर्पित करते हैं, तो वह पानी धरती पर गिरता है और उसकी हर बूंद सूर्य की किरणों से मिलकर एक तरह से ऊर्जा का रूप ले लेती है। यही कारण है कि शास्त्रों में कहा गया है कि अर्घ्य देने के बाद उस गिरे हुए जल को व्यर्थ न जाने दें। आपको सबसे पहले उस जल को हल्के से अपने हाथों से छूना चाहिए और थोड़ा-सा पानी अपने माथे, छाती या बाहों पर लगाना चाहिए। ऐसा करने से उस पवित्र जल में मौजूद सूर्य की ऊर्जा आपके शरीर में समा जाती है।

यह केवल धार्मिक मान्यता नहीं, बल्कि एक तरह की प्राकृतिक प्रक्रिया है। जब सूरज की किरणों से स्पर्श हुआ जल आपके शरीर से मिलता है, तो इससे आपकी त्वचा को हल्की गर्माहट और ऊर्जा महसूस होती है। ऐसा माना जाता है कि इससे शरीर में सकारात्मक ऊर्जा का प्रवाह बढ़ता है और मन में स्थिरता आती है।

क्यों जरूरी है यह छोटा-सा कदम?

सूर्य ऊर्जा, शक्ति और आत्मविश्वास का प्रतीक है। जब आप जल अर्पण करते हैं, तो आप सीधे उस ऊर्जा से जुड़ते हैं, लेकिन अगर आप अर्घ्य देने के बाद तुरंत वहाँ से हट जाते हैं, तो उस पल की ऊर्जा अधूरी रह जाती है।

जब आप उस गिरे हुए जल को अपने शरीर पर लगाते हैं, तो वह सूर्य की ऊर्जा को आत्मसात करने जैसा होता है। यह माना जाता है कि इससे शरीर में तेज आता है, चेहरा निखरता है और आत्मविश्वास में वृद्धि होती है।

ज्योतिषाचार्य का कहना है कि यह क्रिया हमारे अंदर के दोषों को भी शांत करती है। यदि किसी की कुंडली में सूर्य कमजोर है या आत्मविश्वास की कमी रहती है, तो रोजाना अर्घ्य देने के बाद यह क्रिया करने से धीरे-धीरे सुधार महसूस होता है।

मानसिक और आध्यात्मिक लाभ

अर्घ्य के बाद जल को शरीर पर लगाने से न केवल शारीरिक ऊर्जा मिलती है बल्कि मानसिक शांति भी मिलती है। यह माना जाता है कि इससे मन में सकारात्मकता बढ़ती है, चिंता और तनाव कम होते हैं, और पूरे दिन का माहौल अच्छा बना रहता है, अगर आप ध्यान से देखेंगे तो पाएंगे कि जो लोग रोजाना श्रद्धा से यह काम करते हैं, उनके चेहरे पर हमेशा एक अलग-सी चमक और आत्मविश्वास झलकता है। यह केवल धार्मिक आस्था नहीं, बल्कि एक तरह की 'एनर्जी थेरेपी' है जो बिना किसी खर्च के आपको मानसिक और शारीरिक रूप से सशक्त बनाती है।

युद्ध के बाद श्रीकृष्ण से मिलने पहुंचे शिवजी और ब्रह्माजी

श्रीकृष्ण की सीख: जब तक लक्ष्य पूरा न हो जाए, तब तक अपना ध्यान काम से न हटाएं

अभी मार्गशीर्ष मास चल रहा है और इस मास में श्रीकृष्ण की पूजा के साथ ही उनकी कथाएं पढ़ने-सुनने की परंपरा है। भगवान की कहानियों में जीवन प्रबंधन के सूत्र भी छिपे हैं, इन सूत्रों को जीवन में उतार लेने से हमारी कई समस्याएं दूर हो सकती हैं। यहां जानिए श्रीकृष्ण का एक ऐसा प्रसंग, जिसमें भगवान ने लक्ष्य पूरा करने का तरीका बताया है...

महाभारत युद्ध के बाद पांडवों के जीवन में सब कुछ ठीक हो चुका था। श्रीकृष्ण अपनी नगरी द्वारका लौट आए थे। कई वर्षों के बाद एक दिन भगवान शिव, ब्रह्मा, इंद्र और अनेक देवता श्रीकृष्ण से मिलने द्वारका पहुंचे। इन तीनों देवताओं ने श्रीकृष्ण को प्रणाम किया, श्रीकृष्ण ने पूछा कि देवगण, आज आप सब एक साथ आए हैं, अवश्य कोई विशेष बात है? ब्रह्मा जी ने सबकी ओर से उत्तर दिया कि प्रभु, आपने जब-जब अवतार लिया, तब-तब धरती को बुराइयों से मुक्त किया। आपने मानव को कर्म, प्रेम, और धर्म का मार्ग दिखाया। अब आपके अवतार का समय पूरा हो चुका है। आपने अपने सारे उद्देश्य पूर्ण कर लिए हैं। अब समय आ गया है कि आप अपने परमधाम लौट चलें। ये सुनकर श्रीकृष्ण के कहा कि आप सबका आगमन मेरे लिए सौभाग्य की बात है, पर अभी कुछ कार्य शेष हैं। मेरे यदुवंशी पुत्र और बंधु अधर्मी हो गए हैं। मैंने उन्हें अब तक रोक रखा है, लेकिन अब इनकी गति को भी रोकना उचित नहीं। ये आपस में संघर्ष करेंगे और अपने कर्मों का फल पाएंगे। बुराई का जो अंतिम अंश इस धरती पर शेष है, उसे भी मिटाना है। सही समय आने पर ही मैं आपके साथ अपने धाम लौटूंगा। जब कलियुग का आरंभ होगा, तब मैं पुनः किसी रूप में आऊंगा, धर्म की रक्षा के लिए।

तीनों देवता श्रीकृष्ण की बात सुनकर उन्हें प्रणाम करके वहां से लौट गए। इसके बाद श्रीकृष्ण ने शांत भाव से द्वारका के चारों ओर दृष्टि डाली, वे जानते थे कि अब अपने धाम लौटने का समय निकट है, लेकिन अधूरा कार्य छोड़कर वे नहीं जाएंगे। कुछ समय बाद यदुवंशियों के आपसी संघर्ष में वही हुआ जो श्रीकृष्ण ने कहा था, सभी यदुवंशी आपस में लड़-झगड़कर मारे गए। द्वारका डूबने लगी। श्रीकृष्ण ने अपने अंतिम क्षणों में वन में विश्राम किया और वहां से अपने धाम के लिए लौट गए।

श्रीकृष्ण ने अपने धाम लौटते समय संदेश दिया कि कर्म का अंत नहीं तब तक होता, जब तक कि कार्य पूर्ण न हो।

श्रीकृष्ण की सीख

कोई काम को अधूरा न छोड़ें

श्रीकृष्ण ने संदेश दिया है कि जब तक अपने कार्य पूरा न हो जाए, उन्हें अधूरा छोड़ने से हम अपने उद्देश्य से भटक सकते हैं। हर व्यक्ति को अपने छोटे-बड़े काम में पूर्णता का भाव रखना चाहिए। अधूरे काम बोझ बनते हैं और जीवन में अशांति आती है।

समय का सम्मान करें

हर कार्य के लिए एक उचित समय होता है। श्रीकृष्ण ने कहा कि वे सही समय आने पर अपने धाम लौटेंगे, भगवान ने संदेश दिया कि समय का सम्मान करना चाहिए और सही समय पर सही काम करना चाहिए।

आत्मसंयम बनाए रखें

जब परिस्थितियां नियंत्रण से बाहर हों, तब आत्मसंयम ही सबसे बड़ा सहायक बनता है। श्रीकृष्ण ने यह जानते हुए कि यदुवंश का नाश होगा, उसे स्वीकार किया। कभी-कभी हालात मुश्किल हो जाते हैं, ऐसी स्थिति के लिए श्रीकृष्ण ने संदेश दिया है कि हर घटना को सकारात्मक सोच के साथ स्वीकार करना चाहिए, तभी शांति मिलती है।

गणाधिप संकष्टी चतुर्थी आज

नवंबर 2025 की संकष्टी चतुर्थी यानि गणाधिप संकष्टी चतुर्थी मार्गशीर्ष माह के कृष्ण पक्ष की चतुर्थी तिथि को मनाई जाती है। इस दिन व्रत रखकर विघ्नहर्ता श्री गणेश जी की पूजा की जाती है और रात के समय में चंद्रमा को अर्घ्य देने के बार व्रत का पारण होता है। इस बार गणाधिप संकष्टी चतुर्थी के दिन शिव और सिद्ध योग बन रहे हैं।

पंचांग के अनुसार, गणाधिप संकष्टी चतुर्थी के लिए मार्गशीर्ष कृष्ण चतुर्थी तिथि का प्रारंभ 8 नवंबर को सुबह 7 बजकर 32 मिनट से हो रही है और यह तिथि 9 नवंबर को तड़के 4 बजकर 25 मिनट पर खत्म हो रही है। इस वजह से गणाधिप संकष्टी चतुर्थी का व्रत 8 नवंबर शनिवार को रखा जाएगा।

शिव योग में गणाधिप संकष्टी चतुर्थी

गणाधिप संकष्टी चतुर्थी के दिन शिव और सिद्ध योग बन रहे हैं। उस दिन शिव योग प्रातःकाल से लेकर शाम 6 बजकर 32 मिनट तक है, उसके बाद से सिद्ध योग है। शिव योग जप, ध्यान, साधना आदि के लिए शुभ फलदायी है, जबकि सिद्ध योग में किए गए कार्य सफल होते हैं।

णाधिप संकष्टी चतुर्थी के अवसर पर मृगशिरा नक्षत्र प्रातःकाल से लेकर रात 10 बजकर 02 मिनट तक है, उसके बाद से आर्द्रा नक्षत्र है।

गणाधिप संकष्टी चतुर्थी मुहूर्त

गणाधिप संकष्टी चतुर्थी के दिन ब्रह्म मुहूर्त 04:53 ए एम से लेकर 05:46 ए एम तक है। उसके बाद अभिजीत मुहूर्त दिन में 11 बजकर 43 मिनट से दोपहर 12 बजकर 26 मिनट तक है।

यह उस दिन का शुभ समय है। सुबह में गणेश पूजा का शुभ-उत्तम मुहूर्त 08:00 ए एम से 09:21 ए एम तक है। वहीं दोपहर में पूजा का मुहूर्त 12:05 पी एम से लेकर शाम 04:09 पी एम तक है।

इसमें भी लाभ-उन्नति का मुहूर्त दोपहर 01 बजकर 26 मिनट से दोपहर 02 बजकर 48 मिनट तक है। चतुर्थी पर निशिता मुहूर्त देर रात 11:39 पी एम से लेकर मध्य रात्रि 12:31 ए एम तक है।

भद्रा में गणाधिप संकष्टी चतुर्थी

गणाधिप संकष्टी चतुर्थी के दिन भद्रा लग रही है। भद्रा का प्रारंभ सुबह 06:38 ए एम से लेकर 07:32 ए एम तक है। हालांकि इस भद्रा का वास स्वर्ग में है, जिसका बुरा प्रभाव धरती पर नहीं होगा। ऐसे में आप शुभ कार्य कर सकते हैं। उस दिन का राहुकाल 09:21 ए एम से लेकर 10:43 ए एम तक है।

गणाधिप संकष्टी चतुर्थी पर चांद निकलने का समय

गणाधिप संकष्टी चतुर्थी व्रत रखने वालों को चंद्रोदय का इंतजार रहेगा। चतुर्थी को शाम 07 बजकर 59 मिनट पर चांद निकलेगा। उस समय आप चंद्रमा की पूजा करें और अर्घ्य दें।

गणाधिप संकष्टी चतुर्थी का महत्व

जो व्यक्ति गणाधिप संकष्टी चतुर्थी का व्रत रखकर भगवान गणेश की पूजा करता है, उसके सभी कष्ट और संकट दूर हो जाते हैं।

स्कंद पुराण और ब्रह्मवैवर्त पुराण के अनुसार, संकष्टी चतुर्थी का व्रत विधि-विधान से करने पर जीवन में सुख-शांति आती है। गणपति कृपा से मनोकामनाएं भी पूरी होती हैं।

गणेश जी के आशीर्वाद से जीवन में शुभता आती है। कार्य सफल होते हैं, करियर में भी उन्नति होती है।

हनुमान जी का आशीर्वाद या चेतावनी? संकेत बताते हैं कि वो आपसे प्रसन्न हैं या नाराज़!

हिन्दू धर्म में अगर किसी देवता को सबसे ज्यादा जागृत और जीवंत माना गया है, तो वो हैं हनुमान जी। उन्हें "संजीवनी शक्ति" का प्रतीक भी कहा जाता है क्योंकि उनकी पूजा करने वाला व्यक्ति न सिर्फ आत्मविश्वासी बनता है बल्कि उसके जीवन से डर, निराशा और बाधाएं दूर होने लगती हैं

हाथों में मंगल रेखा का साफ दिखना

ज्योतिष के अनुसार, हनुमान जी का सीधा संबंध ग्रह मंगल से है, अगर किसी व्यक्ति के हाथ में मंगल रेखा साफ दिखाई देने लगे, तो इसे बहुत शुभ माना जाता है, ये रेखा सामान्यतः हर किसी को नहीं दिखती, लेकिन जिस दिन ये आपके हाथों पर साफ नजर आए, तो समझ लीजिए बजरंगबली की कृपा आप पर बरस रही है। मंगलवार को अगर आप हनुमान जी के नाम का जाप करें और लाल चोला चढ़ाएं, तो ये प्रभाव और भी बढ़ जाता है।

कुंडली में मजबूत मंगल योग बनना

अगर आपकी कुंडली में मंगल ग्रह मेष, वृश्चिक या मकर राशि में है और साथ में सूर्य और बुध एक ही स्थान पर बैठे हैं, तो ये "मंगल नेका योग" बनाता है। यह योग संकेत देता है कि हनुमान जी आपसे प्रसन्न हैं, और आपके काम बनना शुरू हो जाएंगे। ऐसा व्यक्ति मानसिक रूप से मजबूत, आत्मविश्वासी और निर्णय लेने में साहसी होता है, ये सब हनुमान जी की ही कृपा मानी जाती है।

3। आंखों की रोशनी और निडर स्वभाव

अगर आपकी आंखों की रौशनी हमेशा ठीक रहती है, और आप किसी भी स्थिति में डरते नहीं हैं, तो ये भी बजरंगबली के आशीर्वाद का संकेत है। ज्योतिष में कहा गया है कि जिन लोगों का मंगल ग्रह मजबूत होता है, उनकी आंखें स्वस्थ रहती हैं और स्वभाव निडर होता है। डर का खत्म हो जाना हनुमान जी की कृपा का सीधा संकेत है, चाहे आप उनके भक्त हों या नहीं।

सपनों में हनुमान जी या श्रीराम का दर्शन होना

कई बार हनुमान जी अपने भक्तों को सपनों में दर्शन देते हैं, अगर आपको सपने में हनुमान जी या श्रीराम हंसते हुए दिखें, तो ये बहुत शुभ संकेत है, ये बताता है कि भगवान आपसे खुश हैं और आपकी हर परेशानी को दूर करने में लगे हैं। ऐसा सपना आने के बाद जीवन में कोई बड़ा सकारात्मक बदलाव जरूर आता है।

घर में रामायण पाठ या भक्ति माहौल बना रहना

अगर आपके घर में रोजाना रामायण का पाठ होता है, श्रीराम के भजन बजते हैं या हनुमान चालीसा का नियमित पाठ किया जाता है, तो उस घर में खुद हनुमान जी की उपस्थिति बनी रहती है। वहां शांति, सुख और समृद्धि का वातावरण होता है। कहा जाता है कि जहां हनुमान जी की आराधना होती है, वहां किसी तरह की नकारात्मक ऊर्जा नहीं टिकती।

विनम्र स्वभाव और अच्छे कर्म करना

अगर आप स्वभाव से विनम्र हैं, लोगों की मदद करते हैं, और किसी का बुरा नहीं सोचते, तो ये भी इस बात का संकेत है कि हनुमान जी आपके साथ हैं। वे हमेशा अपने सच्चे, निष्कपट और सेवा भाव रखने वाले भक्तों से खुश रहते हैं। जो व्यक्ति दूसरों का भला सोचता है, उसे हनुमान जी हर मुश्किल में सही रास्ता दिखाते हैं।

धन बढ़ाने के चक्कर में तुलसी या रुद्राक्ष गलत रखा तो हो सकता है उल्टा असर

पर्स में रुद्राक्ष रखना

रुद्राक्ष भगवान शिव का प्रतीक है और इसकी ऊर्जा बहुत शक्तिशाली होती है। इसे पर्स में रखने से सकारात्मकता बढ़ती है, और मानसिक शांति मिलती है, लेकिन रुद्राक्ष को कभी भी बिना लपेटे न रखें। इसे लाल या सफेद कपड़े में लपेटकर रखें और कोशिश करें कि इसे कलावे से बांधा गया हो, अगर रुद्राक्ष का मनका पुराना हो गया है या टूटा हुआ है तो उसे पर्स में नहीं रखना चाहिए।। उसे किसी बहते जल में प्रवाहित कर दें। याद रखें कि पर्स को कभी कमर के नीचे न रखें, न ही उस पर बैठें। ऐसा करने से पूजा की वस्तु का अपमान होता है और उसका असर कम हो जाता है।

पूजा से जुड़ी अन्य वस्तुएं

कई लोग भगवान की फोटो, चालीसा, या धातु की छोटी मूर्तियां भी पर्स में रख लेते हैं। लेकिन यह करना सही नहीं माना गया है। ऐसा इसलिए क्योंकि पर्स एक व्यावहारिक वस्तु है जिसमें हम पैसे, रसीदें और कभी-कभी अशुद्ध चीजें रखते हैं। ऐसे में भगवान की तस्वीर या धार्मिक ग्रंथ का पृष्ठ रखना अपवित्र माना जाता है। इससे लाभ के बजाय हानि होती है, अगर आप भगवान की कृपा चाहते हैं तो उनके लॉकेट को पहनना बेहतर है, पर्स में रखना नहीं। वहीं तुलसी के अलावा और किसी पूजा की वस्तु जैसे कमलगट्टे की माला, रुद्राक्ष की माला या धातु की चीजें पर्स में न रखें। इनकी ऊर्जा बहुत संवेदनशील होती है और इन्हें गलत जगह रखने से नकारात्मक प्रभाव पड़ सकता है।

पर्स को हमेशा पवित्र रखें

अगर आप अपने पर्स में तुलसी या रुद्राक्ष रखते हैं, तो यह ध्यान रखें कि पर्स फटा हुआ या गंदा न हो। पर्स को कभी जमीन पर न रखें और कोशिश करें कि वह हमेशा आपके सिर या सीने के स्तर से ऊपर रहे। पर्स में किसी भी तरह की तामसिक चीजें जैसे सिगरेट, गुटखा या अश्लील तस्वीरें नहीं होनी चाहिए। पर्स को रोजाना संभालकर रखें और समय-समय पर उसमें रखी पवित्र वस्तुओं को बदलें। इससे आपकी आर्थिक स्थिति पर भी अच्छा असर पड़ता है और घर में धन-लक्ष्मी का वास होता है।

महाराजा रणजीत सिंह की इस कहानी से सीखें

एक बार महाराजा रणजीत सिंह घोड़े पर सवार होकर सैनिकों के साथ जा रहे थे। अचानक एक पत्थर उनके सिर पर आकर लगा, उनका लश्कर रुक गया और पत्थर मारने वाले की तलाश शुरू हो गई। थोड़ी देर में सैनिक एक बुढ़िया को पकड़ लाए जो भय से थरथर कांप रही थी। सैनिकों ने कहा, ''महाराज इस बुढ़िया ने आपको पत्थर मारा है।''

महाराजा ने बुढ़िया को पास बुलाकर कारण पूछा तो वह बोली, ''महाराज मेरे बच्चे दो दिन से भूखे हैं, अनाज का एक दाना भी घर में नहीं है, जब कोई उपाय न सूझा तो भोजन की तलाश में घर से निकल पड़ी। सामने के पेड़ पर फल देखकर मैं पत्थर मारकर इन्हें तोड़ने की कोशिश कर रही थी ताकि बच्चों के पेट की ज्वाला शांत कर सकूं। दुर्भाग्य ने यहां भी मेरा साथ नहीं छोड़ा और पत्थर आपको लग गया। मैं माफी चाहती हूं।''

महाराजा ने सेनापति को आदेश दिया, ''इसे कुछ अशर्फियां देकर छोड़ दो।'' सेनापति ने आश्चर्य से पूछा, ''महाराज यह कैसा ईनाम, यह तो सजा की हकदार है।''

रणजीत सिंह ने हंसकर उत्तर दिया, ''जब पत्थर मारने पर निर्जीव पेड़ भी मीठा फल देता है तो मनुष्य होकर मैं बुढ़िया को निराश क्यों करूं।'' बुढ़िया महाराजा के सामने नतमस्तक हो गई। महाराजा रणजीत सिंह की न्यायप्रियता इतिहास में अमर है।

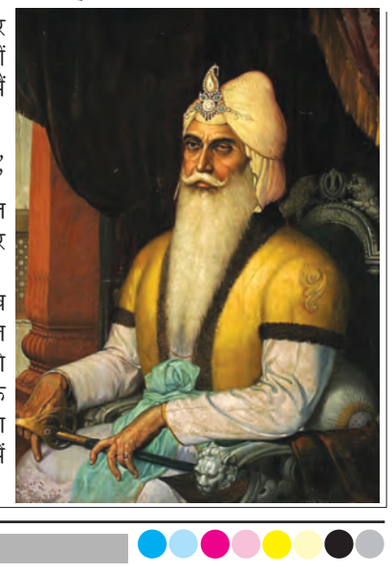

मां बनीं कटरीना कैफ, 42 साल की उम्र में दिया बेटे को जन्म; विक्की ने शेयर की गुड न्यूज

कियारा-प्रियंका से लेकर रणवीर सिंह तक, कटरीना-विक्की को पैरेंट्स बनने पर दी शुभकामनाएं

बॉलीवुड के सबसे पसंदीदा कपल में से एक कटरीना कैफ और विक्की कौशल अब माता-पिता बन गए हैं। कटरीना ने अपने पहले बच्चे को जन्म दिया है, जो बेटा है। खुद कपल ने अपने चाहने वालों के साथ इस गुड न्यूज को शेयर किया है।

विक्की-कैट की खुशियों से भर गई झोली

विक्की कौशल और कटरीना कैफ ने अपने-अपने इंस्टाग्राम पर एक पोस्ट शेयर किया है। इस पोस्ट में एक ग्रीटिंग कार्ड सा है, जिस पर एक बच्चा बना हुआ है और बड़ा सा बेबी बॉय लिखा हुआ है। इस पर लिखा है, 'हमारी झोली खुशियों से भर गई है। बड़े प्यार और दुलार से हम अपने बेबी बॉय का स्वागत करते हैं।' इसके साथ ही विक्की कौशल ने कैप्शन में सिर्फ ब्लेस्ड लिखकर रेड हार्ट इमोजी और ओम बनाया है।

कटरीना कैफ ने 23 सितंबर 2025 को अपनी प्रेग्नेंसी अनाउंस की थी। उस वक्त विक्की-कैट ने अपने इंस्टाग्राम पर एक तस्वीर साझा करके यह जानकारी दी थी कि कपल जल्द ही माता-पिता बनने वाले हैं। इस तस्वीर में

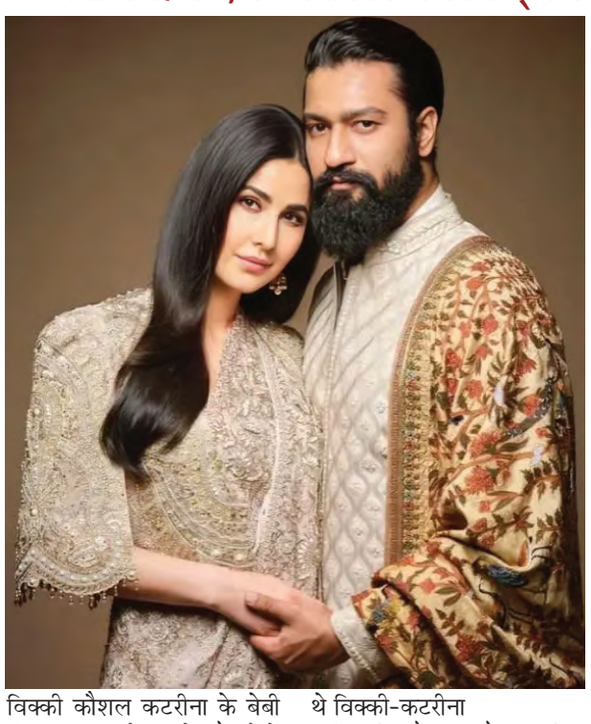

विक्की कौशल कटरीना के बेबी बंप पर हाथ रखे हुए थे और दोनों के चेहरे पर खुशी साफ झलक रही थी। इस तस्वीर के सामने आने के बाद से ही फैंस इस गुड न्यूज का इंतजार कर रहे थे।

काफी वक्त डेट करने के बाद 2021 में शादी के बंधन में बंधे थे विक्की-कटरीना

विक्की कौशल और कटरीना कैफ ने 9 दिसंबर 2021 को एक निजी समारोह में शादी की थी। राजस्थान के सवाई माधोपुर में स्थित सिक्स सेंसेस फोर्ट बरवाड़ा में भव्य तरीके से दोनों की शादी का समारोह हुआ था। हालांकि, इस शादी में सिर्फ विक्की-कैट के घर-परिवार वाले और बेहद खास करीबी ही शामिल हुए थे। शादी से पहले विक्की और कटरीना ने एक-दूसरे को डेट भी किया था। लेकिन दोनों ने अपने अफेयर को भी काफी छिपाकर रखा था।

इस खुशखबरी के आते ही मनोरंजन जगत के दिग्गज सेलेब्स नए–नए पैरेंट्स बने कैट-विक्की को बधाई दे रहे हैं। इस कड़ी में माधुरी दीक्षित, कियारा आडवाणी, मलाइका अरोड़ा, रणवीर सिंह जैसे सितारे शामिल हैं।

करीना-प्रियंका ने भी दी बधाई

कटरीना कैफ और विक्की कौशल के पोस्ट पर करीना कपूर खान ने लिखा, 'कैट मम्मा के क्लब में बेबी बॉय का स्वागत है। आप दोनों के लिए बहुत खुश हूं।' वहीं प्रियंका चोपड़ा ने कमेंट सेक्शन में कहा, 'बहुत खुश हूं, हार्दिक बधाई।'

कियारा आडवाणी ने कहा- बधाई हो मम्मा-पापा

अभिनेत्री कियारा आडवाणी ने अपने इंस्टाग्राम स्टोरी पर कैट-विक्की की पोस्ट को साझा किया। इसमें उन्होंने कैप्शन दिया, 'मम्मा-पापा को दिल से बधाई।'

महेश बाबू की 'एसएसएमबी 29' में पृथ्वीराज सुकुमारन कुम्भा के किरदार में आएंगे नजर

एसएस राजामौली की मच अवेटेड आगामी फिल्म 'एसएसएमबी 29' से अब अभिनेता पृथ्वीराज सुकुमारन का लुक सामने आया है। साथ ही मेकर्स ने उनके किरदार के नाम की भी घोषणा कर दी है।

कुम्भा के किरदार में आएंगे नजर

मेकर्स ने आज पृथ्वीराज सुकुमारन का लुक रिवील किया है। फिल्म की अभिनेत्री प्रियंका चोपड़ा ने अपने इंस्टाग्राम पर एक तस्वीर साझा की है। इसमें पृथ्वीराज सुकुमारन एक व्हील चेयर जैसी एक कुर्सी पर बैठे हैं, जो एक रोबोट मालूम पड़ती है। क्योंकि इसके पीछे से रोबोट की तरह हाथ निकले हुए हैं। पृथ्वीराज इस कुर्सी पर काले रंग का सूट पहने हुए बैठे हैं। वो कैमरे की ओर काफी गुस्से से देख रहे हैं। उनको देखकर ऐसा लग रहा है, जैसे वो पैरालाइज्ड हैं। इसके साथ ही उनके किरदार का नाम भी सामने आया है। उनके किरदार का नाम 'कुम्भा' है। इसको शेयर करते हुए प्रियंका ने कैप्शन में लिखा है, 'उठिए और कुम्भा' से मिलिए।

खतरनाक विलेन के किरदार में दिखेंगे पृथ्वीराज

फिल्म में पृथ्वीराज सुकुमारन एक खतरनाक, बेरहम और ताकतवर विलेन का रोल निभा रहे हैं। इसका अंदाजा उनका फर्स्ट लुक देखकर भी लगाया जा सकता है। इस पोस्टर में पृथ्वीराज गुस्से में खूंखार अंदाज में नजर आ रहे हैं।

15 नवंबरो को होगा ग्रैंड इवेंट

'एसएसएमबी 29' राजामौली और महेश बाबू का बहुप्रतीक्षित प्रोजेक्ट है। फैंस इस फिल्म का बड़ी ही बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। इस फिल्म का एक बड़ा लॉन्च इवेंट 15 नवंबर को हैदराबाद में होना है। इसे अब तक का सबसे बड़ा और ऐतिहासिक इवेंट बताया जा रहा है। इसमें फिल्म की पूरी कास्ट के मौजूद रहने की उम्मीद है। इस दिन फिल्म का टाइटल और बाकी चीजें सामने आएंगी। हालांकि, उम्मीद है कि इससे पहले इस पूरे हफ्ते फिल्म को लेकर कोई न कोई अपडेट आती रहेगी। इसमें उम्मीद है कि फिल्म की कास्ट के लुक रिवील किए जा सकते हैं।

सुजैन-जायद की मां का निधन, 81 साल की उम्र में जरीन खान ने ली आखिरी सांस; परिवार ने जताया दुख

अपने जमाने के मशहूर अभिनेता व निर्माता-निर्देशक संजय खान की पत्नी और अभिनेता जायद खान व सुजैन खान की मां जरीन खान का निधन हो गया है। वह 81 साल की थीं और उम्र संबंधी समस्याओं के कारण कुछ समय से अस्वस्थ थीं। जरीन के निधन के बाद खान परिवार ने दुख जताते हुए प्राइवेस बनाए रखने की अपील की है।

श्रद्धांजलि देने पहुंचे सेलेब्स

जरीन खान के निधन के बाद अब सेलेब्स का उनके घर पहुंचना भी जारी है। अभिनेत्री पूनम ढिल्लोन जरीन खान के घर उन्हें श्रद्धांजलि देने पहुंची हैं। इसके अलावा अभिनेता रोहित रॉय भी संजय खान के घर जरीन खान को श्रद्धांजलि देने पहुंचे हैं।

1966 में हुई थी संजय खान से शादी

जरीन खान ने साल 1966 में अभिनेता संजय खान से शादी की थी। इससे पहले जरीन कुछ एक बॉलीवुड की फिल्मों में भी नजर आई हैं। उन्होंने 'तेरे घर के सामने' और 'एक फूल दो माली' जैसी फिल्मों में यादगार किरदार निभाए हैं। संजय और जरीन की लव स्टोरी एक एक बस स्टॉप पर शुरू हुई थी। एक आकस्मिक मुलाकात जो आगे चलकर जीवन भर के रिश्ते में बदल गई।

ऋतिक रोशन से भी था रिश्ता

जरीन खान के परिवार में उनके पति संजय खान और उनके चार बच्चे सुजैन खान, सिमोन अरोड़ा, फराह अली खान और अभिनेता जायेद खान हैं। जरीन खान का अभिनेता ऋतिक रोशन से भी रिश्ता रहा है। सुजैन ऋतिक की पत्नी थीं। हालांकि, अब ऋतिक और सुजैन अलग हो चुके हैं।

गायिका-अभिनेत्री सुलक्षणा पंडित का 71 साल की उम्र में निधन

9 साल की उम्र में लता मंगेशकर संग गाया गाना, तन्हाई में कटा जीवन

गुरुवार को बॉलीवुड की मशहूर अदाकारा और गायिका सुलक्षणा पंडित का देहांत हो गया। 71 साल की उम्र में उन्होंने दुनिया को अलविदा कह दिया है। आज यानी शुक्रवार को मुंबई में उनका अंतिम संस्कार होगा। परिवार से इस बारे में जानकारी साझा की है। सोशल मीडिया पर सुलक्षणा पंडित की अंतिम यात्रा के वीडियो मौजूद हैं, जिसमें परिवार बहुत गमगीन दिखा।

हिंदी सिनेमा में अपनी भावपूर्ण आवाज और यादगार भूमिकाओं के लिए जानी जाने वाली गायिका और अभिनेत्री सुलक्षणा पंडित का 6 नवंबर, 2025 को निधन हो गया। वह 71 साल की थीं। उनके निधन के पीछे का कारण कार्डिएक अरेस्ट बताया जा रहा है।

छत्तीसगढ़ में हुआ था एक्ट्रेस का जन्म

सुलक्षणा अपने पीछे संगीत और फिल्म दोनों की एक समृद्ध विरासत छोड़ गईं हैं। सुलक्षणा म्यूजिकल बैकग्राउंड फैमिली से आती हैं। उनका जन्म 12 जुलाई 1954 को छत्तीसगढ़ के रायगढ़ में हुआ था सुलक्षणा के साथ-साथ परिवार की

भी संगीत में गहरी जड़ें थीं। वह महान शास्त्रीय गायक पंडित जसराज की भतीजी थीं और प्रसिद्ध संगीतकार जोड़ी जतिन-ललित की बहन थीं।

संजीव कुमार के साथ 'उलझन' में नजर आईं

एक अभिनेत्री के तौर पर सुलक्षणा ने अपने करियर की शुरुआत 1975 में रिलीज फिल्म 'उलझन' से की। इस फिल्म में वो संजीव कुमार के साथ नजर आयीं थीं। बाद में, उन्होंने हेरा फेरी, अपनापन, खानदान, चेहरे पे चेहरा, धरम कांटा और वक्त की दीवार जैसी कई प्रसिद्ध फिल्मों में भी अभिनय किया।

सिंगिंग के लिए मिला था फिल्मफेयर अवॉर्ड

वहीं बात उनकी म्यूजिकल जर्नी की करें तो उनकी संगीत यात्रा नौ साल की छोटी सी उम्र में ही शुरू हो गई थी। उन्होंने 1967 में प्लेबैक सिंगिंग से डेब्यू किया। सुलक्षणा ने संकल्प (1975) के भावपूर्ण गीत 'तू ही सागर है तू ही किनारा' से पॉपुलैरिटी पाई। इसके लिए उन्हें बेस्ट प्लेबैक सिंगर का फिल्मफेयर अवॉर्ड मिला। इसके अलावा उन्होंने साल 1967 में आई फिल्म तकदीर का गाना सात समंदर पार लता मंगेशकर के साथ जोड़ी में गाया था जोकि काफी पॉपुलर हुआ।

कई भाषाओं में गाए गानें

इसके अलावा उन्होंने परदेसिया तेरे देश में, बेकरार दिल टूट गया, ये प्यार किया है और सोना रे तुझे कैसे मिलूं जैसे कई यादगार गानों में अपनी आवाज दी। हिंदी, बंगाली, मराठी, उड़िया और गुजराती सहित कई भाषाओं में गायन करते हुए, सुलक्षणा अपने समय की सबसे वर्सेटाइल प्लेबैक सिंगर में से एक बन गईं।

इस एक्टर से शादी करना चाहती थीं सुलक्षणा पंडित

सुलक्षणा पंडित ने फिल्म उलझन में एक्टर संजीव कुमार के साथ काम किया था. इस सेट पर उन्हें संजीव से प्यार हो गया है. सुलक्षणा ने एक्टर को प्रपोज किया था, लेकिन उन्होंने मना कर दिया. जिसके बाद एक्ट्रेस ने कभी किसी से शादी नहीं की. साल 1985 में संजीव के निधन के बाद उन्होंने फिल्म इंडस्ट्री से दूरी बना ली. संजीव कुमार बॉलीवुड एक्ट्रेस हेमा मालिनी से प्यार करते थे. एक्टर ने हेमा को प्रपोज किया था, लेकिन एक्ट्रेस ने इनकार कर दिया. ये जानकर फैंस को हैरानी होगी कि जिस दिन संजीव कुमार (6 नवंबर) का निधन हुआ, उसी दिन एक्ट्रेस का भी निधन हुआ.

विजय देवरकोंडा से उदयपुर में शादी करेंगी रश्मिका मंदाना!

फैंस की फेवरेट जोड़ी रश्मिका मंदाना और विजय देवरकोंडा जल्द ही शादी के बंधन में बंध सकते हैं। हाल ही में खबरें सामने आई हैं कि दोनों ने अक्टूबर 2025 में सगाई की है। अब उनकी शादी से जुड़ी नई डीटेल सामने आई हैं।

फिल्म इंडस्ट्री में शहनाइयों की गूंज बजने वाली है। फैंस की फेवरेट जोड़ी रश्मिका मंदाना और विजय देवरकोंडा जल्द शादी के बंधन में बंध सकते हैं। उनकी शादी से जुड़ी कुछ बड़ी डीटेल सामने आई है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, अक्टूबर 2025 में प्राइवेट सेरेमनी में सगाई करने के बाद अब कपल फरवरी 2026 में शादी कर सकते हैं। खबर है कि दोनों डेस्टिनेशन वेडिंग करेंगे जिसके लिए राजस्थान के उदयपुर को वेडिंग लोकेशन चुना गया है।

उदयपुर में हो सकती है शाही शादी

सोशल मीडिया पर वायरल पोस्ट के अनुसार, रश्मिका और विजय 26 फरवरी 2026 को उदयपुर के एक भव्य महल में शादी करने की प्लानिंग कर रहे हैं। हालांकि ये खबर केवल एक वायरल पोस्ट के तहत सामने आई है और इसपर अभी तक रश्मिका या विजय की ओर से कोई आधिकारिक पुष्टि या खंडन किया गया है।

सगाई की पुष्टि भी नहीं

एक मीडिया रिपोर्ट में दावा किया गया है कि रश्मिका और विजय ने 3 अक्टूबर 2025 को विजय के हैदराबाद निवास पर सगाई की है। यह एक प्राइवेट सेरेमनी बताई जा रही है जिसमें केवल कपल के करीबी परिवार और दोस्त शामिल हुए थे। इसके बाद अलग-अलग मौकों पर विजय और रश्मिका के हाथों में अंगूठियां भी नोटिस की गईं। हालांकि दोनों के परिवार की ओर से सगाई की खबरों पर कोई पुष्टि नहीं की गई। रश्मिका ने हाल ही में एक इवेंट के दौरान विजय से शादी की बात पर इशारा दिया था।

रश्मिका की टूट चुकी पहली सगाई

आपको बताते चलें, रश्मिका मंदाना इससे पहले 2017 में अभिनेता रक्षित शेट्टी के साथ सगाई कर चुकी हैं। हालांकि एक साल के अंदर ही ये सगाई टूट गई थी।

वहीं रश्मिका और विजय की लव स्टोरी की बात करें तो दोनों के प्यार की शुरुआत गीता गोविंदम (2018) और डियर कमरेड (2019) की शूटिंग के दौरान हुई थी, जहां उनकी ऑन-स्क्रीन कैमिस्ट्री धीरे-धीरे असली जिंदगी के रोमांस में बदल गई। दोनों लगभग 6 साल से एक-दूसरे को डेट कर रहे हैं।

'राजा शिवाजी' में मराठा की आन बान शान दिखाएंगे सलमान खान, बॉक्स ऑफिस पर आएगा भूचाल!

सलमान खान एक बार फिर इतिहास के पन्नों को पर्दे पर जिंदा करने जा रहे हैं. खबर है कि रितेश देशमुख की अपकमिंग ऐतिहासिक फिल्म 'राजा शिवाजी' में एक बेहद खास किरदार निभाने वाले हैं. सलमान फिल्म में 'छत्रपति शिवाजी महाराज' के वीर और वफादार सेनानी जीवा महाला का रोल करेंगे. यह वही योद्धा थे जिन्होंने अफजल खान के सैनिकों के बीच शिवाजी महाराज की जान बचाकर अपनी वीरता का लोहा मनवाया था.

रिपोर्ट्स के मुताबिक, सलमान खान का सीन फिल्म के सबसे यादगार पलों में से एक होगा. उनका यह सीन 7 नवंबर को शूट किया जाएगा. माना जा रहा है कि सलमान का यह किरदार फिल्म की जान बनने वाला है. हर बार की तरह इस बार भी सलमान खान बड़े पर्दे पर दर्शकों का मनोरंजन करने को तैयार हैं, जहां वो किसी एक्शन हीरो की तरह नहीं बल्कि इतिहास के वीर योद्धा की तरह गरजते नजर आएंगे.

बता दें सलमान खान और रितेश देशमुख की यह कोई पहली फिल्म साथ में नहीं है, इससे पहले भी वो एक साथ धमाल मचा चुके हैं, इस जोड़ी को फिल्म 'लई भारी' में और फिल्म 'वेद' के गाने 'वेद लवले' में साथ देखा जा चुका है. जिसे दर्शकों से खूब प्यार मिला है, अब 'राजा शिवाजी' में इनका एक बार फिर यह जोड़ी फैंस साथ दिखने वाली है, जो दर्शकों के लिए किसी तोहफे से कम नहीं है.

इस फिल्म में सलमान खान के साथ संजय दत्त भी दिखेंगे. ये दोनों दिग्गज एक साथ जब बड़े पर्दे पर नजर आएंगे तो इनका टकराव देखने लायक होगा. सलमान खान की अपकमिंग फिल्मों की बात करें, तो लाइनअप में काफी फिल्में है. उनकी मोस्ट अवेटेड फिल्म का पहला लुक 'बैटल ऑफ गालवान' का पहले ही सोशल मीडिया पर गदर काट चुका है.

तमिल अभिनेता अरुण विजय के घर को बम से उड़ाने की धमकी, जांच में जुटी पुलिस

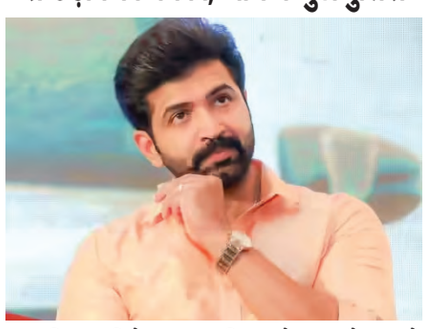

तमिल अभिनेता अरुण विजय के घर को बम से उड़ाने की धमकी मिली है। अभिनेता के चेन्नई स्थित आवास पर बम की धमकी मिलने के बाद हलचल पैदा हो गई। जानकारी मिलते ही शहर की पुलिस और बम निरोधक दस्ते ने तुरंत कार्रवाई की। ये धमकी एक ईमेल के जरिए भेजी गई थी, जिसके बाद पुलिस तुरंत ही हरकत में आ गई।

पुलिस कर रही जांच

एकट्टुथंगल पुलिस स्टेशन के अधिकारियों ने इस बारे में बताया कि डीजीपी कार्यालय को एक संदिग्ध व्यक्ति से ईमेल द्वारा धमकी मिलने के बाद टीमें सतर्क हो गईं। इसमें एकट्टुथंगल इलाके में अरुण विजय के चेन्नई स्थित आवास पर बम रखे जाने की चेतावनी दी गई थी। सूचना मिलने के बाद पुलिस की एक टीम के साथ एक बम निरोधक दस्ता अभिनेता के घर पहुंचा और गहन तलाशी ली। अधिकारी फिलहाल धमकी भरा ईमेल कहां से आया, इसकी जांच कर रहे हैं।

'रेट्टा थाला' में नजर आएंगे विजय

अरुण विजय मुख्य रूप से तमिल फिल्मों में काम करने के लिए जाने जाते हैं। उनकी कुछ प्रमुख फिल्मों में येन्नई अरिंधल (2015), चेक्का चिवंथा वनम (2018) और चक्रव्यूह (2016) जैसी फिल्में शामिल हैं। विजय के आगामी फिल्म की बात करें तो वो क्रिस थिरुकुमारन की 'रेट्टा थाला' में नजर आएंगे। इसका निर्माण बॉबी बालचंद्रन और बीटीजी यूनिवर्सल बैनर तले किया जाएगा।

शिवम दुबे बोले-इतनी बड़ी बाउंड्री नहीं देखी

बड़े मैदान पर 167 का स्कोर पर्याप्त था, 117 मीटर का छक्का लगाया था

ऑस्ट्रेलिया को चौथे टी-20 में 48 रन से हराने के बाद भारतीय ऑलराउंडर शिवम दुबे ने कहा- 'मैंने इतनी बड़ी स्क्वैयर बाउंड्री नहीं देखी है। यहां की स्क्वैयर बाउंड्री करीब 80 से 82 मीटर है।'

उनसे मैच के बाद मीडिया ने बाउंड्री पर सवाल किए थे। क्योंकि, करारा ओवल मैदान में स्क्वैयर बाउंड्री काफी बढ़ी है।

साथ ही नंबर-3 पर बल्लेबाजी करने उतरे दुबे ने भारतीय पारी के 11वें ओवर में एडम जम्पा के खिलाफ सामने की दिशा में 117 मीटर का छक्का लगाया था।

इस मैच को जीतकर भारतीय टीम 5 मैच की टी-20 सीरीज में 2-1 से आगे हो गई है। एक समय टीम 0-1 से पिछड़ रही थी।

हमने मैदान के डायमेंशन के हिसाब से गेंदबाजी की

शिवम दुबे ने कहा- इस मैदान पर बाउंड्री बड़ी है और हमने उसी हिसाब से रणनीति बनाई थी। हमारी रणनीति बड़ी बाउंड्री वाली तरफ गेंद डालने की थी, क्योंकि बड़े शॉट लगाना आसान नहीं है। हमने चतुराई से गेंदबाजी की और बल्लेबाज को क्रीज पर जमने के बाद बड़ी बाउंड्री वाली तरफ शॉट खेलने के लिए मजबूर किया।

बड़े मैदान पर 167 का स्कोर काफी था शिवम दुबे ने कहा- बड़े मैदान पर ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ हमारा स्कोर पर्याप्त था। क्योंकि हमारे पास बेहतरीन गेंदबाज हैं। मुझे उन पर भरोसा है और पूरी टीम को उन पर भरोसा है।

गेंदबाजी से मेरा कॉन्फिडेंस बढ़ा दुबे ने कहा- मुख्य कोच गौतम गंभीर, गेंदबाजी कोच मोर्ने मोर्कल और कप्तान सूर्यकुमार यादव ने गेंदबाज के दौरान मेरी काफी हौसलाअफजाई की। इससे मेरा आत्मविश्वास बढ़ा।

मुझे पता था कि गेंदबाजी करनी पड़ेगी दुबे ने कहा- मुझे जब मौका मिला तो मुझे पता था कि गेंदबाजी करनी होगी। मोर्ने, गौती भाई और सूर्या ने मेरे लिए अच्छी रणनीति बनाई थी। मोर्ने ने छोटे-छोटे टिप्स दिए, जिससे गेंदबाजी में मदद मिली।

ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ दोहरा प्रदर्शन किया

शिवम दुबे ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ इस मुकाबले में दोहरा प्रदर्शन किया। उन्होंने 22 रन बनाए। इतना ही नहीं, 2 विकेट भी झटके। उन्होंने कप्तान मिचेल मार्श और टिम डेविड को पवेलियन भेजा। दुबे इस सीरीज में अब तक 3 विकेट ले चुके हैं।

भारत ने ऑस्ट्रेलिया को उसी के घर में सबसे बड़े अंतर से हराया

भारत ने ऑस्ट्रेलिया को उसी के घर में टी-20 में सबसे बड़े अंतर से हराया। पिछला रिकॉर्ड 37 रन का था, जो भारत ने 2016 में एडिलेड में बनाया था।

गुरुवार को 168 रन का टारगेट चेज कर रही ऑस्ट्रेलिया 18.2 ओवर में 119 रन पर ऑलआउट हो गई। टॉस हारकर बैटिंग कर रही भारतीय टीम ने 20 ओवर में 8 विकेट पर 167 रन बनाए थे। शुभमन गिल ने सबसे ज्यादा 46 रनों की पारी खेली। अक्षर पटेल प्लेयर ऑफ द मैच रहे।

क्रिकेटर शमी की पत्नी को सुप्रीम कोर्ट की फटकार

कहा- क्या हर महीने 4 लाख काफी नहीं; हसीन जहां ने 10 लाख मांगे हैं

भारतीय तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी की पत्नी हसीन जहां को सुप्रीम कोर्ट ने फटकार लगाई है। कोर्ट ने हसीन जहां से कहा- 'क्या 4 लाख की रकम पर्याप्त नहीं है?' कलकत्ता हाईकोर्ट ने शमी को 2.5 लाख बेटी और 1.5 लाख पत्नी को गुजारे भत्ते के रूप में देने का आदेश दिया था। इस पर हसीन जहां ने सुप्रीम कोर्ट का रुख किया।

हसीन जहां ने 4 लाख रुपए को नाकाफी बताते हुए 10 लाख रुपए हर महीने गुजारा भत्ता देने की मांग सुप्रीम कोर्ट से की थी। अदालत ने पश्चिम बंगाल सरकार और भारतीय तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी को नोटिस भेजकर चार हफ्ते में जवाब मांगा है।

हाईकोर्ट का आदेश, हर महीने 4 लाख देंगे

इससे पहले, कलकाता हाईकोर्ट ने जुलाई में शमी को हसीन जहां और बेटी आयरा को हर महीने 4 लाख रुपए देने का आदेश दिया था। शमी को ये रुपए महीने के मेंटेनेंस के लिए देने के लिए कहा था। शमी के इस केस की सुनवाई 21 अप्रैल, 2025 को हुई थी, जिस पर 1 जुलाई, 2025 को फैसला आया। यह राशि पिछले सात साल से लागू होगी।

2014 में हुई थी शादी

शमी और हसीन जहां की शादी 2014 में हुई थी। 2018 में शमी की पत्नी ने क्रिकेटर और उनके परिवार पर हिंसा करने का आरोप लगाया। शादी के करीब एक साल बाद 17 जुलाई, 2015 को दोनों के एक बेटी ने जन्म लिया। शमी को बेटी आयरा के होने के बाद पता चला कि हसीन जहां पहले से शादी-शुदा थी और उसके पहली शादी से दो बच्चे भी थे।

परिवार के खिलाफ जाकर शमी ने हसीन से निकाह किया

शमी यूपी के अमरोहा के गांव सहसपुर अली नगर के रहने वाले हैं। उन्होंने 6 जून 2014 को कोलकाता की हसीन से निकाह किया था। हसीन प्रोफेशनल मॉडल और कोलकाता नाइट राइडर्स की चीयर लीडर थीं। दोनों में जान-पहचान हुई। शमी ने तय किया कि वह हसीन जहां से शादी करेंगे।

परिवार को बताया तो उन्होंने इस रिश्ते पर सहमति नहीं जताई। फिर भी दोनों की शादी हुई। हसीन तलाकशुदा थीं। 2002 में उन्होंने बीरभूम जिले के सैफुद्दीन से लव मैरिज की थी। सैफुद्दीन स्टेशनरी की दुकान चलाते थे। हसीन जहां से उन्हें दो बेटियां थीं। 2010 में दोनों का रिश्ता खराब हो गया और फिर दोनों के बीच तलाक हो गया।

क्या ये वही रणतुंगा हैं?: जयसूर्या और मुरलीधरन संग फोटो में उन्हें पहचान नहीं पाए फैंस, वजन घटाकर सबको चौंकाया

श्रीलंका क्रिकेट के स्वर्णिम युग के चार दिग्गज, सनथ जयसूर्या, अरविंद डी सिल्वा, अर्जुन रणतुंगा और मुथैया मुरलीधरन, हाल ही में तमिल यूनियन के 125वें स्थापना समारोह में एक साथ नजर आए। यह वही चौकड़ी है जिसने 1996 में श्रीलंका को विश्व कप जीत दिलाई थी। सभी दिग्गज जब मंच पर साथ दिखे तो क्रिकेट प्रेमियों के लिए यह एक भावनात्मक पल था। हालांकि, इस समारोह में एक चौंकाने वाली घटना घटी।

समारोह की एक फोटो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हुई, जिसमें अर्जुन रणतुंगा लाल कुर्ते में नजर आए, लेकिन उनका बदला हुआ रूप देखकर फैंस हैरान रह गए। कभी भारी शरीर वाले रणतुंगा अब बेहद स्लिम और फिट दिख रहे हैं, जिससे कई लोग उन्हें पहचान ही नहीं पाए। एक यूजर ने तो लिखा- क्या लाल कुर्ते वाला वाकई रणतुंगा हैं?

फिटनेस को लेकर सुर्खियों में रणतुंगा

रणतुंगा अपने 18 साल के अंतरराष्ट्रीय करियर के दौरान हमेशा थोड़ा भारी शरीर वाले खिलाड़ी माने जाते थे, लेकिन यह कभी उनके प्रदर्शन के आड़े नहीं आया। उन्होंने टेस्ट और वनडे मिलाकर करीब 12,500 रन बनाए।

अब फिटनेस ट्रांसफॉर्मेशन से चौंकाया

अब 61 वर्षीय रणतुंगा ने बीते कुछ वर्षों में अपने रूप में जबरदस्त बदलाव किया है। 2023 के एशिया कप के दौरान भी उनका नया लुक चर्चा में रहा था, जब उन्होंने एसीसी और बीसीसीआई पर तीखी टिप्पणी की थी। हालांकि, उन्होंने वजन घटाने का कारण कभी सार्वजनिक नहीं किया, लेकिन फैंस का मानना है कि यह किसी स्वास्थ्य समस्या से ज़्यादा एक प्रभावशाली फिटनेस जर्नी है।

श्रीलंका के सबसे सफल कप्तान

रणतुंगा श्रीलंका के सबसे सफल वनडे कप्तानों में शामिल हैं। उन्होंने 193 मैचों में 89 जीत दिलाई और टीम को विश्व क्रिकेट की शीर्ष श्रेणी में पहुंचाया। उन्होंने 93 टेस्ट और 269 वनडे खेले, लेकिन उनकी असली पहचान बनी लीडरशिप से।

मंधाना आईसीसी प्लेयर ऑफ द मंथ के लिए नॉमिनेट

वोल्वार्ट और गार्डनर से कम्पीट करेंगी; विमेंस वर्ल्डकप में भारत की टॉप स्कोरर रहीं

विमेंस वनडे वर्ल्ड कप में भारत के लिए सबसे ज्यादा रन बनाने वाली स्मृति मंधाना को ICC के बेस्ट प्लेयर ऑफ द मंथ के लिए नॉमिनेट किया गया है। 29 साल की मंधाना ने 2 नवंबर को समाप्त हुए टूर्नामेंट में 434 रन बनाए थे। उनके इस प्रदर्शन की मदद से भारतीय टीम साउथ अफ्रीका को 52 रनों से हराते हुए पहली बार वर्ल्ड चैंपियन बनी थी।

अक्टूबर महीने के नॉमिनेशन में भारतीय उपकप्तान मंधाना के अलावा, साउथ अफ्रीका की कप्तान लौरा वोल्वार्ट और ऑस्ट्रेलिया की एश्ले गार्डनर भी शामिल हैं।

मंधाना ने अहम मौकों पर रन बनाए

मंधाना ने टॉप ऑर्डर में भारतीय बैटिंग को लीड किया। उन्होंने वर्ल्ड कप में प्रतिका रावल के साथ कई ओपनिंग पार्टनरशिप की। मंधाना ने 7 बार की चैंपियन ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ 80 रन की और फिर इंग्लैंड के खिलाफ 88 रन की आक्रामक पारी खेली। हालांकि, इन दोनों मैचों में भारती टीम हार गई। मंधाना ने न्यूजीलैंड के खिलाफ करो या मरो के मैच में 109 रन की पारी खेली। उन्होंने प्रतिका के साथ 212 रन की मैच विनिंग पार्टनरशिप की। मंधाना ने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ फाइनल में 45 रन बनाकर टीम को अच्छी शुरुआत कराई और शेफाली वर्मा के साथ शतकीय साझेदारी निभाई।

वोल्वार्ट ने साउथ अफ्रीका को फाइनल तक पहुंचाया

साउथ अफ्रीका की कप्तान वोल्वार्ट ने टूर्नामेंट पहले मैच में इंग्लैंड से मिली 10 विकेट की शर्मनाक हार से उबारकर टीम को फाइनल तक पहुंचाया। वोल्वार्ट ने लीग चरण में भारत के खिलाफ 70 रन की पारी खेलकर अहम भूमिका निभाई। वोल्वार्ट ने श्रीलंका और पाकिस्तान के खिलाफ अर्धशतक जड़े जिससे टीम नॉक-आउट दौर में पहुंची। सेमीफाइनल में इंग्लैंड के खिलाफ वोल्वार्ट ने 169 रन की पारी खेलकर क्रिकेट वर्ल्ड कप की सबसे बेहतरीन पारी खेली। वोल्वार्ट ने फाइनल में भी 101 रन की शतकीय पारी खेली, लेकिन उनकी टीम हार गई।

गार्डनर ने ऑलराउंड प्रदर्शन किया

ऑस्ट्रेलिया की गार्डनर ने लगभग हर मैच में शानदार योगदान दिया। उन्होंने न्यूजीलैंड (115) और इंग्लैंड (नाबाद 104) के खिलाफ जीत के दौरान शतक जड़े। उन्होंने सात विकेट भी हासिल किए जिसने दिखाया कि वह गेंदबाजी में भी काफी उपयोगी हैं।

बांग्लादेश महिला क्रिकेट टीम में यौन उत्पीड़न के आरोप : पूर्व सिलेक्टर ने जहानारा आलम के पीरियड्स को लेकर सवाल किया

बांग्लादेश की महिला क्रिकेटर जहानारा आलम ने एक वीडियो में पूर्व सिलेक्टर मंजुरुल इस्लाम और अन्य अधिकारियों पर यौन उत्पीड़न और दुर्व्यवहार के गंभीर आरोप लगाए हैं। जहानारा ने कहा कि उन्होंने इस बारे में बोर्ड के CEO निजामुद्दीन चौधरी और पूर्व डायरेक्टर शफिउल इस्लाम नाडेल को भी शिकायत की थी।

आलम ने बताया कि 2022 वर्ल्ड कप के दौरान मंजुरुल इस्लाम का व्यवहार और भी खराब हो गया। मंजु भाई महिला खिलाड़ियों के साथ अत्यधिक नजदीकियां बनाने की कोशिश करते थे और गलत सवाल पूछते थे। एक बार उन्होंने मुझसे मेरे पीरियड्स को लेकर सवाल किया और निजी टिप्पणी की थी।

जहानारा ने चैनल द रियासत अजीम पर कहा-

मैंने एक-दो बार नहीं कई बार ऐसे गलत चीजों का सामना किया है। जब आप टीम से जुड़े होते हैं, तो खुलकर बोल नहीं पाते, क्योंकि यह आपकी रोजी-रोटी से जुड़ा होता है। जब आप किसी क्षेत्र में नाम कमा लेते हैं। तो चाहकर भी हर बात पर विरोध नहीं कर सकते।

उन्होंने आगे कहा- क्रिकेट मेरा परिवार है और मैं बोलूंगी ताकि मेरे जैसी और 10 लड़कियां सुरक्षित रहें। मैं चाहती हूं कि आगे आने वाली लड़कियां क्रिकेट एक सुरक्षित माहौल में खेल सकें।

2021 में भी अश्लील प्रस्ताव रखा गया

जहानारा मानसिक स्वास्थ्य कारणों से क्रिकेट से ब्रेक लेकर इस वक्त ऑस्ट्रेलिया में रह रही हैं। उन्होंने कहा- 2021 में बोर्ड कोऑर्डिनेटर सरफराज बाबू के माध्यम से तौहीद महमूद ने उनसे अश्लील प्रस्ताव रखा था। पता नहीं उन्होंने मेरे साथ ऐसा व्यवहार क्यों किया। मैंने बहुत कोशिश की कि मैं सब दबाकर सिर्फ क्रिकेट पर ध्यान दूं, लेकिन जब मैंने उनके प्रस्ताव को टालने की कोशिश की, तो मंजरुल इस्लाम ने मेरे साथ दुर्व्यवहार करना शुरू कर दिया। अगले ही दिन से उन्होंने मुझे नीचा दिखाना शुरू कर दिया।

'तुम तौहीद सर का ध्यान रखो'

जहानारा ने कहा- तौहीद भाई ने कभी सीधे मुझसे बात नहीं की, हमेशा बाबू भाई के जरिए कहा। करीब डेढ़ साल बाद, मैंने बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड के CEO को एक चिट्ठी दी। मैंने इसे कम्प्लेंट लेटर नहीं बल्कि ऑब्जर्वेशन लेटर कहा, जिसमें मैंने सारी घटनाएं A से Z तक लिखीं।

इसके जवाब में बाबू भाई ने मुझसे कहा कि तुम तौहीद सर का ध्यान रखो। मैंने कहा, 'उनका ध्यान रखने का मतलब क्या है? वो तो बड़े अधिकारी हैं, उनका ध्यान मैं क्यों रखूं। मैंने ऐसा जवाब दिया ताकि बात आगे न बढ़े और मैं समझ न पाई ऐसा दिखाऊं। लेकिन इसके बाद से ही मंजुरुल भाई का रवैया मेरे प्रति और खराब हो गया।

2022 वर्ल्ड कप के समय दूसरी बार अप्रोच किया

जहानारा ने बताया कि 2022 वर्ल्ड कप के दौरान मंजुरुल भाई ने मुझे दूसरा प्रस्ताव दिया। तब मैंने सोचा कि अब बोर्ड को इस बारे में बताना चाहिए। मैंने नादेल सर को कई बार बताया, लेकिन वे सिर्फ अस्थायी समाधान देते थे। एक-दो दिन के लिए मंजुरुल भाई ठीक हो जाते, फिर वही हाल।

'अब वो आएंगे और सीने से लगा लेंगे'

जहानारा ने कहा, वर्ल्ड कप के दौरान हम न्यूजीलैंड में थे, तो मंजुरुल प्रैक्टिस के दौरान मेरे पास आए। वो अक्सर लड़कियों के कंधे पर हाथ रखकर बात करते थे। गले लगाते थे। सिर दबाते थे। और कभी-कभी बहुत नजदीक आकर कान में बात करते थे। हम सब इससे डरते थे और मजाक में कहते भी थे। लो, अब वो आएंगे और सीने से लगा लेंगे।

प्रैक्टिस के समय उन्होंने मेरे कंधे पर हाथ रखा, मेरा हाथ पकड़ा और फिर सिर के पास आकर पूछा- तुम्हारा पीरियड कितने दिन से चल रहा है। उन्होंने ये सवाल इसलिए किया क्योंकि उन्हें पहले से जानकारी थी, क्योंकि डॉक्टरों के पास हमारा पूरा साइकल का रिकॉर्ड होता है।

फिर उन्होंने कहा, पांच दिन, किसी का इतना लंबा कैसे चल सकता है। जब खत्म हो जाए तो बताना, मुझे अपने साइड का भी ध्यान रखना है। मैंने कहा, भाईया, समझी नहीं। तो उन्होंने कहा, समझने की जरूरत नहीं है, जब खत्म हो जाए तो बताना। उनकी बातें सुनकर मैं हैरान रह गई। उस वक्त समझ नहीं आया कि क्या कहूं।"

मेरे खिलाफ सभी आरोप बे-बुनियाद

पूर्व चयनकर्ता मंजुरुल इस्लाम ने सभी आरोपों को बे-बुनियाद बताया है। उन्होंने कहा, मेरे खिलाफ लगाए गए आरोप झूठे हैं। आप बाकी खिलाड़ियों से पूछ सकते हैं कि मैंने कभी अनुचित व्यवहार किया या नहीं। वहीं सरफराज बाबू ने कहा कि वह एक मृत व्यक्ति (तौहीद) का नाम घसीट रही हैं, यह दुर्भाग्यपूर्ण है। आरोप साबित करने के लिए उन्हें सबूत देने चाहिए।

जांच समिति 15 दिन में रिपोर्ट देगी

बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड (BCB) ने बयान जारी कर कहा- बोर्ड इन आरोपों को गंभीरता से ले रहा है और मामले की जांच के लिए एक समिति गठित की गई है। समिति 15 कार्यदिवसों में अपनी रिपोर्ट सौंपेगी। BCB सभी खिलाड़ियों के लिए सुरक्षित और सम्मानजनक माहौल सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध है।

'भारत को रूसी तेल आयात करने से रोकना एक कूटनीतिक कदम'

अमेरिका के वाणिज्य मंत्री ने टैरिफ का किया बचाव

नई दिल्ली, 7 नवंबर (एजेंसियां)। अमेरिकी वाणिज्य मंत्री हॉवर्ड लुटनिक ने ट्रंप की टैरिफ नीतियों का बचाव करते हुए करते हुए भारत का हवाला दिया है। उन्होंने दावा किया है कि राष्ट्रपति ट्रंप ने टैरिफ का एक कूटनीति हथियार के रूप में इस्तेमाल किया। साथ ही भारत से रूसी तेल आयात रोकने का आग्रह किया ताकि यूक्रेन युद्ध को समाप्त करने में मदद मिल सके।

टैरिफ का इस्तेमाल न्याय खरीदने और वैश्विक स्थिरता लाने के लिए किया

लुटनिक ने कहा कि ट्रंप ने टैरिफ का इस्तेमाल न्याय खरीदने और वैश्विक स्थिरता बहाल करने के लिए किया। यह बयान उस समय आया है जब अमेरिकी सुप्रीम कोर्ट यह तय करने पर विचार कर रहा है कि क्या ट्रंप द्वारा 1977 के अंतरराष्ट्रीय आपातकालीन आर्थिक शक्ति अधिनियम (आईईईपीए) के तहत लगाई गई व्यापक टैरिफ नीतियां वैध थीं या नहीं। लुटनिक ने कहा कि राष्ट्रपति इन टैक्सों का इस्तेमाल न्याय सुनिश्चित करने के लिए कर रहे हैं। उन्होंने भारत से कहा था कि रूस से तेल खरीदना बंद करें। अगर इन आईईईपीए की शक्तियों को सीमित किया गया, तो यह ट्रंप की दुनिया और अमेरिका को सुरक्षित बनाने की क्षमता को कमजोर करेगा।

ट्रंप ने भारत पर लगाया 50 प्रतिशत टैरिफ

ट्रम्प ने भारत पर 25 प्रतिशत पारस्परिक टैरिफ लगाया व रूसी तेल की खरीद पर 25 प्रतिशत अतिरिक्त शुल्क लगाया। इससे भारत पर लगाया गया कुल शुल्क 50 प्रतिशत हो गया। भारत ने अमेरिकी कार्रवाई को अनुचित बताया था।

ट्रंप के दावों को भारत ने किया खारिज

ट्रम्प पिछले कुछ दिनों से यह भी दावा कर रहे हैं कि दिल्ली ने उन्हें आश्वासन दिया है कि वह रूस से अपने तेल आयात में उल्लेखनीय कमी लाएगी। हालांकि, भारत यह कहता रहा है कि उसकी ऊर्जा नीति उसके अपने राष्ट्रीय हितों से निर्देशित होती है, विशेष रूप से अपने उपभोक्ताओं के लिए सस्ती और सुरक्षित आपूर्ति सुनिश्चित करने से।

आरबीआई सुधारों का बड़ा असर

2018 के घाटे से 100 अरब डॉलर की कंपनी बनी एसबीआई, गवर्नर संजय मल्होत्रा का दावा

नई दिल्ली, 7 नवंबर (एजेंसियां)। भारतीय रिजर्व बैंक के नियामक सुधारों के कारण एसबीआई अपने 2018 के घाटे से 100 अरब डॉलर की कंपनी बन गई। आरबीआई गवर्नर संजय मल्होत्रा ने यह दावा किया। एसबीआई बैंकिंग और इकोनॉमिक्स कॉन्क्लेव 2025 को संबोधित करते हुए गवर्नर ने कहा कि भारत के बैंकिंग क्षेत्र में परिवर्तन एक मजबूत नियामक ढांचे के साथ-साथ आरबीआई व सरकार की ओर से शुरू किए गए प्रमुख नीतिगत उपायों से संभव हुआ है। उन्होंने कहा कि भारतीय स्टेट बैंक के अध्यक्ष अभी बता रहे थे कि 2018 में वे घाटे में थे। और अब वे 100 अरब डॉलर की कंपनी है।

आईबीसी ने क्रेडिट संस्कृति को पूरी तरह बदल दिया

उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि 2016 में लागू किए गए दिवाला व शोधन अक्षमता संहिता (आईबीसी) ने देश की क्रेडिट संस्कृति को पूरी तरह बदल दिया है। विशेषज्ञों के अनुसार, इस कानून ने उधारकर्ताओं में वित्तीय अनुशासन बढ़ाया है और बैंकों की परिसंपत्तियों की गुणवत्ता में सुधार किया है।

मौद्रिक के साथ-साथ आर्थिक स्थिरता भी मजबूत हुई

मल्होत्रा ने बताया कि पिछले कुछ वर्षों में कई बड़े सुधार किए गए हैं, जिनसे न केवल मौद्रिक स्थिरता बल्कि व्यापक आर्थिक स्थिरता भी मजबूत हुई है। इनमें लचीली मुद्रास्फीति टार्गेटिंग व्यवस्था को अपनाना, फॉरेक्स मार्केट को गहराई देना और कैपिटल अकाउंट को धीरे-धीरे उदार बनाना जैसे कदम शामिल हैं। उन्होंने कहा कि इन सुधारों ने वित्तीय प्रणाली में पारदर्शिता और जवाबदेही को बढ़ावा दिया है, जिससे भारतीय बैंकिंग सेक्टर की नींव और मजबूत हुई है।

2014 के बाद भारत ने नए सिद्धांत पर काम किया

मल्होत्रा ने कहा कि एक समय ऐसा भी था जब भारत को दुनिया की फ्रैजाइल फाइव अर्थव्यवस्थाओं में गिना जाता था और उस दौर में देश की वित्तीय प्रणाली पर गहरा दबाव था। लेकिन 2014 के बाद से, 'कभी भी अच्छे संकट को बर्बाद न करें' के सिद्धांत पर चलते हुए, भारत ने वित्तीय तंत्र की दीर्घकालिक मजबूती के लिए बुनियादी सुधार शुरू किए। उन्होंने बताया कि यह परिवर्तन तीन प्रमुख स्तंभों पहचान, समाधान और पुनर्पूंजीकरण पर आधारित था। 2015 में शुरू हुई परिसंपत्ति गुणवत्ता समीक्षा प्रक्रिया ने बैंकों को अपने वास्तविक लोन बुक की स्थिति पहचानने और छिपे हुए एनपीए को सामने लाने के लिए बाध्य किया। इसी के साथ, त्वरीत सुधारत्मक कार्रवाई ढांचे ने कमजोर बैंकों की सेहत सुधारने में अहम भूमिका निभाई।

लाल निशान पर बंद हुआ शेयर बाजार

सेंसेक्स 95 अंक टूटा, निफ्टी 25500 के नीचे

मुंबई,7 नवंबर (एजेंसियां)। विदेशी पूंजी की लगातार निकासी और वैश्विक बाजारों में कमजोर रुख के कारण शुक्रवार को बेंचमार्क सूचकांक सेंसेक्स और निफ्टी में गिरावट दर्ज की गई।30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 94.73 अंक या 0.11 प्रतिशत गिरकर 83,216.28 अंक पर बंद हुआ। कारोबार के दौरान यह 640.06 अंक या 0.76 प्रतिशत गिरकर 82,670.95 अंक पर आ गया। वहीं 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 17.40 अंक या 0.07 प्रतिशत गिरकर 25,492.30 अंक पर बंद हुआ। प्रमुख विदेशी मुद्रा विनिमय दरों के मुकाबले अमेरिकी मुद्रा के मजबूत होने और कच्चे तेल की बढ़ती कीमतों के बीच शुक्रवार को अमेरिकी डॉलर के मुकाबले रुपया 2 पैसे टूटकर 88.65 (अनंतिम) पर आ गया।

सेंसेक्स की कंपनियों का हाल

सेंसेक्स की कंपनियों में भारती एयरटेल में 4.46 प्रतिशत की गिरावट आई। सिंगटेल ने कहा कि उसने कंपनी में करीब 0.8 प्रतिशत हिस्सेदारी 10,353 करोड़ रुपये में बेच दी है। टेक महिंद्रा, ट्रेंट, रिलायंस इंडस्ट्रीज, एचसीएल टेक, हिंदुस्तान यूनिलीवर और आईटीसी भी पिछड़ने वालों में शामिल रहे। वहीं, बजाज फाइनेंस, टाटा स्टील, महिंद्रा एंड महिंद्रा और बजाज फिनसर्व लाभ में रहे।

यूरोपीय बाजारों में दिखी गिरावट

एशियाई बाजारों में दक्षिण कोरिया का कोस्पी, जापान का निक्केई 225 सूचकांक, शंघाई का एसएसई कम्पोजिट सूचकांक और हांगकांग का हैंग सेंग सूचकांक गिरावट के साथ बंद हुए। यूरोप के बाजार गिरावट के साथ कारोबार कर रहे थे। गुरुवार को अमेरिकी बाजार काफी गिरावट के साथ बंद हुए।

ब्रेंट क्रूड का भाव बढ़कर 64.21 डॉलर प्रति बैरल पर पहुंचा

वैश्विक तेल मानक ब्रेंट क्रूड का भाव 1.31 प्रतिशत बढ़कर 64.21 डॉलर प्रति बैरल हो गया। एक्सचेंज के आंकड़ों के अनुसार, विदेशी संस्थागत निवेशकों (एफआईआई) ने गुरुवार को 3,263.21 करोड़ रुपये के शेयर बेचे, हालांकि, घरेलू संस्थागत निवेशकों (डीआईआई) ने 5,283.91 करोड़ रुपये के शेयर खरीदे। गुरुवार को सेंसेक्स 148.14 अंक या 0.18 प्रतिशत गिरकर 83,311.01 पर बंद हुआ। निफ्टी 87.95 अंक या 0.34 प्रतिशत गिरकर 25,509.70 पर बंद हुआ।

अक्तूबर में चीन का निर्यात घटा

अमेरिका को भेजे माल में आई 25 फीसदी की गिरावट

नई दिल्ली, 7 नवंबर (एजेंसियां)।चीन के निर्यात में अक्तूबर महीने में गिरावट दर्ज की गई है। सरकारी आंकड़ों के अनुसार, अमेरिका को होने वाले निर्यात में 25 प्रतिशत की तेज गिरावट आई, जिससे कुल वैश्विक निर्यात में 1.1 प्रतिशत की कमी दर्ज की गई। सितंबर में चीन के निर्यात में 8.3 प्रतिशत की वृद्धि हुई थी। वहीं अक्तूबर का प्रदर्शन फरवरी के बाद सबसे कमजोर रहा। हालांकि, पिछले हफ्ते अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग के बीच हुई वार्ता के बाद दोनों देशों ने व्यापार युद्ध कम करने पर सहमति जताई है। विशेषज्ञों का मानना है कि इससे वर्ष की अंतिम तिमाही में कुछ राहत मिल सकती है, लेकिन व्यापारिक तनाव का असर अब भी अन्य बाजारों की मांग पर दिखाई दे रहा है।

चीन के आयात में एक प्रतिशत की मामूली वृद्धि दर्ज

वहीं, चीन के आयात में अक्तूबर में मामूली एक प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई, जो सितंबर के 7.4 प्रतिशत की वृद्धि दर से काफी कम है। विश्लेषकों का कहना है कि ये आंकड़े वैश्विक मांग में कमजोरी और अमेरिका-चीन व्यापारिक संबंधों में अनिश्चितता को दर्शाते हैं।

अमेरिका को निर्यातित माल में लगातार सात महीनों में गिरावट

चीन की ओर से अमेरिका को निर्यातित माल में लगातार सात महीनों से दोहरे अंक की गिरावट आ रही है, जबकि उसने अपने निर्यात बाजारों को दक्षिण-पूर्व एशिया और अफ्रीका जैसे क्षेत्रों में विविधतापूर्ण बना दिया है। अक्तूबर में आई गिरावट 2024 में इसी महीने के लिए उच्च आधार से भी प्रभावित हुई, जब निर्यात वृद्धि 12.6% से अधिक हो गई। यह दो वर्षों में सबसे तेज दर थी। पिछले महीने आयात में 1% की वृद्धि हुई, जबकि सितंबर में पिछले साल की समान अवधि में इसमें 7.4% की वृद्धि हुई थी। अर्थशास्त्रियों का कहना है कि लंबे समय से चल रही प्रॉपर्टी सेक्टर की मंदी और कमजोर घरेलू खपत चिंता का विषय बनी हुई है।

अमेरिका और चीन के रिश्तों में हुए सुधार

अक्तूबर के अंत में दक्षिण कोरिया में अपनी बैठक में, ट्रंप और शी जिनपिंग ने टैरिफ कम करने और एक-दूसरे के जहाजों पर लगाए गए नए बंदरगाह शुल्क को स्थगित करने पर सहमति जताई। चीन ने रेयर अर्थ एलिमेंट्स पर अपने कुछ निर्यात नियंत्रणों को एक साल के लिए स्थगित कर दिया और अमेरिका से सोयाबीन और अन्य कृषि उत्पादों की अधिक खरीद करने पर सहमति जताई। अमेरिका ने चीनी कंपनियों पर लगे कुछ प्रतिबंधों में ढील दी।

सेबी चेयरमैन बोले : आईपीओ मूल्यांकन पर सेबी नहीं देगा दखल

लेंसकार्ट के निर्गम के अधिक कीमत पर जताई गई थी चिंता

मुंबई,7 नवंबर (एजेंसियां)। आईपीओ में ऊंचे मूल्यांकन को लेकर चिंताओं के बीच सेबी चेयरमैन तुहिन कांत पांडे ने स्पष्ट किया कि पूंजी बाजार नियामक इस मामले में हस्तक्षेप नहीं करेगा। हम मूल्यांकन तय नहीं करते। यह देखने वाले यानी निवेशक की नजर में होता है। लेंसकार्ट के 7,200 करोड़ रुपये के आईपीओ की कीमत बहुत अधिक रखे जाने पर चिंता जताई गई थी। पांडे ने स्पष्ट किया कि बाजार को अवसरों के आधार पर मूल्य निर्धारण स्वतंत्र रूप से तय करना चाहिए।

प्रारंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) के ऊंचे मूल्य को लेकर पहले भी चिंताएं जताई गई हैं। खासकर नायका या पेटीएम के आईपीओ जैसी नए जमाने की कंपनियों के मामले में यह बहुत ज्यादा रहा है। पांडे ने कंपनियों से पर्यावरण, सामाजिक व गवर्नेंस (ईएसजी) प्रतिबद्धताओं के प्रति अधिक प्रामाणिक होने की अपील की। पांडे ने बृहस्पतिवार को कहा, नियामकीय दृष्टिकोण से नियामकीय अतिक्रमण को नियंत्रित करने और नवाचार एवं जवाबदेही को बढ़ावा देने की जरूरत है। पांडे ने कहा, हम उद्योग और निवेशकों के परामर्श से कई नियमों की समीक्षा करेंगे, ताकि उन्हें सरल, प्रासंगिक, स्पष्ट और अपडेट बनाया जा सके। कंपनियों के निदेशकों और वरिष्ठ प्रबंधन को साइबर जोखिम, व्यवहार विज्ञान, डाटा नैतिकता और स्थिरता जैसे महत्वपूर्ण क्षेत्रों में अपनी क्षमता को मजबूत करना चाहिए।

40 फीसदी अब कुल आरक्षण होगा एंकर हिस्से में

सेबी ने आईपीओ में एंकर निवेशकों के लिए शेयर आवंटन ढांचे में बदलाव किया है। इसका उद्देश्य म्यूचुअल फंड, बीमा कंपनियों व पेंशन फंड जैसे घरेलू संस्थागत निवेशकों की भागीदारी बढ़ाना है। एंकर हिस्से में कुल आरक्षण को 33 फीसदी से बढ़ाकर 40 फीसदी कर दिया गया है। इसमें म्यूचुअल फंड के लिए 33 प्रतिशत और बीमा कंपनियों व पेंशन फंड के लिए 7 फीसदी शामिल है।

एंकर निवेशकों की संख्या अब 15

यदि बीमा कंपनियों और पेंशन फंडों के लिए आरक्षित 7 फीसदी हिस्सा नहीं भरता है, तो इसे म्यूचुअल फंडों को दे दिया जाएगा। 250 करोड़ रुपये से अधिक के एंकर हिस्से वाले आईपीओ के लिए एंकर निवेशकों की संख्या में वृद्धि की मौजूदा सीमा को 250 करोड़ रुपये पर 10 से बढ़ाकर 15 कर दिया है। प्रत्येक अतिरिक्त 250 करोड़ रुपये या उसके हिस्से के लिए अतिरिक्त 15 निवेशकों को मंजूरी दी जाएगी, बशर्ते कि प्रति निवेशक न्यूनतम आवंटन 5 करोड़ रुपये हो। नियम 30 नवंबर से लागू होंगे।

दैनिक पंचांग

गृह गोचर

गृह स्थिति		लग्नारंभ समय	
सूर्य -	तुला	तुला	04-48 बजे
चंद्र -	मे	वृश्चिक	06-57 बजे
मंगल-	तुला	धनु	09-11 बजे
बुध -	तुला	मकर	11-18 बजे
गुरु -	कर्क	कुंभ	13-08 बजे
शुक्र -	कन्या	मीन	14-46 बजे
शनि -	मीन	मेष	16-22 बजे
राहु -	कुंभ	वृष	18-07 बजे
केतु -	सिंह	मिथुन	20-07 बजे
		कर्क	22-20 बजे
		सिंह	00-32 बजे
		कन्या	02-38 बजे

श्री सिद्धार्थी नामक संवत्सर-विक्रम संवत्- **2082**
शक संवत् **-1947,** सूर्य दक्षिणायने,ऋतु- हेमन्त
महावीर निर्वाण संवत् **-2551**
कलियुग अवधि-**432000** सूर्योदय **06-19**
भोग्य कलि वर्ष-**426874** सूर्यास्त. **17-39**
कलियुग संवत् **-5126** वर्ष,
कल्पारंभ संवत् **-1972949126**
सृष्टि ग्रहारंभ संवत्-**1955885126**
दिशाशूल - पूर्व - अदरक खाकर घर से निकले
मास - मार्गशीर्ष कृष्ण पक्ष शनिवार **08 Nov**
तिथि - तृतीया **07-32** तक उपरान्त चतुर्थी (क्षय)
नक्षत्र - मृगशिरा **22-02** तक उप आर्द्रा
योग - शिव **18-31** तक उप सिद्ध
करण - गर **07-32** तक उप वणिज
व्रत चतुर्थी व्रत
त्योहार चन्द्रोदय २०-३१

विशेष:- राशिफल ग्रहों के गोचर के आधार पर लिखा गया है।सूक्ष्म फलादेश के लिए जन्म पत्रिका की सूक्ष्म स्थिति व दशान्तर्दशा को विशेष प्रभावित समझना चाहिए ।

राहुकाल
09-09 से
10-34 तक

पं महेशचन्द्र शर्मा **9247132654 9167555710**

दिन का चौघडिया

काल	06-19 - 07-44 अशुभ
शुभ	07-44 - 09-09 शुभ
रोग।।	09-09 - 10-34 अशुभ
उत्पात	10-34 - 11-59 अशुभ
चंचल	11-59 - 13-25 शुभ
लाभ	13-25 - 14-50 शुभ
अमृत	14-50 - 16-15 शुभ
काल	16-15 - 17-39 अशुभ

रात का चौघडिया

लाभ	17-39 - 19-16 शुभ
उत्पात	19-16 - 20-50 अशुभ
शुभ	20-50 - 22-25 शुभ
अमृत.	22-25 - 23-59 शुभ
चंचल	23-59 - 01-35 शुभ
रोग	01-35 - 03-10 अशुभ
काल.	03-10 - 04-44 अशुभ
लाभ	04-44 - 06-19 शुभ

आपका राशिफल

मेष (चू,चे, चो, ला, ली, लू , ले, लो, अ,)

आप धोखाधड़ी के शिकार हो सकते है। आज का दिन किसी भी बड़े निवेश या खरीद के लिए उपयुक्त नहीं है। आज धन के मामलो में किसी भी अनजान व्यक्ति पर भरोसा न करे अन्यथा आपको काफी वित्तीय नुकसान उठाना पड़ सकता है , फिर भी सही समय पर पर्याप्त विवेक के साथ आसानी से आप अपने धन की रक्षा कर सकते हैं।

वृष (ई, उ, ए, जो, वा, वी, वू, वे, वो,)

आपको आज आपके कार्य क्षेत्र में एक मूल्यवान सुझाव किसी निकट व्यक्ति जो आपके हृदय के पास हो से मिल सकता है । अगर आप उसकी बात को ध्यानपूर्वक सुनेगे तो आगे जाकर आपके भविष्य में अनुकूल प्रभाव पड़ सकता है। आपको उड़ती हुई धुंध को हटाना है और गंभीरता से भले और बुरे के बारे में सोचना है की किस दिशा में आपका नौकरी या कार्य क्षेत्र जा रहा है ।

मिथुन (का, की, कू, घ, ड, छ, के, को, ह,)

आज के दिन विधार्थियो , युवा बेरोजगारो और स्वनियोजित व्यवसायियों के लिए काफी करियर अवसर आयेंगे । आप एक ऐसी परियोजना के भागीदार बन सकते है जिससे आपके करियर की दिशा परिवर्तित हो सकती है और काफी समय से आपको इसकी तलाश भी थी । आपको इस अवसर का उपयोग काफी समझ के साथ करना है क्यों की ये अवसर जीवनभर में यदा कदा ही मिलता है।

कर्क (ही, हू, हे, हो, डा, डी, डू, डे, डो,)

घर्षण एवं विचारो की असमानता आप और आपके साथी के बीच विकसित होने की संभावना है, लेकिन आपको अपने विचारो से नहीं हटना है और उसी के साथ रहना है , लेकिन आप चिंता न करे क्यों कि ये स्थिति एक स्थायी मनमुटाव को जन्म नहीं देगी । हालाँकि आपके साथी के साथ आपका थोड़ा मनमुटाव हो सकता है।

सिंह (मा, मी ,मू ,मे, मो, टा, टी ,टू ,टे,)

ग्रहों की स्थिति में परिवर्तन के कारण , एक नई ऊर्जा का संचार आप में हो सकता है । आप जीवंत महसूस करेंगे । आप में अधिक से अधिक काम लेने की इच्छा आप में प्रबल होगी और तब भी आप खुश रहेंगे । इससे पता चलता है की चीजे सकारात्मक दिशा में आगे भड़ रही है। लेकिन इस उत्साह में , अपने स्वास्थ्य को नजरअंदाज न करे । एक स्वस्थ मन एक स्वस्थ शरीर में रहता है।

कन्या (टो पा पी पू ष ण ठ पे पो)

आप आज कुछ अतिरिक्त जिम्मेदारी ले। अगर आप इसे अच्छी तरह से करते हैं, तो आपको एक दैनिक आधार पर इस तरह की जिम्मेदारी सौंपी जा सकती है। इस के साथ, वेतन में वृद्धि भी आयेगी । इसलिए ईमानदारी से काम करते रहे और लगातार अपने आप को प्रेरित करते रहे। हो सकता है की लाभ आज दिखाई न दे, लेकिन आप एक बेहतर जीवन के लिए कल की दिशा में काम कर रहे हैं।

तुला (रा, री, रू ,रे ,रो , ता, ती, तू ,ते,)

आपको काफी समय से अपने सहकर्मियों की मदद मिल रही थी परन्तु अब समय ये मदद लौटने का है । अब आप अपने किसी सहकर्मी की मदद कर सकते हैं जिससे आपकी स्थिति आपके कार्यालय में और दृढ़ता से मजबूत होगी और आपकी लोकप्रियता बढ़ेगी । हो सकता है आज आपको देर तक कार्य करना पड़े पर ये आपके लिए सहायक ही सिद्ध होगा ।

वृश्चिक (तो,ना,नी, ने,नू, नो, या, यी ,यू,)

आज आतिथ्य / परोपकारी गतिविधियों में काम कर रहे लोगों के लिए एक विशेष दिन है। आज आपके विद्रोही भी आपके सामने झुकेंगे । सफलता आपके पास आयेगी। आप किसी भी दबाव में या जल्दबाजी में कोई निर्णय न लें जिससे आपको कोई नुकसान हो ।अगर आप आय के अधिक स्रोतों को प्राप्त करने के लिए प्रयासरत है , तो आज आप भाग्यशाली हो सकते है ।

धनु (ये, यो,भा, भी, भू धा ,फा, ढा, भे)

कुछ वित्त और कैरियर के विभिन्न अवसर आज आपके सामने आ सकते हैं और आप उन्हें लेने के लिए अभिभूत होंगे लेकिन थोड़ा उलझन भी महसूस कर सकते हैं की किस दिशा में जाये ।सावधान रहें की ये अनिर्णय आपको पंगु न बनाये । अगर आप सही दिशा में आगे बढ़ते है , तो यह पूरी तरह से आपके वित्तीय भविष्य को बदल सकता हैं। त्वरित और निर्णायक कार्रवाई आज के दिन की आवश्यकता है।

मकर (भो, जा, जी, खो, खू, खे, खो, गा, गी)

अवसाद और कठिनाइयाँ आज आपके कार्यस्थल पर आने के संकेत दे रही है , हालाँकि अगर आपने अपने पिछले अनुभवों से कुछ सीख ली है तो आप काफी आसानी से इनका सामना करने में सक्षम हो जाएंगे । अपने अतीत से ज्ञान लेना समय की आवश्यकता है । इस चीज़ का सही समय पर इस्तेमाल आपके करियर को काफी गति दे सकता है ।

कुंभ (गु, गे ,गो, सा, सी, सू, से, सो, दा,)

आज आप सकारात्मक ऊर्जा से भरे हुए हैं और आज आपके हैरान होने की संभावना है , क्यों की आपके प्रबंधन कौशल की वजह से आप पाएंगे की अपने कितना कुछ पाया है । आपके सारे बकाया कार्य पूर्ण हो जाएंगे और मुश्किल परियोजनाओं के रास्ते में जो रुकावट थी , वो पूरी तरह से खत्म हो जाएंगी ।

मीन (दी, दू,थ, झ, ञ, दे, दो, चा,ची)

बेहतर संचार आप के लिए लाभ का मार्ग प्रशस्त करेगा और आपको इस मोड़ पर बुद्धिमानी से इस कौशल का उपयोग करना होगा । आपका व्यवसायिक विवेक आज शीर्ष स्तर पर रहेगा । आपको भविष्य में बिक्री और सहभागिता के आंकलन के लिए कहा जा सकता है। आपकी मजबूत ज्ञान युक्त व विवेकपूर्ण क्षमता इसमें आपकी मदद करेगी ।

श्री पंचागुली ज्योतिष केन्द्र

एलन मस्क को एक दिन की सैलरी 24000 करोड रुपये! दुनिया के पहले खरबपति बन सकते हैं

नई दिल्ली,7 नवंबर (एजेंसियां)। दुनिया के सबसे अमीर शख्स और टेस्ला के सीईओ एलन मस्क ने एक और रेकॉर्ड बना दिया है। टेस्ला के शेयरधारकों ने मस्क के लिए रेकॉर्ड 1 ट्रिलियन डॉलर (88 लाख करोड़ रुपये से ज्यादा) के वेतन पैकेज को मंजूरी दे दी है। एक दिन की यह रकम करीब 24 हजार करोड़ रुपये होती है। यह किसी भी कॉर्पोरेट लीडर को दिया जाने वाला अब तक का सबसे बड़ा पेमेंट है। कंपनी ने गुरुवार को अपनी वार्षिक बैठक में बताया कि वोट डालने वालों में से 75% से अधिक लोगों ने इस अभूतपूर्व वेतन योजना के पक्ष में वोट दिया। इससे पहले मस्क ने धमकी दी थी कि अगर उन्हें यह पैकेज नहीं मिला तो वे कंपनी छोड़ देंगे।

दुनिया के पहले खरबपति बन सकते हैं मस्क

यह चौंकाने वाला मुआवजा एलन मस्क को दुनिया का पहला ट्रिलियनेयर (खरबपति) बना सकता है। टेस्ला के बोर्ड ने यह ऐतिहासिक वेतन योजना इसलिए तैयार की क्योंकि इससे पहले डेलावेयर के एक जज ने मस्क के 56 अरब डॉलर के मुआवजे की योजना को रद्द कर दिया था। जज ने फैसला सुनाया था कि साल 2018 में स्वीकृत पिछला पैकेज बहुत ज्यादा था और इसमें हितों के टकराव की कई समस्याएं थीं।

आसान नहीं होगा इतनी सैलरी लेना

मस्क को इतना बड़ा सैलरी पैकेज बहुत आसानी से नहीं मिलेगा। इसके लिए उन्हें अगले दशक में प्रदर्शन के कई लक्ष्यों को पूरा करना होगा। इन लक्ष्यों में 10 साल के अंदर 2 करोड़ गाड़ियां डिलीवर करना शामिल है। यह पिछले 12 सालों में टेस्ला द्वारा बनाई गई गाड़ियों की संख्या से दोगुने से भी ज्यादा है। उन्हें कंपनी का बाजार मूल्य और ऑपरेटिंग प्रॉफिट बढ़ाना होगा। साथ ही 10 लाख रोबोट डिलीवर करने की देखरेख भी करनी होगी। टेस्ला ने अभी तक कोई भी रोबोट डिलीवर नहीं किया है।

कई देशों की जीडीपी से ज्यादा नेटवर्थ

ब्लूमबर्ग बिलियनेयर्स इंडेक्स के अनुसार अगर मस्क इस योजना के सभी लक्ष्यों (जिसमें टेस्ला का बाजार मूल्य 8.5 ट्रिलियन डॉलर तक बढ़ाना भी शामिल है) को पूरा करते हैं तो कार निर्माता कंपनी में उनकी कुल हिस्सेदारी लगभग 2.4 ट्रिलियन डॉलर की हो जाएगी। यह उनकी वर्तमान नेटवर्थ (करीब 460 बिलियन डॉलर) से पांच गुना से भी ज्यादा है। उनकी नेटवर्थ बांग्लादेश और पाकिस्तान समेत दुनिया के कई देशों की जीडीपी से भी ज्यादा हो जाएगी।

कई टुकड़ों में मिलेंगे स्टॉक

मस्क को स्टॉक 12 किश्तों में दिए जाएंगे। उन्हें स्टॉक की पहली खेप तब मिलेगी जब टेस्ला का मूल्यांकन 2 ट्रिलियन डॉलर तक पहुंच जाएगा और वे 20 मिलियन वाहन डिलीवर कर देंगे। उन्हें एक और खेप तब मिलेगी जब टेस्ला का मार्केट कैप 3 ट्रिलियन डॉलर तक पहुंच जाएगा और वे 1 मिलियन 'ऑप्टिमस' ह्यूमनॉइड रोबोट डिलीवर कर देंगे। अगर टेस्ला सभी बाधाओं को पार कर लेता है, तो कंपनी का बाजार मूल्य बढ़कर 8.5 ट्रिलियन डॉलर हो जाएगा और मस्क के पास कंपनी के लगभग एक चौथाई शेयर होंगे।

विरोधियों ने की आलोचना

इस नए वेतन पैकेज की लंबे समय से एलन मस्क के विरोधी रहे लोगों ने आलोचना की है। न्यूयॉर्क के राज्य नियंत्रक थॉमस डिनापोली ने इसे 'अनियंत्रित शक्ति के लिए भुगतान, प्रदर्शन के लिए नहीं' कहा। वर्मोंट के सीनेटर बर्नी सैंडर्स ने भी इस योजना की कड़ी निंदा करते हुए इसे पूरी तरह से बेतुका बताया। सैंडर्स ने कहा, 'लोग किराया, स्वास्थ्य सेवा या किराने का सामान नहीं खरीद सकते, और वे सम्मान के साथ रिटायर नहीं हो सकते। फिर भी हम एक ऐसे आदमी के बारे में बात कर रहे हैं जिसके पास पहले से ही निचले 52% अमेरिकी परिवारों से ज्यादा दौलत है, और वह और अमीर हो रहा है।'

सोना 21 दिन में 10,643 सस्ता :10 ग्राम की कीमत 1.20 लाख हुई

चांदी 24 दिन में 30,090 गिरी ; फेस्टिव डिमांड कम होने से घटी कीमतें

नई दिल्ली, 7 नवंबर (एजेंसियां)। सोने की कीमत 21 दिन में 10,643 रुपए घटकर आज 1,20,231 रुपए प्रति10 ग्राम पर आ गई है। 17 अक्टूबर को इसकी कीमत 1,30,874 रुपए के अपने अब तक के सबसे ऊंचे स्तर पर पहुंच गई थी। इंडिया बुलियन एंड ज्वेलर्स एसोसिएशन के अनुसार, 7 नवंबर को सोने की कीमत में 439 रुपए की गिरावट हुई। इससे पहले गुरुवार को इसके दाम 1,20,670 रुपए प्रति 10 ग्राम थी। वहीं, चांदी की कीमत 24 दिन में 30,090 रुपए घटकर 1,48,010 रुपए प्रति किलो पर आ गई है। 14 अक्टूबर को इसकी कीमत 1,78,100 रुपए के अपने अब तक के सबसे ऊंचे स्तर पर पहुंच गई थी। आज चांदी की कीमत में 232 रुपए की गिरावट हुई है। कल इसकी कीमत 1,48,242 प्रति किलोग्राम थी। आईबीजेए की सोने की कीमतों में 3% जीएसटी, मेकिंग चार्ज, ज्वेलर्स मार्जिन शामिल नहीं होता। इसलिए, शहरों के रेट्स इससे अलग होते हैं। इन रेट्स का इस्तेमाल आरबीआई सोवरेन गोल्ड बॉन्ड के रेट तय करने के लिए करता है। कई बैंक गोल्ड लोन के रेट तय करने के लिए इसे इस्तेमाल करते हैं।

इस साल सोना 44,069 और चांदी 61,993 महंगी हुई

इस साल अब तक सोने की कीमत 44,069 रुपए बढ़ी है। 31 दिसंबर 2024 को 10 ग्राम 24 कैरेट सोना 76,162 रुपए का था, जो अब 1,20,231 रुपए हो गया है। चांदी का भाव भी इस दौरान 61,993 रुपए बढ़ गया है।

इस छोटी चीज ने खड़ी की बड़ी मुश्किल... कंपनियों ने महंगे किए स्मार्टफोन

कमजोर रुपया भी बना कारण

नई दिल्ली, 7 नवंबर (एजेंसियां)। क्या सस्ते स्मार्टफोन के दिन हवा होने वाले हैं? दरअसल, स्मार्टफोन बनाने वाली कंपनियों के लिए एक बड़ी मुश्किल खड़ी हो गई है। उन्हें जरूरी पुर्जों, जैसे मेमोरी चिप्स और स्टोरेज की कमी का सामना करना पड़ रहा है। ऐसा इसलिए हो रहा है क्योंकि चिप बनाने वाली कंपनियां अब एआई (आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस) के लिए जरूरी हार्डवेयर की भारी मांग को पूरा करने में लगी हैं। इस वजह से कुछ स्मार्टफोन कंपनियां अपने फोन की कीमतें बढ़ा रही हैं, खासकर सस्ते एंट्री-लेवल हैंडसेट की। उद्योग के जानकारों और मार्केट ट्रैकर्स का कहना है कि रुपये का कमजोर होना भी कंपनियों के लिए पुर्जे मंगाने की समस्या को और बढ़ा रहा है। स्मार्टफोन निर्माता कंपनियां अब उतनी ही चिप्स मंगा रही हैं जितनी उन्हें जरूरत है। इकोनॉमिक टाइम्स के अनुसार वे ऐसा इसलिए कर रही हैं ताकि पुर्जों की लागत बहुत ज्यादा न बढ़ जाए। चिप्स की कीमतें पहले ही बहुत बढ़ गई हैं और सप्लाई भी कम है। ऐसा इसलिए है क्योंकि चिप बनाने वाली कंपनियां अपनी उत्पादन क्षमता एआई डेटा सेंटरों की मांग को पूरा करने में लगा रही हैं। कुछ ब्रांड्स ने तो अपने फोन की कीमतें बढ़ानी शुरू कर दी हैं। वहीं, कुछ कंपनियां अभी इंतजार कर रही हैं। लेकिन रिटेलर्स का कहना है कि कीमतों में बढ़ोतरी से बिक्री पर असर पड़ सकता है। त्योहारी सीजन के बाद बिक्री वैसे भी थोड़ी कम हो गई थी। ओप्पो ने अपने ज्यादातर हाई-एंड और मिड-रेंज मॉडल की कीमतों में 2000 रुपये तक की बढ़ोतरी की है।

यौन उत्पीड़न आरोपों में फंसे आईजी रतनलाल डांगी हटाए गए

एसआई की पत्नी की शिकायत के बाद पीएचक्यू अटैच, अजय बने चंदखुरी पुलिस अकादमी निदेशक

रायपुर, 7 नवंबर (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ पुलिस अकादमी चंदखुरी में पोस्टेड आईजी रतनलाल डांगी को यौन उत्पीड़न के आरोपों के बीच पद से हटा दिया गया है। डांगी को पुलिस अकादमी से हटाकर पुलिस मुख्यालय में अटैच किया गया है। डांगी पर एसआई की पत्नी ने यौन उत्पीड़न के आरोप लगाए थे।

गृह विभाग के सचिव हिमशिखर गुप्ता ने आदेश जारी किया है। आईजी रतनलाल डांगी की जगह सीनियर आईपीएस अजय यादव को जिम्मेदारी सौंपी है। अजय यादव नारकोटिक्स डिपार्टमेंट में थे, जो अब पुलिस अकादमी चंदखुरी में निदेशक के रूप में सेवाएं देंगे।

एसआई की पत्नी ने आईजी डांगी के खिलाफ पुलिस मुख्यालय में शिकायत दर्ज कराई थी। यौन उत्पीड़न और मानसिक प्रताड़ना के आरोप लगाए थे। डांगी के खिलाफ 14 दिन की जांच और इंटरनल रिपोर्ट के बाद गृह विभाग ने एक्शन लिया है।

वहीं एसआई की पत्नी के आरोपों पर आईजी रतनलाल डांगी ने कहा था कि शिकायतकर्ता महिला उन्हें ब्लैकमेल कर रही है। वह महिला के खिलाफ पहले ही सीनियर अफसरों से कर चुके हैं। महिला मुझे बदनाम करने और ब्लैकमेल करने के लिए ये सब कर रही है।

आईजी आनंद छाबड़ा कर रहे मामले की जांच

आईपीएस रतनलाल डांगी की शिकायत की जांच पुलिस मुख्यालय के निर्देशन में आईजी आनंद छाबड़ा कर रहे हैं। बताया जा रहा है कि जांच अधिकारी पहले महिला से पूछताछ करेंगे। उससे बयान और डिजिटल साक्ष्य जुटाएंगे। महिला के बयान लेने के बाद आईपीएस रतनलाल डांगी का बयान दर्ज किया जाएगा। जांच दल में महिला अधिकारियों को भी शामिल किया गया है। जांच रिपोर्ट कब जारी होगी, जांच दल और पुलिस मुख्यालय के अधिकारियों ने अभी तक इस मामले पर कोई टिप्पणी नहीं की है।

दरअसल, पीड़िता एसआई की पत्नी ने 15 अक्टूबर 2025 को पुलिस मुख्यालय में औपचारिक रूप से शिकायत दर्ज कराई थी। उसने बताया था कि 2017 में रतनलाल डांगी से उसकी मुलाकात कोरबा में हुई थी, जब आईपीएस डांगी वहां एसपी पद

पर तैनात थे। शुरूआती बातचीत सोशल मीडिया पर हुई, जो आगे बढ़ती गई। दंतेवाड़ा में पदस्थापना के दौरान वह वीडियो कॉल के माध्यम से उन्हें योग सिखाती थी। राजनांदगांव और सरगुजा में आईजी बनने के बाद डांगी ने कथित रूप से उसे परेशान करना शुरू किया। बिलासपुर आईजी रहते हुए उत्पीड़न का सिलसिला और बढ़ गया। शिकायत में महिला ने बताया कि आईपीएस डांगी उसे अपनी पत्नी की गैरमौजूदगी में बंगले में बुलाते थे। न आने पर तबादले की धमकी देते थे। चंद्रखुरी पुलिस प्रशिक्षण अकादमी में तबादले के बाद भी वह वीडियो कॉल के जरिए सुबह 5 बजे से रात 10 बजे तक संपर्क करने का दबाव बनाते थे। महिला ने यह भी दावा किया है कि उसके पास कई आपत्तिजनक डिजिटल साक्ष्य मौजूद हैं।

महिला के आरोपों पर दैनिक भास्कर ने आईपीएस रतनलाल डांगी से बात की थी। भास्कर से चर्चा के दौरान रतनलाल डांगी ने बताया कि शिकायतकर्ता महिला उन्हें ब्लैकमेल कर रही है। इस मामले की शिकायत उन्होंने पूर्व में ही सीनियर अफसरों से की है।

महिला को इस बात की जानकारी मिली तो उसने पुलिस मुख्यालय पहुंचकर शिकायत की है। महिला उन्हें बदनाम करने और ब्लैकमेल करने की कोशिश कर रही है। साथ ही जहर लेकर धमकी देने और वीडियो कॉल पर लगातार निगरानी रखने जैसी शर्तें भी रखी हैं।

परिजनों का कहना है कि महिला का व्यवहार पहले से संदिग्ध रहा है और वह धोखाधड़ी और ब्लैकमेलिंग जैसे मामलों में पहले भी शामिल रह चुकी है। जीजा ने बताया कि वह कई बार पारिवारिक विवादों में झूठे आरोप लगाकर पैसे की मांग करती थी।

उन्होंने कहा 'अब उसने एक ईमानदार अधिकारी को निशाना बनाया है। हमारे पास उसके पुराने केस के दस्तावेज और बयान मौजूद हैं।

सड़क हादसे में युवक की मौत

घटना का सीसीटीवी आया सामने, दो ट्रेलर के बीच से निकलने की कोशिश में गई जान

बोकारो, 7 नवंबर (एजेंसियां)। बोकारो के एनएच-23 पर गुरुवार रात एक दर्दनाक सड़क हादसे में मिर्जापुर निवासी 30 वर्षीय दिलेश्वर ठाकुर की मौत हो गई। युवक सैलून बंद कर घर लौट रहा था, तभी तेनु चौक के पास रामगढ़ की ओर से आ रहे एक तेज रफ्तार ट्रेलर की चपेट में आ गया। शुक्रवार को हादसे का सीसीटीवी फुटेज सामने आया।

हादसे के बाद दिलेश्वर गंभीर रूप से घायल होकर सड़क पर गिर पड़ा। मौके पर मौजूद लोगों ने तुरंत पुलिस को सूचना दी। पेटरवार थाना की पीसीआर वैन पहुंचकर घायल को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पेटरवार ले गई, जहां प्राथमिक उपचार के बाद उसे सदर अस्पताल बोकारो रेफर किया गया। बाद में बीजीएच में डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया।

घटना का सीसीटीवी फुटेज भी सामने आया है, जिसमें स्पष्ट रूप से देखा जा सकता है कि दिलेश्वर जल्दबाजी में दो ट्रेलर के बीच से निकलने की कोशिश कर रहा था, तभी यह हादसा हो गया। हादसे के बाद पास से गुजर रहे एक अन्य ट्रक चालक ने तुरंत गाड़ी रोककर घायल को उठाने में मदद की।

कोल माइंस का विरोध, 3 गांव प्रभावित

24 घंटे प्रदर्शन, रातभर धरने पर बैठे 300 ग्रामीण महिलाएं–बच्चे भी हुए शामिल, जनसुनवाई रद्द करने की मांग

रायगढ़, 7 नवंबर (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ के रायगढ़ जिले के छाल क्षेत्र में कोल माइंस का विरोध हो रहा है। दरअसल, इस खदान से आसपास के तीन गांव पुरूंगा, साम्हरसिंघा और तेंदूमुड़ी प्रभावित हो रहे हैं। ग्रामीणों का कहना है कि वे अपनी जल, जंगल और जमीन कोल खदान के लिए नहीं देना चाहते। इसी वजह से वे 6 नवंबर की रात से धरना प्रदर्शन पर बैठे हैं।

कोल खदान के लिए 11 नवंबर को जनसुनवाई होगी। ग्रामीण इसे निरस्त कराना चाहते हैं। इसके खिलाफ गुरुवार को 300 ग्रामीण कलेक्ट्रेट पहुंचे और जमकर विरोध प्रदर्शन किया। लेकिन जब कलेक्टर ग्रामीणों से मिलने नहीं आएं तो वे रात भर कलेक्ट्रेट के सामने बैठकर अपनी मांगों पर अड़े रहे। इस दौरान कई महिलाएं भी अपने दूधमुंहे बच्चे को लेकर प्रदर्शन करने पहुंची थी।

पिछले 24 घंटे तक प्रदर्शन के बाद शुक्रवार दोपहर करीब दो बजे तक आंदोलन कर रहे ग्रामीणों से मिलने कोई प्रशासनिक अधिकारी नहीं पहुंचे थे। ऐसे में प्रदर्शनकारियों को जानकारी मिली कि गांव में जनसुनवाई को लेकर जल्द तैयारी की जाने वाली है, तो ग्रामीण कलेक्ट्रेट के सामने अपना आंदोलन समाप्त कर वापस गांव चले गए। ग्रामीण अब गांव में जनसुनवाई का विरोध करने की बात कह रहे हैं।

कोल माइंस से छाल क्षेत्र के ग्राम पंचायत पुरूंगा, साम्हरसिंघा और तेंदूमुड़ी का एरिया प्रभावित हो रहा है। 6 नवंबर की दोपहर में तीन ग्राम पंचायत के तकरीबन 300 से अधिक ग्रामीण कलेक्ट्रेट पहुंचे। उनके समर्थन में क्षेत्रीय विधायक लालजीत राठिया और खरसिया विधायक उमेश पटेल भी आए थे।

उनकी मांग देर शाम तक पूरी नहीं की गई। ऐसे में ग्रामीणों का कहना था कि जब तक मांग पूरी नहीं होगी, वे अपना धरना प्रदर्शन जारी रखेंगे और कलेक्ट्रेट के सामने ही दरी बिछाकर बैठ गए। ठंड बढ़ते गई, लेकिन वे नहीं उठे और रात भर अपनी मांगों को लेकर यहीं डटे रहे।

ग्रामीणों का कहना है कि ग्राम सभा में जनसुनवाई निरस्त होना चाहिए इसका प्रस्ताव भी पारित किया गया। इसके बाद भी जब प्रशासन इसे गंभीरता से नहीं लिया तो ग्रामीणों ने अपना आंदोलन शुरू कर दिया।

इस आंदोलन में तीनों गांव की बड़ी संख्या में महिलाएं-बच्चे और युवतियां भी शामिल हुई। सभी ने जनसुनवाई निरस्त करने की मांग करते हुए नारे लगाए।

ट्रेन से 7 लाख रुपए के 78 कछुए बरामद

धनबाद स्टेशन पर वन्यजीव तस्करी का खुलासा, वन क्षेत्र पदाधिकारी को सौंपा

धनबाद, 7 नवंबर (एजेंसियां)। धनबाद रेलवे स्टेशन पर रेलवे सुरक्षा बल (आरपीएफ) ने योग नगरी ऋषिकेश-हावड़ा दून एक्सप्रेस से 78 कछुए बरामद किए हैं। इन कछुओं की अनुमानित कीमत 7 लाख 80 हजार रुपए बताई गई है।

आरपीएफ पोस्ट धनबाद को गुप्त सूचना मिली थी कि ट्रेन के महिला कोच में बड़ी संख्या में कछुओं की तस्करी की जा रही है। इस सूचना के आधार पर टीम ने त्वरित कार्रवाई करते हुए कछुओं को बरामद किया।

बरामद किए गए कछुओं को आगे की कार्रवाई के लिए धनबाद के वन क्षेत्र पदाधिकारी को सौंप दिया गया है। वन्य जीव संरक्षण अधिनियम, 1972 के तहत कछुओं को संरक्षित प्रजाति का दर्जा प्राप्त है।

इस अभियान में आरपीएफ टीम के सदस्य कुंदन कुमार, जीवलाल राम, बबुलेश कुमार, सत्येंद्र कुमार प्रसाद, प्रमोद कुमार और विवेक कुमार शामिल थे।

धनबाद आरपीएफ की टीम कछुओं की तस्करी रोकने के लिए लगातार अभियान चला रही है। पूर्व में भी आरपीएफ ने कई बार कछुओं को तस्करों से छुड़ाकर वन विभाग को सौंपा है।

कांकेर में बवाल: ईसाई-व्यक्ति का शव दफनाने नहीं दिया

ग्रामीणों के बाद हिंदू संगठनों ने रोका, पुलिस के सामने हंगामा, तीसरे दिन भी नहीं हुआ अंतिम–संस्कार

कांकेर, 7 नवंबर (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ के कांकेर जिले में शव दफनाने को लेकर बवाल हो गया है। मसीही समाज के एक शख्स की मौत के बाद परिजन शव को दफनाने पहुंचे, लेकिन ग्रामीणों ने गांव की जमीन में शव दफनाने नहीं दिया। मसीही समाज ने थाना घेरा तो पुलिस ने शव को कोडेकुर्से अस्पताल के मॉर्च्युरी में रखवा दिया।

परिजन पुलिस टीम के साथ शुक्रवार को कोडेकुर्से से शव लेकर चारामा पहुंचे। इस दौरान हिंदू संगठन के लोगों ने गाड़ी रोक दी। कहा कि शव को दफन करने नहीं देंगे। पुलिस टीम का विरोध किया। बढ़ते हंगामे को देखते हुए पुलिस और परिजन शव को रायपुर ले गए हैं। तीसरे दिन भी अंतिम संस्कार नहीं हो पाया है। मामला कोडेकुर्से थाना क्षेत्र का है।

जानकारी के मुताबिक, मृतक का नाम मनीष निषाद (50) है। वह कोडेकुर्से गांव में रहता था। मंगलवार को परिजन अपनी निजी जमीन में शव दफना रहे थे। इसका ग्रामीणों ने विरोध किया। गुरुवार को मसीही समाज के लोगों ने शव दफनाने की अनुमति की मांग को लेकर थाने का घेराव कर दिया।

इससे पहले भी यानी 24 जुलाई 2025 को कांकेर के जामगांव में ईसाई व्यक्ति के शव को गांव में दफनाने पर बवाल हुआ था। 500-1000 की भीड़ ने चर्च में और घरों में तोड़फोड़ की थी। घरों से बर्तनों और सामानों को निकालकर बाहर फेंक दिए थे।

दरअसल, मनीष निषाद के परिवार ने हिंदू धर्म छोड़कर ईसाई धर्म को अपनाया है। 4 नवंबर को बीमारी से रायपुर में मनीष निषाद की मौत हो गई थी। इसके बाद परिजन शव लेकर गांव पहुंचे। परिजन और मसीही समाज के लोगों ने शव दफनाने की तैयारी शुरू की।

इस दौरान ग्रामीणों ने गांव में दफनाने का विरोध किया। विरोध बढ़ने पर मसीही समाज के लोगों ने इसकी शिकायत थाने में की। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर ग्रामीणों को समझाने का प्रयास किया, लेकिन कोई समाधान नहीं निकल सका।

जगह नहीं मिलने से नाराज परिजनों और समाज के लोगों ने शव को थाने में ही छोड़ दिया। स्थिति को देखते हुए पुलिस ने शव को कोडेकुर्से अस्पताल के चीरघर (मॉर्चुरी) में रखवा दिया। घटना के 3 दिन बीत जाने के बावजूद मृतक का अंतिम संस्कार नहीं हो सका है।

कांकेर में विरोध के बाद गुरुवार को मसीही समाज के लोगों ने शव दफनाने की अनुमति की मांग को लेकर थाने का घेराव किया। इस दौरान ग्रामीण अपने रुख पर अड़े रहे और गांव की जमीन पर दफन की अनुमति देने से इनकार करते रहे।

मामले में जिला पंचायत सदस्य देवेन्द्र टेकाम का कहना है कि गांव को रुढ़ीगत व्यवस्था के अनुसार बसाया गया है। गांव के रीति-रिवाज के अनुसार लाश को दफनाया जाता है। गांव के बैगा और समाज प्रमुख के बिना अनुमति के शव को गांव के सरहद में नहीं दफनाया जाता। गांव के रीति-रिवाज के अनुसार लाश को दफनाया जाए या फिर कब्रिस्तान ले जाएं।

रामगढ़ पुलिस ने दो तस्करों को पकड़ा

बोलेरो से 9 .07 ग्राम ब्राउन शुगर बरामद, न्यायिक हिरासत में भेजा

रामगढ़, 7 नवंबर (एजेंसियां)। रामगढ़ पुलिस ने ब्राउन शुगर की तस्करी के आरोप में दो व्यक्तियों को गिरफ्तार किया है। उनके पास से कुल 9.07 ग्राम ब्राउन शुगर बरामद की गई। यह कार्रवाई भुरकुंडा में गुप्त सूचना के आधार पर की गई।

एसपी अजय कुमार को एक गुप्त सूचना मिली थी कि एक सिल्वर रंग की बोलेरो गाड़ी से कुछ लोग ब्राउन शुगर (हेरोइन) की खरीद-बिक्री के लिए भुरकुंडा आ रहे हैं। इस सूचना पर अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी, पतरातू के नेतृत्व में एक टीम का गठन किया गया। गठित टीम ने भुरकुंडा के विभिन्न स्थानों पर वाहन चेकिंग अभियान चलाया। इसी दौरान, दो मुहानी रिवर साइड, भुरकुंडा के पास उक्त बोलेरो गाड़ी को रोका गया। गाड़ी चालक और उसमें सवार व्यक्ति पुलिस को देखकर भागने का प्रयास करने लगे। हालांकि, पुलिस बल ने चालक को पकड़ लिया। पूछताछ में चालक ने अपना नाम राजेश कुमार बेदिया और गाड़ी में बैठे दूसरे व्यक्ति ने अपना नाम महफूज आलम उर्फ राजन बताया। भागने का कारण पूछने पर उन्होंने बताया कि उनके पास ब्राउन शुगर है, इसलिए वे पुलिस को देखकर भाग रहे थे। उपस्थित पुलिस पदाधिकारी की मौजूदगी में दोनों व्यक्तियों की तलाशी ली गई। तलाशी के दौरान, महफूज आलम उर्फ राजन के पास से 4.77 ग्राम ब्राउन शुगर (हेरोइन) और राजेश कुमार बेदिया के पास से 4.3 ग्राम स्मैक/ब्राउन शुगर (हेरोइन) बरामद हुई।

छत्तीसगढ़ एमएसएमई-चेयरमैन बनाने 2 युवकों से 35 लाख ठगे

रायपुर, 7 नवंबर (एजेंसियां)। रायपुर में दिल्ली के एक व्यक्ति ने 2 युवक के साथ 35 लाख रुपए की ठगी की है। आरोपी ने खुद को एमएसएमईपीसीआई का चेयरमैन बताया। फिर दोनों को छत्तीसगढ़ में चेयरमैन और वाइस चेयरमैन के पद पर नियुक्त करने के बहाने पैसे वसूल कर लिए।

इतना ही नहीं आरोपी ने उन्हें फर्जी ज्वॉइनिंग लेटर और आईडी कार्ड भी दिए। लेकिन जब युवकों को सैलरी नहीं मिली तो उन्हें ठगी का पता चला। जिसके बाद वे थाने पहुंचे और रिपोर्ट दर्ज कराई। मामला अभनपुर थाना क्षेत्र का है।

जानकारी के मुताबिक, पीड़िता का नाम अनिल कुमार श्रीवास है। जो कि विशाल नगर का रहने वाला है। जबकि दूसरे पीड़ित का नाम रोशन श्रीवास है। अनिल कुमार ने बताया कि 5 अप्रैल 2023 को उसकी मुलाकात विजय कुमार चौरसिया से जोरा स्थित एक होटल में हुई थी। विजय चौरसिया ने खुद को एमएसएमईपीसीआई (भारतीय सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम संवर्धन परिषद) का चेयरमैन बताते हुए दावा किया कि यह संस्था केंद्र सरकार से मान्यता प्राप्त है और देशभर में कई पदों पर नियुक्तियां कर रही है।

पीड़ित अनिल के मुताबिक, विजय चौरसिया ने उसे छत्तीसगढ़ का वाइस चेयरमैन और उसके परिचित रोशन श्रीवास को चेयरमैन बनाने का ऑफर दिया। इस नियुक्ति के बदले में उसने 15 लाख और 20 लाख रुपए की मांग की। साथ ही हर महीने 1 लाख रुपए वेतन और सरकारी आवास की सुविधा का लालच दिया। 6 अप्रैल 2023 को अभनपुर स्थित लखन हिंदू होटल के बाहर अनिल और रोशन श्रीवास से 2-2 लाख रुपए कैश लिए गए।

इसके बाद अप्रैल से दिसंबर 2023 तक अलग-अलग किस्तों में कुल 35 लाख रुपए विजय कुमार चौरसिया को ऑनलाइन और कैश माध्यम से दिए गए।

विजय चौरसिया ने ज्वॉइनिंग लेटर भी जारी किया, लेकिन उन्हें किसी प्रकार का वेतन नहीं दिया गया और न ही अन्य वादे पूरे हुए। इसके अलावा आरोपी ने कई कार्यक्रमों का खर्च भी पीड़ित से कराया गया। अनिल श्रीवास ने पैसे लौटाने की मांग की तो उसने अभद्र भाषा का प्रयोग करते हुए धमकी दी जो करना है कर लो, मेरा कुछ नहीं बिगाड़ पाओगे। फिलहाल, पीड़ित ने इस पूरे मामले की अभनपुर पुलिस में शिकायत कर FIR दर्ज करवाई हैं। वहीं इस मामले में टीआई एसएस सिंह ने बताया कि पीड़ित राज्य अक्षय ऊर्जा विकास अभिकरण (क्रेडा) से जुड़े थे।

महिला का कुएं से मिला शव

5 नवंबर से थी लापता, दो साल पहले हुई थी शादी, दंपती में अक्सर होता था विवाद

गोड्डा, 7 नवंबर (एजेंसियां)। गोड्डा जिले के महागामा थाना क्षेत्र स्थित बागजोरी में एक महिला का शव घर के पीछे स्थित कुएं से बरामद किया गया। यह महिला पति से झगड़े के बाद 5 नवंबर से लापता थी। इधर, पुलिस ने शव को अपने कब्जे में लेकर मामले की जांच शुरू कर दी है।

मृतका की पहचान काजल कुमारी के रूप में हुई है। उसका पति मिथुन भगत ने पुलिस को बताया कि 5 नवंबर की शाम करीब 6 बजे उनके बीच झगड़ा हुआ था। मिथुन भगत के अनुसार, वह अपनी मां को महागामा छोड़कर किराना स्टोर का सामान लेने गया था। लौटने में देर हो गई थी, जिस पर पत्नी ने सवाल उठाया था।

मिथुन भगत ने आगे बताया कि झगड़े के बाद शाम 6:30 बजे से काजल लापता हो गई थी। उन्होंने उसे ढूंढने की कोशिश की और मायके में भी फोन कर जानकारी ली, लेकिन वह कहीं नहीं मिली। मिथुन भगत ने यह भी बताया कि काजल पहले भी कई बार झगड़ा करके मायके चली गई थी।

शुक्रवार की सुबह अचानक घर के पीछे वाले कुएं में काजल का शव देखा गया। स्थानीय लोगों ने तत्काल महागामा पुलिस को इसकी सूचना दी।

सूचना मिलते ही महागामा थाना प्रभारी मनोज कुमार पाल और एएसआई रोमा कुमारी पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे और घटना की जानकारी ली। मृतका के पति ने बताया कि काजल भागलपुर के नाथनगर की रहने वाली थी। उनकी शादी 2023 में हिंदू रीति-रिवाजों के साथ हुई थी। दंपती का एक साल का एक छोटा बच्चा भी है।

महिला 5 नवंबर से लापता थी और आज उसका शव कुएं से बरामद हुआ है। मृतका के परिजनों के बयान के आधार पर मामला दर्ज कर आगे की कार्रवाई की जाएगी। शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है।

सारंडा जंगल में सुरक्षा बलों और नक्सलियों के बीच मुठभेड़

फायरिंग के बाद सर्च अभियान जारी, हथियार, गोला–बारूद बरामद

चाईबासा, 7 नवंबर (एजेंसियां)। पश्चिम सिंहभूम के सारंडा जंगलों में सुरक्षा बलों और नक्सलियों के बीच गोलीबारी हुई। यह घटना जराईकेला थाना क्षेत्र के कुलापू बुरू के सीमावर्ती इलाकों में हुई, जहां 209 कोबरा बटालियन के जवानों और नक्सलियों के बीच लगभग 45 मिनट से एक घंटे तक संघर्ष चला।

प्रारंभिक जानकारी के अनुसार, मुठभेड़ में नक्सलियों को भारी नुकसान पहुंचा है। चाईबासा के एसपी अमित रेणु ने अभियान जारी रहने की पुष्टि की है। उन्होंने नक्सलियों से आत्मसमर्पण कर सरकार की योजनाओं का लाभ उठाने की अपील की। वहीं, सुरक्षाकर्मियों को भारी पड़ता देख नक्सली भाग निकले।

इस दौरान सुरक्षाकर्मियों ने मौके से दो एसएलआर राइफल, एक .303 राइफल, एके-47 के 37 कारतूस, एसएलआर के 78 कारतूस, .303 कारतूस 130, जिलेटिन पैकेट (कुल वजन 16.68 किलो) 6, 13 तैयार जिलेटिन आईईडी बरामद किया।

यह वही इलाका है, जहां करोड़ों के इनामी नक्सली अनल दस्ता सक्रिय है। मुठभेड़ के बाद सुरक्षा बलों ने पूरे क्षेत्र में सर्च और तलाशी अभियान तेज कर दिया है। इसका उद्देश्य नक्सलियों के छिपने के ठिकाने और संभावित सहयोगियों का पता लगाकर उनकी गतिविधियों को रोकना है।

स्थानीय लोगों और सुरक्षा सूत्रों के अनुसार, इलाके में तनाव बना हुआ है और रुक-रुककर गोलीबारी जारी रही। एसपी ने यह भी चेतावनी दी कि स्थिति को नियंत्रण में लाने के लिए आवश्यक कार्रवाई की जाएगी। सुरक्षा एजेंसियां इलाके में सतर्कता बरतते हुए कार्रवाई कर रही हैं।

बताते चलें कि इस क्षेत्र में एक करोड़ का इनामी नक्सली मिसिर बेसरा सक्रिय है। उसके साथ अनमोल, असीम मंडल, चमन और अजय महतो जैसे नक्सली नेता भी मौजूद हैं।

हजारीबाग ब्लड बैंक में रक्त का गहरा संकट

हजारीबाग, 7 नवंबर (एजेंसियां)। हजारीबाग के शेख भिखारी मेडिकल कॉलेज अस्पताल स्थित ब्लड बैंक में रक्त की भारी कमी हो गई है। इस संकट के कारण मरीजों और उनके परिजनों को घंटों इंतजार करना पड़ रहा है और कई बार उन्हें खाली हाथ लौटना पड़ रहा है। थैलेसीमिया जैसे नियमित रक्त की आवश्यकता वाले मरीजों को सबसे अधिक परेशानी का सामना करना पड़ रहा है।

यह स्थिति राज्य सरकार द्वारा हाल ही में लागू किए गए एक नए नियम के कारण उत्पन्न हुई है। इस नियम के तहत 'खून के बदले खून' देने की पुरानी व्यवस्था को समाप्त कर दिया गया है। अब किसी भी जरूरतमंद को रक्त प्राप्त करने के लिए रक्तदाता लाने की बाध्यता नहीं है।

हालांकि इस फैसले का उद्देश्य जनहित में था, लेकिन इसके परिणामस्वरूप रक्तदाताओं की संख्या में भारी गिरावट आई है, जिससे ब्लड बैंक लगभग खाली हो गया है। यह नियम चाईबासा में थैलेसीमिया पीड़ित बच्चों को एचआईवी पॉजिटिव रक्त चढ़ाए जाने के बाद राज्य सरकार ने लिया था।

ब्लड बैंक के प्रभारी डॉ. नीरज कुमार ने बताया कि दो दिन पहले तक बैंक में लगभग 100 यूनिट रक्त उपलब्ध था, जो अब घटकर केवल 20 यूनिट रह गया है। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि यही स्थिति बनी रही, तो कुछ ही घंटों में एक भी यूनिट रक्त नहीं बचेगा।

रक्त संकट के कारण कई मरीजों को जीवनरक्षक उपचार प्राप्त करने में कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है। कई परिजन पिछले दो दिनों से रक्त की तलाश में ब्लड बैंक और निजी नर्सिंग होम के चक्कर काट रहे हैं, लेकिन उन्हें निराशा ही हाथ लग रही है। हजारीबाग के निजी ब्लड बैंकों में भी ऐसी ही स्थिति है।

सुबह से दो महिलाएं अपने थैलेसीमिया पीड़ित बच्चों के लिए ब्लड बैंक में रक्त का इंतजार कर रही थीं, लेकिन उन्हें अभी तक रक्त नहीं मिल पाया है। डॉक्टरों का कहना है कि यदि रक्तदाता आगे नहीं आते हैं, तो आने वाले दिनों में स्थिति और भी गंभीर हो सकती है।

अवैध बालू खनन का विरोध करने पर युवक की हत्या

चाईबासा, 7 नवंबर (एजेंसियां)। पश्चिमी सिंहभूम जिले के जैतगढ़ ओपी थाना क्षेत्र में अवैध बालू खनन का विरोध करने पर एक युवक की ट्रैक्टर से कुचलकर हत्या कर दी गई। यह घटना शुक्रवार को मुंडाई गांव में हुई। मृतक की पहचान दीपक प्रधान के रूप में हुई है। घटना के बाद इलाके में तनाव फैल गया है।

स्थानीय सूत्रों के अनुसार, दीपक प्रधान क्षेत्र में अवैध बालू खनन और उसके परिवहन का लगातार विरोध कर रहे थे। शुक्रवार को भी उन्होंने बालू लदे एक ट्रैक्टर को रोकने का प्रयास किया। इसी दौरान ट्रैक्टर चालक ने उन्हें कुचल दिया और मौके से फरार हो गया। दीपक की घटनास्थल पर ही मौत हो गई।

युवक की हत्या की खबर फैलते ही ग्रामीण आक्रोशित हो गए। उन्होंने शव को सड़क पर रखकर विरोध प्रदर्शन शुरू कर दिया। इस कारण कई घंटों तक सड़क जाम रहा और यातायात बाधित रहा, जिससे क्षेत्र में तनावपूर्ण स्थिति बनी रही।

स्थानीय लोगों ने आरोप लगाया है कि क्षेत्र में अवैध बालू खनन का धंधा लंबे समय से चल रहा है। उनका कहना है कि प्रशासन इस पर प्रभावी कार्रवाई करने में विफल रहा है। ग्रामीणों के अनुसार, बालू माफिया और पुलिस की मिलीभगत से खुलेआम अपना कारोबार चला रहे हैं और इसका विरोध करने वाले आम लोगों पर जानलेवा हमले किए जा रहे हैं। घटना की सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमॉर्टम के लिए चाईबासा सदर अस्पताल भेज दिया। जगन्नाथपुर थाना प्रभारी अविनाश कुमार ने बताया कि बालू ले जा रहे ट्रैक्टर को जब्त कर लिया गया है और मामले की जांच शुरू कर दी गई है।

अमेरिका में 1 दिन में 700 फ्लाइट्स कैंसिल

ट्रम्प के शटडाउन से स्टाफ में कमी 40 बड़े एयरपोर्ट्स ने उड़ानें घटाईं

वॉशिंगटन, 7 नवंबर (एजेंसियां)। अमेरिका में शटडाउन हुए 37 दिन बीत चुके हैं। इसका सबसे ज्यादा असर हवाई यात्रा पर पड़ रहा है। फेडरल एविएशन एडमिनिस्ट्रेशन (एफएए) ने गुरुवार को 40 बड़े हवाई अड्डों पर उड़ानों में कटौती का ऐलान किया है। शुक्रवार सुबह से यह कटौती शुरू हो गयी है।

इसमें न्यूयॉर्क और वॉशिंगटन डीसी के बड़े एयरपोर्ट्स शामिल हैं। कुल 40 में से ज्यादातर देश के सबसे व्यस्त हब हैं। इससे थैंक्सगिविंग वीक की छुट्टियों से पहले यात्रा करने वाले लोगों की चिंता बढ़ गई हैं।

रॉयटर्स की रिपोर्ट्स के मुताबिक, कई बड़े एयरलाइंस पहले ही उड़ानें कैंसिल कर चुके हैं। अब तक कुल 700 से ज्यादा उड़ानें कैंसिल हो चुकी हैं। इसमें रीजनल और मुख्य उड़ानें शामिल हैं। हालांकि, अंतरराष्ट्रीय उड़ानें इससे बचेगीं।

एफएए के मुताबिक यह कदम एयर ट्रैफिक कंट्रोलर्स की कमी

को कम करने के लिए उठाया गया है। ये कंट्रोलर्स एक महीने से ज्यादा समय से बिना वेतन के काम कर रहे हैं।

यह कटौती धीरे-धीरे बढ़ेगी। शुक्रवार से 4% उड़ानें कम होंगी, 14 नवंबर तक यह 10% तक पहुंच जाएगी। यह सुबह 6 बजे से रात 10 बजे तक चलेगा। इससे घरेलू उड़ानें प्रभावित होंगी।

एक्सपर्ट्स के मुताबिक, इससे रोजाना 1,800 उड़ानें रद्द हो सकती हैं। वहीं, करीब 2.68 लाख लोग प्रभावित होंगे। डेल्टा एयर लाइंस ने शुक्रवार के लिए 170 उड़ानें रद्द कीं। यूनाइटेड एयरलाइंस ने 200 उड़ानें कैंसिल कीं। यह उनके शुक्रवार के शेड्यूल का 4% है। वही, अमेरिकन एयरलाइंस ने 220 उड़ानें कम कीं।

साउथवेस्ट एयरलाइंस ने 100 उड़ानें रद्द कीं। एयरलाइंस फॉर अमेरिका ने कहा, 'हम सरकार के साथ मिलकर यात्रियों की परेशानी कम करने की कोशिश कर रहे हैं। एफएए ने कहा कि एयरलाइंस खुद तय करेंगी कि कौन सी उड़ानें रद्द करनी है।

फ्रंटियर समेत कई बड़ी एयरलाइंस ने अगले 10 दिनों के भीतर ट्रैवल करने वाले यात्रियों के लिए एडवाइजरी जारी की है। फ्रंटियर एयरलाइंस के सीईओ बैरी बिफल ने इंस्टाग्राम पर कहा, 'अगर आप शुक्रवार या अगले 10 दिनों में उड़ान भरने वाले हैं। तो बैकअप टिकट बुक करें। दूसरी एयरलाइन पर इकोनॉमी टिकट लें। यह बदलाव मुफ्त हैं।'

अमेरिकन, डेल्टा, साउथवेस्ट, यूनाइटेड और फ्रंटियर ने भी छूट दिए हैं। लोग बिना किसी एक्स्ट्रा फीस के टिकट बदल सकते हैं। कंपनी ने कहा थर्ड-पार्टी वेबसाइट से न बुक करें। सीधे एयरलाइन से करें। अगर उड़ान कैंसिल हो जाती है तो एयरलाइंस रिफंड देंगी, लेकिन होटल या दूसरे खर्च कवर नहीं करेंगी।

इजराइल के साथ एक और मुस्लिम देश जुड़ा

कजाकिस्तान अब्राहम समझौते में शामिल ट्रम्प बोले– कुछ और देशों से बातचीत जारी

वॉशिंगटन, 7 नवंबर (एजेंसियां)। इजराइल के साथ अब्राहम समझौते में एक और मुस्लिम देश शामिल होने वाला है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने गुरुवार को कजाकिस्तान के इस समझौते में शामिल होने की घोषणा की। इस समझौते का मकसद इजराइल और मुस्लिम देशों के बीच रिश्ते सामान्य करना है।

ट्रम्प ने बताया कि उन्होंने कजाकिस्तान के राष्ट्रपति कासिम जोमार्ट टोकायेव की मौजूदगी में इजराइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू से फोन पर बात की है। उन्होंने कहा, हम जल्द ही साइनिंग सेरेमनी की तारीख घोषित करेंगे। कई और देशों की भी इस समझौते में शामिल होने की इच्छा है।

अब्राहम समझौते की शुरुआत ट्रम्प के पिछले कार्यकाल के दौरान 2020 में हुई थी। तब ट्रम्प की पहल पर यूएई और बहरीन ने इजराइल से संबंध स्थापित किए थे। उसी साल मोरक्को भी इस समझौते में शामिल हुआ।

गुरुवार को ट्रम्प ने व्हाइट हाउस में कजाकिस्तान, किर्गिस्तान, ताजिकिस्तान, तुर्कमेनिस्तान और उज्बेकिस्तान के नेताओं से मुलाकात की। ट्रम्प ने कहा, इनमें से कई देश अब्राहम समझौते में शामिल होंगे, जल्द घोषणा होगी।

अब्राहम समझौता क्या है?

अब्राहम समझौते के तहत 2020 में इजराइल और कुछ अरब देशों ने आधिकारिक रूप से दोस्ताना संबंध बनाने का फैसला किया था। इसका नाम अब्राहम से आया है, जो यहूदी, ईसाई और इस्लाम धर्मों के पैगंबर माने जाते हैं। इस समझौते से जुड़े देशों यूएई, बहरीन और मोरक्को ने इजराइल में दूतावास खोलने, व्यापार करने, सैन्य और तकनीकी साझेदारी बढ़ाने पर सहमति दी थी।

फिलिस्तीन विवाद के चलते इजराइल और अरब देशों के बीच रिश्ते तनावपूर्ण रहे हैं। हालांकि इस समझौते ने पहली बार कई मुस्लिम देशों को इजराइल के साथ खुलकर संबंध स्थापित करने का रास्ता दिया।

कई मुस्लिम देश इस समझौते को फिलिस्तीन के साथ अन्याय मानते हैं। इन देशों का कहना है कि इजराइल से रिश्ते तभी सामान्य होने चाहिए जब फिलिस्तीन को उसका अधिकार मिले।

गाजा में इजराइल और हमास के बीच शुरू हुई जंग का सीधा असर अब्राहम समझौते पर पड़ा है। 2020 से यह समझौता तेजी से आगे बढ़ रहा था। कई नए मुस्लिम देशों के शामिल होने की चर्चा थी, लेकिन युद्ध ने पूरी प्रक्रिया को ठप कर दिया।

सऊदी अरब समझौते में शामिल होने के सबसे करीब था। ट्रम्प बार-बार कह रहे हैं कि गाजा में सीजफायर लागू होने के बाद सऊदी अरब भी जल्द शामिल हो सकता है। लेकिन सऊदी अरब ने अब तक ऐसा कोई संकेत नहीं दिया। उसने साफ कहा है कि, फिलिस्तीनियों के लिए देश का रास्ता साफ हुए बिना कोई समझौता नहीं होगा।

इंडोनेशिया में नमाज के दौरान मस्जिद में धमाका, 54 घायल

हथियार और बम बनाने का सामान बरामद, पुलिस जांच में जुटी

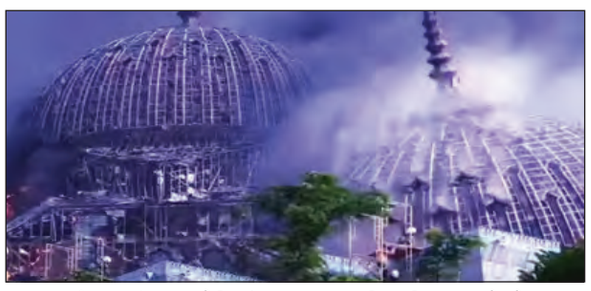

जकार्ता, 7 नवंबर (एजेंसियां)। इंडोनेशिया की राजधानी जकार्ता में शुक्रवार की नमाज के दौरान एक मस्जिद में धमाका हुआ है। इस हादसे में कम से कम 54 लोग घायल हो गए। इन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया है। धमाका उत्तरी जकार्ता के केलापा गाडिंग इलाके में एक स्कूल के अंदर बनी मस्जिद में हुआ। घटना के बाद शहर के पुलिस प्रमुख असेप एदी सुहेरी ने बताया कि पुलिस धमाके के वजह की जांच कर रही है।

शुरुआती जांच में पुलिस को घटनास्थल के पास कुछ संदिग्ध सामान मिले हैं। इनमें हाथ से बनाए गए विस्फोटक उपकरण (आईईडी) के हिस्से, एक रिमोट कंट्रोल, और एयरसॉफ्ट व रिवॉल्वर जैसी बंदूकें शामिल हैं।

मौके पर मौजूद लोगों ने बताया कि पहला धमाका मस्जिद के मुख्य हॉल के पिछले हिस्से से हुआ, जिससे नमाज पढ़ रहे लोग घबरा गए और अपनी जान बचाने के लिए भागने लगे। धमाके के वक्त मस्जिद के अंदर मौजूद गणित के शिक्षक बुदी लकसोनो ने बताया, खुतबा अभी शुरू ही हुआ था कि जोरदार धमाका हुआ। कुछ ही सेकंड में धुआं फैल गया। छात्र बाहर भागे। कोई रो रहा था, कोई गिर पड़ा, सब घबरा गए। ज्यादातर घायलों को कांच के टुकड़ों और तेज आवाज के झटके से चोटें आईं। सभी घायलों को केलापा गाडिंग जिले के क्लिनिक में भर्ती कराया गया है। घटना के तुरंत बाद नौसेना के जवानों और जकार्ता पुलिस ने इलाके को घेर लिया और बम निरोधक दस्ते ने पूरे क्षेत्र की तलाशी ली।

ममदानी की जीत से मुश्किल में न्यूयॉर्क के अरबपति

8 लाख लोग शहर छोड़ सकते हैं, टेक्सास गवर्नर की धमकी– यहां आए तो 100% टैरिफ वसूलेंगे

वॉशिंगटन, 7 नवंबर (एजेंसियां)। न्यूयॉर्क मेयर चुनाव में भारतीय मूल के जोहरान ममदानी की जीत से शहर के अरबपतियों की मुश्किलें बढ़ गई हैं। जे.एल. पार्टनर्स सर्वे के मुताबिक, न्यूयॉर्क के 9% यानी करीब 7.65 लाख लोग शहर छोड़ सकते हैं। इसकी बड़ी वजह ममदानी की अमीरों पर एक्स्ट्रा टैक्स लगाने की पॉलिसी है। उन्होंने चुनाव से पहले वादा किया था कि वे अमीरों और बड़ी कंपनियों पर नए टैक्स लगाकर 9 अरब डॉलर जुटाएंगे।

उधर, टेक्सास के रिपब्लिकन गवर्नर ग्रेग एबॉट ने चुनाव से पहले धमकी दी थी कि ममदानी के जीतने के बाद अगर न्यूयॉर्क से लोग टेक्सास आए तो उन पर 100% टैरिफ लगेगा।

जोहरान ममदानी ने बुधवार को मेयर चुनाव में पूर्व गवर्नर एंड्रयू क्यूमो को हराया। ममदानी पिछले 100 सालों में न्यूयॉर्क के सबसे

युवा, पहले भारतवंशी और पहले मुस्लिम मेयर होंगे।

सर्वे में यह भी सामने आया था कि ममदानी की जीत के बाद करीब 25% यानी करीब 21 लाख लोग शहर छोड़ने पर विचार कर सकते हैं। यह आंकड़ा अगर सच साबित हुआ तो ये अमेरिकी इतिहास का सबसे बड़ा शहरी पलायन होगा। न्यूयॉर्क की कुल आबादी करीब 84 लाख है। 9% न्यूयॉर्कवासी (7.65 लाख लोग) निश्चित तौर पर शहर छोड़ देंगे। 25% (21 लाख) इस पर विचार कर रहे हैं। सबसे ज्यादा पलायन स्टेटन आइलैंड से होगा। यहां के 21% लोग तुरंत शहर छोड़ने को तैयार हैं। 13% व्हाइट और 11% एशियाई मूल के निवासी न्यूयॉर्क से निकल सकते हैं। पोलस्टर जेम्स जॉनसन के मुताबिक, अगर इतने लोग शहर छोड़ गए तो इसका आर्थिक असर पूरे अमेरिका में भूकंप जैसा होगा।

टेक्सास गवर्नर ने भले ही 100% टैक्स लगाने की धमकी दी हो, लेकिन कानूनी रूप से ऐसा टैक्स लगाना मुमकिन नहीं है। माना जा रहा है कि उन्होंने ये बयान सिर्फ इसलिए दिया था ताकि न्यूयॉर्क के लोग दहशत में आ जाएं और ममदानी को वोट न करें। दूसरी तरफ, टेनेसी गवर्नर बिल ली ने ममदानी की जीत के बाद न्यूयॉर्क के बिजनेस मालिकों से अपील की है कि वे टेनेसी में निवेश करें। सोशल मीडिया पोस्ट में उन्होंने कहा–टेनेसी देश में बिजनेस करने के लिए सबसे अच्छा राज्य है।

तूफान से वियतनाम में भी तबाही, अब तक पांच की मौत

फिलीपींस में 188+ लोग गंवा चुके हैं जान

वियतनाम, 7 नवंबर (एजेंसियां)। तूफान कल्मेगी ने वियतनाम और फिलीपींस में भीषण तबाही मचाई है। वियतनाम में कम से कम पांच लोगों की मौत हुई है, जबकि रिहायशी इलाकों में भारी नुकसान हुआ है। बता दें कि यह तूफान कुछ दिन पहले ही फिलीपींस में व्यापक तबाही मचाकर आगे बढ़ा था। फिलीपींस में इस तूफान की चपेट में आने से 188 लोगों की मौत हो चुकी है, जबकि 135 लोग लापता हैं। खबरों के मुताबिक तूफान कल्मेगी के कारण वियतनाम के डाक लक और जिया लाई प्रांतों में सबसे ज्यादा जनहानि हुई है। तीन लोग डाक लक में और दो लोग जिया लाई में मारे गए हैं। क्वांग नगाई में तीन लोग लापता हैं।

ट्रम्प की प्रेस कॉन्फ्रेंस में फार्मा कंपनी के अधिकारी बेहोश

अफसरों ने संभाला, राष्ट्रपति भी घबराकर खड़े हो गए

वॉशिंगटन, 7 नवंबर (एजेंसियां)। व्हाइट हाउस में गुरुवार को एक दवा कंपनी के अधिकारी अचानक गिरकर बेहोश हो गए। यह घटना तब हुई जब ट्रम्प प्रशासन मोटापा कम करने वाली दवाओं के लिए एक नई डील की घोषणा कर रहा था।

अधिकारी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प के पीछे खड़े थे, जब अचानक उसके घुटने मुड़ गए और वह गिर गए। मौके पर मौजूद अमेरिकी सेंटर्स फॉर मेडिकेयर एंड मेडिकेड सर्विसेज (सीएमएस) के प्रमुख डॉ. मेहमेत ओज ने तुरंत उन्हें पकड़ लिया और गिरने से बचा लिया। इस दौरान ट्रम्प भी अपनी सीट से खड़े हो गए। वे मोटापा कम करने वाली दवाओं (जीएलपी-1 दवाओं) को सस्ता और आसानी से उपलब्ध कराने की नई नीति का ऐलान कर रहे थे।

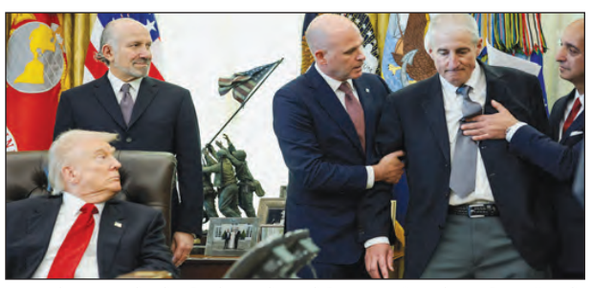

शुरू में पत्रकारों ने गिरने वाले शख्स की पहचान नोवो नॉर्डिस्क कंपनी के एग्जीक्यूटिव गॉर्डन फिनले के रूप में की, लेकिन बाद में कंपनी ने मना कर दिया कि यह वह व्यक्ति नहीं थे। व्हाइट हाउस स्टाफ और प्रशासनिक अधिकारियों ने बेहोश होने वाले अधिकारी की मदद की और मीडिया को तुरंत कमरे से बाहर निकाल दिया गया। घटना के तुरंत बाद व्हाइट हाउस मेडिकल टीम ने अधिकारी को प्राथमिक उपचार दिया। उनकी तबीयत अब स्थिर बताई जा रही है और प्रेस कॉन्फ्रेंस थोड़ी देर के बाद फिर शुरू की गई। प्रेस कॉन्फ्रेंस के बाद अपडेट में भी व्हाइट हाउस ने अधिकारी के नाम का खुलासा नहीं किया। गॉर्डन फिंडले दवा कंपनी नोवो नॉर्डिस्क के ग्लोबल ब्रांड डायरेक्टर हैं। वे कंपनी के स्विट्जरलैंड के बेसल ऑफिस में काम करते हैं। उन्होंने यूनिवर्सिटी ऑफ केंट से बायोकेमिस्ट्री में पीएचडी की पढ़ाई की है।

फिंडले ने पहले दवा की सप्लाई की बड़ी दिक्कत को संभालने में अहम भूमिका निभाई थी। अब वे कंपनी के दुनियाभर के मार्केटिंग और नए प्रोडक्ट्स की प्लानिंग का जिम्मा संभालते हैं। इस प्रेस कॉन्फ्रेंस में नोवो नॉर्डिस्क और एली लिली दोनों दवा कंपनियों के शीर्ष अधिकारी मौजूद थे। ट्रम्प प्रशासन ने दोनों कंपनियों के साथ एक समझौते की घोषणा की, जिसके तहत मोटापा और डायबिटीज जैसी बीमारियों में काम आने वाली जीएलपी-1 दवाओं को अब नई सरकारी वेबसाइट 'ट्रम्पआरएक्स' के जरिए सस्ती दरों पर उपलब्ध कराया जाएगा।

पीएम मोदी की तारीफ, रूस को लेकर भारत पर निशाना

ट्रंप की डबल गेम डिप्लोमेसी, एक्सपर्ट ने खोली सौदेबाजी की पोल

वॉशिंगटन, 7 नवंबर (एजेंसियां)। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने एक बार फिर से प्रधानमंत्री मोदी की तारीफ करते हुए कहा है कि 'भारत ने रूसी तेल खरीदना लगभग बंद कर दिया है।' डोनाल्ड ट्रंप ने अपने इसी बयान में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को 'महान' बताया। नरेन्द्र मोदी, अपने दूसरे कार्यकाल में ऐसा कई बार कर चुके हैं। वो एक मुंह से मोदी की तारीफ करते हैं तो दूसरे मुंह से भारत को निशाना बनाते हैं। ट्रंप ने अपने दूसरे कार्यकाल में अगर किसी देश को सबसे ज्यादा परेशान किया है तो वो भारत है और किसी नेता को सबसे ज्यादा असहज स्थिति में डाला है, तो वो मोदी हैं।

भारतीय एक्सपर्ट्स इसे

डोनाल्ड ट्रंप का 'डबल गेम' कहते हैं। भारत के मशहूर स्ट्रैटजिस्ट ब्रह्मा चेलानी ने ट्रंप की किताब का हवाला देते हुए इसपर बात की है। ब्रह्मा चेलानी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा है कि उन्होंने (मोदी) रूस से तेल खरीदना बंद कर दिया, मोटे तौर पर उन्होंने रूस से तेल खरीदना बंद कर दिया ट्रंप ने एक बार फिर मोदी की महान व्यक्ति कहकर प्रशंसा करने से पहले घोषणा की।

ब्रह्मा चेलानी ने आगे लिखा है कि ट्रंप की भारत रणनीति अब स्पष्ट हैः रियायतें पाने के लिए आर्थिक शिकंजा कसना और साथ ही मोदी के अहंकार को भरपूर चापलूसी से सहलाना। अपनी 1987 की किताब, ट्रंपः द आर्ट ऑफ द डील में उन्होंने अपनी बातचीत की रणनीति का वर्णन किया।

ट्रंप ने अपने सौदेबाजी के बारे में लिखा, थोड़ी अतिशयोक्ति कभी नुकसान नहीं पहुंचाती। यानि जिसके बारे में उन्होंने कहा कि चापलूसी, खुशामद और कठोर रणनीति के जरिए, जिसमें दूसरे पक्ष को कुचलने की कोशिश भी शामिल है, आगे बढ़ाया जा सकता है। उनकी वर्तमान, भारत को लेकर रणनीति इसी विवरण पर खरी उतरती है। ब्रह्मा चेलानी के मुताबिक ट्रंप की ये दोहरी रणनीति है, जिसमें एक तरफ दबाव डालना, दूसरी तरफ तारीफ करके विश्वास बनाना होता है।

अमेरिकी प्रस्ताव पर यूएन ने सीरियाई राष्ट्रपति पर लगे प्रतिबंध हटाए

चीन नाराज, कहा– ये राजनीतिक फायदे के लिए

वाशिंगटन, 7 नवंबर (एजेंसियां)। संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद (यूएनएससी) ने गुरुवार को सीरिया के राष्ट्रपति अहमद अल-शरा और उनकी सरकार के कई लोगों पर लगे प्रतिबंध हटा दिए। यह फैसला तब हुआ जब राष्ट्रपति अल-शरा अगले हफ्ते अमेरिका दौरे पर जा रहे हैं।

यूएनएससी में यह प्रस्ताव अमेरिका ने रखा था। 15 में से 14 देशों ने हां में वोट दिया, लेकिन चीन वोटिंग से नदारद रहा। अमेरिकी राजदूत माइक वाल्ट्ज ने कहा कि इससे पता चलता है कि सीरिया नई शुरुआत कर रहा है, खासकर दिसंबर 2024 में बशर अल-असद के हटने के बाद।

राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प सोमवार को अल-शरा का व्हाइट हाउस में स्वागत करेंगे। यह 1946 में सीरिया की आजादी के बाद किसी सीरियाई राष्ट्रपति की अमेरिका की पहली यात्रा होगी।

सीरिया के विदेश मंत्रालय ने खुशी जताई और कहा कि यह राष्ट्रपति अल-शरा पर दुनिया के भरोसे और सीरिया की कूटनीति की जीत है। हालांकि चीन ने इसे लेकर चिंता जताई है। चीनी राजदूत फू कोंग ने कहा कि अमेरिका का प्रस्ताव सभी की सुरक्षा चिंताओं को पूरा नहीं करता और यह "राजनीतिक फायदे के लिए है। अमेरिका चाहता है कि सीरिया अब इस्लामिक स्टेट के खिलाफ 80 देशों वाले गठबंधन में शामिल हो। इससे दोनों देशों के रिश्ते बेहतर होंगे। अल-शरा पहले हयात तहरीर अल-शाम नाम के संगठन के नेता थे, जिसे अमेरिका ने आतंकवादी कहा था।

चीनी नौसेना में शामिल हुआ तीसरा एयरक्राफ्ट कैरियर फुजियान

बदल देगा समुद्री शक्ति संतुलन, भारत कब तक सोचता करेगा?

बीजिंग, 7 नवंबर (एजेंसियां)। चीन की नौसेना में तीसरा एयरक्राफ्ट कैरियर शामिल हो गया है। इसका नाम फुजियान है और अब ये आधिकारिक तौर पर सर्विस में आ गया है। डिफेंस एक्सपर्ट्स का कहना है कि यह एयरक्राफ्ट कैरियर, दुनिया की सबसे बड़ी नौसेना (चीन) को अपने जलक्षेत्र से परे बीजिंग के प्रभाव क्षेत्र का विस्तार करने में मदद करेगा। चीन की सरकारी समाचार एजेंसी शिन्हुआ ने शुक्रवार को अपनी रिपोर्ट में बताया है कि राष्ट्रपति शी जिनपिंग बुधवार को दक्षिणी हैनान प्रांत के सान्या शहर में निरीक्षण दौरे के लिए एयरक्राफ्ट कैरियर फुजियान पर सवार हुए। चीन का मकसद कम से कम 11 एयरक्राफ्ट कैरियर बनाना है और इसके पीछे का मकसद क्या हो सकता है, ये कहने की जरूरत नहीं है।

फुजियान, चीन का सबसे एडवांस एयरक्राफ्ट कैरियर है,

जिसमें इलेक्ट्रोमैग्नेटिक कैटापल्ट टेक्नोलॉजी का इस्तेमाल किया गया है। ये वही टेक्नोलॉजी है,जो अमेरिकी नौसेना के लेटेस्ट एयरक्राफ्ट कैरियर यूएसएस गेराल्ड आर. फोर्ड में इस्तेमाल की गई है।

ग्लोबल टाइम्स के मुताबिक, फुजियान अपने इलेक्ट्रोमैग्नेटिक कैटापुल्ट और सपाट उड़ान डेक के साथ तीन अलग-अलग प्रकार के विमान लॉन्च कर सकता है। आपको बता दें कि चीन ने इसी साल अपने पांचवीं पीढ़ी के लड़ाकू विमान जे-35ए मरीन को भी एयरक्राफ्ट कैरियर के लिए लॉन्च कर चुका है। यानि, चीन की नौसेना अब काफी शक्तिशाली हो चुकी है।

चीन ने फुजियान एयरक्राफ्ट कैरियर को स्वदेश में ही बनाया है और यह पोत, भारी हथियारों और ईंधन से लदे विमानों को ले जा सकता है ताकि वे दुश्मन के ठिकानों पर ज्यादा दूरी से हमला कर सकें। चीन के पास पहले से दो एयरक्राफ्ट कैरियर लियाओनिंग और शांदोंग हैं, जिन्हें रूस ने बनाया है, लेकिन ये तीसरा एयरक्राफ्ट कैरियर फुजियान, उन दोनों के मुकाबले ज्यादा शक्तिशाली और एडवांस है। चीन की सरकारी मीडिया ने फुजियान को चीन की नौसेना के विकास में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर बताया है। अब अमेरिका दुनिया का एकमात्र ऐसा देश है जिसके पास फुजियान जैसी इलेक्ट्रोमैग्नेटिक कैटापुल्ट प्रणाली वाला एयरक्राफ्ट कैरियर है।

फुजियान एयरक्राफ्ट कैरियर उस वक्त सर्विस में आया है, जब चीन-ताइवान तनाव लगातार बढ़ रहा है। विश्लेषकों का मानना है कि यह कैरियर, चीन को ताइवान, जापान और दक्षिण चीन सागर के विवादित इलाकों में दबाव बढ़ाने का नया साधन देगा।

गाजा के सुरंग में फंसे 200 हमास लड़ाके

इजराइल ने निकलने का रास्ता बंद किया, इजराइली सेना बोली– इन्हें अंडरवियर में आर्मी कैंप ले जाएंगे

गाजा, 7 नवंबर (एजेंसियां)। गाजा के राफा बॉर्डर के पास करीब 200 हमास लड़ाके एक सुरंग में फंस गए हैं और वहां से निकल नहीं पा रहे हैं। इजराइली मीडिया रिपोर्ट्स में सूत्रों के हवाले से बताया गया है कि ये लड़ाके मार्च 2025 से यहां फंसे हुए हैं।

इजराइली सेना ने इनके बाहर निकलने का रास्ता बंद कर दिया है। इजराइली अधिकारियों के मुताबिक, ये लड़ाके गाजा के उस हिस्से में मौजूद हैं, जो इजराइल के नियंत्रण में है। वे सुरंगों के अंदर छिपे हैं, लेकिन अगर पीछे हटने की कोशिश करेंगे तो सीधे इजराइली सैनिकों (IDF) के हाथों पकड़े जाने का खतरा है।

वाईनेट न्यूज के मुताबिक इजराइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने साफ कहा है कि उन्हें सुरक्षित निकलने की इजाजत नहीं दी जाएगी। वहीं, इजराइली सेना के चीफ ऑफ स्टाफ एयाल जमीर ने कहा कि लड़ाकों को निकालने के लिए हमास से कोई समझौता नहीं किया जाएगा। हम उन्हें अंडरवियर में सैन्य ठिकाने ले जाएंगे।

कुछ इजराइली मीडिया रिपोर्टों में कहा गया था कि अगर हमास के लड़ाके अपने हथियार डाल दें, तो उन्हें बाहर निकलने दिया जा सकता है।

हालांकि, नेतन्याहू के दफ्तर ने इस दावे को झूठा बताया और साफ किया कि किसी भी हमास सदस्य को माफी या सुरक्षित निकलने की इजाजत नहीं दी जाएगी।

मंत्री के सामने बीजेपी कार्यकर्ताओं का हंगामा

एसडीएम के खिलाफ नारेबाजी की, कलेक्टर ने भीड़ को हटाकर सुरेश रावत को निकाला

भरतपुर, 7 नवंबर (एजेंसियां)। भरतपुर में जल संसाधन मंत्री सुरेश रावत के सामने हंगामा हो गया। भाजपा कार्यकर्ताओं ने ही उच्चैन एसडीएम सुश्री धारा के खिलाफ नारेबाजी की। कलेक्टर कमर चौधरी ने भीड़ को हटाकर मंत्री को उनकी गाड़ी तक पहुंचाया। हंगामा शुक्रवार सुबह मास्टर अदितेंद्र स्कूल में वंदे मातरम् के 150 साल पूरे होने पर हो रहे कार्यक्रम में हुआ।

दरअसल, गांव फतेहपुर में 4 नवंबर को रात्रि चौपाल हुई थी। रात्रि चौपाल में महिलाओं ने बिजली, पानी, सड़क की समस्या को लेकर एसडीएम से शिकायत की थी। शिकायत सुनने के बाद जब एसडीएम वहां से जाने लगी तो, पंचायत समिति सदस्य दिनेश

भातरा सहित गांव की महिलाओं ने एसडीएम की गाड़ी को रोक लिया। वहां मौजूद पुलिसकर्मियों ने महिलाओं को समझाया और एसडीएम को वहां से निकाला। 5 नवंबर को एसडीएम ने पंचायत समिति सदस्य दिनेश भातरा के खिलाफ उच्चैन थाने में FIR दर्ज कराई। इसके बाद विधायक जगत सिंह ने 6 नवंबर को मुख्यमंत्री को लेटर लिखकर एसडीएम की कार्यशैली पर सवाल उठाए और उसे हटाने की मांग की।

मामले में मंत्री सुरेश रावत ने कहा कि हमारे पंचायत समिति के सदस्य, जिला मंत्री और पार्टी के कुछ कार्यकर्ताओं से मेरी मुलाकात हुई। उनका कहना है कि एसडीएम ने कार्यकर्ता के खिलाफ मुकदमा दर्ज करवाया है। मैंने कार्यकर्ता की बात सुनी है और जिला प्रशासन से कहा है- आगे से इस तरह की पुनरावृति न हो। ऊपर भी मैंने बताया कि इस तरह के अधिकारी है, जांच करके कार्रवाई होनी चाहिए।

मंत्री रावत ने कहा कि अगर किसी एसडीएम ने गलत किया है, तो उसके खिलाफ कार्रवाई होनी चाहिए। कार्यकर्ताओं को कहा है कि वह संयम से काम लें। प्रभारी मंत्री होने के नाते जो भी कार्रवाई होगी वह की जाएगी। कार्यकर्ताओं का आक्रोश था। कार्यकर्ता के साथ गलत हुआ, तो कहेगा ही, उन्होंने अपने तरीके से अपनी बात कही है।

उच्चैन एसडीएम ने बताया कि रात्रि चौपाल के दौरान दिनेश भातरा ने असामाजिक तत्वों को इशारा कर रुकावट पैदा की।

पाली में 70 साल से निभाई जा रही परम्परा

दक्षिण से आए पुजारी ने की थी शुरुआत, अब 50 ये ज्यादा मंदिरों में बनता है 'इम्यूनिटी बूस्टर' अन्नकूट

पाली, 7 नवंबर (एजेंसियां)। पाली में अन्नकूट यानि 56 भोग का प्रसाद बनाकर भगवान को भोग लगाने की परम्परा करीब 70 साल पुरानी है। पाली प्रदेश का दूसरा ऐसा शहर है जहां अन्नकूट बनाने की शुरुआत हुई। मुख्यत देश के दक्षिण क्षेत्र में अन्नकूट का भोग लगाने की परम्परा है और पाली के वेंकटेश मंदिर में दक्षिण से आए पुजारी ने इसकी शुरुआत की थी। वर्तमान में शहर के करीब 50 मंदिरों में इसका आयोजन होता है। अन्नकूट का प्रसाद जिसे 'इम्यूनिटी बूस्टर' कहा जाता है, वह कैसे बनता है और उसमें क्या-क्या सामग्री डाली जाती है।

पाली के वेंकटेश मंदिर के पुजारी सुंदर स्वामी ने बताया कि आज से करीब 70 साल पहले

दक्षिण भारत से आए पुजारी वेंकटाचार्य ने पाली शहर के वेंकटेश मंदिर में भगवान को भोग लगाने के लिए अन्नकूट बनाने की परम्परा शुरू की थी।

अन्नकूट बनाने में सभी मौसमी सब्जियों, अनाज, फल, ड्राई फ्रूट्स का उपयोग किया जाता है। इसके पीछ तर्क दिया जाता है। सभी सब्जियों, अनाज और फल का स्वाद एक साथ लिया जा सके इसलिए अन्नकूट का प्रसाद बनाने की परम्परा शुरू हुई।

पिछले करीब 14 साल से अन्नकूट का प्रसाद बनाने वाले हलवाई कमल किशोर शर्मा बताते है कि लहसुन और प्याज को छोड़कर मौसमी सब्जियां, फल, दालों, चावल का उपयोग किया जाता है। अभी करीब 15 लोग अन्नकूट बनाने में जुटे हुए है।

शर्मा ने बताया कि पहले ऐसा होता था कि जिस मंदिर में अन्नकूट का प्रसाद का आयोजन होता था। वहां के समाज और समिति के लोग अन्नकूट के प्रसाद बनाने में दिनभर जुटे नजर आते थे और शाम को अन्नकूट का भोग लगाकर श्रद्धालुओं में प्रसाद का वितरण होता था।लेकिन वर्तमान में लोगों के पास समय कम है। ऐसे में अधिकतर समाजों और समिति के मंदिरों में एक्सपर्ट हलवाई से अन्नकूट का प्रसाद बनाने की परम्परा चल रही है।

इसके साथ ही शहरवासियों को अन्नकूट प्रसाद खाने का भी शौक है। ऐसे में शहर में कुछ हलवाई 170 रुपए किलो अन्नकूट का प्रसाद भी बेचते है। पाली के राजकीय जिला आयुर्वेद हॉस्पिटल के वरिष्ठ डॉ. शिवकुमार शर्मा ने बताया कि दरअसल, कार्तिक माह की शुरुआत होते ही संक्रमण का खतरा बढ़ता है, क्योंकि मौसम में बदलाव होता है।

डोटासरा बोले-दम है तो सीएमओ में छापा मारकर दिखाएं किरोड़ीलाल मीणा

जयपुर, 7 नवंबर (एजेंसियां)। कांग्रेस प्रदेशाध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा ने कृषि मंत्री डॉ. किरोड़ीलाल मीणा के छापों पर तंज कसते हुए कहा- आप में दम है तो सीएमओ में छापा मारकर पर्चियां पकड़ो। छापा डाल दो, आपका क्या बिगड़ने वाला है? आप वैसे भी फ्री होने वाले हो। सरकार में रहने की आपकी आदत नहीं है, आपकी संघर्ष करने की आदत है। अभी आप संघर्ष कर रहे हो तो गरिमा में कर रहे हो। छापा ही मारना है तो सीएमओ में छाप मारो।

डोटासरा ने कहा- अभी आप (डॉ. किरोड़ीलाल मीणा) जो काम कर रहे हो, यह अधिकारियों काम है। जो काम अधिकारियों को

करना चाहिए, वह काम मंत्री कर रहा है। इसका मतलब या तो मंत्री जी को अधिकारी मानते नहीं है। या सीएम ने पाबंद कर रखा है कि आप किरोड़ीलाल मीणा की बात नहीं मानोगे, इसलिए मीडिया को साथ लेकर खुद छापे मारने जाना पड़ रहा है। तो आप समझ सकते हैं गवर्नेंस की स्थिति क्या है, पूरी गवर्नेंस फेल है।

डोटासरा ने कहा- अंता में वसुंधरा राजे की अनुमति के बिना मुख्यमंत्री नहीं जा पा रहे थे, झालावाड़ भी नहीं जा पाए। वसुंधरा राजे ने कहा कि आपको आने की जरूरत नहीं है, स्टेट हैंगर से मुख्यमंत्री को वापस आना पड़ा था। अभी भी उन्होंने दो-तीन बार मैसेज करवाया कि अंता में सभा करनी है लेकिन मैडम ने कहा, आप मस्त रहो मैं अपने आप देख लूंगी। वसुंधरा राजे को पता है कि 2 साल में कुछ नहीं हुआ तो जीत तो रहे नहीं हैं। सीएम भजनलाल वसुंधरा राजे से परमिशन के बिना कोटा, बारां, झालावाड़ में कैसे जा सकते हैं, इसलिए एक साथ होने का संदेश देने के लिए रोड शो किया है।

डोटासरा ने कहा- मुख्यमंत्री के पास कहने के लिए कुछ नहीं है। दो साल में कभी वहां नहीं गए। वसुंधरा राजे भी वहां जाकर क्या कहें, हाड़ौती के लोगों ने तो वसुंधरा राजे को मुख्यमंत्री मानकर वोट दिए थे। वहां के लोग तो उन्हें मुख्यमंत्री मान बैठे थे। आप मुख्यमंत्री बनी नहीं, अब उनकी चल रही नहीं।

डोटासरा ने कहा- अंता में जिस प्रकार भाजपा की अंतर्कलह सामने आई है, वह सभी को हैरान करने वाली है। मुख्यमंत्री और पूर्व मुख्यमंत्री 10 दिन तक तो टिकट तय नहीं कर पाए और अभी सीएम वहां वसुंधरा राजे के बिना जा नहीं पाए। डोटासरा ने कहा- बीजेपी प्रदेशाध्यक्ष मदन राठौड़ एक दिन अंता गए और जाकर कहा कि इसको जिताओगे तो हो सकता है मंत्री बना दें। ये झूठे प्रलोभन वही व्यक्ति देता है, जब हार रहे हों, जब जीत ही नहीं रहा है तो मंत्री कहां से बनेगा?

सीएम की तस्वीर पर मच्छरदानी डालकर किया विरोध

कीचड़ में किया सद्बुद्धि यज्ञ, कांग्रेस नेता बोले- मुख्यमंत्री को डेंगू से बचा रहे हैं

बीकानेर, 7 नवंबर (एजेंसियां)। बीकानेर में नगर निगम कार्यालय के पास बने मुख्यमंत्री सद्भावना केंद्र के बाहर शुक्रवार को अनूठा प्रदर्शन किया। ये सद्भावना केंद्र ही पूरी तरह कीचड़ और गंदे पानी से घिरा हुआ है। ऐसे में कांग्रेस नेताओं ने मुख्यमंत्री का एक फोटो इस पानी में खड़ा करके उसे मच्छरदानी से ढक दिया। कांग्रेस नेता सुमित कोचर का कहना है कि मुख्यमंत्री को डेंगू से बचाने के लिए मच्छरदानी डालते हुए नगर निगम पर लापरवाही के आरोप लगाए।

अंबेडकर सर्किल के पास स्थित नगर निगम ऑफिस के बाहर

मुख्यमंत्री सद्भावना केंद्र बना हुआ है। सड़क और सीवरेज लाइन की मरम्मत के चलते इस केंद्र के चारों तरफ पानी भरा हुआ है। यहां तक कि सड़क को भी ब्लॉक करना पड़ा है। पिछले कई महीनों से यहां काम चल रहा है। ऐसे में सद्भावना केंद्र खुल भी नहीं रहा। कांग्रेस ने इसी मुद्दे पर शुक्रवार को प्रदर्शन किया। कांग्रेस नेताओं ने कहा कि सरकार शहर की सफाई व्यवस्था संभालने में नाकाम है।

ब्लॉक अध्यक्ष सुमित कोचर के नेतृत्व में यहां पहुंचे कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा का एक फोटो इस पानी में खड़ा किया और उस पर मच्छरदानी डाल दी। इतना ही नहीं मच्छर भगाने वाली एक बत्ती भी जलाई गई। कुछ लकड़ियों में आग लगाई गई ताकि धुएं से मच्छर भाग सके।

कोचर ने आरोप लगाया कि बीकानेर की लचर प्रशासनिक व्यवस्था और लापरवाह जनप्रतिनिधियों के कारण पूरे शहर की हालत खराब है। जब मुख्यमंत्री के नाम वाला केंद्र ही इस तरह महीनों तक गंदगी से अटा पड़ा है तो शेष शहर की सफाई की कल्पना करना ही बेमानी है।

स्कॉर्पियो पलटी, ममेरे भाइयों की मौत

भात भरने के बाद बारात में जा रहे थे, रॉन्ग साइड से आई कार से बचने के दौरान हादसा

सादुलपुर, 7 नवंबर (एजेंसियां)। चूरू के सादुलपुर में स्कॉर्पियो अनियंत्रित होकर पलट गई। हादसे में 2 लोगों की मौत हो गई, साथ ही 5 लोग गंभीर घायल हो गए। स्कॉर्पियो सवार लोग बुआ के घर भात भरने के बाद बारात में शामिल होने के लिए जा रहे थे। सादुलपुर-बहल मार्ग पर राघा गांव के पास गुरुवार देर रात 11 बजे हादसा हुआ।

सादुलपुर के पास स्थित गागड़वास गांव निवासी घायल युवक प्रवीण (25) पुत्र जय सिंह पूनिया ने बताया-मैं स्कॉर्पियो चला रहा था। मेरे साथ मेरे ही गांव के कृष्ण (28) पुत्र पृथ्वी सिंह, सुमित पूनिया (17) पुत्र विनोद पूनिया, रवि (27) पुत्र दलवीर सिंह, सुरेंद्र (26) पुत्र मस्तान सिंह, अनुराग (25) पुत्र सुखलाल के अलावा हरियाणा के विंडोला निवासी कृष्ण की छोटी बुआ का बेटा सोमवीर (26) पुत्र रामकिशन थे।

हम कृष्ण की बड़ी बुआ के बेटे की शादी में भात लेकर हरियाणा के कासनी गए थे। यहां भात करने के बाद यहां से उसी की बारात में सादुलपुर के हमीरवास जा रहे थे। इसी दौरान अचानक सामने से रॉन्ग साइड से एक कार आई। उससे बचने के दौरान मेरी गाड़ी अनियंत्रित हो गई और पलटी खा गई। हादसे में कृष्ण और सोमवीर की मौत हो गई। वहीं कार सवार अन्य 5 लोग घायल हो गए। राहगीरों ने एंबुलेंस को सूचना दी। एंबुलेंस से सादुलपुर के निजी अस्पताल ले गए। सूचना पर परिजन अस्पताल पहुंचे। परिजन 4 घायलों (सुमित पूनिया, रवि, सुरेंद्र, मस्तान सिंह) को उपचार के लिए हरियाणा के हिसार ले गए। प्रवीण का निजी अस्पताल में उपचार चल रहा है।

पुलिस ने शवों को सादुलपुर के राजकीय रेफरल अस्पताल की मॉर्च्युरी में रखवाया है। कृष्ण और सोमवीर दोनों प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कर रहे थे। कृष्ण के पिता का 7 साल पहले निधन हो चुका है। कृष्ण का भाई दिव्यांग है, वह खेती करता है।

सरिस्का में टाइगर ने टूरिस्ट्स को दिखाई जीभ

अलवर, 7 नवंबर (एजेंसियां)। अलवर के सरिस्का टाइगर रिजर्व के सदर रेंज में गुरुवार को पर्यटकों को टाइगर ST-2304 की शानदार साइटिंग हुई। यह बाघ अचानक सफारी ट्रैक पर जिप्सी के पास आ गया। कभी ट्रैक के इस पार तो कभी उस पार घूमता नजर आया। टाइगर को करीब से देखकर पर्यटक रोमांचित हो उठे।

टाइगर सदर रेंज के घाण का तिराहा, तारुंडा और काला कुआं क्षेत्र में 1 घंटे तक दिखा। इस दौरान वहां टूरिस्ट्स की 12 जिप्सी थी, उनमें करीब 60 पर्यटक सवार थे। गुरुवार शाम सवा 4 बजे टाइगर ने जब दहाड़ने के अंदाज में मुंह खोला और जीभ बाहर निकाली, तो पर्यटक खुशी से झूम उठे। कुछ देर बाद टाइगर लगातार जिप्सी के आसपास मंडराने लगा, जिससे कई लोग डर भी गए। इससे पहले सरिस्का में बाघिन ST-9 और टाइगर ST-21 (युवराज) की लगातार साइटिंग हो रही थी। गुरुवार को हुई इस शानदार झलक से पर्यटकों में उत्साह बढ़ गया।

जालोर में हथिनी के मौत के बाद हुआ विवाद

जालोर, 7 नवंबर (एजेंसियां)। जालोर में बुधवार सुबह मोनू नाम की हथिनी की मौत के बाद उसके अंतिम संस्कार को लेकर विवाद हो गया। पोस्टमॉर्टम के दौरान करीब 4 घंटे चलते विवाद के बाद हथिनी के शव को सिरेमंदिर वन विभाग के क्षेत्र में ले जाया गया और अंतिम संस्कार किया गया।

दरअसल, हथिनी के मरने की सूचना पर गुरुवार को डीएफओ जयदेव सियाग टीम सहित मौके पर पहुंचे और मौत के कारणों की जांच के लिए पशु चिकित्सा टीम से पोस्टमॉर्टम करवाने की प्रक्रिया शुरू करवाई। इससे पहले हथिनी के सेवक और उसके परिवार की ओर से अंतिम संस्कार को लेकर गुलाल व पुष्प मालाओं से श्रृंगार किया गया।

इस दौरान सेवक का पूरा परिवार भावुक हो गया और हथिनी के आखिरी दर्शन किए। उसके बाद वन विभाग ने पोस्टमॉर्टम की प्रक्रिया शुरू करवाई। इसी दौरान जमीनी विवाद को लेकर दूसरा पक्ष मौके पर पहुंचा। विवाद की स्थिति को देखते हुए तहसीलदार रणवीरसिंह और नगर परिषद के कार्मिक मौके पर पहुंचे। यहां दोनों पक्षों के दस्तावेज देखे गए और मामला न्यायालय में विचाराधीन होने के कारण हथिनी को वन विभाग की जमीन पर गाड़ने का निर्णय किया गया।

हथिनी के सेवक का परिवार शनिधाम मंदिर के पास की जमीन पर अस्थाई निवास कर रहा था और उसी जगह पर उसकी मौत हुई। ऐसे में उसके अंतिम संस्कार के लिए शनिधाम के पास पड़े खाली प्लॉट को चिह्नित किया। इसको लेकर प्लॉट मालिक ने भी

सहमति दी। जब इसकी जानकारी आस-पास के प्लॉट मालिकों को मिली तो वे इस कार्य को रुकवाने मौके पर पहुंच गए और तहसीलदार को जमीन विवाद की स्थिति और मामला न्यायालय में विचाराधीन होने के दस्तावेज पेश किए।

हालांकि इस दौरान प्रशासनिक अधिकारियों से समझाइश की कोशिश भी की और बताया कि हथिनी के पोस्टमॉर्टम के लिए उसके शव के चीरा लगाया गया है और ऐसी स्थिति में दूसरी जगह ले जाना सही नहीं रहेगा और शव बिखर जाएगा, लेकिन दूसरा पक्ष इसके लिए नहीं माना।

विवाद नहीं सुलझने पर शाम 6 बजे वन विभाग ने शीतला माता मेला स्थल के पास वन विभाग की जमीन पर अंतिम संस्कार का निर्णय किया। इसको लेकर मौके पर हाइड्रा क्रेन की सहायता से हथिनी के शव को उठाकर डंपर में डाला गया।

श्रीगंगानगर में सर्द हवाओं ने मौसम में बढ़ाई ठंडक

दिन के तापमान में आई गिरावट, 20 नवंबर तक चलेगी शीतलहर

श्रीगंगानगर, 7 नवंबर (एजेंसियां)। श्रीगंगानगर में उत्तरी हवाओं के कारण मौसम तेजी से बदलना शुरू हो गया है। सुबह-शाम ठंड पड़ रही है। जिसके कारण न्यूनतम व अधिकतम तापमान में लगातार गिरावट रिकार्ड की जा रही है। मौसम वैज्ञानिकों की मानें तो अब तेजी से मौसम बदलेगा और ठंड का प्रभाव बढ़ेगा। आने वाली हवाएं 20 नवंबर तक और अधिक ठंडी हो जाएगी। मौसम ड्राई रहने से कड़ाके की ठंड भी पड़ेगी।

कृषि अनुसंधान केंद्र, श्रीगंगानगर पर आज सुबह (शुक्रवार) न्यूनतम तापमान 13.6 डिग्री रिकॉर्ड किया गया। गुरुवार को न्यूनतम तापमान 14.2 और अधिकतम तापमान 28.6 डिग्री रिकॉर्ड किया गया था। बुधवार को अधिकतम तापमान 29.7 व न्यूनतम तापमान 15.9 डिग्री रिकॉर्ड किया था। जबकि मंगलवार को यहां न्यूनतम तापमान 16.9 व अधिकतम तापमान 32.7 डिग्री रिकॉर्ड किया गया था। हवाओं का रुख पलटते ही मौसम में भी बदलाव शुरू हो गया है। गुरुवार के मुकाबले तापमान में 0.6 डिग्री की गिरावट आई है।

हिमालय क्षेत्र से आने वाली हवाएं 20 नवंबर तक और अधिक ठंडी हो जाएगी।

भीलवाड़ा में सिंधी समाज ने फूंका बघेल का पुतला

भीलवाड़ा, 7 नवंबर (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ में क्षेत्रीय जोहर पार्टी के अध्यक्ष अमित बघेल के खिलाफ देशद्रोह की कार्रवाई की मांग को लेकर सिंधु संस्कार सेवा समिति ने भीलवाड़ा में रैली निकाली, पुतला जलाया और जिला कलेक्टर को राष्ट्रपति के नाम ज्ञापन देकर देशद्रोह की धाराओं में कार्रवाई करने की मांग की। इस दौरान बड़ी संख्या में सिंधी समाज के व्यक्ति सूचना केंद्र चौराहे पर इकट्ठा हुए, फिर यहां से रैली के रूप में जिला कलेक्ट्रेट कार्यालय पहुंचे और वहां पुतला फूंक कर जमकर विरोध प्रदर्शन ओर नारेबाजी की। सिंधु संस्कार सेवा समिति के अध्यक्ष हरीश मनवानी ने बताया- छत्तीसगढ़ में एक राजनीतिक पार्टी के अमित बघेल ने सिंधी समाज, जैन समाज और अग्रवाल के लिए गलत बयान दिया था।

सरकारी हॉस्पिटल में नवजात का गला घोंटा

जन्म के 5 घंटे बाद ही मृत मिला, डॉक्टर बोले- गर्दन पर निशान, हत्या की आशंका

चूरू, 7 नवंबर (एजेंसियां)। चूरू के सबसे बड़े सरकारी हॉस्पिटल में जन्म के 5 घंटे बाद ही नवजात की मौत हो गई। परिजन और हॉस्पिटल ने उसके हत्या की आशंका जताई है। डॉक्टर्स का दावा है कि प्रारंभिक जांच में उसकी गर्दन पर निशान मिले हैं, जो कि मर्डर की ओर इशारा कर रहे हैं। घटना गवर्नमेंट डीबी हॉस्पिटल की शुक्रवार सुबह की है। फिलहाल नवजात की बॉडी को मॉर्च्युरी में रखवाया गया है। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

पुलिस के अनुसार गुरुवार रात करीब 12:30 बजे के बीच गांव अजीतसर की प्रसूता गुड्डी देवी (40) ने एक नवजात लड़के को जन्म दिया था। सामान्य प्रसव के बाद प्रसूता और नवजात को लेबर रूम से वार्ड में ट्रांसफर कर दिया गया था। रात भर सब कुछ सामान्य रहा, लेकिन सुबह करीब 5 बजे नवजात के मामा उसे बेहोशी की हालत में वार्ड में लेकर पहुंचे। वहां डॉक्टरों ने जांच के बाद उसे मृत बता दिया। अब पोस्टमार्टम के बाद ही बॉडी परिवार को सौंपी जाएगी।

हॉस्पिटल प्रशासन के अनुसार लेबर रूम में देर रात गुड्डी देवी के सामान्य प्रसव से बेटा पैदा हुआ था। बेटा होने की सूचना परिजनों को तुरन्त दे दी गई।

डकैत धनसिंह की गैंग का नेटवर्क एमपी तक

हैंडग्रेनेड और अन्य हथियार जयपुर के गुर्गे ने उपलब्ध कराए, दो गुर्गों के नाम उगले

अजमेर, 7 नवंबर (एजेंसियां)। हैंडग्रेनेड और अन्य घातक हथियारों समेत पकड़े गए कुख्यात डकैत धनसिंह के गिरोह का नेटवर्क मध्यप्रदेश तक फैला हुआ है। हालांकि रिमांड अवधि में अब तक की पूछताछ में उसने पुलिस को अपने केवल दो साथियों के ही नाम बताए हैं। उनमें से एक नरेना (जयपुर) निवासी शिवसिंह ने उसे हैंडग्रेनेड और अन्य हथियार उपलब्ध कराए थे। शिवसिंह को यह हथियार कहां से मिले इसका खुलासा उसकी गिरफ्तारी के बाद ही होगा।

हालांकि पुलिस ने संभावना जताई है कि यह हथियार या तो एमपी-यूपी या फिर हरियाणा से लाए गए हैं। धनसिंह का दूसरा गुर्गा भिनाय का रहने वाला अर्जुन सिंह है।

बीआरएओयू ने 'वंदे मातरम' राष्ट्रीय गीत कार्यक्रम का आयोजन किया

हैदराबाद, 7 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। डॉ.बी.आर. अंबेडकर मुक्त विश्वविद्यालय ने राष्ट्रीय गीत के 150 वर्ष पूरे होने के उपलक्ष्य में शुक्रवार को अपने परिसर में केंद्र और राज्य सरकारों के निर्देशों के अनुसार 'वंदे मातरम' कार्यक्रम का आयोजन किया। भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के भाषण का ऑनलाइन सीधा प्रसारण किया गया। इस अवसर पर, कुलपति प्रो. घंटा चक्रपाणि ने संबोधित करते हुए बताया कि 150 वर्ष पूर्व, बकिमचंद्र चटर्जी ने देश के सुदूर क्षेत्रों के लोगों की संस्कृति, परंपराओं और जीवन स्थितियों को दर्शाने के लिए 'वंदे मातरम' गीत की रचना की थी।

दक्षिण मध्य रेलवे

ई-निविदा सूचना सं. एन/ई.29/टीआरडी/ टेंडर/19/2025-26 दि.04-11-2025 एवं एन/ई.29/टीआरडी/ टेंडर/20/2025-26 दि.05-11-2025

अधोहस्ताक्षरी द्वारा निम्न कार्यो हेतु मुहरबंद निविदाएं आमंत्रित हैं।

क्रम सं. 01, निविदा सं. एन/ई.29/टीआरडी/टेंडर/19/2025-26, कार्य विवरणः नांदेड डिवीजन- पीआरएलआय-पीबीएन टीआरडी आरेंजमेंट में एलसी नं. 7,18, 21, 22 पर शेष बचे हुए कार्य (लेफ्ट ओवर वर्क) का प्रावधान। अनुमानित मूल्य रु.3227274.40, बोली सुरक्षा रु.64600.00, कार्य पूरा करने की अवधिः 6 महिने

क्रम सं. 02, निविदा सं. एन/ई.29/टीआरडी/टेंडर/20/2025-26, कार्य विवरणः एनइडी डिवीजन- 1) एलसी नं.95@किमी 775/8-9 के स्थान पर आरयुबी का प्रस्तावित निर्माण कार्य। 2)पीआरएलआय-पीबीएनः गंगाखेड- वडगांव निला स्टेशनों के बीच एलसी नं.19@किमी 289/8-9 के स्थान पर निर्मित आरयुबी पर बचे हुए कार्यों के निर्माण का प्रस्ताव-टीआरडी व्यवस्थाएं। अनुमानित मूल्य रु.1718260.80, बोली सुरक्षा रु.34,400.00, कार्य पूरा करने की अवधिः 12 महिने

बंद करने की तिथिः एन/ई.29/टीआरडी/टेंडर/19/2025-26, दि.27-11-2025 के 11.00 बजे

बंद करने की तिथिः एन/ई.29/टीआरडी/टेंडर/20/2025-26, दि.27-11-2025 के 11.00 बजे

टिप्पणीः यदि निविदा खोलने की तिथि को अवकाश घोषित होता है तो निविदा को उसके अगले कार्य दिवस में खोला जायेगा।

विस्तृत जानकारी नियम शर्तें हेतु हमारा वेबसाइटःwww.ireps.gov.in देखें।

विभागीय बिजली अभियंता, टीआरडी, नांदेड

ई-निविदा सूचना सं.सीएओ/सीओएन/आरएसपी/एससी/008/2025-कैपिटल (वर्क्स), दि.4-11-2025

कृते भारत के राष्ट्रपति की ओर से व के लिए, अधोहस्ताक्षरी द्वारा निम्न कार्यों हेतु दि.21-11-2025 के 14.00 बजे तक ई-निविदा आमंत्रित है।

क्रम सं.01, ई-निविदा सं.-सीओएनएसटी-सीएओ-आरएसपी-25-008, कार्य विवरणः विजयवाडा डिवीजन-विजयवाडा(बीजेडए)-विशाखापट्नम (वीएसकेपी) सेक्शनः 1) देंडलुरू भीमाडोले स्टेशनों के बीच रेलवे किमी 501/21-23 पर एलसी नं.355 के स्थान पर स्पैन 1X48.0एम बो स्ट्रींग गिर्डर के टू लेन रोड ओवर ब्रिज - आरओबी से जुडे पाइल फाउंडेशन्स सहित तथा दोनों तरह आरइ वाल्स सहित अप्पारावपालेम विलेज साइड के एप्रोचेस 7x30.0एम पीएससी गिर्डर का तत्संबंधित प्रस्तावित निर्माण कार्य। 2) ताडेपल्लीगुडेम व नवाबपालेम स्टेशनों के बीच रेलवे किमी 544/04-06 पर एलसी नं.378 के स्थान पर टू लेन रोड ओवर ब्रिज (आरओबी) स्पैन 1x48.0 एम बो स्ट्रींग गिर्डर+1x30.0एम कम्पोजिट गिर्डर का प्रस्तावित निर्माण कार्य। कोट्टूर साइड 7x30.0एम पीएससी गिर्डर तथा निडाडवोलु साइड 5x30.0एम पीएससी गिर्डर सहित पाइल फाउंडेशन्स व दोनो तरफ आरइ वाल्स का तत्संबंधित कार्य। अनुमानित निविदा मूल्य रु. 80,06,10,571.30, पूर्व धरोहर राशि-पूधरा रु.41,53,100.00, कार्य पूरा करने की अवधिः 18 महिने, डिफेक्ट लायबिलीटी(दोष जिम्मेदारी) अवधिः 36 महिने, मानक पात्रता मानदंडों की दिशा में स्वभाव में समान माने जानेवाले कार्य- 2(डी). स्टील/कम्पोजिट/बो स्ट्रींग गिर्डर तथा/या सुपर स्ट्रक्चर में पीएससी गिर्डर से जुडा कोई भी रेलवे/मेट्रो/सडक पुल का कार्य।

निविदाकार, तत्संबंधित में केवल ई-टेंडरिंग के माध्यम से ही भाग ले सकते हैं तथा किसी भी मैन्युएल आफर्स पर विचार नहीं किया जायेगा।

आईआरईपीएस वेबसाइटःwww.ireps.gov.in पर निविदा दस्तावेजों में निविदा शर्ते/अन्य विवरण उपलब्ध है, जिसे डाउनलोड किया जा सकता है एवं यदि कोई हो तो संशोधन देखा जा सकता है तथा जिसमें उपरोक्त वेबसाइट द्वारा भाग लिया जा सकता है।

उप मुख्य अभियंता/निर्माण/आरएसपी/एससीआर

ई-निविदा सूचना सं.सीएओ/सीओएन/आरएसपी/एससी/009/2025-कैपिटल (वर्क्स), दि.4-11-2025

कृते भारत के राष्ट्रपति की ओर से व के लिए, अधोहस्ताक्षरी द्वारा निम्न कार्यों हेतु दि.25-11-2025 के 14.00 बजे तक ई-निविदा आमंत्रित है।

क्रम सं.01, ई-निविदा सं.-सीओएनएसटी-सीएओ-आरएसपी-25-009, कार्य विवरणः विजयवाडा डिवीजन-विजयवाडा (बीजेडए)-विशाखापट्नम (वीएसकेपी) सेक्शनः पुल्ला -चेब्रोलू स्टेशनों के बीच रेलवे किमी 514/09-07 पर इएक्सजी एलसी नं.363बी के स्थान पर किमी 514/32-34 पर टू लेन आरओबी का प्रस्तावित निर्माण कार्य तथा इसके साथ ब्रिज प्रापर स्पैन्स 1X18.30एम कम्पोजिट गिर्डर+1x72.0 एम बो स्ट्रींग गिर्डर तथा स्पैन्स 6x30.0एम पीएससी गिर्डर के रूप में डुड्डेपुडी साइड पर एप्रोचेस एवं स्पैन्स 7x30एम पीएससी गिर्डर + एप्रोच सडकों के रूप में चेन्नई कोलकाता हायवे एनएच-16 साइड सहित दोनों तरफ रिइनफोर्स्ड एर्थन वाल्स का तत्संबंधित कार्य।अनुमानित निविदा मूल्य रु. 46,23,71,557.67, पूर्व धरोहर राशि-पूधरा रु.24,61,900.00, कार्य पूरा करने की अवधिः 18 महिने, डिफेक्ट लायबिलीटी(दोष जिम्मेदारी) अवधिः 36 महिने, मानक पात्रता मानदंडों की दिशा में स्वभाव में समान माने जानेवाले कार्यः 2(डी). स्टील/कम्पोजिट/बो स्ट्रींग गिर्डर तथा/या सुपर स्ट्रक्चर में पीएससी गिर्डर से जुडा कोई भी रेलवे/मेट्रो/सडक पुल का कार्य।

आईआरइपीएस वेबसाइटःwww.ireps.gov.in पर निविदा दस्तावेजों में निविदा शर्ते/अन्य विवरण उपलब्ध है, जिसे डाउनलोड किया जा सकता है एवं यदि कोई हो तो संशोधन देखा जा सकता है तथा जिसमें उपरोक्त वेबसाइट द्वारा भाग लिया जा सकता है।

उप मुख्य अभियंता/निर्माण/आरएसपी/एससीआर

निवेशकों को संभावना तलाशने का आमंत्रण

हैदराबाद, 7 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। आईटी एवं उद्योग मंत्री दुदिल्ला श्रीधर बाबू ने अमेरिकी राज्य यूटा के उद्योगपतियों को तेलंगाना में निवेश के अवसर तलाशने के लिए आमंत्रित किया है।

उन्होंने कहा कि यह राज्य व्यापार सुगमता के मामले में एक राष्ट्रीय आदर्श बनकर उभरा है। उन्होंने कहा कि सरकार न केवल निवेश आकर्षित करने पर, बल्कि दीर्घकालिक मूल्य सृजन, सह-निर्माण और स्थायी साझेदारी के माध्यम से वैश्विक अर्थव्यवस्था में योगदान देने पर भी केंद्रित है। वर्ल्ड ट्रेड सेंटर-यूटा के प्रबंध निदेशक और सीओओ डेविड कार्लेबैक के नेतृत्व में यूटा के एक उच्च-स्तरीय प्रतिनिधिमंडल ने शुक्रवार को सचिवालय में मंत्री से मुलाकात की। प्रतिनिधिमंडल में एयरोस्पेस, रक्षा, उन्नत विनिर्माण, प्रौद्योगिकी, एआई-आधारित स्वास्थ्य सेवा, जीवन विज्ञान, स्वच्छ ऊर्जा, शिक्षा और नवाचार क्षेत्रों के प्रतिनिधि शामिल थे। यूटा और तेलंगाना के बीच नवाचार, प्रौद्योगिकी हस्तांतरण, संयुक्त अनुसंधान और कौशल विकास जैसे क्षेत्रों में द्विपक्षीय सहयोग पर चर्चा हुई।

श्रीधर बाबू ने तेलंगाना की औद्योगिक नीतियों, निवेशक-अनुकूल सुधारों, क्षेत्र-विशिष्ट निवेश के लाभों और उद्योगों को दिए जा रहे प्रोत्साहनों पर एक विस्तृत प्रस्तुति दी। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि तेलंगाना का लक्ष्य पारंपरिक निवेश-आधारित विकास से आगे बढ़कर वैश्विक मूल्य श्रृंखलाएं, नवाचार-संचालित पारिस्थितिकी तंत्र और रोजगार सृजन का निर्माण करना है। मंत्री ने प्रतिनिधिमंडल से वर्ल्ड ट्रेड सेंटर-यूटा, सिलिकॉन स्लोप्स और यूटा-आधारित स्टार्ट-अप्स को तेलंगाना के नवाचार प्लेटफार्मों जैसे टी-हब, टी-वर्क्स और वी-हब के साथ जोड़ने का आग्रह किया। उन्होंने तेलंगाना के प्रमुख संस्थानों और यूटा विश्वविद्यालय, ब्रिघम यंग विश्वविद्यालय (बीवाईयू) और न्यूमोंट विश्वविद्यालय सहित यूटा के विश्वविद्यालयों के बीच विशेष रूप से कृत्रिम बुद्धिमत्ता, साइबर सुरक्षा और उभरती प्रौद्योगिकियों के क्षेत्र में सहयोगात्मक अनुसंधान और शैक्षणिक कार्यक्रमों का भी प्रस्ताव रखा। श्रीधर बाबू ने कहा कि तेलंगाना सरकार यूटा राज्य के साथ एक मजबूत और दीर्घकालिक साझेदारी बनाने के लिए तैयार है, जो व्यापार और निवेश से आगे बढ़कर नवाचार, प्रौद्योगिकी और कौशल निर्माण तक फैलेगी। जवाब में, कार्लेबैक ने कहा कि यूटा तेलंगाना जैसे तेजी से बढ़ते, गतिशील और प्रगतिशील राज्य के साथ काम करने के लिए उत्सुक है और आने वाले महीनों में सहयोग को मजबूत करने की आशा करता है। प्रतिनिधिमंडल में यूटा हाउस के प्रतिनिधि जेसन थॉम्पसन, मैट मैकफ़र्सन, निकोल मैकफ़र्सन, आजीवन अध्यक्ष बीजे हॉक, जेकेडी के अध्यक्ष माइक नेल्सन, मोनेरे एआई के सीईओ और सह-संस्थापक मौ नंदी, भारत वैली एडवाइज़र्स के स्टीव वुड और सनहैश लोडे, इक्विप सोशल इम्पैक्ट टेक्नोलॉजीज के संस्थापक लक्ष्मीनारायण और आईआईआरएफ के प्रतिनिधि सौले शामिल थे।

ट्रेनों में चोरी करने वाला कुख्यात चोर तनेदार सिंह गिरफ्तार, दो राज्यों में 62 मामलों में शामिल

हैदराबाद, 7 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। विकाराबाद रेलवे पुलिस ने दक्षिण-मध्य रेलवे जोन के अंतर्गत चलने वाली ट्रेनों में कई डकैती और चोरी करने के आरोपी एक अंतर्राज्यीय चोर को गिरफ्तार किया है। आरोपी की पहचान तनेदार सिंह के रूप में हुई है। उसे एक विशेष पुलिस दल द्वारा समन्वित अभियान के बाद भारतनगर रेलवे स्टेशन पर गिरफ्तार कर लिया गया। लालगुडा एसपी कार्यालय में मीडिया को संबोधित करते हुए, रेलवे एसपी चंदना दीप्ति ने खुलासा किया कि तनेदार सिंह लंबे समय से ट्रेन यात्रा के दौरान यात्रियों को निशाना बनाकर उनमें दहशत पैदा कर रहा था। विश्वसनीय सूचना पर कार्रवाई करते हुए, पुलिस टीमों ने एक अभियान चलाया और उसे सफलतापूर्वक पकड़ लिया। एसपी चंदना दीप्ति ने बताया कि आरोपी एक आदतन अपराधी है जिसका लंबा आपराधिक रिकॉर्ड है। उन्होंने कहा, अब तक, तनेदार सिंह 62 चोरी और डकैती के मामलों में शामिल रहा है और कई बार जेल की सजा काट चुका है। गिरफ्तारी के दौरान, पुलिस ने उसके कब्जे से 96 ग्राम सोना, 43 ग्राम चांदी, 1,500 रुपये नकद और चार मोबाइल फोन जब्त किए। प्रारंभिक जांच से पता चला है कि उसने न केवल तेलंगाना में, बल्कि कर्नाटक में भी कई अपराध किए हैं। एसपी दीप्ति ने अभियान का समन्वय करने वाले रेलवे पुलिस कर्मियों के प्रयासों की सराहना की और ट्रेनों में यात्रियों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए विभाग की प्रतिबद्धता की पुष्टि की।

क्रिकेटर श्री चरणी के लिए 2.5 करोड़ रुपये और ग्रुप-I पद की घोषणा की

अमरावती, 7 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। मुख्यमंत्री एन. चंद्रबाबू नायुडू ने महिला क्रिकेट विश्व कप विजेता टीम की सदस्य श्री चरणी को 2.5 करोड़ रुपये, ग्रुप-I पद और 1,000 वर्ग गज आवासीय भूखंड देने की घोषणा की। श्री चरणी ने शुक्रवार को यहां कैंप कार्यालय में मुख्यमंत्री चंद्रबाबू नायुडू और मंत्री नारा लोकेश से मुलाकात की।

मुख्यमंत्री और लोकेश दोनों ने उन्हें इस उपलब्धि के लिए बधाई

देते हुए कहा कि विश्व कप जीतने से भारतीय महिलाओं की शक्ति दुनिया भर में उजागर हुई है। श्री चरणी और भारतीय महिला क्रिकेट टीम की पूर्व कप्तान मिताली राज ने मुख्यमंत्री को महिला क्रिकेट टीम की खिलाड़ियों द्वारा हस्ताक्षरित एक टी-शर्ट भेंट की। इससे पहले, विजयवाड़ा हवाई अड्डे पर मंत्री वंगालापुडी अनीता, एस. सविता, गुम्माडी संध्यारानी, आंध्र क्रिकेट संघ के अध्यक्ष केसिनेनी शिवनाथ, सचिव सना सतीश और एसएएपी अध्यक्ष अनिमिनी रविनायडू ने श्री चरणी का भव्य स्वागत किया।

एससीआर ने वंदे मातरम के 150 वर्ष पूरे होने का जश्न मनाया

हैदराबाद, 7 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। 'वंदे मातरम' के 150 वर्ष पूरे होने के उपलक्ष्य में आयोजित वर्ष भर चलने वाले समारोह के एक भाग के रूप में एससीआर के महाप्रबंधक संजय कुमार श्रीवास्तव और अपर महाप्रबंधक सत्य प्रकाश, वरिष्ठ अधिकारियों और कर्मचारियों ने शुक्रवार को रेल निलयम, सिकंदराबाद में राष्ट्रगीत प्रस्तुत किया। इस पहल का उद्देश्य बंकिम चंद्र चटर्जी के योगदान का सम्मान करना और मातृभूमि के प्रति एकता, बलिदान और प्रेम के मूल्यों की पुष्टि करना है।

दुब्बाक में कबाड़ की दुकान में आग

15 लाख का नुकसान

सिद्दीपेट, 7 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। दुब्बाक कस्बे में शुक्रवार को संदिग्ध शॉर्ट सर्किट से कबाड़ की एक दुकान में आग लग गई, जिससे लाखों रुपये का सामान जलकर राख हो गया।

जानकारी के अनुसार, आग लगने से करीब 15 लाख रुपये मूल्य का कबाड़ और दो दोपहिया वाहन नष्ट हो गए। स्थानीय लोगों ने धुआं उठता देख तत्काल दमकल विभाग को सूचना दी। सूचना पर पहुंची दमकल की एक गाड़ी ने दो घंटे की मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। आग इतनी भीषण थी कि आस-पास के क्षेत्र में अफरा-तफरी मच गई। दुकान के मालिक ने बताया कि आग में पूरा माल जल गया है और उसने सरकार से आर्थिक मदद की मांग की है। पुलिस ने घटना के कारणों की जांच शुरू कर दी है।

सड़कों पर धान सुखाने वाले किसानों के खिलाफ कार्रवाई की चेतावनी

मेदक एसपी बोले- धान के ढेरों से बढ़ रही हैं दुर्घटनाएं

मेदक, 7 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। पुलिस अधीक्षक डी.वी. श्रीनिवास राव ने शुक्रवार को किसानों को चेतावनी दी कि जो किसान सड़कों या सड़क किनारे धान और अन्य अनाज सुखा रहे हैं, उनके खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

उन्होंने कहा कि यह प्रथा न केवल यातायात में बाधा डाल रही है बल्कि लगातार दुर्घटनाओं का कारण भी बन रही है। एक प्रेस बयान में एसपी श्रीनिवास राव ने बताया कि कई किसान धान के ढेरों को तिरपाल और पत्थरों से ढककर सड़क पर फैला देते हैं, जिससे वाहन चालकों, खासकर दोपहिया सवारों को खतरा पैदा हो जाता है।

शमशाबाद में ट्रक में लगी आग से यातायात बाधित

हैदराबाद, 7 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। शमशाबाद में व्यस्त राष्ट्रीय राजमार्ग 44 पर शुक्रवार तड़के प्लास्टिक सामग्री से भरे एक ट्रक में अचानक आग लग गई, जिससे कुछ समय के लिए यातायात बाधित हो गया। हादसे में किसी के हताहत होने की सूचना नहीं है। जानकारी के अनुसार, ट्रक हैदराबाद से बेंगलुरू की ओर जा रहा था, तभी ट्रक के अगले हिस्से में अचानक आग लग गई। आग लगते ही ड्राइवर और क्लीनर ने तत्परता दिखाते हुए केबिन से कूदकर अपनी जान बचाई। देखते ही देखते पूरा ट्रक आग की लपटों में घिर गया। स्थानीय लोगों ने अपने स्तर पर पानी डालकर आग बुझाने की कोशिश की और नगर निगम का एक टैंकर भी मौके पर पहुंचा। इसके बाद दमकल विभाग की एक गाड़ी ने मौके पर पहुंचकर आग पर काबू पाया। घटना के बाद क्रेन की मदद से ट्रक को सड़क किनारे हटा दिया गया। आग बुझाने और राहत कार्य के दौरान कुछ समय के लिए राजमार्ग पर यातायात रोकना पड़ा। अग्निशमन अधिकारियों का कहना है कि आग शॉर्ट सर्किट के कारण लगी हो सकती है, हालांकि सटीक कारण का पता लगाया जा रहा है।

चिलुकुरू हॉटस्पॉट क्रिकेट ग्राउंड में संपांगी प्रीमियर लीग (एसपीएल) सीजन-2 मे् वॉरियर्स टीम विजयी रही। कप्तान सुरेश संपांगी के नेतृत्व में टीम को कप मिला। मुख्य अतिथि एनुगु रविंदर रेड्डी (पूर्व विधायक), डॉ. पलनाती वेंकट रेड्डी, जाफर, रामबाबू, बेलमकोंडा नागलक्ष्मी, बुरा श्रीनिवास और अन्य थे। संपांगी ग्रुप ऑफ कंपनीज के चेयरमैन लायन डॉ. रमेश संपांगी ने सभी टीमों, मीडिया और स्टाफ को धन्यवाद दिया।

निविदा सूचना सं. जी/ई.29/टीआर./टेंडर नोटिस/30/2025-26

कृते भारत के राष्ट्रपति की ओर से व के लिए, वरिष्ठ विभागीय बिजली अभियंता/ट्रैक्शन/गुंटकल द्वारा निम्न कार्यों हेतु ई-निविदाएं आमंत्रित है।

निविदा सं.-जीटीएल-टीआरडी-29-ईटीएन-58-2025-26, कार्य विवरणःएसडब्ल्यू-। गुंटकल डिवीजन-एचएक्स- जीटीएल डिवीजन के एसपी/एसएसपी/टीएसएस स्टेशनों पर केएनएलपी सेक्शन में मल्टिपल स्प्लाइसेज सहित पाटिनाइड कैटेनरी वाय़र का रिप्लेसमेंट या प्रतिस्थापन। एसडब्ल्यू-।।- गुंटकल डिवीजन- जन सुरक्षा कार्य। अनुमानित मूल्य रु.1,13,89,289.00, पूर्व धरोहर राशि रु.2,07,000.00

निविदा बंद करने की तिथि व समयः 27-11-2025 के 15.00 बजे

टिप्पणीः निविदाकार, निविदा दस्तावेज को निःशुल्क रुप में वेबसाइटः www.ireps.gov.in से डाउनलोड कर सकते हैं।

निविदा बोली लगाने या टेंडर बिड्डिंग एवं अन्य जानकारी हेतु http://www.ireps.gov.in पर लागिन करें। शुध्दिपत्र यदि कोई हो तो उसे केवल आनलाइन पर जारी किया जायेगा।

वरिष्ठ विभागीय बिजली अभियंता, ट्रैक्शन, गुंटकल

निविदा सूचना सं. जी/ई.29/टीआर./टेंडर नोटिस/31/2025-26

कृते भारत के राष्ट्रपति की ओर से व के लिए, वरिष्ठ विभागीय बिजली अभियंता/ट्रैक्शन/गुंटकल द्वारा निम्न कार्यों हेतु ई-निविदाएं आमंत्रित है।

निविदा सं.-जीटीएल-टीआरडी-29-ईटीएन-59-2025-26, कार्य विवरणःगुंटकल डिवीजन-तत्संबंधित डिवीजन पर सुरक्षा से संबंधित पोरसेलेन इंसुलेटर्स सहित कम्पोजिट इन्सुलेटर्स का रिप्लेसमेंट या प्रतिस्थापन। अनुमानित मूल्य रु.2,59,14,900.00, पूर्व धरोहर राशि रु.2,79,600.00

निविदा बंद करने की तिथि व समयः 28-11-2025 के 15.00 बजे

टिप्पणीः निविदाकार, निविदा दस्तावेज को निःशुल्क रुप में वेबसाइटः www.ireps.gov.in से डाउनलोड कर सकते हैं।

निविदा बोली लगाने या टेंडर बिड्डिंग एवं अन्य जानकारी हेतु http://www.ireps.gov.in पर लागिन करें। शुध्दिपत्र यदि कोई हो तो उसे केवल आनलाइन पर जारी किया जायेगा।

A1766 **वरिष्ठ विभागीय बिजली अभियंता, ट्रैक्शन, गुंटकल**

निविदा नियम शर्तें/अधिक जानकारी तथा निविदा दस्तावेजों की डाउनलोडिंग हेतु कृपया हमारे वेबसाइट्स https://www.ireps.gov.in अथवा www.scr.indianrailways.gov.in देखें।

दक्षिण मध्य रेलवे

हमें @SCRailwayIndia पर फॉलो करें. द.म. रेलवे की निविदा सूचनाओं के विवरणों को हमारी वेबसाइट : www.scr.indianrailways.gov.in पर देखा जा सकता है

नं. वाय/सी. ई-नीलामी/एचवायबी/2025-26, दि.06-11-2025

भारत के राष्ट्रपति की ओर से वरिष्ठ विभागीय वाणिज्यिक प्रबंधक, हैदराबाद डिवीजन, दक्षिण मध्य रेलवे-द.म.रे. द्वारा आईआरइपीएस वेबसाइटः https://www.ireps.gov.in के ई-नीलामी लीजिंग माड्यूल के माध्यम से ई-बोलियां आमंत्रित हैं। प्रकाशित कैटलॉग्स या सूचियों का विवरण निम्न प्रकार हैः

क्रम संख्या	श्रेणी	कैटलॉग नं	कार्य विवरणः	नीलामी तिथि	नीलामी शुरु समय	नीलामी बंद समय
1	एमएसएस-एचवायबी-एसटीपीडी-इवीसी-101-25-1 (छिटपुट-स्थैतिक सेवाएं-ईवी चार्जिंग स्टेशन्स)	एचवायबी-एसटीपीडी-इवीसी-101	रेल निलयम परिसरों में ईवी चार्जिंग स्टेशन	17.11.25	12:00	12:30
2	एमएसएस-एचवायबी-डीवायइ-बीएस-95-25-1 (छिटपुट-स्थैतिक सेवाएं-बैटरी स्वैपिंग स्टेशन्स)	एचवायबी-डीवायइ-बीएस-95	दयानंद नगर स्टेशन में बैटरी स्वैपिंग स्टेशन	17.11.25	12:10	12:40
3	एमएसएस-एचवायबी-एससीपी-एसटीजीइन.-102-25-1 (छिटपुट-स्थैतिक सेवाएं-स्थैतिक जनरल सिर्नापल्ली स्टेशन)	एचवायबी-एमएसएस-एससीपी-102	सिर्नापल्ली रेलवे स्टेशन पर टी कन्टेनर पाइंट	17.11.25	12:20	12:50
4	एमएसएस-एचवायबी-एफएम-एसटीजीइन.-103-25-1 (छिटपुट-स्थैतिक सेवाएं-स्थैतिक जनरल फलकनुमा स्टेशन)	एचवायबी-एमएसएस-एफएम-103	फलकनुमा स्टेशन पर फूड ट्रक का संचालन व रखरखाव	17.11.25	12:30	13:00
5	पार्किंग	एचवायबी-पीआरकेजी-048	04 स्टेशनों जैसे सीताफलमंडी व सफीलगुडा में पार्किंग लाट्स प्रदान करना	17.11.25	11.30	12:00
6	पार्किंग	एचवायबी-पीआरकेजी-047	गदवाल रेलवे स्टेशनों में पार्किंग लाट्स प्रदान करना	12.11.25	10.00	10.30

A1781 वरिष्ठ विभागीय वाणिज्यिक प्रबंधक, हैदराबाद

भारतीय चावल अनुसंधान संस्थान में किसान दिवस समारोह

हैदराबाद, 7 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद- भारतीय चावल अनुसंधान संस्थान (आईआईआरआर) ने 7 नवंबर को अपने राजेन्द्रगगर कैंपस में किसान दिवस का आयोजन किया। इस कार्यक्रम में आंध्र प्रदेश, तेलंगाना, पंजाब और कर्नाटक से लगभग 400 किसानों ने भाग लिया।

कार्यक्रम के अंतर्गत किसानों को उन्नत धान उत्पादन तकनीकों और प्रबंधन पद्धतियों से परिचित कराने के लिए एक फील्ड विजिट का भी आयोजन किया गया। किसानों ने भारतीय चावल अनुसंधान संस्थान द्वारा विकसित किस्मों डीआरआर धन 48, 60 और 79- की खेती में रुचि दिखाई और जल्द ही जारी की जाने वाली नई उच्च उत्पादक किस्म डीआरआर धन 87 की भी सराहना की।

संस्थान के निदेशक डॉ.आर. मीनाक्षी सुंदरम ने किसानों के कल्याण हेतु धान अनुसंधान में निरंतर प्रतिबद्धता को रेखांकित किया। डॉ.आर. महेंद्र कुमार, प्रधान वैज्ञानिक और प्रमुख, फसल उत्पादन ने संस्थान की प्रमुख उपलब्धियों की जानकारी दी।

विशिष्ट अतिथियों में श्रीमती जयश्री, मुख्य कार्यकारी अधिकारी, प्रकृति एनवायरनमेंट सोसाइटी, एस. जयपाल रेड्डी, अध्यक्ष, तेलंगाना राज्य एफपीओ एसोसिएशन, महबूबाबाद शामिल थे।

इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में डॉ.शेख एन. मीरा, निदेशक, एटारी ज़ोन दस उपस्थित रहे। उन्होंने भारतीय चावल अनुसंधान संस्थान द्वारा विकसित प्रमुख तकनीकों पर प्रकाश डाला और किसानों को इन्हें अपनाकर उत्पादन लागत कम करने की सलाह दी।

कार्यक्रम का संचालन डॉ.आर. महेंद्र कुमार, डॉ.एम.एस. प्रसाद और डॉ. अम्तुल वारिस ने किया तथा मेजबानी डॉ.सी.एच. पद्मावती और डॉ. ज्योति बद्री ने की।

मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी के बयान पर मुस्लिम संगठनों का विरोध

हैदराबाद, 7 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। नागरिक समाज संगठनों और मुस्लिम समुदाय की प्रमुख हस्तियों ने मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी के हालिया बयान की कड़ी निंदा करते हुए कांग्रेस आलाकमान से उन्हें तत्काल बर्खास्त करने की मांग की है।

साथ ही मुस्लिम समुदाय से आगामी जुबली हिल्स उपचुनाव में कांग्रेस को वोट न देने की अपील की गई है। शुक्रवार को हैदराबाद में आयोजित एक संवाददाता सम्मेलन में विभिन्न संगठनों के नेताओं ने कहा कि मुख्यमंत्री का बयान अपमानजनक और मुस्लिम विरोधी है। उल्लेखनीय है कि रेवंत रेड्डी ने हाल ही में एक चुनावी सभा में कहा था, कांग्रेस है तो मुसलमान है, कांग्रेस है तो आपकी इज्जत है, कांग्रेस नहीं है तो आप कुछ भी नहीं हैं।

पूर्व तट रेलवे

(1) सूचना सं.: eT-North-WAT-42-2025 दिनांक: 31.10.2025

कार्य का नाम : वाल्टियर मण्डल के सहायक मण्डल अभियन्ता/रायगड़ा के अधिकार क्षेत्र के अधीन रायपुर-विजयनगरम लाइन पर पार्वतीपुरम - सीतानगरम के बीच कि.मी.391/5-7 में समपार सं. RV-284 एवं कि.मी.394/23-25 में समपार सं. RV-288 पर मानवयुक्त समपार के बदले में एयर पुशिंग विधि द्वारा सीमित ऊंचाई वाले उपमार्ग (LHS) का निर्माण।

कार्य की अनुमानित लागत : ₹ 8,01,98,656.57, **EMD :** ₹ 5,51,000.00

(2) सूचना सं.: eT-North-WAT-43-2025 दिनांक: 31.10.2025

कार्य का नाम : वाल्टियर मण्डल के सहायक मण्डल अभियन्ता/रायगड़ा के अधिकार क्षेत्र के अधीन रायपुर-विजयनगरम लाइन पर पार्वतीपुरम - सीतानगरम के बीच कि.मी.397/01 में समपार सं. RV-290, कि.मी.398/12-13 में समपार सं. RV-291 एवं कि.मी.400/3-4 में समपार सं. RV-292 पर मानवयुक्त समपार के बदले में एयर पुशिंग विधि द्वारा सीमित ऊंचाई वाले उपमार्ग (LHS) का निर्माण।

कार्य की अनुमानित लागत : ₹ 12,13,96,069.88, **EMD :** ₹ 7,57,000.00

कार्य पूरा होने की अवधि : 12 (बारह) महीने (दोनों क्रम सं. के लिए)।

निविदा बंद होने की तिथि व समय : 25.11.2025 को 1500 बजे (दोनों निविदा के लिए)।

ऐसी ई-निविदा के तहत डाक / कूरियर / फैक्स या व्यक्तिगत रूप से भेजा गया कोई भी मैनुअल प्रस्ताव स्वीकार नहीं किया जायेगा, भले ही यह फर्म (Firm) के लेटर हेड एवं नियत समय पर प्राप्त किया गया हो। ऐसे सभी मैनुअल प्रस्ताव को अवैध माना जायेगा तथा उसके बारे में किसी विचार के बिना तत्काल निरस्त कर दिया जायेगा।

उपरोक्त ई-निविदा के ई-निविदा दस्तावेज सहित संपूर्ण जानकारी वेबसाइट : **www.ireps.gov.in** पर उपलब्ध होंगे।

द्रष्टव्य : प्रत्याशित निविदाकारों को यह सलाह दी जाती है कि इस ई-निविदा के लिए जारी कोई भी परिवर्तन / शुद्धिपत्र की ओर ध्यान देने के लिए वे निविदा बंद होने की कम से कम 15 (पन्द्रह) दिन पहले वेबसाइट का पुनः अवलोकन करें।

मण्डल रेलवे प्रबंधक (इंजीनियरिंग), वाल्टियर

PR-773/Q/25-26

भारत सरकार GOVERNMENT OF INDIA
अंतरिक्ष विभाग DEPARTMENT OF SPACE
भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन INDIAN SPACE RESEARCH ORGANISATION
राष्ट्रीय सुदूर संवेदन केंद्र NATIONAL REMOTE SENSING CENTRE
बालानगर, हैदराबाद BALANAGAR, HYDERABAD 500 037

विज्ञा.सं/ एनआरएससी/आरएमटी/4/2025 **दिनांक 10.11.2025**

राष्ट्रीय सुदूर संवेदन केंद्र (एनआरएससी), भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो), अंतरिक्ष विभाग (अं.वि.) के प्रमुख केंद्रों में से एक है। केंद्र निम्नलिखित पदों के लिए ऑनलाइन आवेदन आमंत्रित करता है: -
National Remote Sensing Centre (NRSC), one of the constituent Centres of Indian Space Research Organisation (ISRO), Department of Space, invites ONLINE applications for the following Posts:-

क्र.सं. Sl. No	पद का नाम Name of Post	पदों की संख्या No. of Vacancies
1	तकनीकी सहायक (सिविल) Technical Assistant (Civil)	01
2	तकनीकी सहायक (ऑटो मोबाइल) Technical Assistant (AutoMobile)	01
3	तकनीशयन-बी (इलेक्ट्रॉनिक मैकेनिक) Technician-B (Electronic Mechanic)	05
4	तकनीशयन-बी (सूचान प्रौद्योगिकी) Technician-B (Information Technology)	04
5	तकनीशयन-बी (इलेक्ट्रिकल) Technician-B (Electrical)	01
6	ड्राफ्ट्समैन-बी (सिविल) Draughtsman-B (Civil)	01

विस्तृत विज्ञापन एवं ऑनलाइन आवेदन करने के लिए कृपया https://www.nrsc.gov.in देखें
For detailed advertisement and to apply Online please visit https://www.nrsc.gov.in

ऑनलाइन पंजीकरण की प्रारंभिक तिथि Opening Date for On-line Registration:	10.11.2025 (1000 Hrs)
ऑनलाइन पंजीकरण की अंतिम तिथि Closing Date for On-line Registration:	30.11.2025 (1700 Hrs)

cbc49112/11/0008/2526

अक्षर पटेल बोले- पिछली गलतियों से सीखा, बाउंड्री के आकार को शॉट चयन पर हावी नहीं होने दिया

नई दिल्ली, 7 नवंबर (एजेंसियां)। ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ चौथे टी20 अंतरराष्ट्रीय में अपने हरफनमौला खेल से प्रभावित करने वाले भारतीय खिलाड़ी अक्षर पटेल ने कहा कि उन्होंने अपनी पिछली गलतियों से सीख लेते हुए बाउंड्री के आकार को अपने शॉट चयन पर हावी नहीं होने दिया।

अक्षर ने 11 गेंदों में एक चौका और एक छक्का की मदद से नाबाद 21 रन बनाए। उन्होंने इस दौरान आखिरी ओवर में मार्कस स्टोइनिस के खिलाफ लगातार गेंदों पर चौका और छक्का लगाकर टीम के स्कोर को 167 रन तक पहुंचाने में अहम योगदान दिया। अक्षर ने गेंद से भी कमाल करते हुए दो विकेट चटकाए। भारत ने इस मैच को 48 रन से जीतकर सीरीज में 2-1 की अजेय बढ़त बना ली।

'प्लेयर ऑफ द मैच' चुने गए अक्षर ने बीसीसीआई टीवी से कहा, 'जाहिर है, मुझे पता था कि यह मुश्किल होगा क्योंकि लगातार विकेट गिर रहे थे। ड्रेसिंग रूम से मुझे यही संदेश मिला कि मुझे आखिरी ओवर क्रीज पर डटे रहना है क्योंकि मेरे बाद कोई बल्लेबाज नहीं था।'

इस 31 साल के हरफनमौला ने कहा, 'मैंने सोचा कि आखिरी ओवर में जोखिम उठाउंगा। साइड की बाउंड्री की दूरी अधिक थी लेकिन मैंने सोचा कि अगर मैं अपनी लय बनाए रखूं और गेंद पर नजर रखूं तो मैं गेंद को बाउंड्री के पार भेज सकता हूं।'

उन्होंने कहा, 'मैंने पहले भी महसूस किया है कि अगर मैं बाउंड्री के आकार के बारे में सोचता था तो उस तरफ शॉट नहीं खेलता था।

ऐसे में यह पहले से तय शॉट बन जाता था और मैं गलतियां कर बैठता था। मैंने पिछली गलतियों से सबक लेकर यहां अपने शॉट में सुधार किए।' सीरीज का पांचवां और आखिरी टी20 मैच शनिवार को ब्रिसबेन में खेला जाएगा।

साउथ अफ्रीका ने पाकिस्तान को 8 विकेट से हराया सीरीज 1-1 से बराबरी पर पहुंची, डी कॉक का शतक

फैसलाबाद, 7 नवंबर (एजेंसियां)। फैसलाबाद में खेले गए दूसरे वनडे मैच में साउथ अफ्रीका ने पाकिस्तान को 8 विकेट से हराया। इस जीत के साथ तीन मैचों की वनडे सीरीज 1-1 से बराबरी पर आ गई। पाकिस्तान ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 269/9 का स्कोर बनाया। जवाब में प्रोटियाज टीम ने क्विंटन डिकॉक (123*) और टोनी डी जॉर्जी (76) की पारियों की मदद से 41वें ओवर में लक्ष्य हासिल किया।

पाकिस्तान की शुरुआत खराब रही

टॉस जीतकर बल्लेबाजी करने उतरी पाकिस्तान टीम की शुरुआत खराब रही। नांद्रे बर्गर ने अपनी तीसरी ही गेंद पर फखर जमान को डी कॉक के हाथों कैच कराया। इसके बाद कॉर्बिन बॉश ने बाबर आजम को एलबीडब्ल्यू

कराया। हालांकि रिव्यू पर वो बच गए। लेकिन बर्गर ने अगली ही ओवर में बाबर को स्लिप में डोनोवान फरेरा के हाथों कैच करवा दिया।

चार गेंद बाद ही मोहम्मद रिजवान भी बोल्ड हो गए। पांचवें ओवर में पाकिस्तान का स्कोर सिर्फ 22 रन पर तीन विकेट था।

नवाज ने संभाला मोर्चा

इसके बाद सईम अय्यूब और सलमान आगा ने चौथे विकेट के लिए साझेदारी की, लेकिन उनकी स्ट्राइक रेट बहुत कम रही।

अय्यूब के आउट होने के बाद भी रन गति नहीं बढ़ी। आखिर में मोहम्मद नवाज ने तेजी से रन बनाए। उन्होंने फॉर्च्यून और बॉश दोनों को छक्के लगाए और पाकिस्तान को 250 के पार पहुंचाया।

डी कॉक और टोनी डि जॉर्जी के बीच 153 रन की साझेदारी

270 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए साउथ अफ्रीका ने केवल दो विकेट गंवाकर लक्ष्य हासिल कर लिया। ओपनर लुवान-द्रे प्रिटोरियस और डी कॉक ने पहले विकेट के लिए 81 रन जोड़े। प्रिटोरियस ने आक्रामक बल्लेबाजी करते हुए शाहीन शाह अफरीदी और मोहम्मद वसीम पर अटैक किया, लेकिन 31 गेंदों में 32 रन पर आउट हो गए।

इसके बाद डी कॉक ने टोनी डि जॉर्जी के साथ मिलकर 153 रन की मजबूत साझेदारी कर पाकिस्तान के गेंदबाजों को पूरी तरह बेअसर कर दिया। डी कॉक ने 59 गेंद शेष रहते अपनी टीम को जीत दिलाई और अंत तक 123* रन बनाकर नाबाद रहे। डि जॉर्जी ने भी शानदार 85 रन बनाए। कप्तान मैथ्यू ब्रीट्जके 18* रन बनाकर डी कॉक के साथ नाबाद लौटे।

अवनि लेखरा : बचपन के हादसे ने बदली जिंदगी

फिर पैरालंपिक गोल्ड मेडलिस्ट बनकर खुद बनाई अपनी तकदीर

नई दिल्ली, 7 नवंबर (एजेंसियां)। पैरालंपिक गेम्स में 2 बार गोल्ड मेडल जीतकर इतिहास रचने वालीं भारतीय पैरा निशानेबाज अवनि लेखरा ने देश का मान बढ़ाया है। स्पाइनल कॉर्ड इंजरी के बावजूद अवनि ने दृढ़ संकल्प और मेहनत से विश्व स्तर पर भारत का नाम रोशन किया है। 8 नवंबर 2001 को जयपुर (राजस्थान) में जन्मीं अवनि को बचपन से ही काफी संघर्ष करना पड़ा। जब वह महज 11 साल की थीं, तो एक दुर्घटना के चलते कमर का निचला हिस्सा लकवाग्रस्त हो गया। इस हादसे ने अवनि की जिंदगी बदल दी। अब उन्हें व्हीलचेयर का सहारा लेना पड़ता था। इस हादसे का अवनि पर गहरा प्रभाव पड़ा। हल्का सामान उठाना भी उनके लिए मुश्किल था, लेकिन तमाम परेशानियों के बावजूद उन्होंने कभी हार नहीं मानी।

पिता का मानना था कि अगर अवनि को किसी खेल से जोड़ा जाए, तो उनकी मायूसी दूर हो सकती है। उन्होंने बेटी को शूटिंग

शुरू करने के लिए कहा।

इस हादसे के करीब 3 साल बाद अवनि शूटिंग में अपना करियर बनाने की ठान चुकी थीं। वह ओलंपिक गोल्ड मेडलिस्ट अभिनव बिंद्रा से काफी प्रेरित थीं।

2020 टोक्यो पैरालंपिक में अवनि ने गोल्ड जीतकर इतिहास रच दिया। उन्होंने 10 मीटर एयर राइफल एसएच 1 इवेंट के फाइनल में 249.6 के स्कोर के साथ गोल्ड जीता। वह पैरालंपिक में गोल्ड मेडल जीतने वाली पहली भारतीय महिला बनीं। इसी पैरालंपिक में उन्होंने 50 मीटर राइफल थ्री पोजीशन एसएच 1 में ब्रॉन्ज मेडल भी अपने नाम किया।

यह पैरालंपिक कोरोना महामारी के चलते साल 2021 में हुआ था। तीन साल बाद पेरिस में पैरालंपिक गेम्स का आयोजन होना था, जिससे 5 महीने पहले अवनि लेखरा को गाल ब्लैडर की पथरी निकलवाने के लिए ऑपरेशन करवाना पड़ा, जिससे उनकी ट्रेनिंग प्रभावित हुई, लेकिन इसके बावजूद उन्होंने शानदार प्रदर्शन करते हुए इतिहास रच दिया।

अवनि ने 2024 पैरालंपिक में 10 मीटर एयर राइफल एसएच 1 इवेंट के फाइनल में 249.7 अंक के साथ पैरालंपिक रिकॉर्ड बनाते हुए गोल्ड मेडल जीता।

इसी के साथ अवनि लेखरा पैरालंपिक गेम्स में 2 गोल्ड जीतने वाली पहली भारतीय महिला बनीं। वह पैरालंपिक में 3 मेडल जीतने वाली पहली भारतीय महिला भी हैं।

शूटिंग में उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए अवनि लेखरा को साल 2021 में मेजर ध्यानचंद खेल रत्न पुरस्कार, जबकि साल 2022 में पद्म श्री पुरस्कार से नावाजा गया। अवनि आज देश के लाखों युवाओं के लिए एक प्रेरणा स्त्रोत हैं।

'तू चुप रह, बल्ला बोलेगा': कंगारुओं से बहस पर शास्त्री ने सचिन को दी थी खास नसीहत, 34 साल पुराना किस्सा

नई दिल्ली, 7 नवंबर (एजेंसियां)। भारत के पूर्व कप्तान और कोच रवि शास्त्री ने हाल ही में एक मजेदार पुरानी घटना साझा की, जिसमें उनके साथ सचिन तेंदुलकर भी शामिल थे। यह किस्सा 1992 में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ सिडनी क्रिकेट ग्राउंड पर खेले गए टेस्ट मैच का है। उस वक्त सचिन अपने करियर के शुरुआती दौर में थे और मैदान पर ऑस्ट्रेलियाई खिलाड़ियों की स्लेजिंग का सामना कर रहे थे।

वॉ ब्रदर्स ने की थी स्लेजिंग

शास्त्री ने बताया कि जैसे ही उन्होंने शतक पूरा किया और सचिन क्रीज पर आए, स्टीव वॉ और मार्क वॉ लगातार सचिन को उकसाने की कोशिश कर रहे थे। उन्होंने बताया, 'सचिन से कहा जा रहा था- यू लिटिल दिस, यू लिटिल दैट। उसी वक्त माइक व्हिटनी, जो बारहवां खिलाड़ी था, मैदान पर आया और मुझसे बोल- अगर तू क्रीज से बाहर निकला तो सिर फोड़ दूंगा।'

शास्त्री का जवाब बना यादगार

शास्त्री ने बताया कि उस समय मैदान पर माइक लगे थे और खिलाड़ियों पर जुर्माना लग सकता था, इसलिए उन्होंने बीच पिच से ही जवाब दिया। उन्होंने कहा, 'मैंने माइक व्हिटनी से चिल्लाकर कहा- अगर तू गेंद फेंकने जितना अच्छा थ्रो कर पाता, तो आज ऑस्ट्रेलिया का 12वां खिलाड़ी नहीं होता। बस, उसके बाद मैदान पर सन्नाटा छा गया।'

'सचिन बोले- मैं भी दूंगा जवाब'

घटना के बाद सचिन ने शास्त्री से कहा, 'रुको, जब मैं सौ बनाऊंगा, तो मैं भी जवाब दूंगा।' तब शास्त्री ने मुस्कुराते हुए सचिन से कहा, 'तू चुप रह, तेरे पास क्लास है। तेरा बल्ला बोलेगा, बात करने का काम मुझे करने दे।' इसके बाद सचिन ने बल्ले से जवाब दिया और 100 से 200 तक बिना एक शब्द बोले रन बनाते गए। मैच खत्म होने पर वही ऑस्ट्रेलियाई खिलाड़ी भारतीय ड्रेसिंग रूम में आए और दोनों टीमों ने सम्मानपूर्वक मैच का अंत किया।

शास्त्री और सचिन, दो पीढ़ियों का मेल

रवि शास्त्री ने भारत के लिए 1981 से 1992 तक क्रिकेट खेला और एक ऑलराउंडर के रूप में खुद को स्थापित किया। इसी दौर में सचिन तेंदुलकर ने 1989 में डेब्यू किया और आने वाले वर्षों में विश्व क्रिकेट का सबसे बड़ा नाम बन गए।

जोकोविच ने यूनान में टेनिस की वापसी पर जीत हासिल की

डब्ल्यूटीए फाइनल्स में गॉफ ने पाओलिनी को हराया

यूनान, 7 नवंबर (एजेंसियां)। नोवाक जोकोविच ने यूनान में 30 साल से भी अधिक समय के बाद किसी शीर्ष स्तर के टेनिस टूर्नामेंट की वापसी पर शुरू में संघर्ष करने के बाद सीधे सेटों में जीत हासिल करके हेलेनिक चैंपियनशिप के क्वार्टर फाइनल में जगह बनाई। यूनान में 1994 के बाद पहली बार आयोजित किए जा रहे एलीट स्तर के टूर्नामेंट के पहले दौर में चिली के एलेजांद्रो ताबिलो को 7-6 (3), 6-1 से पराजित किया।

पहले सेट में दोनों खिलाड़ियों ने दबाव में अपनी सर्विस बरकरार रखी, जब तक कि जोकोविच टाईब्रेकर में जीत नहीं गए। दूसरे सेट में शीर्ष वरीयता प्राप्त खिलाड़ी ने दो बार ताबिलो

की सर्विस तोड़ी और मैच 90 मिनट में अपने नाम कर दिया।

इस वर्ष की शुरुआत में अपने परिवार के साथ एथेंस में बसने वाले जोकोविच ने मैच के बाद कहा, ''एथेंस ने खेलना वास्तव में घर जैसा लगता है। यहां के लोग मेरे साथ बहुत दोस्ताना व्यवहार करते हैं जिसने वास्तव में मेरे दिल को छू लिया।''

गॉफ ने डब्ल्यूटीए फाइनल्स में उम्मीद जीवंत रखी

गत चैंपियन कोको गॉफ ने जैस्मीन पाओलिनी पर 6-3, 6-2 से जीत के साथ डब्ल्यूटीए फाइनल्स टेनिस टूर्नामेंट के सेमीफाइनल में पहुंचने की अपनी उम्मीदों को जीवंत रखा। गॉफ को टूर्नामेंट के अपने शुरुआती मुकाबले में जेसिका पेगुला से तीन सेटों में हार का सामना करना पड़ा था।

उनका अगला मुकाबला शीर्ष रैंकिंग वाली एरिना सबालेंका से होगा। सेमीफाइनल में जगह बनाने के लिए उन्हें इस मैच में हर हाल में जीत दर्ज करनी होगी। सबालेंका ने पेगुला को 6-4, 2-6, 6-3 से हराकर पहले ही सेमीफाइनल में अपनी जगह सुरक्षित कर ली है।

पाओलिनी लगातार दो मैच में हार से सेमीफाइनल की दौड़ से बाहर हो गई है। वह अपनी जोड़ीदार सारा इरानी के साथ इस प्रतियोगिता में युगल मुकाबला भी खेल रही हैं।

वेस्टइंडीज के खिलाफ वनडे सीरीज के लिए न्यूजीलैंड टीम घोषित

विलियमसन को आराम, मैट हेनरी की टीम में वापसी

स्पोर्ट्स डेस्क, 7 नवंबर (एजेंसियां)।न्यूजीलैंड क्रिकेट टीम ने वेस्टइंडीज के खिलाफ तीन मैचों की वनडे सीरीज के लिए अपनी टीम का ऐलान कर दिया है। यह सीरीज 16 नवंबर से क्राइस्टचर्च में शुरू होगी। इस बार टीम के पूर्व कप्तान केन विलियमसन को आराम दिया गया है। तेज गेंदबाज मैट हेनरी की टीम में वापसी हुई है। वह इंग्लैंड के खिलाफ हाल ही में समाप्त हुई वनडे सीरीज के अंतिम दो मैच नहीं खेल सके थे, क्योंकि उन्हें पिंडली में खिंचाव की समस्या थी। अब वे पूरी तरह फिट होकर टीम में लौट आए हैं।

विलियमसन ने हाल ही में टी-20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास लेने की घोषणा की थी। वनडे सीरीज से विश्राम लेकर वे अगले महीने वेस्टइंडीज के खिलाफ होने वाली वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप

(WTC) सीरीज की तैयारी पर ध्यान देना चाहते हैं।

अनुभवी ऑलराउंडर मिचेल सेंटनर को टीम की कप्तानी सौंपी गई है। वहीं, तेज गेंदबाज मैट हेनरी चोट से उबरकर टीम में वापसी कर रहे हैं। सेंटनर की कप्तानी में न्यूजीलैंड ने हाल ही में इंग्लैंड को 3 वनडे मैचों की सीरीज में 3-0 से हराया था।

कई खिलाड़ी अभी भी चोटिल

टीम के कई खिलाड़ी अभी भी चोट से जूझ रहे हैं, जिनमें मोहम्मद अब्बास , फिन एलन , लॉकी फर्ग्यूसन , एडम मिल्ने , विल ओ'रूर्क , ग्लेन फिलिप्स और बेन सीयर्स शामिल हैं। इनके अनुपस्थित रहने के बावजूद ब्लेयर टिकनर को टीम में बरकरार रखा गया है। इंग्लैंड के खिलाफ टिकनर ने शानदार प्रदर्शन किया था।

कोच रॉब वॉल्टर ने टिकनर की तारीफ की

कोच रॉब वॉल्टर ने टिकनर की मेहनत की सराहना करते हुए कहा,'हम उनसे इससे बेहतर प्रदर्शन की उम्मीद नहीं कर सकते थे। उन्होंने अपनी गति और उछाल से इंग्लैंड के बल्लेबाजों को परेशान किया। यह उनके कड़े परिश्रम का नतीजा है।'

उन्होंने आगे कहा,'यह देखकर खुशी होती है जब कोई खिलाड़ी मौका मिलने पर खुद को साबित करता है। टिकनर हमारे लिए इस सीरीज़ में भी एक बड़ा हथियार साबित होंगे।'

मिचेल सेंटनर (कप्तान), माइकल ब्रेसवेल, मार्क चैपमैन, डेवॉन कॉनवे, जैकब डफी, ज़ैक फॉक्स, मैट हेनरी, काइल जेमिसन, टॉम लैथम, डैरिल मिचेल, रचिन रवींद्र, नाथन स्मिथ, ब्लेयर टिकनर, विल यंग।

सबालेंका डब्ल्यूटीए सेमीफाइनल में पहुंचीं : वर्ल्ड नंबर-1 ने गॉफ को हराया; अब अमांडा एनिसिमोवा से भिड़ेंगी

यूनान, 7 नवंबर (एजेंसियां)। वर्ल्ड-1 टेनिस खिलाड़ी आर्यना सबालेंका ने गुरुवार को कोको गॉफ को 7-6 (5), 6-2 से हराकर डब्ल्यूटीए फाइनल्स के सेमीफाइनल में जगह बना ली है। इस जीत के साथ ही उन्होंने ग्रुप स्टेज में लगातार तीसरी जीत हासिल की और गॉफ को टूर्नामेंट से बाहर कर दिया।

पहले सेट में पिछड़ने के बाद सबालेंका जीती

पहले सेट में गॉफ ने दो बार ब्रेक लेकर 5-3 की बढ़त बना ली थी। यहां तक कि उन्हें 5-2 की बढ़त लेने के दो मौके भी मिले। लेकिन सबालेंका ने वापसी की और इस सेट को 7-6 से जीत लिया। वहीं, दूसरे सेट में सबालेंका ने गॉफ को ज्यादा मौके नहीं दिए और आसानी से 6-2 से जीत लिया।

जेसिका पेगुला भी सेमीफाइनल में पहुंची

वहीं, सबालेंका के साथ ही जेसिका पेगुला भी सेमीफाइनल में पहुंच गई हैं। पेगुला ने पहले मुकाबले में जैस्मिन पाओलीनी को 6-2, 6-3 से हराया। इसके साथ ही ग्रुप स्टेज के 2 मैच जीते। उन्हें सबालेंका से हार का सामना करना पड़ा था। वहीं, गॉफ केवल पाओलीन से जीत पाईं। पाओलीनी तीनों मैच हारकर बाहर हो गईं।

सेमीफाइनल में सबालेंका का सामना अमांडा एनिसिमोवा से

अब सेमीफाइनल में सबालेंका का सामना अमांडा एनिसिमोवा से होगा। दोनों इस US ओपन के फाइनल में भी भिड़ी थी। दूसरी ओर पेगुला की भिड़ंत एलेना राइबाकिना से होगी।

महिला टेनिस के वार्षिक कैलेंडर में डब्ल्यूटीए फाइनल को चार ग्रैंड स्लैम के बाद सबसे अहम टूर्नामेंट माना जाता है। इसमें पूरे सीजन के प्रदर्शन के

आधार पर टॉप आठ सिंगल्स और टॉप आठ डबल्स टीमें हिस्सा लेती हैं।

अगर किसी साल किसी खिलाड़ी या टीम ने ग्रैंड स्लैम जीता है, लेकिन उनकी रैंकिंग 9वें से 20वें स्थान के बीच है, तो उन्हें भी आठवें स्थान के रूप में टूर्नामेंट में जगह दी जा सकती है।

यह टूर्नामेंट 1972 में वर्जीनिया स्लिम्स सर्किट चैंपियनशिप के रूप में शुरू हुआ था, जो बाद में WTA टूर फाइनल्स के नाम से जाना जाने लगा।

2003 से टूर्नामेंट का फॉर्मेट बदाव हुआ और खिलाड़ियों को चार-चार के दो समूहों में बांटा जाता है और हर खिलाड़ी तीन राउंड-रॉबिन मैच खेलती है। प्रत्येक समूह से टॉप दो खिलाड़ी सेमीफाइनल में पहुंचती हैं और फिर फाइनल मुकाबले से चैंपियन तय होता है। डब्ल्यूटीए फाइनल में ग्रैंड स्लैम के बाद सबसे ज्यादा पुरस्कार राशि और रैंकिंग अंक मिलते हैं। इस टूर्नामेंट के इतिहास में सबसे सफल खिलाड़ी मार्टिना नवरातिलोवा रही हैं, जिन्होंने 8 सिंगल्स और 13 डबल्स खिताब अपने नाम किए हैं।

इस साल दो ग्रुप स्टेफी ग्राफ और सेरेना विलियम्स ग्रुप है

इस साल स्टेफी ग्राफ और सेरेना विलियम्स दो ग्रुप हैं। स्टेफी ग्राफ ग्रुप में आर्यना सबालेंका, कोको गॉफ, जेसिका पेगुला,जैस्मिन पाओलीनी हैं। जबकि सेरेना विलियम्स ग्रुप में इगा स्वियातेक, अमांडा एनिसिमोवा, एलेना रायबाकिना और मैडिसन कीज शामिल हैं।

टीम में जगह न मिलने का पछतावा नहीं : सुनील छेत्री

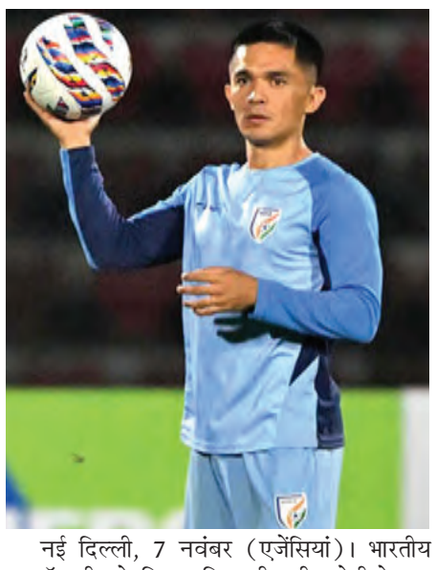

नई दिल्ली, 7 नवंबर (एजेंसियां)। भारतीय फुटबॉल टीम के दिग्गज खिलाड़ी सुनील छेत्री ने कहा है कि एशियाई कप क्वालीफायर के लिए भारतीय टीम के संभावितों में शामिल न होने का उन्हें कोई पछतावा नहीं है। छेत्री ने कहा है कि मैं फुटबॉल में इतने लंबे समय से हूं कि मुझे पता था कि ऐसा हो सकता है। मुझे इस बात का मलाल है कि भारत 2027 एशियाई कप फाइनल के लिए क्वालीफाई नहीं कर सका। हम ऐसी टीम नहीं हैं जो बस आकर जीत जाए। हमें कड़ी मेहनत करनी होगी, गति चाहिए, और चीजें हमारे अनुकूल होनी चाहिए। मैं यह नहीं कह रहा कि इसीलिए हम क्वालीफाई नहीं कर पाए, लेकिन इससे मदद मिलती। भारतीय सीनियर फुटबॉल टीम के मुख्य कोच खालिद जमील ने बुधवार को संभावित 23 खिलाड़ियों के नाम की घोषणा की। इसमें पूर्व कप्तान और दिग्गज फुटबॉलर सुनील छेत्री का नाम नहीं था।

सुनील छेत्री ने मार्च 2025 में संन्यास से वापसी करते हुए एएफसी एशियाई कप 2027 क्वालीफायर खेलने की इच्छा जाहिर की थी। उनका नाम फीफा अंतर्राष्ट्रीय विंडो के 30 संभावित खिलाड़ियों की सूची में शामिल किया गया था, लेकिन 23 खिलाड़ियों की सूची से उन्हें बाहर कर दिया गया है। तीन एएफसी एशियाई कप खेलने वाले एकमात्र भारतीय खिलाड़ी हाल में संपन्न सीएएफए नेशंस कप का भी हिस्सा नहीं थे।

छेत्री भारत के सफलतम फुटबॉल खिलाड़ियों में से एक हैं। उनका अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर सर्वाधिक गोल करने वाले खिलाड़ियों की सूची में मेसी चौथे नंबर पर हैं और 157 मैचों में 95 गोल कर चुके हैं। वे रोनाल्डो, मेसी और अली देई से पीछे हैं। छेत्री का अंतर्राष्ट्रीय करियर अब समाप्त माना जा रहा है।

साइबर अपराध पुलिस ने आठ राज्यों में छापा मारा

33 साइबर अपराध मामलों के 55 आरोपी गिरफ्तार

हैदराबाद, 7 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। साइबर अपराध पुलिस, हैदराबाद ने अक्टूबर माह में देश के आठ राज्यों में छापा मारा। इस दौरान 33 साइबर अपराध मामलों के 55 आरोपियों को गिरफ्तार किया गया। अक्टूबर 2025 के दौरान, हैदराबाद शहर के साइबर अपराध पुलिस स्टेशन ने 196 प्राथमिकी दर्ज कीं, विभिन्न मामलों में 55 आरोपियों को गिरफ्तार किया और पीड़ितों को 62,34,446 रुपये वापस किए। क्षेत्रीय साइबर प्रकोष्ठों ने 130 प्राथमिकी दर्ज कीं, 27 मामलों में 29 व्यक्तियों को गिरफ्तार किया और पीड़ितों को 18,22,818 रुपये वापस किए। इन 55 आरोपियों के पास 61 बैंक खाते हैं और इन बैंक खातों में कुल लगभग 107 करोड़ रुपये का लेनदेन हुआ है। गिरफ्तार आरोपी पूरे भारत में 136 मामलों में शामिल पाए गए, जिनमें तेलंगाना राज्य के 45 मामले शामिल हैं।

अक्टूबर-2025 माह में विशेष अभियानों के दौरान, साइबर अपराध पुलिस, हैदराबाद शहर ने 33 साइबर अपराध मामलों के संबंध में भारत भर के आठ विभिन्न राज्यों से 55 व्यक्तियों को गिरफ्तार किया। इनमें, व्यावसायिक धोखाधड़ी 02, क्रेडिट कार्ड धोखाधड़ी 01, डिजिटल गिरफ्तारी घोटाले 05, निवेश/व्यापार धोखाधड़ी 18, सोशल मीडिया से संबंधित अपराध 04, बीमा धोखाधड़ी 01, ऋण धोखाधड़ी 01, नौकरी धोखाधड़ी 01 शामिल हैं। इन मामलों में आंध्र प्रदेश 24, गुजरात 07, महाराष्ट्र 06, कर्नाटक 04, उत्तर प्रदेश 05, दिल्ली 02, हरियाणा 02, बिहार 02, तेलंगाना के 45 मामले है। आरोपियों के पास से मोबाइल फ़ोन 31, चेक बुक 14, पासबुक 01, एटीएम/डेबिट कार्ड 09, लैपटॉप 02, शेल कंपनी के स्टैम्प 03, सिम कार्ड 02 जब्त किया गया है। विभिन्न धोखाधड़ी के 5,68,48,478 रुपये वापस कराए गए। गिरफ्तार आरोपियों में हिमांशु सिंह, प्रतापगढ़, उत्तर प्रदेश, रमेश कुमार, निवासी लखनऊ, उत्तर प्रदेश, अभिषेक पांडे, निवासी लखनऊ, उत्तर प्रदेश, कोटा संदीप पुत्र कोटा श्रीनिवास, निवासी भगत सिंह रोड़, भवानीपुरम, विजयवाड़ा, आंध्र प्रदेश, कोटा श्रीनिवास, पुत्र: कोटा संभाशिव राव (दिवंगत), निवासी: भगत सिंह रोड़, भवानीपुरम, विजयवाड़ा, आंध्र प्रदेश, पवन कुमार, अभिलाष, नरसिंह गणेश को धारा 35(3) बीएनएस के तहत नोटिस जारी किया गया। पुलिस के अनुसार हिमांशु सिंह, एक पूर्व मीडियाकर्मी और सीएससी संचालक है। उन्होंने चीनी संचालकों से जुड़े साइबर धोखेबाजों के साथ सहयोग किया। उसने पीड़ितों के फोन में ओटीपी चुराने वाली एपीके फाइलें इंस्टॉल कीं, सिम कार्ड एकत्र किए और धोखेबाजों को बैंक ओटीपी, एसएमएस अलर्ट और लिंक किए गए ईमेल खातों तक सीधी पहुंच प्राप्त करने में सक्षम बनाया। आरोपी रमेश कुमार और अभिषेक पांडे ने कमीशन के आधार पर डिजिटल अरेस्ट धोखाधड़ी को सुविधाजनक बनाने के लिए अपने बैंक खाते उपलब्ध कराए, जिसमें 2 करोड़ से अधिक के लेनदेन शामिल थे। अन्य आरोपियों ने संयुक्त रूप से आईसीआईसीआई बैंक खाता खोला था, जिसके माध्यम से एक ही दिन में पीड़ित के 15 लाख रुपये सहित 1.14 करोड़ रुपये निकाले गए। आरोपी ने धोखाधड़ी की गई धनराशि को स्थानांतरित करने और निकालने के लिए खाता आपूर्तिकर्ता के रूप में काम किया। इस प्रकार, प्रत्येक आरोपी ने धोखाधड़ी की राशि एकत्र करने, स्थानांतरित करने और गबन करने में विशिष्ट भूमिका निभाई। निरीक्षक पी. प्रसाद राव, उप निरीक्षक- पी.एस. अभिषेक, ए. शैलेंद्र, ए. उमा और मुख्य निरीक्षक- ए. सतीश, पुलिस निरीक्षक- श्रीनिवास रेड्डी, एच. शेखर, क्रांति कुमार और अन्य के नेतृत्व वाली टीम ने मामले का खुलासा किया है।

अम्बेडकर विश्वविद्यालय में मतदाता जागरूकता आयोजित

हैदराबाद, 7 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। डॉ.बी.आर. अम्बेडकर मुक्त विश्वविद्यालय ने शुक्रवार को अपने परिसर में जुबली हिल्स विधानसभा उपचुनाव के एक भाग के रूप में, एसएचपीएस, चुनाव निगरानी समिति (भारत) के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ.बी. केशवुलु मुदिराज के तत्वावधान में 'चुनावों पर मतदाताओं को शिक्षित करना' विषय पर एक मतदाता जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया। इस अवसर पर, अकादमिक निदेशक प्रो.जी. पुष्प चक्रपाणि ने कर्मचारियों को 'मतदाता शपथ' दिलाई। एक जिम्मेदार मतदाता ने शपथ ली कि वह किसी भी परिस्थिति में किसी भी प्रलोभन में नहीं आएगा और जाति, क्षेत्र, धर्म, लिंग या भाषा के भेदभाव के बिना, लोकतांत्रिक तरीके से संवैधानिक अधिकार के रूप में अपने मताधिकार का स्वतंत्र रूप से प्रयोग करेगा। कार्यक्रम में सभी निदेशक, डीन, शाखाओं के प्रमुख, शिक्षण और गैर-शिक्षण कर्मचारियों के प्रतिनिधियों ने भाग लिया।

मादक पदार्थों के कारोबार में लिप्त नाइजीरियाई गिरफ्तार

कुल 22 विदेशी नागरिक गिरफ्तार व निर्वासित

हैदराबाद, 7 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। हैदराबाद सिटी पुलिस-विश्वसनीय सूचना के आधार पर, एच-न्यू टीम ने एक नाइजीरियाई को गिरफ्तार किया। उसे राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए हानिकारक अवांछनीय गतिविधियों में संलिप्तता रोकने के लिए निर्वासन की प्रक्रिया शुरू की और उसे उसके मूल देश भेज दिया।

पुलिस उप आयुक्त, टास्क फोर्स/एचएनईडब्ल्यू, हैदराबाद शहर, वाई.वी.एस. सुधींद्र ने बताया कि जॉन केनेडी चुक्वुमेका ओकोरो को होपी कप या जेक्सा के नाम से भी जाना जाता है। वह नाइजीरिया के मूल निवासी हैं और 2012 में बिजनेस वीजा पर मुंबई, भारत आए थे। वह कपड़ों के व्यवसाय से अपनी आजीविका चलाते थे।

पूछताछ करने पर पता चला कि उनके पासपोर्ट और वीजा की अवधि समाप्त हो चुकी थी। यह विदेशी नागरिक अक्सर बैंगलोर और हैदराबाद के बीच यात्रा करता था और भारत में अवैध रूप से रह रहा था। इसके अलावा, वह आसानी से पैसा कमाने के लिए नशीली दवाओं की तस्करी में भी शामिल हो गया। इसके अलावा, आसिफ नगर पुलिस स्टेशन की सीमा के भीतर संदिग्ध रूप से घूमते हुए, उसे पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया। विश्वसनीय जानकारी के आधार पर, उपरोक्त विदेशी नागरिक को हैदराबाद शहर में हैदराबाद नारकोटिक एन्फोर्समेंट विंग (एच-न्यू) द्वारा गिरफ्तार किया गया। पूछताछ करने पर, वह कोई उचित स्पष्टीकरण नहीं दे पाया। गहन तलाशी लेने पर, उसके पास से कोई नशीली दवा न तो मिली और न ही कोई जब्ती हुई। इसके अलावा, विदेशी क्षेत्रीय पंजीकरण कार्यालय (एफआरआरओ) के सहयोग से, उसकी असली पहचान का पता लगाने और उसके पासपोर्ट व वीजा के विवरण की पुष्टि करने के प्रयास किए गए। पता चला कि वह मूल रूप से 2012 में एक व्यावसायिक वीजा पर भारत आया था, हालांकि, उसके वीजा और पासपोर्ट दोनों की अवधि समाप्त हो चुकी है, और वह अपने देश वापस लौटे बिना अवैध रूप से देश में अधिक समय तक रह रहा है। इसके अलावा, यह भी पता चला है कि वह आसानी से पैसा कमाने के लिए नशीली दवाओं की तस्करी में शामिल है और ऐसी अवैध गतिविधियों से प्राप्त आय से एक शानदार जीवन शैली जी रहा है। इसलिए, हैदराबाद नारकोटिक प्रवर्तन शाखा (एच-न्यू) ने विदेशी क्षेत्रीय पंजीकरण कार्यालय (एफआरआरओ) की सहायता से, उपर्युक्त विदेशी नागरिक को उसके मूल देश वापस भेजने की प्रक्रिया पूरी की, क्योंकि यह अनुमान लगाया गया था कि भारत में उसके निरंतर प्रवास से नशीली दवाओं की तस्करी की गतिविधियों में और अधिक संलिप्तता हो सकती है। एच-न्यू ने एफआरआरओ कार्यालय के साथ समन्वय किया और उक्त विदेशी नागरिक को उसके मूल देश में सफलतापूर्वक निर्वासित कर दिया। एच-न्यू की स्थापना के बाद से, एच-न्यू ने भारत में अवैध रूप से रह रहे कुल 22 विदेशी नागरिकों को गिरफ्तार कर निर्वासित किया है। इनमें से 10 को इस वर्ष ही वीजा की अवधि से अधिक समय तक रहने और पासपोर्ट की वैधता समाप्त होने के कारण गिरफ्तार किया गया और तदनुसार निर्वासित किया गया। एफआरआरओ (विदेशी क्षेत्रीय पंजीकरण कार्यालय) के साथ घनिष्ठ समन्वय में, एच-न्यू ने सभी गिरफ्तार व्यक्तियों को उनके मूल देशों में सफलतापूर्वक निर्वासित किया है, जिससे आव्रजन कानूनों का कड़ाई से पालन सुनिश्चित हुआ है और राष्ट्रीय सुरक्षा प्रयासों को बल मिला है।

आम श्रद्धालुओं को दर्शन के लिए अधिक समय आवंटित किया जा रहा है : टीटीडी ईओ

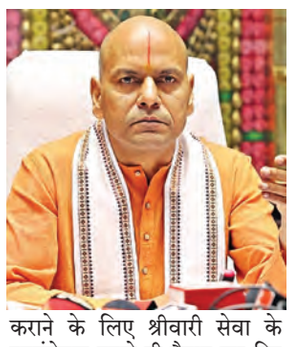

तिरुमला, 7 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। टीटीडी ईओ अनिल कुमार सिंघल ने कहा कि एक दिन में उपलब्ध दर्शन समय में वीआईपी और टिकट धारकों के बजाय केवल आम श्रद्धालुओं को प्राथमिकता दी जा रही है। शुक्रवार को तिरुमला के अन्नामय्या भवन में मासिक "डायल योर ईओ" कार्यक्रम आयोजित किया गया, जहां टीटीडी ईओ ने एक घंटे के लाइव फोन-इन कार्यक्रम के दौरान 17 तीर्थयात्रियों को फोन किया।

कॉल करने वालों को जवाब देते हुए, ईओ ने कहा कि 30 दिसंबर से 8 जनवरी तक दस दिनों के लिए निर्धारित वैकुंठ एकादशी द्वार दर्शन के टिकट और टोकन, पिछले अनुभव को ध्यान में रखते हुए, श्रद्धालुओं को किसी भी असुविधा से बचाने के लिए ऑनलाइन और ऑफलाइन विकल्पों की पूरी तरह से जांच करने के बाद जारी किए जाएंगे। उन्होंने कहा, हम पारदर्शी तरीके से टोकन आवंटित करने पर विचार कर रहे हैं और अंतिम रूप मिलने के बाद जल्द ही विवरण की जानकारी देंगे। जब कुछ कॉल करने वालों ने ईओ से दिव्यांग श्रद्धालुओं को बिना इंतजार किए कतार में खड़े होने की अनुमति देने के बारे में पूछा, तो ईओ ने उन्हें बताया कि टीटीडी ने दिव्यांग श्रद्धालुओं को बिना किसी असुविधा के दर्शन कराने के लिए श्रीवारी सेवा के स्वयंसेवक पहले ही तैनात कर दिए हैं। उन्होंने यह भी कहा कि प्रबंधन को अपने सभी श्रद्धालुओं के लिए परेशानी मुक्त दर्शन सुनिश्चित करना होगा।

इसी तरह, ईओ ने कुछ कॉल करने वालों को जवाब दिया जिन्होंने ऑनलाइन टिकटों की अग्रिम बुकिंग कम करने, तिरुपति में एसएसडी टोकन जारी करने के समय में बदलाव, श्रीवाणी टिकट आदि का सुझाव दिया था। टीटीडी तीर्थयात्रियों से प्राप्त प्रतिक्रिया के आधार पर निर्णय लेता है। हम कोई भी निर्णय लेने से पहले सभी संभावनाओं पर विचार करते हैं, भक्तों की बहुसंख्यक राय को ध्यान में रखते हुए, जो हम सर्वेक्षणों, व्हाट्सएप संदेशों, ईमेल और पत्रों के माध्यम से एकत्र करते हैं। ये निर्णय समय-समय पर बदलते रहते हैं।

आज भी, उपलब्ध दर्शन समय में, 70 प्रतिशत से अधिक समय आम भक्तों के लिए आवंटित किया जाता है। हालांकि, उन्होंने कहा कि टीटीडी बोर्ड ने दर्शन के विभिन्न स्वरूपों में आने वाली समस्याओं को हल करने और भक्तों के लिए परेशानी मुक्त दर्शन सुनिश्चित करने के लिए एक समिति का गठन किया है।

2023 में इंजीनियरिंग विभाग में जारी की गई नौकरी की अधिसूचना के अपडेट के बारे में एक कॉल का जवाब देते हुए उन्होंने कहा, यह समस्या 15 दिनों में हल हो जाएगी। ईओ ने एक कॉल का जवाब देते हुए एक बार फिर भक्तों से अपील की कि वे दर्शन टिकटों के लिए दलालों और बिचौलियों से संपर्क न करें।

शिकायतें नियमित रूप से प्राप्त होती हैं कि कुछ बिचौलिए पैसे लेकर भक्तों को ठगना। बिचौलियों पर भरोसा न करें। श्रीवाणी की शुरूआत का उद्देश्य बिचौलियों के खतरे से बचना है, साथ ही इसके धन का उपयोग पिछड़े क्षेत्रों में श्रीवारी मंदिरों के निर्माण में करना है। अन्य सुझावों में ग्राहकों को टीटीडी मासिक सप्तगिरि पत्रिका की शीघ्र आपूर्ति, जमानत राशि की उचित वापसी, टीटीडी द्वारा एक नेत्र बैंक शुरू करने की संभावना आदि शामिल थे।

केनरा बैंक ऑफिसर्स एसोसिएशन का 20वां त्रैवार्षिक राष्ट्रीय सम्मेलन विशाखापट्टनम के तट पर

विशाखापट्टनम, 7 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। केनरा बैंक ऑफिसर्स एसोसिएशन का 20वां त्रैवार्षिक राष्ट्रीय सम्मेलन 8, 9 और 10 नवंबर को विशाखापट्टनम के रेडिसन ब्लू होटल में आयोजित किया जाएगा।

इस एसोसिएशन में देश भर के 50,000 केनरा बैंक अधिकारी सदस्य हैं और इसके महासचिव तेलुगु के. रविकुमार हैं। केनरा बैंक के प्रबंध निदेशक और सीईओ के. सत्यनारायण राजू 8 तारीख को होने वाले उद्घाटन समारोह में मुख्य अतिथि होंगे। स्वागत समिति के अध्यक्ष राम प्रसाद ने एक बयान में कहा कि इन सम्मेलनों में देश भर से 6500 प्रतिनिधि भाग लेंगे।

Printed and published by Dr. Gireesh Sanghi on behalf of AGA Publications Ltd., at 396, Lower Tankbund, Hyderabad-500080 Editor: *Dhirendra Pratap Singh *responsible for selection of news under the PRB Act. Postal Licence H/SD/380/21-22, Phone:27644999. Fax:27642512, RNI No.69340/98, Regd.:No.AP/HIN/00196/01/1/97/TC.